राजस्थान विधान सभा की कार्यवाही का वृत्तान्त

अंक: 01] सोलहवीं विधान सभा के पहले सत्र का पैंतीसवां दिवस [संख्या: 04

मंगलवार,

23 जनवरी 2024

(राजस्थान विधान सभा की बैठक 11.00 बजे
राजस्थान विधान सभा भवन, जयपुर में प्रारम्भ हुई।)

(श्री वासुदेव देवनानी, अध्यक्ष, पदासीन)

तारांकित प्रश्नोत्तर

श्री अध्यक्ष: नमस्कार। नमस्कार।

अनेक माननीय सदस्य: जय श्री राम। जय श्री राम।

श्री अध्यक्ष: प्रश्न काल। सब लोग बैठिए। प्रश्न काल। बैठे-बैठे कोई नहीं बोलेगा।

श्री हनुमान बेनीवाल।

पेपर लीक के दर्ज प्रकरणों की एस.आई.टी. द्वारा जांच

1. **श्री हनुमान बेनीवाल** (खींवसर): क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:-

(1) क्या यह सही है कि सरकार ने पेपर लीक के दर्ज मामलों की जांच हेतु एसआईटी का गठन किया है? यदि हां, तो एसआईटी द्वारा किन-किन भर्ती परीक्षाओं की जांच की जाएगी? भर्ती परीक्षाओं के नाम सहित विवरण सदन की मेज़ पर रखें।

(2) प्रदेश में 01 जनवरी, 2014 से अब तक किन-किन भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक के मामले सामने आए तथा उक्त मामलों में किन-किन के विरुद्ध क्या-क्या कार्यवाही की गई? विवरण सदन की मेज़ पर रखें।

श्री गजेन्द्र सिंह (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री): (1) जी हां। राज्य में विभिन्न परीक्षाओं में पेपर से सम्बन्धित घटनाओं मे उत्तरोत्तर वृद्धि को देखते हुए पेपर लीक की रोकथाम एवं इसके सम्बन्ध में दर्ज मामलों में त्वरित जांच एवं दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही किये जाने के लिए राज्य सरकार के आदेश दिनांक 15.12.2023 (परिशिष्ट अ) द्वारा एसआईटी गठन किये जाने के निर्देश की पालना में महानिदेशक पुलिस, राजस्थान के आदेश दिनांक

(श्री गजेन्द्र सिंह)

16.12.2023 द्वारा श्री वी.के. सिंह, अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस, तकनीकी सेवाएं (टेलीकम्यूनिकेशन एवं टेक्निकल) राज., जयपुर के नेतृत्व में स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) का गठन किया गया है। स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) गठन का आदेश परिशिष्ट-ब पर संलग्न है।

स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) द्वारा वर्तमान में राजस्थान पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा 2021 (अभियोग संख्या 13/22 थाना एसओजी), सीएचओ भर्ती परीक्षा 2020 (अभियोग संख्या 19/22 थाना एसओजी), वरिष्ठ अध्यापक भर्ती परीक्षा 2022 (अभियोग संख्या 227/22, थाना बेकरिया, उदयपुर), वरिष्ठ अध्यापक भर्ती परीक्षा 2022 (अभियोग संख्या 747/22, थाना सुखेर, उदयपुर) रीट भर्ती परीक्षा 2021 (अभियोग संख्या 402/21, थाना गंगापुर सिटी, गंगापुर सिटी), कनिष्ठ अभियंता (डिग्री) भर्ती परीक्षा 2020 (अभियोग संख्या 540/20 थाना सांगानेर जयपुर पूर्व) हाई कोर्ट लिपिक भर्ती परीक्षा 2020 (अभियोग संख्या 136/22 थाना कोतवाली दौसा) की जांच की जा रही है।

(2) प्रदेश में 01 जनवरी, 2014 से आज तक पेपर लीक के कुल दर्ज 33 प्रकरणों में 615 व्यक्तियों की गिरफ्तारी हुई है व 32 प्रकरणों में चालान पेश किया जा चुका है व 01 प्रकरण में अनुसंधान जारी है। विवरण परिशिष्ट-स पर संलग्न है।

(प्रति व विवरण पुस्तकालय में रखे गये)

श्री अध्यक्ष: पूरक प्रश्न।

श्री हनुमान बेनीवाल (खींवसर): अध्यक्ष महोदय, जो पेपर लीक की घटनाएं पिछले पांच साल के दरमियान हुईं, उससे पहले भी कोई नई बात नहीं है, हमेशा राजस्थान शर्मसार हुआ। पेपर लीक घटनाओं के खिलाफ जो आंदोलन आपके नेतृत्व में..

श्री अध्यक्ष: प्रश्न पूछिए।

श्री हनुमान बेनीवाल (खींवसर): एक मिनट, साहब थोड़ी भूमिका तो बनाऊंगा। ऐसे ही प्रश्न पूछिए। कमाल कर रहे हो। इतने साल बाद तो वापस हाउस में आए हैं। जैसे डा. साहब किरोड़ी जी आए, राठौड़ साहब राज्यवर्धन जी बैठे हैं, लोक सभा में इन्होंने भी रीट का मामला उठाया था। डा. साहब हमेशा आंदोलन करते थे और आपको इसका फायदा भी मिला। लड़कों ने कहा कि

(श्री हनुमान बेनीवाल)

आरपीएससी, माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, कर्मचारी चयन आयोग भ्रष्टाचार में लिप्त है। राजस्थान के नौजवानों का भरोसा उठ गया था। मेरी मांग यह है एसआईटी गठन की तो, साहब, कोई बात ही नहीं थी।

श्री अध्यक्ष: माननीय, आप तो प्रश्न पूछिए।

श्री हनुमान बेनीवाल (खींवसर): एक मिनट, अध्यक्ष महोदय, सवाल पूछने दें। मामला यह था, आप जब चुनाव में गए तो आपने कहा था कि जैसे ही हमारी सरकार आएगी हम सीबीआई जांच कराएंगे। अध्यक्ष महोदय, आप बताइये, एक-एक करके दो सवाल पूछ लूं या एक साथ पूछ लूं? एक-एक करके, आधा-आधा मिनट।

श्री अध्यक्ष: आप पहला प्रश्न पूछिए। दो प्रश्न पूछिए।

श्री हनुमान बेनीवाल (खींवसर): मंत्री जी, मेरा आपसे यह निवेदन है कि रीट भर्ती परीक्षा 2021, वरिष्ठ अध्यापक भर्ती परीक्षा 2022, सीएचओ भर्ती परीक्षा 2020, हाईकोर्ट लिपिक भर्ती परीक्षा 2020, कनिष्ठ अभियंता डिग्री भर्ती परीक्षा 2020, राजस्थान पुलिस कांस्टेबल 2021 से जुड़े हुए मामलों को आप एसआईटी जांच के मामलों में तो ले आए, क्या सरकार इन तमाम भर्ती परीक्षाओं की जांच सीबीआई से कराने की मंशा रखती है, ताकि पर्दे के पीछे बैठे असली गुनहगार मगरमच्छों के नाम भी उजागर होकर उनके विरुद्ध कार्यवाही हो सके? यदि हां, तो कब तक, नहीं, तो क्यों? क्योंकि आपकी पार्टी.....

श्री अध्यक्ष: बैठिए। प्रश्न हो गया, उत्तर आने दें।

श्री हनुमान बेनीवाल (खींवसर): सवाल तो पूरा कर लूं। साहब, यह तो प्रश्न काल है, लाटरी से आता है। आपके नेताओं ने सीबीआई जांच की मांग की थी? यह मेरा सवाल है। गृह मंत्री जी, आप बताइये।

श्री अध्यक्ष: माननीय मंत्री जी।

श्री गजेन्द्र सिंह (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, 15 दिसम्बर को माननीय मुख्य मंत्री जी ने शपथ ग्रहण की और 16 दिसम्बर को एसआईटी गठित की और एंटी गैंगस्टर भी गठित की। आपके माध्यम से मैं आपको यह बताना चाहूंगा कि 2021 में ऐसे पांच बड़े पेपर लीक केसेज थे, 2022 में दस हुए और 2023 में पांच हुए। जब से हमारी सरकार आई है, दो पेपर्स हुए हैं, उनमें कोई लीक या कोई समस्या नहीं आई है। 33 में से 32 केस लॉज हुए हैं, उसमें अरेस्ट हुए हैं, चार्जशीट हुई है, एक

(श्री गजेन्द्र सिंह)

में हाई कोर्ट आर्डर से स्टे है। 615 एक्यूज्ड हैं वह अरेस्टेड हैं, 49 गवर्नमेंट आफिसर्स अरेस्ट हुए हैं, मैनली टीचर्स, 49 में से 11 टीचर्स को डिस्मिस किया गया है।

श्री हनुमान बेनीवाल (खींवसर): आप उत्तर दीजिए, इतना लम्बा-चौड़ा ...(व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: माननीय सदस्य, बैठिए। उत्तर सुनो, बैठिए।

श्री गजेन्द्र सिंह (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री): अध्यक्ष महोदय, एसआईटी का गठन अभी एक महीने पहले ही हुआ है।

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): अध्यक्ष महोदय।

श्री अध्यक्ष: जिनका प्रश्न है वह पूछ रहे हैं। उनका ही प्रश्न है इसलिए वही पूछेंगे अभी।

श्री गजेन्द्र सिंह (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री): एसआईटी और एसओजी जांच कर रही है।

श्री अध्यक्ष: उनका दूसरा उत्तर आ जाए।

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): उनका हो जाए, उसके बाद।

श्री गजेन्द्र सिंह (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री): एसओजी और एसआईटी का अभी एक महीने पहले गठन हुआ है, वह साथ काम कर रही है। वह अपनी कार्यवाही कर रही है और वह अगर उचित समझेगी तो उसको सीबीआई को भेजने के लिए, जो उनकी जांच करेंगे, अधिकारी करेंगे, वह उचित कार्यवाही करके रिपोर्ट पेश करेगे, उसके आगे हम कार्यवाही करेंगे।

श्री अध्यक्ष: दूसरा कोई प्रश्न हो तो पूछिए।

श्री हनुमान बेनीवाल (खींवसर): अध्यक्ष महोदय, मेरा निवेदन यह था कि आपकी सरकार बनते ही आपने एक आदेश यह जारी किया था कि पहले जो पुरानी कांग्रेस की सरकार थी, उन्होंने यह कह दिया कि दिल्ली के जो महकमे राजस्थान के अन्दर हैं उसमें सीधी सीबीआई नहीं आ सकती, आपने रोक लगा दी। आपने यह तो आदेश ले लिया कि अब सीबीआई स्टेट की बिना अनुमति के, जो केन्द्र सरकार के महकमे हैं उनमें आ सकती है लेकिन यह अनुशंसा तो आपको करनी पड़ेगी जब ही सीबीआई किसी केस के अन्दर आएगी, तो कृपया आप इन मामलों पर अनुशंसा करें।

श्री अध्यक्ष: बैठिए, प्रश्न आ गया।

श्री हनुमान बेनीवाल (खींवसर): एक मिनट, सवाल तो पूछ लूं।

श्री अध्यक्ष: पूछ लिया न।

श्री हनुमान बेनीवाल (खींवसर): यह तो मैंने आदेश बताया था। सवाल यह है कि आपने एसआईटी का गठन कर दिया। वी.के. सिंह इसके चेयरमैन हैं। वी.के. सिंह जी तो खुद लगातार पांच साल तक वहां इंटरव्यू लेने जाते थे। मैं कोई उन पर आरोप नहीं कर रहा, मेरी बात सुनिए। एस आई टी गठन करने के 40 दिन बाद आप यह बताएं कि जो आरोप पिछली बार माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष पर लगे थे, डीपी जारोली, आरपीएससी चेयरमैन, राजस्थान कर्मचारी बोर्ड के अध्यक्ष और आला ब्यूरोक्रेट, पूर्व मंत्रियों, पूर्व मुख्य मंत्री के सी एम ओ में रहे नजदीकी अफ़सरों और नेताओं से क्या एस आई टी ने पूछताछ की? जिन पर आपकी पार्टी, भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने आरोप लगाए। यदि की है तो किन-किन लोगों से एस आई टी ने पूछताछ की? नहीं की तो उन्होंने पूछताछ क्यों नहीं की? माननीय मंत्री जी, यही मेरा सवाल है। कम से कम एसआईटी के बारे में तो ...(व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: बैठिए, प्रश्न आ गया।

श्री गजेन्द्र सिंह (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री): अध्यक्ष महोदय, हमारे एस आई टी के चीफ हैं वह सीबीआई में रह चुके हैं। यदि किसी पर्टिकुलर मामले में माननीय सदस्य को कोई डेटा चाहिए तो आज ही एस आई टी के साथ आपकी मीटिंग करा देंगे और आप उसके बारे में डिस्कस कर सकते हैं ...(व्यवधान)

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): अध्यक्ष महोदय ....

श्री अध्यक्ष: आप बैठिए, आपको अनुमति नहीं मिली है। (व्यवधान) माननीय सदस्य, अभी अनुमति नहीं। जवाब आ रहा है। आपका हो गया, दो प्रश्न हो गए, अब आप बैठिए।

श्री हनुमान बेनीवाल (खींवसर): एक मिनट। एक सवाल कर रहा हूं।

श्री अध्यक्ष: माननीय सदस्य, आपको अनुमति दी, दो प्रश्न आपने पूछ लिए। (व्यवधान)

श्री हनुमान बेनीवाल (खींवसर): बोहरा जी, एक मिनट। देखिए, सर, आप हमारा संरक्षण पहले भी करते थे। (व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: बिना अनुमति के कोई नहीं बोलेगा।

श्री हनुमान बेनीवाल (खींवसर): अध्यक्ष महोदय, आपको यहां संघर्ष करते हुए हमने देखा है, इसलिए मैं आपसे पूछ रहा हूं। मेरा लास्ट सवाल है मंत्री जी से। मंत्री जी, आप इतना-सा बता दें कि 2018 के अन्दर जब बीजेपी की सरकार थी, शिव सिंह राठौड़ नियुक्त हुए थे, वह 2021 में थे कार्यवाहक चेयरमैन, 18.12.2021 को यूनेस्को ग्लोबल के सन्दर्भ में जिस विस्तार के साथ उन्होंने ट्वीट किया, ट्वीट कुछ दिनों बाद आयोजित हुई आरएएस मुख्य परीक्षा में सवाल के रूप में आया, जो व्यक्ति 2018 से विवादित था उसके द्वारा पहले ही ट्वीट करके सवाल का हिंट करना गम्भीर मामला रहा, ऐसे में क्या सरकार आरएएस 2018 व आरएएस 2021 की मुख्य परीक्षाओं की कापियों की जांच एस आई टी या सी बी आई से कराने का विचार रखती है, जिसको लेकर आप ही के पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने आरोप भी लगाए थे?

श्री अध्यक्ष: बैठिये।

श्री हनुमान बेनीवाल (खींवसर): क्या कांग्रेस की तर्ज पर आप भी मिला-जुली का खेल करोगे? यह मेरा आरोप है। माननीय अध्यक्ष महोदय, आप सी.बी.आई. से जांच करायें इन मामलों की।

श्री अध्यक्ष: बैठिये। माननीय सदस्य, आप बैठिये। अंकित नहीं हो। अंकित नहीं हो।

श्री हनुमान बेनीवाल (खींवसर): 000

श्री अध्यक्ष: अंकित नहीं होगा। हां, अंकित नहीं होगा।

श्री हनुमान बेनीवाल (खींवसर): 000

श्री अध्यक्ष: अभी भाषण नहीं होगा। अभी तो केवल प्रश्न का उत्तर आयेगा। आप बैठिये। आप बैठिये। I will name you. एक सैकण्ड। (व्यवधान)

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय से यह पूछना चाहता हूं कि यह जो आपने 33 प्रकरण बताये हैं ...(व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: कोई नहीं बोलेगा, भाई। (व्यवधान) इनको मैंने अलाउ किया है।

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): आपने जो जवाब में 33 प्रकरण बताये हैं, जो परीक्षा पत्र आउट हुए हैं, उसमें पूर्व सरकार के कितने हैं और उससे पूर्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार के समय में कितने पेपर

(श्री गोविन्द सिंह डोटासरा)

लीक हुए थे और यह जो एक प्रकरण है, यह कौनसा प्रकरण है, जिसका चालान नहीं हुआ है? माननीय अध्यक्ष महोदय, ...(व्यवधान)

श्री संजय शर्मा (राज्य मंत्री, वन): यह किस बिहाफ पर बोल रहे हैं? सबसे बड़ा अपराधी तो यही है। (व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: माननीय सदस्य। आसन पांवों पर है। (व्यवधान)

श्री संजय शर्मा (राज्य मंत्री, वन): नाथी का बाड़ा है, नाथी का बाड़ा। (व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: आसन पांवों पर है। बैठिये-बैठिये। (व्यवधान)

श्री संजय शर्मा (राज्य मंत्री, वन): 'नाथी का बाड़ा' कैसे बोल सकता है? जिसके ऊपर आरोप हो, वह कैसे बोल सकता है? (व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: बैठिये। माननीय मंत्री महोदय, बैठिये। आप मंत्री हैं, बैठिये। मंत्रियों को खड़ा नहीं होना है। आप बैठिये। आप बैठिये। यह क्या तमाशा है? वरना मुझे कठोर कदम उठाना पड़ेगा। माननीय मंत्री महोदय, बिना अनुमति के कोई भी नहीं बोलेगा। आप सब एकदम से खड़े हो जाते हो, इधर भी खड़े हो जाते हैं। यह ठीक नहीं है। आप चुप रहिये। मुझे सदन चलाना है या स्थगित करना है? (व्यवधान) मैं इसको बर्दाश्त नहीं करूंगा। (व्यवधान) यह इनका एक प्रश्न है, इनको पूछने दीजिए। पूछें। (व्यवधान)

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): भारतीय जनता पार्टी की सरकार में 2013 से 2018 के बीच में कितने पेपर लीक हुए और पिछली सरकार में कितने पेपर लीक हुए? यह जो एक प्रकरण है, इसकी जांच कहां तक पहुंची, कितने मुलजिम गिरफ्तार हुए और इस जांच को कब तक आप पूरा कर देंगे?

श्री अध्यक्ष: बैठिये, आ गया प्रश्न। आप उत्तर दीजिए।

श्री जितेन्द्र कुमार गोठवाल (खण्डार): आपने कितने पेपर लीक करवाये?

श्री अध्यक्ष: आप कैसे बोल रहे हैं? माननीय सदस्य। I will name you.

श्री गजेन्द्र सिंह (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, 615 लोग एक्यूज्ड हैं और जैसा मैंने आपको बताया कि मेरे पास जो विवरण है, 2021 में 5 बड़े कांड हुए थे, 2022 में 10 हुए थे और 2023 में 5 हुए थे। (व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: हो गया। अगला प्रश्न। यदि आप उत्तर नहीं सुनना चाह रहे हैं तो हो गया। आपकी तरफ से इन्होंने पूछ लिया। जिसका प्रश्न है वह पूछेगा या ज्यादा से ज्यादा ये पूछेंगे। बैठिये। (व्यवधान)

श्री गजेन्द्र सिंह (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, एक मिनट। मुझे कम्प्लीट करने दो। (व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: अगला प्रश्न। श्री रोहित बौहरा। अगला प्रश्न पूछना है? श्री रोहित बौहरा, आपको नहीं पूछना है?

श्री टीकाराम जूली (नेता, प्रतिपक्ष): माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरा प्रश्न है। (व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: आप चर्चा में आइये। आप चर्चा में आइये। उसके लिए अलग से चर्चा करवाएंगे। उसके लिए अलग से चर्चा होगी।

श्री गजेन्द्र सिंह (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, एक मिनट आप विराजें। एक मिनट। (व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: बैठिये। आसन पांवों पर। I tell you, हनुमानजी, मैं पहले आपको कहूंगा। यह मेरा काम है। यह मेरा काम है। आप बैठिये। आप नहीं बैठें तो फिर जाइये। I will name you. नहीं तो आपको बाहर भेजना पड़ेगा। पहले ही दिन ऐसा वातावरण मत बनाइये कि मुझे यह कहना पड़े। अन्कंट्रोल्ड नहीं होने दूंगा। हाउस को अन्कंट्रोल्ड नहीं होने दूंगा। (व्यवधान) अब अगला प्रश्न है, श्री रोहित बौहरा।

श्री गजेन्द्र सिंह (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, ...(व्यवधान)

श्री टीकाराम जूली (नेता, प्रतिपक्ष): जवाब दिलवाइये।

श्री अध्यक्ष: जवाब आ गया। जो इन्होंने प्रश्न पूछा है, उसका जवाब आ गया।

श्री गजेन्द्र सिंह (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं इनका जवाब दे रहा हूं। इनका जवाब दे रहा हूं।(व्यवधान)

श्री टीकाराम जूली (नेता, प्रतिपक्ष): जवाब नहीं आया। (व्यवधान)

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): नहीं आया।

श्री अध्यक्ष: आ गया। आप बैठिये। आप पुराने माननीय सदस्य हैं। आप अनुभवी हैं, आप बैठिये। आप बैठिये। शांति रखें। अब अंकित नहीं होगा।

श्री रोहित बौहरा, आप पूछिये।

सदन कूप

(कांग्रेस के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में प्रवेश एवं नारे)

अगला प्रश्न। 15 मिनट हो गये इसी में। इसमें 15 मिनट हो गये। एक में पांच-सात मिनट से ज्यादा नहीं दे सकते। इतना ज्यादा नहीं दे सकते। श्री रोहित बौहरा। इस प्रश्न का उत्तर आ गया। इस प्रश्न का उत्तर आ गया। अब श्री रोहित बौहरा। आप बोलिये नहीं तो अगला प्रश्न पुकारूंगा। आप बोलिये। (व्यवधान)

विधायक कोष की किस्त की राशि का आबंटन

2. श्री रोहित बौहरा (राजाखेड़ा): क्या ग्रामीण विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:-

क्या यह सही है कि सरकार द्वारा वर्ष 2022-23 की विधायक कोष की द्वितीय किस्त को अब तक जारी नहीं किया है? यदि हां, तो क्यों? सरकार उक्त किस्त की राशि को कब तक जारी करने का विचार रखती है? विवरण सदन की मेज पर रखें।

श्री अध्यक्ष: माननीय मंत्री महोदय। (व्यवधान) अब अगला प्रश्न आ गया। आप बैठिये। आप इनको अपने चैम्बर में बुला लेना। आप बैठिये।

श्री गजेन्द्र सिंह (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, ऐसा है कि एक कलाम कोचिंग सेंटर सीकर में है। ...(व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: मैंने कहा है कि इसका उत्तर आ गया। मैंने अगला प्रश्न पुकार लिया है, आप बैठिये। (व्यवधान) माननीय सदस्य, आप बैठिये अन्यथा मुझे नाम लेना पड़ेगा। आप बैठिये। अगला प्रश्न रोहित बौहरा का है। मंत्रीजी, आप उत्तर दें। (व्यवधान) माननीय ग्रामीण विकास मंत्री। आप बैठिये। आप सब बैठिये। आसन पांवों पर है। मैंने अगला प्रश्न पुकार लिया है, आप बैठिये। अगला प्रश्न आयेगा। माननीय मंत्री महोदय, ग्रामीण विकास, जवाब दीजिए। (व्यवधान) आप जवाब दीजिए।

(कांग्रेस के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारे)

सदन की कार्यवाही पन्द्रह मिनट, ...(व्यवधान) प्रश्न क्रमांक-2 है। इसका जवाब आ गया। माननीय किरोड़ी लालजी, उत्तर दीजिए।

श्री किरोड़ी लाल (कृषि मंत्री): हाउस तो आर्डर में आये।

श्री अध्यक्ष: माननीय मंत्रीजी, आप जवाब दें।

ग्रामीण विकास मंत्री (श्री किरोड़ी लाल): जी नहीं। विधायक स्थानीय क्षेत्र विकास योजनान्तर्गत आबंटित राशि रुपये 1000 करोड़ वित्तीय वर्ष 2022-23 में जिलों को रिलीज की जा चुकी है। आदेश की प्रति परिशिष्ट-1 पर संलग्न है।

(प्रति पुस्तकालय में रखी गयी)

श्री अध्यक्ष: आप सब अपनी जगह पर जाइये। यह अच्छा, शोभा पहले दिन ही नहीं देता है। आप सब अपनी जगह पर जाइये। अगला प्रश्न पुकार लिया। 15 मिनट से ज्यादा एक प्रश्न नहीं चलता। आपको तो मैंने स्पेशली अनुमति दे दी, बाकी आपका तो था ही नहीं। आपके उस प्रश्न का भी उत्तर आ गया है।

प्रश्न संख्या-2 में अनुपूरक पूछना है?

प्रश्न क्रमांक-3, श्री गोविन्द प्रसाद।

(कांग्रेस के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप से अपने-अपने स्थान पर प्रस्थान)

मनोहर थाना के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में ब्लड बैंक की स्थापना

3. श्री गोविन्द प्रसाद (मनोहर थाना): क्या चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:-

(1) क्या सरकार मनोहर थाना के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में ब्लड बैंक व ट्रोमा सेंटर खोलने का विचार रखती है? यदि हां, तो कब तक व नहीं, तो क्यों? विवरण सदन की मेज पर रखें।

(2) विधान सभा क्षेत्र मनोहर थाना में कितने राजकीय चिकित्सालय संचालित हैं? उक्त में किस-किस श्रेणी के कितने पद स्वीकृत व कितने रिक्त हैं? उक्त रिक्त पदों को कब तक भर दिया जायेगा? विवरण सदन की मेज पर रखें।

(3) क्या सरकार सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मनोहर थाना में शय्याओं की संख्या 50 करने का विचार रखती है? यदि हां, तो कब तक व नहीं, तो क्यों? विवरण सदन की मेज पर रखें।

श्री अध्यक्ष: माननीय मंत्रीजी। (व्यवधान) अब आप विराजें।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह): (1) सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मनोहर थाना में रक्त की आपूर्ति जिला अस्पताल झालावाड़ से की जाती है।

औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 के अनुसार ब्लड

(चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री)

स्टोरेज यूनिट में वार्षिक खपत 2000 यूनिट तक की खपत होने पर नवीन ब्लड बैंक की स्थापना की जाती है। वर्तमान में सीएचसी मनोहर थाना में वार्षिक खपत 2000 यूनिट से कम होने के कारण ब्लड बैंक की स्थापना किया जाना वर्तमान में विचाराधीन नहीं है।

श्री अध्यक्ष: अब आप विराजें। अगला प्रश्न चल रहा है। अंकित नहीं हो इनका।

श्री रोहित बौहरा (राजाखेड़ा): 000

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह): भारत सरकार की ट्रोमा गाइड लाइन के अनुसार घायल व्यक्तियों को किन्हीं भी परिस्थितियों में 50 किलोमीटर से अधिक परिवहन की आवश्यकता नहीं पड़े, इसी क्रम में प्रत्येक 100 किलोमीटर की दूरी पर एक ट्रोमा सेन्टर स्थापित किये जाने का प्रावधान है।

झालावाड़ मेडिकल कालेज में ट्रोमा सेन्टर स्थापित है।

ट्रोमा गाइड लाइन एवं गुणावगुण के अनुसार वित्तीय प्रावधान होने पर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मनोहर थाना में ट्रोमा सेन्टर स्थापित किया जा सकेगा।

(2) विधान सभा क्षेत्र मनोहर थाना जिला झालावाड़ में संचालित राजकीय चिकित्सालयों की सूची परिशिष्ट-अ पर संलग्न है।

विधान सभा क्षेत्र मनोहर थाना में संचालित चिकित्सा संस्थानों में विशेषज्ञ/चिकित्सक एवं अराजपत्रित संवर्ग के स्वीकृत, कार्यरत एवं रिक्त पदों की सूची परिशिष्ट-ब एवं स पर संलग्न है।

पदोन्नति के रिक्त पदों को डीएसीपी के अन्तर्गत पदोन्नति चिकित्सकों से/पीजी पूर्ण चिकित्सक उपलब्ध होने पर यथासंभव भरने के प्रयास किये जायेंगे।

चिकित्सा अधिकारी के रिक्त पदों को भरने हेतु 1265 रिक्त पदों की भर्ती की कार्यवाही प्रस्तावित है एवं चिकित्सा अधिकारी (दंत) के रिक्त पदों को भरने हेतु 172 पदों की अर्थना राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, जयपुर को भिजवाई जा चुकी है।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग में नर्सिंग आफिसर के 8750, फार्मासिस्ट के 3067, महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता के 4847, सहायक

(चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री)

रेडियोग्राफर के 1178, लैब टेक्नीशियन के 2190 एवं डेन्टल टेक्नीशियन के 151 पदों पर शीफू के माध्यम से विज्ञप्ति जारी कर भर्ती की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। भर्ती प्रक्रिया पूर्ण होने पर उपलब्ध होने वाले कार्मिकों का रिक्त पदों पर पदस्थापन करने पर विचार किया जा सकेगा।

(3) कस्बा मनोहर थाना पंचायत मनोहर थाना जिला झालावाड़ में वर्तमान में 30 शय्याओं युक्त सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र स्वीकृत है। स्वीकृत शय्याओं का वर्ष 2022 में 72.18 प्रतिशत शय्याओं की उपयोगिता (बी.ओ.आर) रही है। इसलिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, मनोहर थाना की शय्याओं में वृद्धि किया जाना वर्तमान में विचाराधीन नहीं है।

(सूचियां पुस्तकालय में रखी गयीं)

श्री अध्यक्ष: माननीय सदस्य।

श्री गोविन्द प्रसाद (मनोहर थाना): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्रीजी से कहना चाहूंगा, मनोहर थाना सीएचसी जिला मुख्यालय से करीब 110 किलोमीटर दूरी पर स्थित है और 15 गांव इसके अन्तर्गत आते हैं और चार पीएचसी इसके अन्तर्गत आती हैं। मैं माननीय मंत्रीजी से पूछना चाहूंगा कि क्या इसको उप जिला अस्पताल बनाने की घोषणा करेंगे, वहां पर और क्या-क्या सुविधाएं आप दे सकते हैं? क्योंकि वहां की दयनीय स्थिति है। इसलिए मंत्री महोदय, मैं आपसे निवेदन करता हूं कि आप उप जिला अस्पताल खोलने की घोषणा करने की कृपा करें।

श्री अध्यक्ष: आप प्रश्न पूछिए।

श्री गजेन्द्र सिंह (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने ब्लड बैंक के लिए अपने प्रश्न में निवेदन किया था। हमारा नियम यह है कि दो हजार यूनिट प्रतिवर्ष अगर उपभोग होता है तो ब्लड बैंक स्थापित किया जाता है। यहां पर प्रतिवर्ष लगभग 50 यूनिट से ज्यादा यूज नहीं होता है। यदि वहां पर ब्लड बैंक खोलेंगे तो ब्लड खराब हो जायेगा। पास ही में 40 किलोमीटर दूर अकलेरा में सीएचसी है, वहां पर ब्लड स्टोरेज की सुविधाएं हैं।

ट्रोमा सेन्टर के लिए भी आपने बोला था तो झालावाड़ मेडिकल कालेज में बहुत ही सेपरेट बिल्डिंग और अल्ट्रा मॉडल ट्रोमा सेन्टर बन रहा है। आपको उपयुक्त ज्यादा रहेगा क्योंकि उसके अन्दर सब मशीनें हैं, बजाय कि आपके यहां छोटा खोला जाये।

(श्री गजेन्द्र सिंह)

आपने वेकेंट पोस्ट के बारे में कहा। मैंने गूगल मैप से भी देखा है। आप बिलकुल एक कोने में हैं, मध्य प्रदेश के बोर्डर में हैं। आपके यहां के रिक्त पदों को ज्यादा से ज्यादा भरेंगे ताकि आपके हास्पिटल की एफिशिएंसी बढ़े। एम्बुलेंस 104 या 108 के बारे में कोई भी समस्या हो, उसका भी समाधान किया जायेगा।

श्री अध्यक्ष: और कोई प्रश्न है?

श्री गोविन्द प्रसाद (मनोहर थाना): धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष: और किसी को बोलने की अनुमति नहीं है। विपक्ष के नेता महोदय पूछेंगे। आपका प्रश्न लास्ट में है। आप नहीं बोलें अभी, अब लास्ट में आयेगा। समय बचेगा तो आयेगा। चन्द्रभानजी, एक मिनट बैठिये।

श्री टीकाराम जूली (नेता, प्रतिपक्ष): खण्ड (2) में माननीय मंत्री महोदय ने यह बताया है कि नर्सिंग आफिसर के 8750, फार्मासिस्ट के 3067, महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता के 4847, रेडियोग्राफर के 1178, लैब टेक्निशियन 2190 और डेन्टल टेक्निशियन 151 पदों की भर्ती प्रक्रियाधीन है। इस भर्ती की प्रक्रिया कब तक पूरी हो जायेगी? दूसरा, क्या सरकार की जानकारी में है कि हमारे आशार्थी इन भर्तियों को पूरी कराने के लिए शीफू के ऊपर लगातार आमरण अनशन कर रहे हैं? उसके लिए आपने क्या रणनीति बनायी है? कब तक आप इसको पूरा करना चाहते हैं?

श्री अध्यक्ष: माननीय मंत्रीजी।

श्री गजेन्द्र सिंह (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, जितनी भी भर्ती होगी इनकी वित्तीय स्वीकृति के लिए फाइल भेज दी है। हमारी सरकार को एक महीने से थोड़ा ही समय ज्यादा हुआ है। आप आशा करते हो कि पहले ही दिन आकर भर्ती कर दो, वह संभव नहीं है पर हम महसूस करते हैं कि शॉर्टफाल हो रहा है, इसको हम महसूस करते हैं। प्रयास करके हम इसको जल्दी से जल्दी कर देंगे। (व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: आप बैठिये। माननीय सदस्य, आपको बोलने की अनुमति नहीं है। आप बीच में खड़े नहीं होंगे। आप हर प्रश्न पर खड़े हो जाते हो।

श्री टीकाराम जूली (नेता, प्रतिपक्ष): अध्यक्ष महोदय, आपकी सरकार ने यह कहा है कि हम सौ दिन में कार्ययोजना बनायेंगे और सारे काम पूरे कर देंगे। दस दिन पहले मुख्य मंत्रीजी ने यह कहा है कि हमने सौ दिन की

(श्री टीकाराम जूली)

कार्ययोजना तीस दिन में पूरी कर ली है। उस तीस दिन में यह काम नहीं हो रहा है क्या? आप पांच साल का इंतजार करेंगे क्या? पांच साल के लिए सरकार बनी है, यह सही है, लेकिन पांच साल के आखिरी दिन बाद काम करेंगे, इसके लिए सरकार नहीं बनी।

श्री अध्यक्ष: मंत्रीजी ने उत्तर दे दिया है।

श्री टीकाराम जूली (नेता, प्रतिपक्ष): उत्तर नहीं आया, सर। आप कब तक करेंगे, यह बता दें?

श्री अध्यक्ष: उन्होंने कहा है कि जल्दी से जल्दी करेंगे।

श्री टीकाराम जूली (नेता, प्रतिपक्ष): वित्तीय स्वीकृति होने के बाद ही तो भर्ती होगी। पूरी प्रक्रिया कम्प्लीट हो चुकी है। सिर्फ पोस्टिंग देनी है।

श्री अध्यक्ष: सरकार इस पर गम्भीरता से विचार करे।

प्रश्न संख्या 4, श्री चन्द्रभान सिंह।

बेरोजगारों को देय बेरोजगारी भत्ता

4. श्री चन्द्रभान सिंह चौहान (चित्तौड़गढ़): क्या कौशल, नियोजन एवं उद्यमिता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:-

(1) क्या प्रदेश में बेरोजगार युवाओं को बेरोजगारी भत्ता देने की योजना लागू है? यदि हां, तो कब से और वर्तमान में कितने बेरोजगार युवाओं को कितना बेरोजगारी भत्ता दिया जा रहा है? विवरण सदन की मेज पर रखें।

(2) विधान सभा क्षेत्र चित्तौड़गढ़ में विगत तीन वर्षों में उक्त योजना के तहत कितने आवेदन प्राप्त हुए तथा कितने बेरोजगारों को कितना भत्ता दिया गया है? संख्यात्मक विवरण सदन की मेज पर रखें।

(3) क्या यह सही है कि पूर्ववर्ती सरकार द्वारा बेरोजगारी भत्ता 3500 रुपये प्रतिमाह करने की घोषणा की गई थी? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त घोषणानुसार बेरोजगारी भत्ता देने का विचार रखती है? यदि हां, तो कब तक व नहीं, तो क्यों?

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ (उद्योग मंत्री): उत्तर सभा पटल पर रख दिया गया है। (व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: एक मिनट। माननीय सदस्य, बैठिए। आपका प्रश्न लास्ट में आयेगा। सारे प्रश्न पूरे होने के बाद आयेगा। कोई बीच में बोलेगा तो उसका नहीं आयेगा। अब नहीं आयेगा। आप वेल में आ जाते हो। आप वेल में क्यों आये?

श्री चन्द्रभान सिंह चौहान (चित्तौड़गढ़): मंत्री महोदय, स्थगित नहीं है। मेरे पास उत्तर है इसका। (व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: बाद में आयेगा। मैंने व्यवस्था दे दी है। बैठिये। आप आगे बढ़ते जा रहे हो।

श्री चन्द्रभान सिंह चौहान (चित्तौड़गढ़): मंत्री महोदय, प्रश्न स्थगित नहीं है। मेरे पास उत्तर आया है और इस पर छाप लगी हुई है।

श्री अध्यक्ष: माननीय मंत्रीजी, उत्तर दीजिए।

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ (उद्योग मंत्री): सबसे पहला, वर्तमान में ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। दूसरा, वर्तमान में ऐसा कोई विचाराधीन नहीं है। तीसरा, ऐसा कोई प्रस्ताव वर्तमान में सरकार के स्तर पर विचार में नहीं है।

श्री चन्द्रभान सिंह चौहान (चित्तौड़गढ़): मुझे जो जबाव दिया है वह मंत्री महोदय नहीं पढ़ रहे हैं। आपने जो जबाव दिया है, वह मेरे पास है।

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ (उद्योग मंत्री): मैंने यह कहा है कि मैंने सभा पटल पर रख दिया है। आप मेरे से प्रश्न पूछ लीजिए।

श्री चन्द्रभान सिंह चौहान (चित्तौड़गढ़): एक बार आप जबाव तो सुना दो, साहब।

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ (उद्योग मंत्री): मैं वही तो पढ़ रहा हूं। (व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: माननीय सदस्य, बैठिए। बैठिए। जिसका प्रश्न है, उनको बोलने दीजिए। माननीय सदस्य, प्रश्न का उत्तर सुनें। मेरा काम मुझे करने दीजिए, आप नहीं करेंगे। आप बैठिए। मैं आपकी नेचर जानता हूं। मैं देख रहा हूं, आपको देखने की जिम्मेदारी नहीं मिली है, बैठिए। आने दीजिए उत्तर। आपको बोलने की अनुमति नहीं है। बैठिए। आप हमारे हैं, तभी तो आपको कहा है। आप बैठिए। उत्तर आने दीजिए। व्यवस्था चलाने दीजिए।

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): 000

श्री अध्यक्ष: आपका हूं न, इसीलिए तो कह रहा हूं कि आप बैठिए। आपका हूं।

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ (उद्योग मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य का जो प्रश्न है, वह सबसे पहला है कि क्या सरकार योजना में लाभान्वितों की निर्धारित सीमा दो लाख में वृद्धि करने का विचार रखती है? उसका उत्तर यह है कि वर्तमान में ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

श्री चन्द्रभान सिंह चौहान (चित्तौड़गढ़): मंत्री महोदय, प्रश्न ही अलग है। जवाब भी अलग है।

श्री अध्यक्ष: उत्तर मेरे पास भी है। उत्तर पढ़िए न।

श्री चन्द्रभान सिंह चौहान (चित्तौड़गढ़): उत्तर मेरे पास भी है। (व्यवधान)

श्री टीकाराम जूली (नेता, प्रतिपक्ष): सरकार के मंत्री को नहीं पता कि जवाब क्या देना है। प्रश्न कुछ लगा है, जवाब कुछ दे रहे हैं। क्यों यहां की गरिमा गिरा रहे हैं? मंत्रियों को जो जवाब देना चाहिए, उसकी तैयारी नहीं है, रिप्लाई नहीं आ रहा है। प्रश्न क्या है और जवाब क्या दे रहे हैं।

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ (उद्योग मंत्री): माननीय स्पीकर महोदय, इनका जो प्रश्न है, वह सबसे पहला है क्या सरकार योजना में लाभान्वितों की निर्धारित सीमा 2 लाख में वृद्धि करने का विचार रखती है? उसका उत्तर यह है कि वर्तमान में ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

श्री चन्द्रभान सिंह चौहान (चित्तौड़गढ़): मंत्री महोदय, प्रश्न ही अलग है, जवाब ही अलग है।

श्री अध्यक्ष: उत्तर मेरे पास है। आप उत्तर पढ़िये न। (व्यवधान) उत्तर पढ़िये।

श्री चन्द्रभान सिंह चौहान (चित्तौड़गढ़): उत्तर मेरे पास है।

श्री टीकाराम जूली (नेता, प्रतिपक्ष): यह इस तरीके की सदन की स्थिति ...(व्यवधान) अध्यक्षजी, आप यह देखिये, सरकार के मंत्री को नहीं पता कि जवाब क्या देना है? प्रश्न कुछ लगा है और जवाब कुछ दे रहे हैं। क्यों यहां की गरिमा गिरा रहे हैं? मंत्रियों को जो जवाब देना चाहिये, उसकी तैयारी नहीं है। रिप्लाई नहीं आ रही है और जवाब ही नहीं है। क्वेश्चन क्या है और जवाब क्या दे रहे हैं? (व्यवधान)

श्री चन्द्रभान सिंह चौहान (चित्तौड़गढ़): श्रवण जी, आप बैठो, मैं सक्षम हूं, पूछ लूंगा मैं। (व्यवधान)

कौशल, नियोजन एवं उद्यमिता मंत्री (कर्नल राज्यवर्धन राठौड़): (1) जी हां। प्रदेश में बेरोजगारी भत्ता योजना वर्ष 2007 से प्रारम्भ की गई थी। वर्तमान में प्रदेश में बेरोजगार युवाओं को बेरोजगारी भत्ता दिये जाने हेतु मुख्यमंत्री युवा सम्बल योजना लागू है। इस योजना में वर्तमान में 1,86,656 आशार्थियों को भत्ता दिया जा रहा है, जिसमें पुरुष आशार्थी को 4,000 रुपये

(कौशल, नियोजन एवं उद्यमिता मंत्री)

एवं महिला, निःशक्तजन एवं ट्रांसजेण्डर आशार्थियों को 4,500 रुपये प्रतिमाह भत्ता दिया जा रहा है।

(2) तहसील चित्तौड़गढ़ में विगत 3 साल में कुल 3,106 आवेदन प्राप्त हुए हैं जिनमें से 1,470 आशार्थियों को भत्ता दिया गया है। पुरुष आशार्थी को 4,000 रुपये एवं महिला, निःशक्तजन व ट्रांसजेण्डर आशार्थी को 4,500 रुपये प्रतिमाह दिया गया है।

विभागीय पोर्टल पर विधान सभा वार डाटा संधारण नहीं किया जाता है।

(3) जी हां। पूर्ववर्ती सरकार द्वारा बेरोजगारी भत्ता 3,500 रुपये प्रतिमाह तक करने की घोषणा की गई थी। वर्तमान में योजनान्तर्गत पात्र पुरुष आशार्थी को 4,000 रुपये महिला, निःशक्तजन व ट्रांसजेण्डर आशार्थी को 4,500 रुपये प्रतिमाह नियमित रूप से बेरोजगारी भत्ता दिया जा रहा है।

श्री चन्द्रभान सिंह चौहान (चित्तौड़गढ़): माननीय अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले तो मुझे आपका संरक्षण चाहिये। इस जवाब में वास्तव में अधिकारी इस चीज को भ्रमित कर रहे हैं, क्योंकि पांच साल तक बीजेपी ने धरना, प्रदर्शन, ज्ञापन सब कुछ किया था।

श्री अध्यक्ष: आप प्रश्न पूछिये।

श्री चन्द्रभान सिंह चौहान (चित्तौड़गढ़): मैं प्रश्न यह कर रहा हूं कि युवा बेरोजगार का एक तो भत्ता बढ़ाने की बात हुई। बेरोजगारी भत्ता देने की पात्रता की पंजीकरण विधि क्या है? आज की तारीख में कितने बेरोजगारों के आवेदन लंबित हैं? इनमें पात्र कितने हैं और अपात्र कितने हैं? एक तो यह बतायें। दूसरा, कुल कितनी राशि महिला एवं पुरुष बेरोजगारों को दी गयी है? जिलेवार सूची हमें उपलब्ध करवायें। फिर बाद में पूछ लूंगा।

श्री अध्यक्ष: बैठिये। माननीय मंत्रीजी।

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ (उद्योग मंत्री): माननीय स्पीकर महोदय, यह जो योजना है, यह 2007 में शुरू की गयी थी और 2007 में इस योजना का नाम अक्षत योजना था। तब उस समय के हिसाब से जो राशि थी, वह निर्धारित कर दी गयी थी। अगर सदन चाहता है तो मैं यहां सदन पटल पर रख सकता हूं। उसके बाद 2009 में इसमें परिवर्तन किया गया, जिसमें कौशल को जोड़ा गया, जिसमें इसका नाम अक्षत कौशल रखा गया। उसके बाद 2012, फिर उसके बाद 2019 में इसके नाम भी बदले गये और इसमें राशि

(कर्नल राज्यवर्धन राठौड़)

भी बढ़ायी गयी, क्योंकि समय के हिसाब से राशि बढ़ायी जा रही है। शुरुआत में, 2007 में जब यह योजना शुरू हुई तब एक सीमित मात्रा में जो अपर लिमिट था, वह सीमित मात्रा में था, उसका बाद में बढ़ा दिया गया। उसमें अधिकतम 2 लाख युवाओं को एक समय में दो साल तक यह दिया जायेगा। इसके अन्दर आज की तारीख में 1,86,656 युवा हैं, जो मुख्यमंत्री युवा सम्बल योजना के अन्तर्गत लाभार्थी हैं और 2007 से लेकर आज की तारीख तक इसमें 6,38,621 लाभार्थी हैं। अभी मैं अपने साथी सदस्य को यह बतलाना चाहूंगा कि इसमें पात्र होने की कुछ शर्तें होती हैं और इसके अन्दर अपात्र भी हो सकते हैं। अगर आप चाहें तो वह मैं यहां पर पढ़ सकता हूं आपके लिये। (व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: नहीं, यह आप इनको दे देना। आप तो यहां पर संक्षिप्त उत्तर दीजिये। (व्यवधान) आप बैठिये। दूसरा प्रश्न।

श्री चन्द्रभान सिंह चौहान (चित्तौड़गढ़): इतने बेरोजगार युवाओं के फार्म लम्बित पड़े हैं। वहां पर अधिकारी और कर्मचारी हैं नहीं और मैंने अभी तो इतना पूछा है कि वहां कितने लम्बित हैं और कितनों को अपात्र किया है और कितने पात्र हैं? एक बार यह बता दें।

इसके साथ ही जिनका वहां निरस्त किया है, जितने भी आवेदन आये हैं, उनके 10 प्रतिशत फार्म ही, भले ही यह सरकार रही हो, इन्होंने भी यही घुमा-फिराकर जवाब दिया है। अध्यक्ष महोदय, आप जब यहां बैठते थे तो आपके ध्यान में होगा कि घुमा-फिराकर जवाब दिया है। युवा बेरोजगारों को भत्ता देने का जो अपन फार्म निरस्त करते हैं, उनकी क्या प्रक्रिया है? क्योंकि जो-जो फार्म आते हैं, उनमें केवल 2 से 5 प्रतिशत फार्म रखते हैं वरना बाकी सब फार्म रिजेक्ट करते हैं। मेरे वहां आज की तारीख में चित्तौड़गढ़ जिले में कितने तो पात्र हैं, कितने अपात्र हैं, इनका आप बता दें।

श्री अध्यक्ष: माननीय मंत्रीजी।

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ (उद्योग मंत्री): चित्तौड़गढ़ तहसील के अन्दर ..(व्यवधान)

श्री चन्द्रभान सिंह चौहान (चित्तौड़गढ़): जिले का बतायें।

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ (उद्योग मंत्री): जैसे मैंने पहले बताया था। माफ कीजिये।

श्री अध्यक्ष: क्षेत्र चित्तौड़गढ़ का है, जिला नहीं लिखा है।

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ (उद्योग मंत्री): पिछले तीन साल से 3,106 आवेदन प्राप्त हुए हैं और आज की तारीख में 1470 आशार्थियों को भत्ता दिया जा रहा है। इसके अन्दर डाकूमेंट्स की चैकिंग होती है, कुछेक होते हैं जिन्होंने अपनी इंटर्नशिप नहीं करी हुई होती, कुछ होते हैं जिनको अप्रेंटिस के लिये भेजा जाता है। जब वह पूरे पात्र बनते हैं तभी उनको आगे एक्सेप्ट किया जाता है। मैं अपने माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि एक महीने के अन्दर-अन्दर हम सारे डाकूमेंट्स चैक कर लेंगे और जो एक प्रोबेबल कैंडिडेट होता है, उसको बेनिफिट मिलना एक महीने के अन्दर शुरू हो जाता है। जैसे-जैसे जो दो लाख की सीमा है, जो कैप होता है, उसमें से कम होते हैं। जैसे अभी 1 लाख 86 हजार के करीब है तो तकरीबन 15 हजार की संख्या है, अभी उसकी चैकिंग चल रही है और उसको हम भरते रहेंगे। जैसे अपात्र होते जाते हैं, यहां से जो हमारा डिपार्टमेंट है, वह उसकी पूर्ति करता रहता है।

श्री अध्यक्ष: श्री राजकुमार रोत। एक मिनट।

श्री टीकाराम जूली (नेता, प्रतिपक्ष): इसमें एक तो जो आपने खण्ड-ब में उत्तर दिया है, वह बड़ा अजीब है कि हम विधान सभा क्षेत्र वाइज डाटा संधारण नहीं कर सकते। मेरा मंत्रीजी से पहला प्रश्न यह है कि क्या सरकार विधान सभा क्षेत्र वाइज डाटा संधारण करने में सक्षम है या नहीं है? मेरा दूसरा प्रश्न यह है कि बीजेपी के घोषणा-पत्र में यह कहा गया था कि हम सभी बेरोजगार युवाओं को भत्ता देंगे। अब जो सरकार भत्ता दे रही है, इसमें कुछ क्राइटेरिया लगा रखे हैं। क्या यह सरकार 100 दिन की कार्ययोजना के अन्दर राजस्थान के सभी बेरोजगार युवाओं को भत्ता देने का विचार रखती है या नहीं?

श्री अध्यक्ष: बैठिये।

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ (उद्योग मंत्री): माननीय स्पीकर महोदय, जैसे मैंने शुरू में यहां सदन में बात रखी थी कि 2007 में सबसे पहले बेरोजगारी भत्ते की जो योजना थी, अक्षत योजना के नाम से शुरू हुई थी। वह हमारी ही सरकार ने शुरू की थी। (व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: बैठे-बैठे बीच में और कोई नहीं बोलेगा। (व्यवधान) आपका प्रश्न नहीं है। माननीय सदस्य, बीच में नहीं।

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ (उद्योग मंत्री): उसके बाद में उसी योजना में जो दूसरी सरकार थी, उसने ..(व्यवधान) चित्तौड़गढ़ के अन्दर आज की तारीख के अन्दर कोई भी पेंडिंग केस नहीं है। जहां तक बात रही, जो डेटा है,

(कर्नल राज्यवर्धन राठौड़)

वह डेटा एडमिनिस्ट्रेटिव यूनिट के हिसाब से ही रखा जाता है, तो जिलेवार ही डेटा रखा जाता है।

श्री अध्यक्ष: अगला प्रश्न। श्री राजकुमार रोत।

श्री टीकाराम जूली (नेता, प्रतिपक्ष): प्रश्न का जवाब ही नहीं आया, अध्यक्ष महोदय। अध्यक्षजी, दोनों क्वेश्चन का जवाब नहीं आया। (व्यवधान) दोनों क्वेश्चंस का जवाब नहीं आया।

श्री अध्यक्ष: मंत्रीजी को कम्पेल नहीं कर सकते।

श्री टीकाराम जूली (नेता, प्रतिपक्ष): दोनों ही क्वेश्चंस का जवाब नहीं आया। (व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: I will name you. मैं आपका नाम बोलूंगा। बात-बात पर खड़े हो जाते हो एक दो लोग। I will not tolerate it. I am strict about it. हर प्रश्न पर खड़े हो जाते हो। मैंने खाली विपक्ष के नेता को अलाउ किया है। यह आपका काम नहीं है।

श्री टीकाराम जूली (नेता, प्रतिपक्ष): अध्यक्षजी, आप हमें कोआपरेट कीजिये। हम आपका संरक्षण चाहते हैं।

श्री अध्यक्ष: मैंने नाम पुकार लिया है। आप बाद में इनसे मिल लेना।

श्री टीकाराम जूली (नेता, प्रतिपक्ष): दो सिम्पल क्वेश्चन हैं। पहला विधान सभावार डाटा रखने में सक्षम हैं या नहीं हैं और दूसरा सभी बेरोजगारों को भत्ता देना चाहती है या नहीं? बस हां या नहीं में बता दें।

श्री अध्यक्ष: राजकुमार रोत।

चिखली पंचायत समिति (डूंगरपुर) के भवन की स्वीकृति

5. श्री राजकुमार रोत (चौरासी): क्या पंचायती राज मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:-

(1) जिला डूंगरपुर की पंचायत समिति चिखली के भवन निर्माण की स्वीकृति कब जारी हुई तथा कार्य पूर्ण करने की समयावधि क्या थी? उक्त का कितना कार्य अब तक पूर्ण हुआ तथा कितना भुगतान किया गया? विवरण सदन की मेज पर रखें।

(2) उक्त पंचायत समिति के भवन निर्माण में हुई अनियमितता पर अब तक क्या कार्यवाही की गई? विवरण सदन की मेज पर रखें।

(3) क्या सरकार उक्त भवन हेतु अतिरिक्त राशि स्वीकृत कर कार्य

(श्री राजकुमार रोत)

पूर्ण कराने का विचार रखती है? यदि हां, तो कब तक? विवरण सदन की मेज पर रखें।

पंचायती राज मंत्री (श्री मदन दिलावर): (1) जिला डूंगरपुर की पंचायत समिति चिखली के भवन की वित्तीय स्वीकृति दिनांक 14-02-2017 द्वारा जारी की गई थी। (परिशिष्ट-1)

भवन निर्माण का कार्य स्वीकृति जारी होने के 15 माह में पूर्ण किया जाना था। उक्त भवन का निर्माण भूतल एवं प्रथम तल पर करवाया जा रहा है। भूतल एवं प्रथम तल की छत एवं प्लास्टर का कार्य लगभग पूर्ण किया जा चुका है।

भवन निर्माण हेतु अब तक राशि रु. 164.34 लाख भुगतान किया जा चुका है।

(2) उक्त पंचायत समिति भवन में हुई अनियमितता हेतु उक्त समयावधि के दौरान कार्यरत सम्बन्धित सहायक अभियंता व कनिष्ठ अभियंता के विरुद्ध सीसीए नियम 17 में कार्यवाही की गई है तथा विकास अधिकारी एवं सहायक लेखाधिकारी के विरुद्ध सीसीए नियम 16 के तहत अनुशासनात्मक कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। साथ ही सम्बन्धित फर्म मैसर्स निशी कन्स्ट्रक्शन सागवाड़ा (डूंगरपुर) को विकास अधिकारी द्वारा ब्लैक लिस्टेड कर दिया गया।

(3) सरकार द्वारा इस भवन को पूर्ण कराने हेतु अतिरिक्त राशि स्वीकृत नहीं की जावेगी परन्तु मूल स्वीकृति से शेष राशि एवं संवेदक की जमा प्रतिभूति राशि एवं रिस्क एण्ड कोस्ट की राशि से दिनांक 31.08.2024 तक भवन का कार्य पूर्ण करवा दिया जावेगा।

(विवरण पुस्तकालय में रखा गया)

श्री राजकुमार रोत (चौरासी): माननीय अध्यक्ष महोदय, जो पिछले दोनों प्रश्नों के जवाब आये, उससे सदन ...(व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: आप प्रश्न पूछिये।

श्री राजकुमार रोत (चौरासी): माननीय अध्यक्ष महोदय, प्रश्न संख्या 5 का मेरे पास लिखित में जवाब आ गया है। आपकी आज्ञा हो तो मैं सीधा प्रश्न पूछ लूं।

श्री अध्यक्ष: हां, आप पूरक प्रश्न पूछिये।

श्री राजकुमार रोत (चौरासी): यह पंचायत समिति 2017 में स्वीकृत हुई थी और इसको 15 माह में कम्प्लीट करना था, लेकिन आज सात वर्ष भी नहीं हो पाये हैं, इसी को लेकर मेरा प्रश्न लगा है। मेरा पहला सवाल यह है कि इसकी अनियमितता को लेकर 16 सीसीए चार्ज शीट दी गयी है, वह कितने लोगों को दी गयी है और किन-किनको दी गयी है? दूसरा मेरा प्रश्न यह है कि 17 सीसीए की जो चार्जशीट है, वह चार्जशीट अभी प्रक्रियाधीन बतायी गयी है, वह चार्जशीट किस-किसको मिल रही है और कब तक मिलेगी? यह मेरे दो क्वेश्चंस हैं। तीसरा क्वेश्चन मेरा यह है।

श्री अध्यक्ष: अभी दो का तो उत्तर आने दीजिये। उसके बाद फिर तीसरा भी पूछ लेना।

श्री मदन दिलावर (शिक्षा मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, यह सच है कि पंचायत समिति का भवन बनना था और आज तक पूरा नहीं हुआ है। यह गंभीर विषय है। मुझे बहुत दुख है इस बात का कि पूर्व सरकार ने 6 साल में 26 बीडीओ के ट्रांसफर किये हैं। इस पंचायत समिति में 26 बीडीओ के, 26 बार बीडीओ आये हैं। अब सबसे पहले तो जिस अधिकारी ने यह ट्रांसफर किये हैं...

श्री अध्यक्ष: उत्तर सुनिये न। मंत्री जी को उत्तर के लिए नहीं कह सकते हैं कि क्या दें।

श्री मदन दिलावर (शिक्षा मंत्री): जिस अधिकारी ने इतनी बार यह ट्रांसफर किये हैं, उनके खिलाफ भी कार्यवाही करूंगा। एक बात।

दूसरी बात यह है कि इसमें जो अनियमितताएं हुई हैं, वह माननीय सदस्य को भी ध्यान हैं। हमने इसमें चार्जशीट लगभग सभी को दे दी है। 16 सीसीए की कार्यवाही कर रहे हैं। एक जो इसमें ए.ईएन. हैं वह मेरी मोटी-मोटी जानकारी के अनुसार अब इस दुनिया में नहीं रहे हैं, लेकिन जो जे.ईएन. हैं उनको हम निलंबित करते हैं। जो इसमें बीडीओ रहा है अधिक समय और 3-4 बार वापस उसी बीडीओ को लगाया गया है, शायद तत्कालीन अधिकारी या तत्कालीन मंत्री के कोई वेस्टेड इंटरेस्ट रहे होंगे, इसलिए मैं उस बीडीओ को भी निलंबित करता हूं।

श्री अध्यक्ष: हो गया आपका? और कोई, एक पूछ सकते हो।

श्री किरोड़ी लाल (कृषि मंत्री): सुनो डोटासरा जी, सुन लो।

श्री अध्यक्ष: माननीय मंत्री महोदय। हां, पूछिये।

श्री राजकुमार रोत (चौरासी): अध्यक्ष महोदय, मेरा क्वेश्चन यह है कि जो फर्म काम कर रही थी, उस फर्म को ब्लैक लिस्टेड किया गया है, लेकिन वही फर्म और उस फर्म से रिलेटेड जो व्यक्ति है उसकी दूसरी फर्म पूरे जिले में काम कर रही है। गवर्नमेंट का सर्कुलर है कि जो फर्म जिस डिस्ट्रिक्ट में ब्लैक लिस्टेड होती है तो उस डिस्ट्रिक्ट या संभाग में वह फर्म दूसरी जगह काम नहीं कर सकती है। उस फर्म और उस फर्म से रिलेटेड जो व्यक्ति है उसकी जो दूसरी फर्म हैं, वह जिले में काम कर रही हैं, तो उस पर क्या कार्यवाही करेंगे? मंत्री जी यह उत्तर दें।

श्री मदन दिलावर (शिक्षा मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, इस फर्म को ब्लैक लिस्टेड किया है, हम राजस्थान के सभी जो विभाग हैं, जो निर्माण का काम करते हैं उनको भिजवा देंगे। जैसा कि माननीय सदस्य का यह भी कहना है कि यदि दूसरी फर्म भी उसी के नाम से है या फर्म में सदस्य वही है, नाम दूसरा है और सदस्य वही हैं, तब भी हम सभी को सूचना दे देंगे ताकि वह सम्बन्धित डिपार्टमेंट जिनमें काम करते हैं, उनको ब्लैक लिस्टेड मानकर के आगे काम न दें।

श्री अध्यक्ष: अगला प्रश्न। डा. ऋतु बनावत।

बयाना के पंजीकृत मंदिर

6. डा. ऋतु बनावत (बयाना): क्या देवस्थान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:-

(1) विधान सभा क्षेत्र बयाना के कितने मंदिर एवं प्रन्यास पंजीकृत हैं तथा उक्त मंदिरों के पास कितनी-कितनी अचल सम्पत्तियां हैं? विवरण सदन की मेज पर रखें।

(2) उक्त विधान सभा क्षेत्र के झील का बाड़ा स्थित मंदिर के पास कितनी कृषि, व्यावसायिक तथा आवासीय सम्पत्ति है? विगत पांच वर्षों में उक्त सम्पत्तियों से होने वाली आय का विवरण सदन की मेज पर रखें।

श्री अध्यक्ष: माननीय मंत्री महोदय।

देवस्थान मंत्री (श्री जोराराम कुमावत): (1) विधान सभा क्षेत्र बयाना में राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम, 1959 के तहत 16 मंदिर, पंजीकृत प्रन्यास हैं, जिनकी सूची परिशिष्ट-1 पर संलग्न है।

देवस्थान विभाग द्वारा प्रबंधित एवं नियंत्रित दो मंदिर एवं एक सुपुर्दगी श्रेणी का मंदिर है, जिनका विवरण निम्नानुसार है:-

(देवस्थान मंत्री)

1. राजकीय आत्म निर्भर श्रेणी मंदिर श्री कैला देवी जी झील का बाड़ा मंदिर की अचल सम्पदा का विवरण निम्नानुसार है:-

बयाना विधान सभा क्षेत्र में देवस्थान विभाग द्वारा प्रबंधित एवं नियंत्रित राजकीय आत्म निर्भर श्रेणी मंदिर श्री कैलादेवी जी झील का बाड़ा बयाना है। इस मंदिर की कोई कृषि भूमि नहीं है। व्यावसायिक सम्पदाओं में मंदिर की 9 दुकानें एवं मेला क्षेत्र में अस्थायी चबूतरे हैं। कोई आवासीय सम्पदा नहीं है।

2. राजकीय आत्म निर्भर श्रेणी मंदिर श्री उषा जी किला बयाना की अचल सम्पदा में मंदिर परिसर है।

<u>सुपुर्दगी श्रेणी</u>

1. देवस्थान विभाग द्वारा नियंत्रित राजकीय सुपुर्दगी श्रेणी का एक मंदिर श्री बृजदूल्हें जी बयाना है। मंदिर श्री बृजदूल्हें जी अचल सम्पदा में मंदिर परिसर है।

(2) राजकीय आत्म निर्भर श्रेणी मंदिर श्री कैला देवी जी झील का बाड़ा मंदिर की कृषि तथा व्यावसायिक, आवासीय सम्पत्तियों का विवरण निम्नानुसार है:-

बयाना विधान सभा क्षेत्र में देवस्थान विभाग द्वारा प्रबंधित एवं नियंत्रित राजकीय आत्म निर्भर श्रेणी मंदिर श्री कैलादेवी जी झील का बाड़ा बयाना है। इस मंदिर की कोई कृषि भूमि नहीं है। व्यावसायिक सम्पदाओं में मंदिर की 9 दुकानें एवं मेला क्षेत्र में अस्थायी चबूतरे हैं। कोई आवासीय सम्पदा नहीं है। मंदिर श्री कैला देवी जी झील का बाड़ा बयाना में मेलों में अस्थायी दुकानों की नीलामी से विगत 5 वर्ष में कुल राशि रुपया 1,61,42,232/- रुपयों की आय हुई है जिसका विवरण निम्नानुसार है:-

1. वर्ष 2019-20 राशि 46,36,232/- रुपये।

डा. ऋतु बनावत (बयाना): माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरे पास जवाब तो आ गया है।

श्री अध्यक्ष: आप पहले कहतीं। अब लास्ट की 2 लाइनें रही हैं। सुन लीजिये, फिर आपका पूरक लेंगे।

देवस्थान मंत्री (श्री जोराराम कुमावत): 2. वर्ष 2020-21 (कोविड के कारण मेले आयोजन नहीं)

(देवस्थान मंत्री)

3. वर्ष 2021-22 में राशि 36,67,050/- रुपये।

4. वर्ष 2022-23 में राशि 61,11,268/- रुपये।

5. वर्ष 2023-24 में राशि 17,27,682/- रुपये (दिसम्बर, 2023 तक) आय हुई है।

(सूची पुस्तकालय में रखी गयी)

श्री अध्यक्ष: पूरक प्रश्न।

डा. ऋतु बनावत (बयाना): माननीय अध्यक्ष महोदय, झील का बाड़ा कैला देवी का जो मंदिर है, वह न केवल भरतपुर जिले का बल्कि बाहर के भी कई जिलों के लोगों की आस्था का बहुत बड़ा केन्द्र है। आदरणीय मुख्य मंत्री जी और भरतपुर जिले से आने वाले सभी विधायकों की कुल देवी का यह मंदिर है। वहां पर 9 व्यावसायिक दुकानें होने के बावजूद, आत्मनिर्भर श्रेणी का मंदिर होने के बावजूद भी डवलपमेंट के नाम पर वहां कुछ भी नहीं है।

मैं मंत्री जी से पूछना चाहती हूं कि इतना बड़ा आस्था का केन्द्र होने के बावजूद अब तक डवलपमेंट वहां कुछ भी नहीं हुआ है। यहां हम देखते हैं कि मोदी जी ने जगह-जगह शौचालय निर्मित किये हैं ताकि आम जन को परेशानी नहीं हो। झील के बाड़े में लगातार वर्षों से, एक परम्परा के अनुसार मेला लगता है।

श्री अध्यक्ष: आपके प्रश्न का उत्तर आने दीजिये।

डा. ऋतु बनावत (बयाना): लेकिन वहां पर शौचालय तक निर्मित नहीं है। मैं मंत्री जी से पूछना चाहती हूं कि वहां पर डवलपमेंट के लिए सरकार की क्या योजनाएं हैं?

श्री अध्यक्ष: माननीय मंत्री जी।

श्री जोराराम कुमावत (पशुपालन एवं डेयरी मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, झील का बाड़ा कैला देवी मंदिर में 5 साल में 1,61,42,232 रुपये की आय हुई है। पिछली सरकार ने झील का बाड़ा मंदिर में विकास की कोई योजना नहीं बनायी थी। हम निश्चित रूप से इस बारे में योजना बनायेंगे। जो माननीय सदस्य ने पूछा है उसके सम्बन्ध में इनको योजना बनाकर के जवाब देंगे।

श्री अध्यक्ष: अगला प्रश्न। श्री छगनसिंह राजपुरोहित। हो गया। 2 प्रश्न हो गये।

डा. ऋतु बनावत (बयाना): एक क्वेश्चन नहीं हुआ।

श्री अध्यक्ष: दो हो गये हैं।

डा. ऋतु बनावत (बयाना): नहीं, एक क्वेश्चन हुआ है।

श्री अध्यक्ष: श्री छगनसिंह राजपुरोहित। श्री छगनसिंह राजपुरोहित।

डा. ऋतु बनावत (बयाना): अध्यक्ष जी, केवल एक क्वेश्चन हुआ है।

श्री अध्यक्ष: दो हो गये हैं। माननीय सदस्य, बैठिये। दो हो गये हैं।

डा. ऋतु बनावत (बयाना): अध्यक्ष जी, उषा मंदिर, बयाना में जो पांच हजार साल पुराना मंदिर है।

श्री अध्यक्ष: आप बैठिये, अंकित नहीं हो। दो सभी को अलाउ हैं, दो आपके हो गये। ऐसे तो फिर प्रश्न ही चार होंगे। फिर आपके उत्तर ही नहीं आयेंगे।

श्री छगनसिंह राजपुरोहित।

श्रमिक डायरी से देय लाभ

7. श्री छगनसिंह राजपुरोहित (आहोर): क्या श्रम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:-

(1) प्रदेश में श्रमिक डायरी से श्रमिक को क्या-क्या लाभ मिलते हैं?

(2) क्या यह सही है कि विगत पांच वर्षों में सरकार ने श्रमिक डायरी पर शुभशक्ति योजना में किसी भी लाभार्थी को लाभ नहीं दिया है?

श्री अध्यक्ष: माननीय मंत्री महोदय। आप बैठिये, माननीय मंत्री महोदय आप बोलिये। आप बैठिये, आपका प्रश्न नहीं है।

श्री किरोड़ी लाल (कृषि मंत्री) : (1) निर्माण कार्य में नियोजित श्रमिकों हेतु भवन एवं अन्य संनिर्माण श्रमिक कल्याण मण्डल द्वारा पंजीकृत श्रमिकों हेतु लागू योजनाओं का विवरण परिशिष्ट-1 पर संलग्न है।

(2) जी नहीं। मंडल कोष से शुभशक्ति योजना के अन्तर्गत विगत 5 वर्षों में हित लाभ के रूप में आवेदकों को कुल रुपये 157.63 करोड़ का हित लाभ दिया गया है।

(विवरण पुस्तकालय में रखा गया)

श्री अध्यक्ष: पूरक प्रश्न।

श्री छगनसिंह राजपुरोहित (आहोर): माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरा आपके माध्यम से प्रश्न है कि विगत 5 वर्षों में आहोर विधान सभा क्षेत्र में कितनी अविवाहित बेटियों को प्रोत्साहन हेतु 55 हजार रुपये दिये गये हैं?

श्री अध्यक्ष: माननीय मंत्री जी।

श्री किरोड़ी लाल (कृषि मंत्री): इसमें इन बालिकाओं के लिए शुभशक्ति योजना है। जिनको सम्बल दिया गया है। जो टोटल रजिस्ट्रेशन 13 योजनाओं का हुआ है, 13 योजनाएं जिनसे लाभान्वित किया जाता है, वह 32.63 लाख का हुआ है। यह सीधा-सीधा आंकड़ा कि विशेषकर शुभशक्ति को कितना दिया गया, यह माननीय सदस्य को मैं सूचित कर दूंगा। शुभशक्ति योजना में करीबन 2.46 लाख आवेदन आये थे तो उसमें शिकायतें मिली थीं। 2022 में शुभशक्ति योजना के 2.28 लाख आवेदन लंबित थे। इनको वेरिफाई किया जा रहा है और वेरिफाई किया गया तो 92 हजार आवेदन गलत पाए गए। शुभशक्ति योजना के फर्जी आवेदन बड़ी संख्या में आने के कारण उनको वेरिफाई करने की प्रक्रिया चल रही है। जैसे ही प्रक्रिया पूरी हो जाएगी, मैं आपको संख्या से अवगत करवा दूंगा।

श्री मनोज कुमार (सादुलपुर): माननीय अध्यक्षजी, पिछले पांच वर्ष में एक पैसा नहीं दिया।

श्री अध्यक्ष: यह आपका प्रश्न नहीं है। आपका नहीं है। आप बैठिए। (व्यवधान) माननीय सदस्य, जिसका मूल प्रश्न है केवल वही माननीय सदस्य दो पूरक प्रश्न पूछेगा। आप बीच में नहीं बोलेंगे।

श्री मनोज कुमार (सादुलपुर): माननीय अध्यक्ष महोदय, बहुत पीड़ा है।

श्री अध्यक्ष: आप मंत्रीजी से मिलकर पीड़ा व्यक्त करें। और कोई पूरक प्रश्न है क्या?

श्री छगनसिंह राजपुरोहित (आहोर): माननीय अध्यक्ष महोदय, जैसा कि माननीय मंत्री महोदय ने मुझे आश्वस्त किया है, मुझे विश्वास है कि पिछले पांच वर्षों में मेरे विधान सभा क्षेत्र में अविवाहित बच्चियों के विवाह के समय में प्रोत्साहन राशि नहीं दी गई थी। मुझे पूरा विश्वास है कि आगामी समय में इस योजना में जरूर देंगे। धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष: बैठिये। श्री लक्ष्मण राम।

श्री किरोड़ी लाल (कृषि मंत्री): आप कहें तो जवाब दे दूं?

श्री अध्यक्ष: नहीं, हो गया।

अगला प्रश्न। श्री लक्ष्मण राम।

मेड़ता के किसानों को बीमा क्लेम का भुगतान

8. श्री लक्ष्मण राम (मेड़ता): क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:-

(1) क्या यह सही है कि विधान सभा क्षेत्र मेड़ता में किसानों का बीमा किया गया है? यदि हां, तो किस बीमा कंपनी द्वारा व कितने किसानों का? विगत तीन वर्षों का संख्यात्मक विवरण सदन की मेज पर रखें।

(2) उक्त विधान सभा क्षेत्र में फसल बीमा योजनान्तर्गत खरीफ व रबी की फसल वर्ष 2020 से 2023 तक कुल कितनी बीमा क्लेम की राशि का भुगतान किया गया व कितने किसानों का भुगतान शेष है? संख्यात्मक विवरण सदन की मेज पर रखें।

श्री अध्यक्ष: माननीय मंत्रीजी। कृषि मंत्रीजी। कृषि मंत्रीजी, आपका प्रश्न है। (व्यवधान)

कृषि मंत्री (श्री किरोड़ी लाल): (1) जी हां। विधान सभा क्षेत्र मेड़ता में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत किसानों की फसलों का बीमा किया गया है। खरीफ 2020 से रबी 2022-23 तक रिलायंस जनरल इंश्योरेंस कम्पनी लिमिटेड द्वारा वर्षवार निम्नानुसार किसानों की संख्या में फसलों का बीमा किया गया है, जिसका वर्षवार विवरण निम्नानुसार है :-

वर्ष	**किसानों की संख्या**
2020-21	29,992
2021-22	27,454
2022-23	32,164

(2) उक्त विधान सभा क्षेत्र में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना प्रावधानों के अनुसार दर्ज की गई उपज क्षति के आधार पर खरीफ 2020 से रबी 2022-23 तक पात्र बीमित फसल के किसानों को 85.98 करोड़ रुपये के बीमा क्लेम बीमा कम्पनी द्वारा जारी किये गये हैं एवं 7 किसानों के फसल बीमा क्लेम लंबित हैं। लंबित बीमा क्लेमों का भुगतान प्रक्रियाधीन है।

श्री लक्ष्मण राम (मेड़ता): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय से यह पूछना चाहता हूं, मेरे प्रश्न के बिन्दु संख्या (2) में 7 किसानों का फसल बीमा क्लेम का भुगतान लंबित एवं प्रक्रियाधीन बताया गया है। मंत्री महोदय, इन 7 किसानों को बीमा क्लेम की राशि कब तक दे दी जाएगी? यह बताने की कृपा करें।

श्री किरोड़ी लाल (कृषि मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, जिन 7 किसानों की बीमा क्लेम राशि लंबित बता रहे हैं, इन 7 लोगों का 7 करोड़ रुपया स्टेट ने जारी कर दिया है। पहले स्टेट जारी करता है फिर उतनी ही राशि केन्द्र देगा, इस प्रकार से केन्द्र तक प्रक्रिया चलेगी, इतना समय लगेगा, उसके बाद पूरा क्लेम मिल जाएगा।

श्री अध्यक्ष: जल्द से जल्द दिलवाइए।

श्री मनोज कुमार।

सुजानगढ़ व बीदासर ब्लाक के भवन-विहीन उप स्वास्थ्य केन्द्र

9. **श्री मनोज कुमार** (सुजानगढ़): क्या चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:-

(1) सुजानगढ़ एवं बीदासर ब्लाक में कितने उप स्वास्थ्य केन्द्र स्वीकृत हैं? सूची सदन की मेज पर रखें।

(2) उक्त उप स्वास्थ्य केन्द्रों में से कितने केन्द्र विभाग के स्वयं के भवनों में संचालित नहीं हैं? सूची सदन की मेज पर रखें।

(3) उक्त में से कितने भवन अत्यधिक पुराने व जर्जर स्थिति में हैं? क्या सरकार भवन विहीन व जर्जर भवनों के नवनिर्माण हेतु राशि स्वीकृत करने का विचार रखती है? यदि हां, तो कब तक? विवरण सदन की मेज पर रखें।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह): (1) ब्लाक बीदासर में 48 एवं ब्लाक सुजानगढ़ में 66 उप स्वास्थ्य केन्द्र स्वीकृत हैं। सूची परिशिष्ट-"अ" पर संलग्न है।

(2) उपरोक्त उप स्वास्थ्य केन्द्रों में से 17 उप स्वास्थ्य केन्द्र विभाग के भवन में संचालित नहीं हैं। सूची परिशिष्ट-ब पर संलग्न है।

(3) उक्त उप स्वास्थ्य केन्द्रों में से केवल एक उप स्वास्थ्य केन्द्र ढाणी कालेरान का भवन पुराना व जर्जर अवस्था में है।

भवन विहीन व जर्जर स्थिति में स्थित उप स्वास्थ्य केन्द्रों के भवनों का निर्माण चालू/आगामी वित्तीय वर्षों में भूमि की उपलब्धता एवं वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता एवं गुणावगुण के आधार पर भवन निर्माण हेतु राशि स्वीकृत किये जाने पर विचार किया जा सकेगा।

(सूचियां पुस्तकालय में रखी गयीं)

श्री मनोज कुमार (सुजानगढ़): माननीय अध्यक्ष महोदय, जवाब आ गया है। मैं पूरक प्रश्न पूछ लेता हूं।

श्री अध्यक्ष: माननीय मंत्रीजी, माननीय सदस्य सीधा सप्लीमेंट्री प्रश्न पूछना चाह रहे हैं।

श्री मनोज कुमार (सुजानगढ़): जो भवन बहुत पुराने हो चुके हैं और जहां एएनएम कार्य नहीं कर रही हैं क्योंकि वो भवन क्षतिग्रस्त हैं, दूसरे स्थान पर वो काम कर रही हैं इस वजह से, परंतु उन भवनों को अभी तक जर्जर घोषित नहीं किया गया है। इनकी दोनों तहसीलों में कितनी संख्या है और इनको कब तक जर्जर घोषित कर नये भवन सरकार बनाने का विचार रखती है?

श्री अध्यक्ष: माननीय मंत्रीजी।

श्री गजेन्द्र सिंह (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री): खण्ड 1, ब्लाक बीदासर में ...

श्री मनोज कुमार (सुजानगढ़): जवाब तो आ गया है, मैं सप्लीमेंट्री पूछना चाहता हूं।

श्री अध्यक्ष: आप पूरक प्रश्न का उत्तर दीजिए। प्रश्न पढ़ा हुआ मान लिया। (व्यवधान) शांत रहिए। माननीय सदस्य, आप एक बार दोबारा पूरक प्रश्न बोल दीजिए।

श्री मनोज कुमार (सुजानगढ़): जो भवन बहुत पुराने हो चुके हैं और जहां एएनएम कार्य नहीं कर रही है, ऐसे क्षतिग्रस्त भवन हैं, इन भवनों को आपने अभी तक जर्जर घोषित नहीं किया है, दोनों तहसीलों में इनकी संख्या कितनी है और इनको कब तक जर्जर घोषित कर यहां नए भवन बनाने का सरकार विचार रखती है?

श्री गजेन्द्र सिंह (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले जो भी जर्जर भवन हैं उनका पीडब्ल्यूडी सर्वे करके आइडेंटीफाई करके उसका सर्टिफिकेशन करती है और उसके बाद जर्जर हालत में भवन होता है तो उसको गिराकर नया भवन बना दिया जाता है। इसके अन्दर हम आइडेंटीफाई करते हैं। आपके कोई प्रस्ताव हैं तो आप भेजें, हमारे पास भी बजट है, कुछ-कुछ पीडब्ल्यूडी से होते हैं तो उसका सर्वे करवाकर, देखकर हम आपको सूचना देंगे। (व्यवधान)

श्री मनोज कुमार (सुजानगढ़): माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरे सवाल का जवाब नहीं आया है। (व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: मैं तीसरी बार नोट कर रहा हूं आपको हर प्रश्न पर आप बोल लेते हो, आप सदन के नये सदस्य हो यह सोच रहे हो? I will not tolerate it.

श्री मनोज कुमार (सुजानगढ़): माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरा सिम्पल-सा सवाल है कि कितने भवनों में एएनएम काम नहीं कर रही हैं, क्योंकि वो क्षतिग्रस्त हो गए बरसात की वजह से या बहुत पुराने हो जाने की वजह से, पर विभाग ने अभी लिखा नहीं है पीडब्ल्यूडी को कहीं भी, वो जब तक लिखेंगे नहीं तब तक पीडब्ल्यूडी जर्जर घोषित नहीं करेगी। दोनों तहसीलों में ऐसे कितने भवन हैं? कब तक इनको जर्जर घोषित करके इनको नया बनाया जाएगा?

श्री गजेन्द्र सिंह (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, मूल प्रश्न जो उन्होंने पूछा उसका मेरे पास जवाब है, अब आप कह रहे हैं कि फलानी जगह, फलानी जगह बताइए। मैंने आपको नियम बता दिया कि नियम क्या है।

श्री मनोज कुमार (सुजानगढ़): दो तहसीलों की बात है। सुजानगढ़ और बीदासर, दो तहसीलों की बात है। (व्यवधान)

श्री गजेन्द्र सिंह (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री): उसकी जांच करा लेंगे, प्रपोजल आप अपना मेरे पास भेज दीजिए, उसकी जांच करा लेंगे। जर्जर हालत में है तो करा लेंगे ठीक।

श्री अध्यक्ष: श्रीमती इन्द्रा।

महिलाओं को स्मार्ट फोन का वितरण

10. श्रीमती इन्द्रा (बामनवास): क्या सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:-

(1) क्या यह सही है कि प्रदेश में पूर्ववर्ती सरकार द्वारा चिरंजीवी परिवार की महिलाओं को स्मार्ट फोन वितरित किये गये थे? यदि हां, तो अब तक कितनी महिलाओं को स्मार्ट फोन दिये गये तथा उक्त पर कितनी राशि व्यय की गई? संख्यात्मक विवरण सदन की मेज पर रखें।

(2) प्रदेश में कितनी महिलाओं को स्मार्ट फोन दिया जाना शेष है? क्या सरकार उक्त वंचित महिलाओं को स्मार्ट फोन देने का विचार रखती है? यदि हां, तो कब तक व नहीं, तो क्यों? विवरण सदन की मेज पर रखें।

श्री अध्यक्ष: माननीय मंत्रीजी। (व्यवधान) सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्रीजी।

सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार मंत्री (कर्नल राज्यवर्धन राठौड़): (1) जी हां। यह सही है कि प्रदेश में विगत सरकार द्वारा चिरंजीवी परिवार की महिलाओं को स्मार्ट फोन वितरित किये गये थे। कुल 24,56,001 (24 लाख 56 हजार एक) महिलाओं को स्मार्ट फोन मय इंटरनेट डाटा दिया गया। इस पर कुल 1670.08 करोड़ रुपये राशि खर्च की गई।

(2) वित्तीय वर्ष 2023-24 की बजट घोषणा की पालना में स्मार्ट फोन वितरण कार्य को आचार संहिता के कारण बंद कर दिया गया था। विगत सरकार द्वारा प्रथम चरण में 40 लाख महिलाओं को स्मार्ट फोन दिए जाने का लक्ष्य रखा गया था।

विगत सरकार द्वारा बजट घोषणा 2022-23 में लगभग एक करोड़ तैंतीस लाख चिरंजीवी परिवारों की महिला मुखियाओं को स्मार्ट फोन दिए जाने का लक्ष्य रखा गया था। इसके लिए 1600 करोड़ का बजट प्रावधान रखा गया। उक्त घोषणा को संशोधित कर बजट 2023-24 की घोषणा में 40 लाख लाभांवितों को स्मार्ट फोन दिए जाने का लक्ष्य रखा गया। दिनांक 09.10.2023 तक 24,56,001 महिलाओं को स्मार्ट फोन का वितरण किया गया।

इस योजना से महिलाओं को हुए लाभ व जनहित का परीक्षण करके स्मार्ट फोन योजना पर आगामी निर्णय लिया जाएगा। (व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: हो रहा है। मुझे ध्यान है।

श्रीमती इन्द्रा (बामनवास): माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरे पास जवाब आ गया है।

श्री अध्यक्ष: मेरा काम आप नहीं करेंगे। मेरा काम मैं करूंगा। मेरा काम मुझे आता है, मैं करूंगा। आप बैठिए। प्रश्न का उत्तर आने दें। (व्यवधान)

श्रीमती इन्द्रा (बामनवास): माननीय अध्यक्ष महोदय, जवाब आ गया है, मैं सप्लीमेंट्री क्वेश्चन पूछना चाहती हूं।

श्री अध्यक्ष: डोटासराजी, माननीय सदस्य, आप बहुत सम्माननीय हैं आप विराजो।

श्री जुबेर खान (रामगढ़): आप उनको भी कहिए।

श्रीमती इन्द्रा (बामनवास): माननीय अध्यक्ष महोदय, सदन का मजाक बना रखा है।

श्री अध्यक्ष: माननीय मंत्रीजी, उत्तर रहने दीजिए। (व्यवधान) उत्तर दिलाना मेरा काम है, मेरा काम आप नहीं करेंगे। मेरा काम मैं करूंगा। आप बैठिए।

श्री जुबेर खान (रामगढ़): आप उनको भी तो कहिए।

श्री अध्यक्ष: मैं कह रहा हूं कि आप बैठिए। आई विल नेम यू। मैं आपका नाम लूंगा। आप ऐसा काम न करें कि मुझे बाहर भेजना पड़े।

श्रीमती इन्द्रा (बामनवास): माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरे पास जवाब आ गया है।

श्री अध्यक्ष: यह मेरा काम है। आप उत्तर आने दीजिए। आप उत्तर सुनिए। सदन का तमाशा बना रखा है तीन-चार लोगों ने।

श्री टीकाराम जूली (नेता, प्रतिपक्ष): माननीय अध्यक्ष महोदय, आज सदन में मंत्री जवाब नहीं दे पा रहे हैं, मंत्रियों की तैयारी नहीं है। मंत्रियों को यह नहीं पता कि मेरा क्वेश्चन बुल गया है। इससे बड़ी बात और क्या हो सकती है? (व्यवधान)

श्री जुबेर खान (रामगढ़): आप मंत्रियों को कहो कि प्रश्न का जवाब दें, तैयारी करके आएं।

श्री अध्यक्ष: आप बैठिए, उत्तर आ रहा है। उत्तर आ रहा है। मंत्री महोदय, उत्तर दीजिए।

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ (उद्योग मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, इसका जवाब है, (1) जी हां। यह सही है कि प्रदेश में विगत सरकार द्वारा...

श्रीमती इन्द्रा (बामनवास): माननीय अध्यक्ष महोदय, इसका जवाब मेरे पास आ गया है और समय नहीं है इसलिए मैं सप्लीमेंट्री क्वेश्चन पूछ रही हूं।

श्री अध्यक्ष: उत्तर आ गया, आप पूरक प्रश्न पूछेंगे। आप पूरक प्रश्न पूछें।

श्रीमती इन्द्रा (बामनवास): जो मैंने प्रश्न पूछा उसका जवाब आ गया है। 24 लाख 56 हजार महिलाओं को फोन वितरण कर चुके हैं, 1 करोड़ का लक्ष्य था, दोबारा से इसमें संशोधन करके 40 लाख महिलाओं को देने का लक्ष्य रखा गया था, उसमें से 24 लाख 56 हजार को मिल चुका है। माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्रीजी से पूछना चाहती हूं कि जिस तरीके से जवाब दिया गया है कि इस योजना में महिलाओं को हुए लाभ और जनहित का परीक्षण करके स्मार्ट फोन योजना में आगामी निर्णय लिया

(श्रीमती इन्द्रा)

जाएगा। 'इसमें हुए लाभ' मैं आप सबसे पूछना चाहती हूं कि जिस तरीके से कोरोना आया, कोरोना के बाद में सभी बालक और बालिकाओं द्वारा ऑनलाइन पढ़ाई करने का एक ट्रेंड बन गया है, सारे बालक और बालिकाएं ऑनलाइन पढ़ाई करते हैं, तो मैं आपसे पूछना चाहती हूं कि सदन के अन्दर जितने भी लोग हैं चाहे पक्ष के हों या विपक्ष के, सबके बालक ऑनलाइन पढ़ाई करते हैं।

क्या गरीब लोगों की बालिकाएं ऑनलाइन पढ़ाई करने की हकदार नहीं हैं? क्या आप परीक्षण करेंगे? क्या वे ऑनलाइन पढ़ाई करने की हकदार नहीं हैं? जनहित का क्या परीक्षण करेंगे? सीधा जवाब दीजिये कि बची हुई बालिकाओं को मोबाइल फोन देंगे या नहीं?

(समय: 12.00 बजे)

श्री अध्यक्ष: जवाब तो सुनिये।

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ (उद्योग मंत्री): माननीय स्पीकर महोदय, इनका जो प्रश्न था, शेष महिलाओं को क्या दिया जायेगा, उसके लिए यह उत्तर दिया था। हमारी राज्य सरकार और केन्द्र सरकार की अनेकों योजनाएं हैं, जिनके अन्तर्गत हमने पूरा भारत डिजिटाइज किया है। घर-घर, गांव-गांव तक फाइबर ऑप्टिक गया है, तो यह जो प्रश्न पूछा है कि क्या हम यह स्वीकार करते हैं? हां, बिलकुल, पूरे हिन्दुस्तान के अन्दर डिजिटल शिक्षा पहुंचाने की ...(व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: प्रश्न काल समाप्त हो गया।

(शेष तारांकित व समस्त अतारांकित प्रश्नोत्तर के लिए कृपया आगे देखें)

श्री टीकाराम जूली (नेता, प्रतिपक्ष): माननीय अध्यक्ष महोदय, देखिये, अधिकारी सदन से बाहर जा रहे हैं।

श्री अध्यक्ष: जब तक मैं खड़ा हूं, कोई अधिकारी नहीं जायेगा। सीएस को लिखना पड़ेगा।

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): आपका अपमान किया है इन्होंने।

श्री अध्यक्ष: यह बहुत समय से हो रहा है, अब नहीं होगा।

श्री जोगाराम पटेल (संसदीय कार्य मंत्री): आप बैठ जाइये। अपमान हुआ है या नहीं, हम सबको पता है, स्पीकर महोदय को पता है। आप बैठ जाइये। बार-बार बीच में खड़े हो जाते हैं। बैठ जाइये आप।

श्री अध्यक्ष: माननीय सदस्य, बैठिये। I am on legs. माननीय सदस्य, बैठिये।

स्थगन प्रस्तावों पर अध्यक्षीय व्यवस्था

प्रक्रिया के नियम 50 के अन्तर्गत प्राप्त स्थगन प्रस्तावों की व्यवस्था। मुझे माननीय सदस्यों को सूचित करना है कि निम्नांकित स्थगन प्रस्तावों की सूचना प्राप्त हुई है:- (व्यवधान)

श्री शान्ती धारीवाल (कोटा उत्तर): मैं पाइंट आफ आर्डर उठा रहा हूं।

श्री अध्यक्ष: आप बैठिये। I am on the Chair. बैठिये। धारीवाल जी, I will name you. आप बैठिये। (व्यवधान) मैं कह रहा हूं बैठिये। धारीवाल जी, बैठिये। I will not tolerate it. मैं स्थगन प्रस्तावों की व्यवस्था दे रहा हूं, आप बैठिये। (व्यवधान) आप बैठिये।

श्री जुबेर खान (रामगढ़): आप इनकी बात तो सुन लीजिये। पाइंट आफ आर्डर की बात है। (व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: मैं स्थगन प्रस्ताव की व्यवस्था दे रहा हूं। मैं इनके नाम ले लूंगा। (व्यवधान)

श्री जोगेश्वर गर्ग (सरकारी मुख्य सचेतक): शून्य काल में पाइंट आफ आर्डर नहीं होता।

श्री अध्यक्ष: मुझे माननीय सदस्यों को सूचित करना है कि निम्नांकित स्थगन प्रस्तावों की सूचना प्राप्त हुई है:-

(1) प्रदेश में राजीव गांधी युवा मित्र योजनान्तर्गत रोजगार प्राप्त शिक्षित युवाओं की सेवाएं समाप्त करने से उत्पन्न स्थिति विषयक स्थगन प्रस्ताव निम्नांकित माननीय सदस्यों से प्राप्त हुए हैं:-

i. श्री हरिमोहन शर्मा।

ii. श्री अमित चाचाण।

iii. श्री अमीन कागजी।

iv. श्री अनिल कुमार शर्मा।

v. श्री रोहित बौहरा।

vi. श्री लक्ष्मण।

vii. श्री विद्याधर सिंह।

(श्री अध्यक्ष)

viii. श्री वीरेन्द्र सिंह।

ix. सुश्री रीटा चौधरी।

x. श्री राजकुमार रोत।

(2) श्री हनुमान बेनीवाल, सदस्य की ओर से प्रदेश में अघोषित बिजली कटौती से आम उपभोक्ताओं को हो रही परेशानी के सम्बन्ध में।

उपरोक्त प्रस्ताव ऐसे नहीं हैं कि सदन की पूर्व निर्धारित कार्यवाही को रोककर इन पर विचार किया जाये, अतः इन पर अनुमति देने में असमर्थ हूं। फिर भी माननीय सदस्य श्री हरिमोहन शर्मा, श्री रोहित बौहरा एवं श्री राजकुमार रोत को उनके प्रस्ताव की विषयवस्तु पर दो-दो मिनट बोलने की अनुमति होगी।

नियम 295 के अन्तर्गत प्राप्त विशेष उल्लेख की सूचनाएं

(1) श्री गोविन्द प्रसाद, सदस्य की ओर से विधान सभा क्षेत्र मनोहर थाना की क्षतिग्रस्त पुलियाओं की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में।

(2) डा. ऋतु बनावत, सदस्य की ओर से जिला धौलपुर एवं भरतपुर की जाट जाति को केन्द्र की भांति अन्य पिछड़ा वर्ग की अधिकृत सूची में शामिल किये जाने के सम्बन्ध में।

(3) श्री हमीर सिंह भायल, सदस्य की ओर से विधान सभा क्षेत्र सिवाना की तहसील सिवाना, समदड़ी और सिणधरी के क्षेत्र को खनिज विभाग जालौर से जिला बाड़मेर या नव सृजित जिला बालोतरा के अधीन करने के सम्बन्ध में।

(4) श्री अर्जुन लाल, सदस्य की ओर से निजी कम्पनियों द्वारा छोटे किसानों के खेतों में बिना किसी मुआवजे के उच्च क्षमता की विद्युत लाइनें खींचे जाने के सम्बन्ध में।

(5) श्री फूल सिंह मीणा, सदस्य की ओर से प्रदेश में पैरिफेरी क्षेत्रों में वर्षों से बसी कालोनियों में पट्टा जारी नहीं किये जाने से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में।

(6) श्री चेतन पटेल कोलाना, सदस्य की ओर से प्रदेश में अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के छात्र/छात्राओं की बकाया छात्रवृत्ति का शीघ्र भुगतान करने के सम्बन्ध में।

(श्री अध्यक्ष)

(7) श्री मनीष यादव, सदस्य की ओर से विधान सभा क्षेत्र शाहपुरा से गुजरने वाले नेशनल हाईवे 48 पर हो रही मादक पदार्थों की तस्करी को रोकने हेतु समुचित कार्रवाई करने के सम्बन्ध में।

(8) डा. शैलेश सिंह, सदस्य की ओर से भरतपुर सम्भाग के डीग जिले में उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय खोलने के सम्बन्ध में।

(9) श्री उदयलाल डांगी, सदस्य की ओर से विधान सभा क्षेत्र वल्लभनगर में जल कनेक्शन से वंचित पंचायतों को जल जीवन मिशन से जोड़ने के सम्बन्ध में।

(10) श्री संदीप शर्मा, सदस्य की ओर से कोटा शहर में सार्वजनिक स्थानों पर अवैध मांस की दुकानों द्वारा खुले में मांस विक्रय को अविलम्ब बन्द करवाये जाने के सम्बन्ध में।

(11) श्री हरिसिंह रावत, सदस्य की ओर से विधान सभा क्षेत्र भीम की नवगठित नगरपालिका के कार्यालय का गठन कर अधिकारियों/ कर्मचारियों की नियुक्ति करने के सम्बन्ध में।

(12) श्री बालमुकुन्दाचार्य, सदस्य की ओर से जयपुर शहर के परकोटे से बहुसंख्यक समाज के लोगों के हो रहे पलायन को रोकने के सम्बन्ध में।

(13) श्री हनुमान बेनीवाल, सदस्य की ओर से जिला जयपुर एवं जोधपुर में नगरीय विकास एवं आवासन विभाग के अधिकारियों के संरक्षण में बिल्डरों द्वारा बिल्डिंग बायलॉज के प्रावधानों का उल्लंघन करने से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में।

(14) डा. कैलाश वर्मा, सदस्य की ओर से जिला जयपुर में 200 फीट चौराहा से लेकर बगरू पुलिया तक लगने वाले असामयिक ट्रैफिक जाम से आम जनता को हो रही परेशानी से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में।

(15) श्री थावर चन्द मीणा, सदस्य की ओर से विधान सभा क्षेत्र धरियावद की तहसील धरियावद में कृषि मण्डी के खाते में दर्ज भूमि पर लगे स्टे को हटाकर किसानों को लाभान्वित करने के सम्बन्ध में।

(श्री अध्यक्ष)

माननीय सदस्यों को उनके द्वारा दी गयी सूचना को पढ़ने की अनुमति होगी।

श्री हरिमोहन जी शर्मा।

स्थगन प्रस्ताव आदि पर चर्चा

राजीव गांधी युवा मित्र योजना के अन्तर्गत रोजगार प्राप्त शिक्षित युवाओं की सेवा समाप्ति

श्री हरिमोहन शर्मा (बून्दी): माननीय अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले तो मैं आपका आभार व्यक्त करता हूं कि आपने मुझे इस प्रस्ताव पर बोलने का अवसर दिया। मान्यवर, मैं इस बात से बहुत प्रसन्न हुआ था कि भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व ने योग्यतम लोगों को छोड़कर एक साधारण परिवार के व्यक्ति को राजस्थान का मुख्य मंत्री बनने का अवसर दिया। हमें यह उम्मीद थी कि जिस वर्ग से, जिस पिछली सीट पर बैठे हुए जिस व्यक्ति को राजस्थान का मुख्य मंत्री बनाया, वह व्यक्ति राजस्थान के सभी लोगों के साथ न्याय करेगा, लेकिन मुझे अफसोस है, जो सबसे पहला काम माननीय मुख्य मंत्री जी ने किया, पांच हजार लोग, जिनके लिए राजस्थान की पूर्ववर्ती सरकार के द्वारा रोजगार दिया जा रहा था, उन्हें बेरोजगार बनाने का जो काम किया, यह उनसे हमें अपेक्षा नहीं थी। हमें उनसे अपेक्षा थी कि जिस वर्ग से वे आये हैं, जिस पिछड़े स्थान से आये हैं और जिन्हें इतने बड़े स्थान पर बैठाया तो कम से कम वे पिछड़े लोगों, गरीब लोगों के हितों का तो ख्याल रखेंगे, लेकिन प्रथम काम जो उन्होंने किया, वह निन्दनीय कृत्य है।

माननीय, राजस्थान सरकार ने 2022-23 और 2023-24 के बजट में इन बेरोजगारों के लिए, इन राजीव गांधी युवा मित्रों के लिए एक योजना बनायी। उन्हें करना यह चाहिये था कि राजस्थान सरकार और केन्द्र सरकार की जो योजनाएं हैं, उन्हें जन-जन तक पहुंचाएं और जन-जन तक पहुंचाकर उन योजनाओं की क्रियान्विति ठीक प्रकार से हो पा रही है या नहीं, उन बातों पर वे योगदान दें, लेकिन अफसोस इस बात का है कि योजनाओं की जानकारी देने के बाद भी, सारे काम करने के बाद भी बिना कोई नोटिस दिये पांच दिन भी यह सरकार इन्तजार नहीं कर सकी। उन्हें न तो नोटिस दिया, न कुछ दिया। माननीय, भारतीय जनता पार्टी में मोदी जी ने गारंटी दी थी।

श्री अध्यक्ष: अब समाप्त करिये। और भी बोलने वाले हैं।

श्री हरिमोहन शर्मा (बून्दी): मोदी जी ने गारंटी दी थी कि 2 लाख 50 हजार लोगों को आगे आने वाले समय में वे रोजगार देंगे, लेकिन प्रथम काम जो इस सरकार ने किया, रोजगार देना तो दूर, अपने चुनाव घोषणा पत्र में भी इन्होंने वादा नहीं किया था कि यहां जो लोग लगे हुए हैं उन्हें हम निकालेंगे, लेकिन रोजगार देना तो दूर, इन्होंने पांच हजार लोगों को बेरोजगार किया।

श्री अध्यक्ष: आपकी बात आ गयी।

श्री हरिमोहन शर्मा (बून्दी): मान्यवर, 5 हजार लोगों को बेरोजगार किया और उनके परिवारों के साथ जो अन्याय किया, वह बिलकुल गैर कानूनी और नियमों के विरुद्ध एवं मानवीय दृष्टिकोण के विपरीत है। एक बात मैं और निवेदन करना चाहता हूं।

श्री अध्यक्ष: आप विराजिए। श्री रोहित बौहरा। आपका विषय वही है। एक मिनट क्या, चार मिनट हो गये हैं।

श्री हरिमोहन शर्मा (बून्दी): एक बात मैं जरूर निवेदन करना चाहूंगा। माननीय, आप एक मिनट मेरी बात सुनें। माननीय, इनको नाराजगी हो सकती है राजीव गांधी के नाम से। इनको नाराजगी हो सकती है पं. जवाहर लाल नेहरू के नाम से। इनको नाराजगी हो सकती है इंदिरा गांधी के नाम से। इनको नाराजगी हो सकती है प्रियंका गांधी के नाम से। इनकी नाराजगी का मूल कारण आप देखिये कि जिन लोगों ने स्वतंत्रता की लड़ाई लड़ी, जेलों में गये, महात्मा गांधी जेल में गये, हमारे पं. जवाहर लाल नेहरू जेलों में गये, इंदिरा गांधी जेलों में गईं, लेकिन उस समय स्वतंत्रता की लड़ाई में गद्दारी करने वाली विचारधारा के जो लोग थे, वे कभी भी यह नहीं चाहते हैं।

श्री अध्यक्ष: आप विराजिये। श्री रोहित बौहरा। अगला नाम पुकारूं क्या? आप विराजिये, आप बहुत पुराने सदस्य हैं। श्री रोहित बौहरा बोलेंगे। माननीय सदस्य, हो गई बात। इस विषय पर तीन सदस्य बोलने वाले हैं। आप बैठ जाइये। आपका यही तरीका है। मैं आपसे ज्यादा तरीका जानता हूं।

श्री हरिमोहन शर्मा (बून्दी): आप हमें बोलने तो दें।

श्री अध्यक्ष: अंकित नहीं होगा।

श्री शान्ती धारीवाल (कोटा उत्तर): 000

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): 000

श्री अध्यक्ष: रोहित बौहरा, बोलना है तो बोलना शुरू करें। अंकित नहीं होगा। विषय वही है, दो मिनट की बात है, पांच मिनट हो गये। अगला इसी विषय पर बोलेगा।

श्री हरिमोहन शर्मा (बून्दी): 000

श्री अध्यक्ष: श्री रोहित बौहरा। मैं तीसरे का नाम पुकारूंगा। आप बोलना शुरू कीजिए।

श्री हरिमोहन शर्मा (बून्दी): 000

श्री अध्यक्ष: आपकी बात सरकार के सामने आ गई है। आप बैठिये। आप आधे घंटे की चर्चा में यह विषय लेकर आयें।

श्री हरिमोहन शर्मा (बून्दी): मैं दो मिनट में खतम कर दूंगा।

श्री अध्यक्ष: चार मिनट हो गये हैं। अगला भी इसी विषय पर बोलेगा। मैंने नाम पुकार दिया है। श्री हरिमोहन जी, माननीय सदस्य, आप सम्माननीय हो, आप पुराने सदस्य हैं, आप बैठिये।

श्री हरिमोहन शर्मा (बून्दी): आप आधे घंटे की चर्चा करवा लें।

श्री अध्यक्ष: आप प्रस्ताव लेकर आइये, चर्चा करवा देंगे। बौहरा जी।

श्री रोहित बौहरा (राजाखेड़ा): धन्यवाद, स्पीकर साहब। स्पीकर साहब, सिर्फ संरक्षण उधर नहीं दीजिए, इधर भी दीजिए। आपको यह बताना पड़ेगा कि ये राजीव गांधी युवा मित्र पांच हजार हैं। आपके प्रधान मंत्री जी कहते हैं कि दो करोड़ रोजगार हम हर साल देंगे, तो दस साल में आपने अभी तक 20 करोड़ रोजगार तो दिये नहीं। आपने इन पांच हजार को जो रोजगार दिया था... । आप बीच में मत बोलिये। आप मंत्री हो सकते हैं, बीच में बोलने का अधिकार नहीं है आपको, +++ मंत्री है तो समझ अपनी है, +++ बीच में कैसे बोल रहे हैं आप।

श्री अध्यक्ष: माननीय सदस्य, मुद्दा प्रदेश का है।

श्री रोहित बौहरा (राजाखेड़ा): स्पीकर साहब, या तो ये बन जाएं स्पीकर।

श्री अध्यक्ष: माननीय सदस्य, आपसे निवेदन कर रहा हूं कि राजस्थान प्रदेश के बारे में आपने पूछा है। आप प्रदेश तक अपने विषय को सीमित रखें। अपना विषय रखें।

श्री रोहित बौहरा (राजाखेड़ा): सर, मैं आपको वही कह रहा हूं कि बीस करोड़ का आपने वादा किया था, यह आपके संकल्प पत्र में था। जिस पर मुख्य मंत्री जी ने बोला कि हमारी डबल इंजन की सरकार है। या तो मुख्य मंत्री जी मना कर दें कि डबल इंजन की सरकार नहीं है और वे मोदी जी को फोलो नहीं करेंगे। वे यह कह दें।

श्री अध्यक्ष: दो मिनट बोलने दीजिए।

श्री जोगाराम पटेल (संसदीय कार्य मंत्री): आपने क्या पर्ची लगाई है?

श्री रोहित बौहरा (राजाखेड़ा): मुझे पता है। मुझे मत समझाइये। मुझे पता है क्या पर्ची लगाई है। आपके खुद के एमएलएज लिख रहे हैं। जवाहर सिंह बेढ़म का लैटर है। आपके करौली वाले दर्शन सिंह गुर्जर का लैटर है कि इन लड़कों को मत निकालिये। यह मैं अकेला नहीं कह रहा हूं। उन लड़कों की आपने क्या हालत कर रखी है। आपने उनको परमिशन नहीं दे रखी है। रात को हमारी बहन, बेटियां सड़क पर सो रही हैं, उनको कम्बल तक प्रोवाइड नहीं किये जा रहे हैं। उनको आप पानी तक प्रोवाइड नहीं करा रहे हैं। ऐसी दमनकारी व असंवेदनशील सरकार हमने नहीं देखी। आपने हटाया क्यों? क्योंकि उसके आगे लिखा हुआ था, राजीव गांधी मित्र। इसलिए उनको हटाया, इसलिए आपको मिर्ची लगी, और किसी की मिर्ची नहीं है। मिर्ची इसकी है कि उसमें क्यों लिखा है, राजीव।

आप नाम बदल देते। उन लड़कों को क्यों निकाल रहे हो? उन लड़कों ने सिर्फ हमारी फ्लैगशिप योजनाओं का प्रचार-प्रसार नहीं किया है। आपकी फ्लैगशिप योजनाओं का भी प्रसार किया है। ये सिर्फ कांग्रेस के लिए नहीं हैं। उन्होंने बीजेपी के लिए भी उतना ही काम किया है, जितना कांग्रेस के लिए काम किया है। ये लड़के ऐसे ही नहीं लगाये गये थे। इनका बाकायदा इंटरव्यू हुआ था। इंटरव्यू के बाद इनकी ट्रेनिंग हुई है। हर सम्भागीय स्तर पर तीन-तीन दिन का ट्रेनिंग प्रोग्राम हुआ है। यह आपके मंत्री को पता नहीं है। आपको सिर्फ बोलना आता है, समझ में नहीं आता है।

भारत संकल्प यात्रा में इन्होंने काम किया। उसके कैम्पों में काम किया। आप ऐसे लोगों को निकालना चाहते हैं। आप इसी तरह से असंवेदनशील कार्य करेंगे। जिस तरह से आपने यह किया है, यह बहुत ही निन्दनीय काम है। मैं चाहता हूं कि ये सरकार अपना डिसीजन वापल ले और इन लड़कों को वापस लगाये।

श्री अध्यक्ष: धन्यवाद। श्री राजकुमार रोत।

श्री राजकुमार रोत (चौरासी): महोदय, स्थगन प्रस्ताव पर बोलने का अवसर दिया, उसके लिए धन्यवाद। माननीय अध्यक्ष महोदय, आज नई सरकार बनी। राजस्थान का युवा सोचता है कि हमारे हित में अच्छा काम हो, भर्तियां निकलें। लेकिन, जिस तरीके से 25.12.2023 को जो लैटर आया, उस पत्र के तहत पांच हजार युवाओं, उनके परिवारों और ये युवा, इनका काम यह

(श्री राजकुमार रोत)

था कि केन्द्र और राज्य की जो योजनाएं हैं, उन योजनाओं को उस गरीब तक पहुंचाना, जो गरीब शहर से दूर है। जिस गरीब परिवार में एजुकेशन नहीं है, उन तक केन्द्र और राज्य की योजनाओं को पहुंचाना, उसका उन तक लाभ पहुंचाना, यह उनका काम था।

माननीय अध्यक्ष महोदय, इनको पिछली सरकार ने लगाया। अब इस सरकार ने क्या सोचकर यह निर्णय लिया, हमारी समझ से बाहर है। मैं आपके सामने राजनीतिक विचाराधाओं से परे हटकर इन युवाओं की जो भावना है, इन युवाओं का जो दर्द है, इनको हटाने की वजह से उन गरीब परिवारों पर क्या असर पड़ने वाला है, जिन गरीब घरों में जाकर ये युवा बता रहे थे कि ये आपकी योजना है, आप इसके पात्र हैं, आप इसके तहत आवेदन करें, उन परिवारों पर क्या असर पड़ने वाला है, उसको लेकर बात रखना चाहूंगा।

माननीय अध्यक्ष महोदय, अब हटाने के पीछे कई तर्क हो सकते हैं, लेकिन हमें एक भी सही तर्क नहीं लग रहा है। पूर्व सरकार ने लगाया था, नेताओं ने यह स्टेटमेंट दिया कि कांग्रेस के कार्यकर्ता थे। इन युवाओं पर उस समय क्या गुजरी होगी? वे राज्य सरकार की योजना ही नहीं, केन्द्र सरकार की योजनाओं का प्रचार उस गरीब घर तक पहुंचा रहे थे। आज इन युवाओं का धरना चल रहा है।

मैं एक बात और बताना चाहूंगा कि पिछली वसुन्धरा गवर्नमेंट की सरकार ने लास्ट में जाते वक्त पंचायत सहायकों की भर्ती की। पंचायत सहायकों की जो भर्ती थी, वह सरपंच और प्रिंसिपल तय करते थे कि कौन बनेगा। उसमें कोई इंटरव्यू नहीं हुआ, कोई मेरिट नहीं बनी। इसके बाद कांग्रेस की सरकार आई और उस सरकार ने उनको नियमित रखा और उसी सरकार ने पंचायत सहायक को एक सम्मानजनक पद और सैलरी दी।

हम इस सरकार से भी यही चाह रहे हैं कि पिछली सरकार ने जो लगाये थे, वो किसी के कार्यकर्ता नहीं थे। इनका इंटरव्यू हुआ है। माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं पूरे सदन को बताना चाहूंगा कि मैं उस धरना स्थल पर गया और एक बच्चे ने कहा कि मैं आरएसएस द्वितीय वर्ष प्रशिक्षित हूं। अगर कांग्रेस ने भेदभावपूर्ण तरीके से और कार्यकर्ता आइडेंटिफाई करके लगाये होते तो मैं कैसे लगा? यह उस आदमी ने सवाल किया।

अध्यक्ष महोदय, मैं यह चाहूंगा कि यह लोकतंत्र है लोकतंत्र में धरना देना, आवाज उठाना सबका अधिकार है। यह अधिकार हमको संविधान देता है,

(श्री राजकुमार रोत)

लेकिन वे बच्चे धरना दे रहे हैं, उनके आस-पास टॉयलेट हैं, उन पर ताला लगाया जा रहा है। वहां रात को लाइटें बन्द की जा रही हैं। छोटे-छोटे बच्चों को लेकर महिलाएं वहां बैठी हुई हैं। उस परिवार पर क्या गुजरती होगी, जिस परिवार ने यह सोचा था कि मेरा बच्चा कुछ नौकरी लग गया और उसको तत्काल हटा दिया गया।

माननीय अध्यक्ष महोदय, भाजपा के कई विधायकों ने भी पत्र लिखा है, बीजेपी के बीस से पच्चीस विधायकों ने भी पत्र लिखा है।

श्री अध्यक्ष: माननीय सदस्य, बैठकर बात करिये।

श्री राजकुमार रोत (चौरासी): माननीय अध्यक्ष महोदय, इनकी भावना को समझते हुए, जो सरकार के मंत्री हैं, मुख्य मंत्री जी से अनुरोध करना चाहूंगा और आप इस पर सख्त कार्यवाही करते हुए सरकार को निर्देशित करें कि इन राजीव गांधी युवा मित्रों को एज इट इज लगाया जाये। जो धरना दिया जा रहा है, अभी तक उनको परमिशन नहीं दी गई है, उनको परमिशन दें और इन युवाओं को राहत पहुंचायें। उस गरीब के घर तक राहत पहुंचायें। सरकार मेडिकल की वहां सुविधा करवाये। माननीय अध्यक्ष महोदय, आपसे यही अन्तिम निवेदन करना चाहूंगा कि इनको बहाल किया जाये।

श्री अध्यक्ष: विषय आ गया। आप जो ध्यान दिलाना चाहते हैं वह आ गया। बैठिये।

श्री टीकाराम जूली (नेता, प्रतिपक्ष): अध्यक्ष जी, आपका संरक्षण चाहूंगा। यह एक बहुत ही संवेदनशील मामला है जिसमें पांच हजार राजीव गांधी युवा मित्र लगातार धरने पर बैठे हैं, आमरण अनशन कर रहे हैं, उनकी स्थिति भी बिगड़ रही है। हास्पिटल में भी एडमिट हो रहे हैं। उनके बिजली के कनेक्शन काटे जा रहे हैं, पानी की सप्लाई उनकी रोकी जा रही है, उनको बिस्तर नहीं दिये जा रहे हैं। पुलिस उन पर अत्याचार कर रही है। आप सरकार से जवाब तो दिलवायें कि उनको वापस लेंगे। उनको आप वापस काम पर लीजिये। यह बहुत सीरियस मामला है। (व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: बैठिये। आपको किसने कहा खड़े होने के लिए? आपके विपक्ष के नेता बोल रहे हैं।

श्री टीकाराम जूली (नेता, प्रतिपक्ष): अध्यक्ष जी, आप सरकार से जवाब दिलवा दीजिये।

श्री अध्यक्ष: श्री गोविन्द प्रसाद। नियम 295 के अन्तर्गत।

श्री टीकाराम जूली (नेता, प्रतिपक्ष): अध्यक्ष जी, जवाब दिलवाओ, यह बहुत ही महत्वपूर्ण मामला है। आप इस बात को समझिये। वो पांच हजार युवा मित्र नहीं हैं पांच हजार परिवार हैं। उनका परिवार किन परिस्थितियों से गुजर रहा है। आप जवाब दिलवाइये, अध्यक्ष जी।

श्री अध्यक्ष: इस पर जवाब नहीं आता।

श्री टीकाराम जूली (नेता, प्रतिपक्ष): आप जवाब दिलवाइये, अध्यक्ष जी, राजीव गांधी युवा मित्रों को वापस लीजिये। वो पांच हजार परिवार किन परिस्थितियों में बैठे हैं। (व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: आपके नेता बोल रहे हैं।

श्री टीकाराम जूली (नेता, प्रतिपक्ष): आपको सरकार से जवाब दिलवाना पड़ेगा, उनको वापस लेना पड़ेगा। आप जवाब दिलवाइये उनका।

श्री अध्यक्ष: आप कंटीन्यू रखिये।

बहिर्गमन

श्री टीकाराम जूली (नेता, प्रतिपक्ष): अध्यक्ष जी, आप जवाब दिलवाइये, नहीं तो हम इसके लिए बहिर्गमन करते हैं।

(कांग्रेस के माननीय सदस्यों द्वारा सदन से बहिर्गमन)

नियम 295 के तहत विशेष उल्लेख

मनोहर थाना की क्षतिग्रस्त पुलियाओं की मरम्मत

श्री गोविन्द प्रसाद (मनोहर थाना): अध्यक्ष महोदय, प्रक्रिया एवं कार्य संचालन नियमों के नियम 295 के तहत विशेष उल्लेख प्रस्ताव के अन्तर्गत निवेदन है कि मेरे विधान सभा क्षेत्र मनोहर थाना में अधिक बारिश के कारण अत्यधिक पुलियाएं पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं जिसके कारण आने-जाने वाले राहगीरों को भी बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। पी.एम.जी.एस.वाई. से बनी रपटों पर भी बरसात के दिनों में पानी आ जाने के कारण कई घंटों तक जाम लग जाता है। इनकी ऊंचाई नहीं बढ़ाई गई तो बरसात के समय आने-जाने वाले राहगीरों का रास्ता अवरुद्ध हो जायेगा जिसके कारण क्षेत्र की समस्त जनता का शहरों तक आना-जाना बाधित हो जायेगा। बहुत सारी जगह पर पढ़ने वाले छात्र-छात्राएं विद्यालय में भी समय पर नहीं पहुंच पायेंगे जिससे उनकी पढ़ाई भी बाधित हो जायेगी और कोई भी व्यक्ति बीमार होने पर उसको अस्पताल तक ले जाने पर रास्ते में पुलिया के अभाव

(श्री गोविन्द प्रसाद)

के कारण कैसे पहुंच पायेंगे, जिसकी वजह से उनकी मृत्यु भी हो सकती है। ऐसी कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इस ओर विशेष ध्यान देकर क्षतिग्रस्त पुलियाओं की मरम्मत एवं ऊंचाई बढ़ाई जावे जिससे बरसात के समय मार्ग अवरुद्ध न हो और आमजन को राहत मिल सके।

मरम्मत वाली पुलियाएं निम्न प्रकार से हैं-

1. इस्लामपुरा से बोरबन्द रोड के मध्य।
2. देवलीबड से बोरबन्द रोड के मध्य।
3. गुराडी चौराहे से बामलाबेह रोड के मध्य।
4. मानपुरा से जोगमण्डी रोड के मध्य।
5. उमरिया से राकड़ा रोड के मध्य।
6. हताईखेडा से जूनापानी रोड के मध्य।

ऊंचाई वाली पुलियाएं निम्न प्रकार से हैं-

1. घाटोली से खेलखोयरा रोड के मध्य।
2. एन.एच. 52 से गेहूंखेड़ी रोड के मध्य।
3. सरडा से मानपुरा रोड के मध्य।
4. मनोहर थाना मार्ग से देवरी जागीर के मध्य उच्च स्तरीय पुल का निर्माण।
5. असनावर से रातादेवी रोड के मध्य।
6. मनोहर थाना से टोडरी जगन्नाथ रोड के मध्य।
7. आदर्श विद्या मंदिर मनोहर थाना से महाविद्यालय मनोहर थाना के मध्य।

धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष: डा. ऋतु बनावत।

धौलपुर एवं भरतपुर की जाट जाति का केन्द्र की भांति अन्य पिछड़ा वर्ग की अधिकृत सूची में सम्मिलन

डा. ऋतु बनावत (बयाना): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं राजस्थान विधान सभा के कार्य तथा प्रक्रिया संचालन संबंधी नियम 295 के अन्तर्गत प्रस्ताव प्रस्तुत कर आपके माध्यम से माननीय मुख्य मंत्री महोदय का ध्यान धौलपुर एवं भरतपुर जिले की जाट जाति को केन्द्र की अन्य पिछड़ा वर्ग की

(डा. ऋतु बनावत)

अधिकृत सूची में शामिल किये जाने की ओर करना चाहती हूं। माननीय अध्यक्ष महोदय, राजस्थान राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग की धौलपुर एवं भरतपुर जिलों के जाट जाति वर्ग की विस्तृत सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक पिछड़ापन रिपोर्ट अभिशंसा 2017 के आधार पर राज्य सरकार की अधिसूचना क्रमांक 48225 दिनांक 23.08.2017 (अधिसूचना परिशिष्ट-अ) द्वारा धौलपुर एवं भरतपुर जिले के जाट जाति वर्ग को राज्य में अन्य पिछड़ा वर्ग की अधिकृत सूची में क्र.सं. 54 पर शामिल किया गया है।

उक्त अधिसूचना जारी होने के पश्चात् राजस्थान राज्य के समस्त जिलों के जाट जाति वर्ग राज्य के अन्य पिछड़े वर्ग की सूची में सम्मिलित है, परन्तु केन्द्रीय अन्य पिछड़ा वर्ग की सूची में धौलपुर एवं भरतपुर जिलों के जाट जाति वर्ग सम्मिलित नहीं होने के कारण उक्त जिलों की जाट जाति वर्ग के व्यक्तियों को केन्द्रीय सेवाओं एवं शैक्षणिक संस्थाओं में आरक्षण का लाभ प्रदत्त नहीं हो पा रहा है। जबकि उक्त दोनों जिलों के जाट जाति वर्ग की सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक स्थिति भी राज्य के अन्य ज़िलों के जाट जाति वर्ग के समान ही है। राज्य सरकार भौगोलिक आधार पर जाट जाति वर्ग के लिये कोई भेदभाव नहीं करती है। अतः राजस्थान राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट 2017 (परिशिष्ट-ब) के अनुसार कृपया उक्त दोनों जिलों (धौलपुर एवं भरतपुर) के जाट जाति वर्ग को भी राजस्थान राज्य के लिये केन्द्रीय पिछड़ा वर्ग की सूची में सम्मिलित किये जाने सम्बन्धी अग्रिम एवं आवश्यक कार्यवाही करवाने का श्रम करावें। धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष: श्री हमीर सिंह भायल।

सिवाना, समदड़ी और सिणधरी के क्षेत्र को खनिज विभाग जालौर से जिला बाड़मेर या नव सृजित जिला बालोतरा के अधीन करना

श्री हमीर सिंह भायल (सिवाना): अध्यक्ष महोदय, राजस्थान विधान सभा की प्रक्रिया और कार्य संचालन सबंधी नियम 295 के तहत विशेष उल्लेख कर निवेदन है कि सिवाना विधान सभा क्षेत्र की तहसील सिवाना और तहसील समदड़ी पिछले लम्बे समय से खनिज विभाग जिला जालौर के अधीन है जबकि मुख्य जिला बाड़मेर अभी नव सृजित जिला बालोतरा के अधीन है। सिवाना का यह क्षेत्र जिला जालौर के माइनिंग विभाग में होने से सीएसआर फंड और डी एम एफ टी फंड से होने वाले विकास कार्यों का जिला स्तर से बंटवारा वर्षों से सही नहीं हो रहा है जबकि खनिज सम्पदा की दृष्टि से

(श्री हमीर सिंह भायल)

सिवाना का यह भाग चुनाई पत्थर, ग्रेनाइट, बजरी, यूरेनियम सहित कई प्रकार के खनिज सिवाना की पहाड़ियों में मिले हैं। खनिज से मिलने वाले राजस्व से क्षेत्र में विकास कार्य किये जाते हैं। बाड़मेर जिले से डी एम एफ़ टी फंड से होने वाले विकास कार्यों को यह कहकर कम कर दिया जाता है कि जालौर जिले से हमको फंड आबंटन होता ही नहीं है, जिससे विकास कार्यों को सिवाना विधान सभा क्षेत्र में कम कर दिया जाता है। आमजन को सुविधा मिलने से वंचित होना पड़ता है। इस फंड से नियमानुसार शिक्षा, सड़क, चिकित्सा, पेयजल जैसे महत्वपूर्ण कार्यों को किया जाता है और वर्षों से सिवाना विधान सभा क्षेत्र विकास कार्यों से उपेक्षित रहा है। उपरोक्त गंभीर विषय को लेकर कई बार सदन और प्रशासन को अवगत भी कराया गया है।

अतः सदन के माध्यम से मेरा निवेदन कि सिवाना विधान सभा क्षेत्र की तहसील सिवाना, समदड़ी और सिणधरी के परिक्षेत्र को माइनिंग विभाग जालौर के स्थान पर जिला बाड़मेर या नव सृजित जिला बालोतरा के माइनिंग विभाग के अधीन का आदेश करवाकर राहत प्रदान करावें। सधन्यवाद।

श्री अध्यक्ष: श्री अर्जुन लाल।

किसानों के खेतों में बिना मुआवजे उच्च क्षमता की विद्युत लाइनों की स्थापना

श्री अर्जुन लाल (बिलाड़ा): माननीय अध्यक्ष महोदय, प्रक्रिया तथा कार्य संचालन सम्बन्धी नियमों के नियम 295 के अंतर्गत उठाये जाने वाले लोक महत्व के विशेष उल्लेख के अन्तर्गत निवेदन है कि प्रदेश में वर्तमान में विभिन्न योजनाओं के तहत कई निजी कम्पनियों के माध्यम से उच्च क्षमता की लाइनें खींची जा रही हैं, जिसमें कम्पनियों द्वारा किसानों के खेतों में या भूखण्डों पर बड़े भूखण्ड में टॉवर निर्माण करवाया जा रहा है। उन कम्पनियों द्वारा बिना किसी उचित मुआवजे के मनमाने ढंग से मुआवजा निर्धारित कर जबरदस्ती प्रशासन ने पुलिस के दबाव में भूमि अवाप्ति की जा रही है।

श्री अध्यक्ष: आपने जो दिया है वो ही पढ़ रहे हैं?

श्री अर्जुन लाल (बिलाड़ा): वो ही पढ़ रहा हूं।

श्री अध्यक्ष: मेरे पास कुछ अलग है।

श्री अर्जुन लाल (बिलाड़ा): निजी कम्पनियों द्वारा विद्युत एक्ट का हवाला देकर किसानों से जोर जबरदस्ती से उनके खेत में बड़े टॉवर खड़े किये

(श्री अर्जुन लाल)

जा रहे हैं। छोटे किसान जिनके पास मात्र 2 बीघा तक ही भूमि है, उसमें भी यदि लगभग आधे से अधिक बीघा जमीन पर टॉवर खड़ा कर दिया जायेगा...

श्री अध्यक्ष: माननीय सदस्य, यह नहीं है। जो मेरे पास आपने सब्मिट किया है वह अलग है। जो दिया है वो ही पढ़ें।

श्री अर्जुन लाल (बिलाड़ा): यही है, वो ही पढ़ रहा हूं। आप कोई दूसरा पेपर देख रहे हैं शायद।

श्री अध्यक्ष: आपका ही देख रहा हूं।

श्री अर्जुन लाल (बिलाड़ा): ..तो उनकी ये जमीन हमेशा के लिये बेकार हो जायेगी। कृपया ऐसे किसानों को राहत दिलावें एवं समस्त भूमि जहां पर टॉवर खड़ा किया जाना है उस भूमि पर भूमि मालिक को भूमि अवाप्ति नियम बनाकर उचित मुआवजा दिलाने की कृपा करावें।

श्री अध्यक्ष: श्री फूल सिंह मीणा। 295 में जो अपन लिखकर देते हैं, वही पढ़ना होता है, उसके बाद एक शब्द न जोड़ते हैं, न काटते हैं।

पैरिफेरी क्षेत्र में बसी कालोनियों में पट्टों की प्रदायगी

श्री फूल सिंह मीणा (उदयपुर ग्रामीण): अध्यक्ष महोदय, धन्यवाद आपने मेरे को 295 पर बोलने का मौका दिया।

नियम 295 के तहत विशेष उल्लेख के प्रस्ताव के माध्यम से निवेदन है कि प्रदेश में पैरिफेरी क्षेत्र के अन्दर वर्षों से बसी हुई आबादी को पट्टा आज तक नहीं मिला है, जिसकी वजह से आम गरीब आदमी को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है तथा गरीब आदमी मकान बनाने के लिये ऋण लेना चाहता है...(व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: माननीय सदस्य, या तो वहां जाकर बात करें, पीछे मुड़कर बात नहीं करनी।

श्री फूल सिंह मीणा (उदयपुर ग्रामीण): लेकिन पट्टा नहीं मिल पाने के कारण ऋण नहीं मिल पाता है व अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ भी नहीं ले पा रहा है। घनी आबादी में कई वर्षों से सर्व समाज निवास कर रहा है, इसके बावजूद भी आम लोगों को पट्टा नहीं मिल पा रहा हैं। पूर्व सरकार में भी दिनांक 30 नवम्बर, 2011 से पहले का कोई प्रमाण देने पर पट्टा देने का वादा किया था, मगर आज तक पट्टा न मिल पाने के कारण सर्व समाज काफी

(श्री फूल सिंह मीणा)

परेशान है। पट्टा नहीं होने की वजह से यूआईटी द्वारा आये दिन तोड-फोड़ करके आम गरीब को परेशान किया जाता है।

अतः मैं सरकार से मांग करता हूं कि पूर्व की सरकार में जो जनता के हित में काम नहीं किया उस काम को वर्तमान सरकार से उम्मीद करता हूं कि वर्षों से निवास करने वाली आम जनता को पट्टा देकर राहत प्रदान करें एवं यूआईटी द्वारा की जा रही तोड़-फोड़ को रोका जाये। धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष: धन्यवाद। श्री चेतन पटेल (अनुपस्थित), श्री मनीष यादव।

शाहपुरा नेशनल हाईवे-48 पर मादक पदार्थों की तस्करी

श्री मनीष यादव (शाहपुरा): माननीय अध्यक्ष महोदय, विधान सभा कार्य संचालन एवं प्रक्रिया के नियम 295 के अंतर्गत विशेष उल्लेख प्रस्ताव के माध्यम से निवेदन है कि समाज में मादक पदार्थों की तस्करी, संगठित अपराध व अन्य गंभीर अपराधों की प्रवृत्ति बढ़ रही है। मादक पदार्थों का सेवन और इससे जुड़े अपराध प्रदेश के लिए बड़ी चुनौती बन गए हैं। ये युवा पीढ़ी को गुमराह करने के साथ-साथ समाज की जड़ों को खोखला कर रहे हैं। मेरे विधान सभा क्षेत्र में भी मादक पदार्थों के अवैध कारोबार तथा युवा पीढ़ी में नशे की लत दिन-प्रतिदिन बढ़ रही है। प्रदेश में कई महत्वपूर्ण नेशनल हाई-वे गुजरते हैं, ऐसे में मेरे विधान सभा क्षेत्र शाहपुरा से भी NH-48 गुजरता है, ऐसे में मादक पदार्थों की तस्करी तथा इनसे जुड़े अपराध दिन-प्रतिदिन बढ़ते ही जा रहे हैं।

अतः मेरा आग्रह है कि मादक पदार्थों के अवैध कारोबार तथा युवा पीढ़ी को नशे की लत से बचाने के लिए शीघ्र ही प्रभावी कदम उठाना बहुत जरूरी है। साथ ही मादक पदार्थों की तस्करी पर प्रभावी रोकथाम के लिए संचालित सभी एजेंसियां एवं विशेष रूप से पुलिस द्वारा प्रभावी कदम उठाया जाना चाहिए। साथ ही युवाओं और नई पीढ़ी को नशे से बचाने तथा सुरक्षित और स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए बड़े स्तर पर जागरूकता अभियान चलाने, नशीले पदार्थों के अवैध व्यापार को रोकने के लिए राज्य सीमाओं पर पड़ौसी राज्यों के सामंजस्य से संयुक्त अभियान चलाया जाये क्योंकि संयुक्त प्रयासों से ही ऐसे अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकता है। धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष: डाक्टर शैलेश सिंह (अनुपस्थित), श्री उदयलाल डांगी।

वल्लभनगर में वंचित पंचायतों को जल कनेक्शन

श्री उदयलाल डांगी (वल्लभनगर): माननीय अध्यक्ष महोदय, राजस्थान विधान सभा के प्रक्रिया एवं कार्य संचालन संबंधी नियम 295 के तहत विशेष उल्लेख प्रस्ताव के तहत मैं सरकार के माध्यम से निवेदन करना चाहूंगा कि मेरी विधान सभा क्षेत्र वल्लभनगर में जल जीवन मिशन में कुछ पंचायतों में काम हुआ है तथा शेष पंचायतों में अधिकारियों द्वारा बताया गया कि जाखम बांध से पानी लाने की योजना से जोड़ेंगे। उक्त शेष पंचायतों में आज दिनांक तक जाखम योजना धरातल पर नहीं आई है, जबकि जाखम योजना से पानी लाने के लिये वक्त लग सकता है। मेरा इस सरकार के माध्यम से निवेदन है कि एक बार इन पंचायतों को जल जीवन मिशन से चालू कर दी जाए और जब जाखम से लाइन आती है, तब उक्त कनेक्शन जोड़ दिये जाएं ताकि सभी गांवों को पानी मिल सके।

श्री अध्यक्ष: यह इसमें है ही नहीं। इसमें अपनी ओर से एक शब्द भी नहीं जोड़ेंगे। जो लिखा है, वह पढ़िए आप।

श्री उदयलाल डांगी (वल्लभनगर): अध्यक्ष महोदय, लास्ट वाली लाइन मैंने जोड़ी थी, सॉरी।

श्री अध्यक्ष: धन्यवाद। श्री संदीप शर्मा।

कोटा में सार्वजनिक स्थानों पर मांस की अवैध दुकानें

श्री संदीप शर्मा (कोटा दक्षिण): माननीय अध्यक्ष महोदय, कोटा शहर में सार्वजनिक स्थान पर खुले में मांस बिक्री एवं अवैध मांस की दुकानों के कारण लोगों को हो रही परेशानी से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में मैं राजस्थान विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन सम्बन्धी नियम 295 के तहत राज्य सरकार का ध्यान कोटा शहरवासियों से जुड़ी एक प्रमुख समस्या की ओर आकर्षित कर निवेदन करना चाहता हूं। सम्पूर्ण देश से विद्यार्थी कोचिंग प्राप्त करने कोटा आते हैं जिसके कारण कोटा को शैक्षणिक नगरी के नाम से जाना जाता है। कोटा शहर के कई धार्मिक स्थलों, घनी आबादी क्षेत्रों, मुख्य बाजारों, शिक्षण संस्थाओं के आसपास व सार्वजनिक स्थानों पर अवैध रूप से खुले में संचालित मांस की दुकानों से कोटा का नाम खराब हो रहा है। मांस विक्रेताओं द्वारा बिना लाइसेंस के कई स्थानों पर खुले में मांस की ब्रिकी से आम नागरिकों व राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रह है। अवैध रूप से संचालित मांस की दुकानों के कारण जल स्रोत

(श्री संदीप शर्मा)

भी प्रदूषित हो रहे हैं। हमारी संस्कृति खुले में मांस बिक्री की नहीं रही है। कोचिंग विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं आमजन पर भी इसका दुष्प्रभाव पड़ता है, देशभर में कोटा की नकारात्मक छवि बनती है, परन्तु बिना लाइसेंस के ही मांस की अधिकांश दुकानें पिछले 5 वर्षों में जिनकी जांच नहीं होने के कारण हर स्थान पर दुकानें लगा दी गई हैं, जिससे लोगों के लिये स्वच्छता व स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पैदा हो गई हैं। इससे लोगों को बहुत अप्रिय स्थिति से निकलना पड़ता है।

अतः मेरा सदन के माध्यम से निवेदन है कि जो दुकानें बिना लाइसेंस के संचालित हो रही हैं, उनकी जांच करवाने की महती आवश्यकता है और समय-समय पर लाइसेंस धारकों के द्वारा बेचे जाने वाले मांसाहारी खाद्य पदार्थों की जांच करवाई जाये तथा अवैध मांस मछली की दुकानों को तुरन्त प्रभाव से हटाया जाये।

श्री अध्यक्ष: धन्यवाद। श्री हरिसिंह रावत।

भीम की नवगठित नगरपालिका के कार्यालय का गठन

श्री हरिसिंह रावत (भीम): माननीय अध्यक्ष महोदय, राजस्थान विधान सभा के प्रक्रिया एवं कार्य संचालन के नियम 295 के अंतर्गत विधान सभा क्षेत्र भीम की नवगठित नगरपालिका भीम के कार्यालय की स्थापना कर विकास कार्यों का निष्पादन करवाये जाने के सम्बन्ध में निवेदन है कि विधान सभा क्षेत्र भीम में गत सरकार द्वारा ग्राम पंचायत भीम को बजट घोषणा 2023-24 में नगरपालिका बनाया गया था। नवगठित नगरपालिका भीम बनने के बाद वर्तमान में अभी तक उक्त नगरपालिका के कार्यालय का गठन नहीं हुआ है तथा न ही कोई कार्यवाही की गई है, जिस कारण से क्षेत्र के गरीब तबके के मजदूर व महिलाओं को जो पूर्व में ग्राम पंचायत में नरेगा कार्य कर मजदूरी मिलती थी तथा जिससे उनका जीवनयापन होता था, वह कार्य नगरपालिका बनने के बाद प्रारम्भ नहीं हो पा रहे हैं। उक्त नगरपालिका क्षेत्र के अंतर्गत रहने वाले आमजन को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उक्त नगरपालिका क्षेत्र में कार्यालय का गठन न होने की वजह से विकास कार्यों का निष्पादन भी नहीं हो पा रहा है व पेयजल व्यवस्था, सफाई व्यवस्था अवरुद्ध हो गई है, जिसकी वजह से क्षेत्र में रहने वाले आमजन को दैनिक/ रोजमर्रा की समस्याओं से जुझना पड़ रहा है तथा नगरपालिका क्षेत्र की जनता अपने आप को ठगा-सा महसूस कर रही है। उक्त समस्याओं से निजात

(श्री हरिसिंह रावत)

दिलवाने के लिए नवगठित नगरपालिका भीम के कार्यालय की तत्काल स्थापना करवाया जाना अति आवश्यक है।

अतः अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्षित करवाना चाहता हूं कि नवगठित नगरपालिका भीम के कार्यालय का तत्काल गठन करके संबंधित अधिकारी व कर्मचारियों को नियुक्ति देकर विकास कार्यो का निष्पादन करवाया जावे, जिससे आमजन नगरपालिका क्षेत्र में सरकार द्वारा दिए जाने वाले लाभ से लाभान्वित हो सके। धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष: श्री हनुमान बेनीवाल।

बिल्डरों द्वारा जयपुर व जोधपुर में बिल्डिंग बायलॉज का उल्लंघन

श्री हनुमान बेनीवाल (खींवसर): अध्यक्ष महोदय, राजस्थान विधान सभा के प्रक्रिया एवं कार्य संचालन संबंधी नियमों के नियम 295 के तहत प्रदेश के जयपुर तथा जोधपुर शहर में नगरीय विकास एवं आवासन विभाग के अधिकारियों के संरक्षण में बिल्डरों द्वारा माननीय उच्च न्यायालय के निर्देशों व बिल्डिंग बायलॉज के प्रावधानों की अवहेलना करने से उत्पन्न स्थिति के संबंध में निवेदन है कि राजस्थान के शहरी क्षेत्रों में मास्टर प्लान से जुड़े मामले में माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय द्वारा शहरों में बहुमंजिला इमारतों के लिए अलग से जोन तय करने के आदेश दिये गये थे, ताकि कालोनी में स्थानीय लोगों को कोई दिक्कत नहीं हो और वहां उपलब्ध सीमित सुविधाओं को बंटवारा नहीं हो सके तथा बिल्डिंग बायलॉज में भी इसका प्रावधान किया गया था, लेकिन जयपुर तथा जोधपुर शहर में नगरीय विकास एवं आवासन विभाग के अधिकारियों द्वारा मल्टीस्टोरी के लिए अलग जगह चिह्नित नहीं करके हाई कोर्ट के आदेशों की अवमानना की गई थी, की जा रही है। इसलिए उक्त दोनों शहरों में बहुमंजिला भवनों के निर्माण के संबंध में तय बिल्डिंग बायलॉज के प्रावधानों तथा माननीय उच्च न्यायालय के आदेशों की अवमानना हेतु अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करके उनके विरुद्ध कार्रवाई करने तथा पूर्ववर्ती सरकार के समय दोनों शहरों में स्वीकृत मल्टीस्टोरी के नक्शों की जांच करवाकर तथा जांच पूर्ण होने तक ऐसी बिल्डिंगों के निर्माण पर रोक लगाने की अत्यंत आवश्यकता है। इसलिए राज्य सरकार को जनहित के इस महत्वपूर्ण मामले में जांच कमेटी का गठन करके अविलम्ब कार्यवाही करने की आवश्यकता है।

(श्री हनुमान बेनीवाल)

अतः लोकहित के इस महत्वपूर्ण विषय पर सदन के माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्षित करता हूं।

श्री अध्यक्ष: श्री बालमुकुन्दाचार्य।

जयपुर के परकोटे क्षेत्र से बहुसंख्यक समाज का पलायन

श्री बालमुकुन्दाचार्य (हवा महल): राजस्थान विधान सभा के प्रक्रिया एवं कार्य संचालन के नियम 295 के तहत विशेष उल्लेख प्रस्ताव - जयपुर स्थित परकोटे से हो रहे पलायन के सम्बन्ध में।

उपरोक्त विषयान्तर्गत मैं एक महत्वपूर्ण मसले पर सदन का ध्यान दिलाना चाहता हूं कि प्रदेश की राजधानी जयपुर शहर के परकोटे के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर बहुसंख्यक समाज का पलायन हो रहा है। समुदाय विशेष के द्वारा जान-बूझकर ऐसी विभिन्न प्रकार की गतिविधियां की जाती हैं, जिससे एक बड़े वर्ग को पलायन के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। परकोटे में समुदाय विशेष द्वारा सड़कों पर अतिक्रमण कर वहां गन्दगी फैलायी जा रही है और ऐसा वातावरण पैदा किया जा रहा है जिससे दूसरे समुदाय को वहां से पलायन के अलावा कोई रास्ता नजर नहीं आता। दूसरे समुदाय को पलायन के लिए मजबूर कर उनकी सम्पत्ति या तो औने-पौने दाम पर खरीद ली जाती है अन्यथा उन पर कब्जा किया जा रहा है। परकोटे में बहुत से व्यापारी ऐसे हैं जो परकोटे में व्यापार करते हैं तथा परकोटे में ही निवास करते हैं। उनके द्वारा पलायन करने से वे अपना व्यापार भी परकोटे से बन्द कर रहे हैं, जिससे पूरा व्यापार प्रभावित हो रहा है। व्यापार के अतिरिक्त परकोटे में असामाजिक तत्वों के पनपने के कारण शहर का पर्यटन भी खतम हो रहा है। जब परकोटे में व्यापार, पर्यटन खतम हो रहा है और लोगों के पलायन के कारण व्यापार बन्द होने से बहुत सारे लोगों के सामने आजीविका का संकट उत्पन्न हो गया है।

अतः प्रक्रिया के नियम 295 के अन्तर्गत यह विशेष उल्लेख प्रस्ताव प्रस्तुत कर निवेदन है कि परकोटे से पलायन को रोकने एवं पलायन के जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कठोर कार्यवाही करें ताकि शहर का वैभव, सौन्दर्य, व्यापार एवं पर्यटन बचा रहे और लोगों की आजीविका चलती रहे।

श्री अध्यक्ष: माननीय सदस्य, आपने जो कापी दी है, उसी को पढ़ना है। आप बता दीजिये, मेरे पास जो कापी है, वह यह है। आप कापी यहां से ले लीजिए, यदि भूलकर आये हैं तो। आपने जो यहां पर दिया है, उसी को।

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): इस माइक को खोलो तो सही। मैं यह निवेदन कर रहा था कि इनको प्रशिक्षण दिलाओ। जो यहां आपको दे रहे हैं, ये तो खुद दे रहे हैं और इनको दिल्ली से पढ़ने के लिए पर्ची आ जाती है, तो यह चक्कर हो रहा है।

श्री अध्यक्ष: आ गया ध्यान। आप बोलिए।

श्री बालमुकुन्दाचार्य (हवा महल): डोटासरा जी, हमको आपका पांच साल का कार्य पता है, इसलिए आपको विषय बताने की आवश्यकता नहीं है।

श्री अध्यक्ष: आप बोलिए।

श्री बालमुकुन्दाचार्य (हवा महल): 000

श्री अध्यक्ष: श्री कैलाश वर्मा।

जयपुर में 200 फीट चौराहे से बगरू पुलिया तक ट्रैफिक जाम की समस्या का स्थाई समाधान

श्री कैलाश चन्द वर्मा (बगरू): अध्यक्ष महोदय, राजस्थान विधान सभा के कार्य एवं प्रक्रिया संचालन संबंधी नियम 295 के अन्तर्गत जयपुर में 200 फीट चौराहा से लेकर बगरू पुलिया तक लगने वाले असामयिक ट्रैफिक जाम की समस्या के स्थाई समाधान करवाने के संबंध में प्रस्ताव प्रस्तुत कर निवेदन है कि जयपुर से होकर गुजरने वाले प्रदेश के अत्यन्त व्यस्त राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 8 के अन्तर्गत 200 फीट बस स्टैण्ड चौराहा से लेकर बगरू पुलिया तक 7-8 ओवरब्रिज निर्मित हैं एवं यातायात व्यवस्था हेतु यातायात बत्तियां भी लगायी हुई हैं, परन्तु इन पर यातायात पुलिस की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने से साधनों का बेरोकटोक आवागमन होने से उक्त राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 8 से समीपस्थ सर्विस-लाइन/आम-सड़क पर यातायात बाधित रहता है। काफी बार तो आपातकालीन स्थितियों में आवागमन करने वाले यात्रियों को समस्या हो जाती है। इस कारण दुपहिया एवं चौपहिया वाहनों का आवागमन पूरी तरह बाधित हो जाता है। अधिकांशतः यहां जाम की अवधि काफी देर की हो जाती है, जो सभी के लिए असहज स्थिति पैदा कर देती है।

200 फीट बस स्टैण्ड चौराहा से लेकर बगरू पुलिया तक बने हुए सभी चौराहों एवं ओवरब्रिज पर यातायात पुलिस की पर्याप्त व्यवस्था करवाया जाना अत्यन्त आवश्यक है, ताकि इन क्षेत्रों में निवास कर रहे आमजन को होने वाली इस दैनिक समस्या का समाधान हो सके।

श्री अध्यक्ष: श्री थावर चन्द मीणा।

धरियावद में कृषि मण्डी की भूमि पर लगा स्थगनादेश

श्री थावर चन्द (धरियावद): अध्यक्ष महोदय, मैं राजस्थान विधान सभा के प्रक्रिया एवं कार्य संचालन संबंधी नियम 295 के अंतर्गत धरियावद विधान सभा की धरियावद तहसील में कृषि मण्डी हेतु आबंटित जमीन पर विवाद के चलते स्टे हटवाकर मण्डी को सौंपने व मण्डी चालू करवाने के संबंध में सदन का ध्यान आकर्षित करवाना चाहूंगा।

माननीय अध्यक्ष महोदय, प्रतापगढ़ जिले के नजदीक धमोतर तहसील में जाखम बांध है। इसका फ़ायदा धरियावद के किसानों को मिलता है और धरियावद के किसान हर साल अपनी मेहनत के पसीने से अन्न उगाते हैं और अच्छी पैदावार होती है। इसको देखते हुए वर्ष 1998 में इस क्षेत्र के किसानों के लिए कृषि मण्डी की घोषणा हुई जिसको लेकर सरकार ने सन् 2001 में करीब 35 बीघा जमीन कृषि मण्डी हेतु धरियावद में अधिग्रहण होकर राजस्व रिकार्ड में मण्डी के नाम दर्ज हुई ।

उक्त भूमि का मुआवजा खातेदार फूलचंद भूवारिया व उसकी पुत्री एवं केशूलाल मेघवाल द्वारा नहीं लेकर स्टे की कार्यवाही पर उच्च न्यायालय, जोधपुर में बहस की, स्टे पिछले 2001 से अब तक विचाराधीन है। उक्त प्रकरण पूर्व में कई बार बहस हेतु सुनवाई में नियत हुआ लेकिन बार-बार बहस नहीं की गई है।

क्या भूमि अधिग्रहण अधिनियम में खातेदार को केवल मुआवजे पर सुना जाता है? उक्त कृषि मण्डी, धरियावद के खाते में दर्ज भूमि पर पूर्व की सरकार की ओर से न्यायालय, जोधपुर में पैरवी में शिथिलता रखी है। सरकार की ओर से कानूनी विशेषज्ञ की टीम अधिवक्ता बनाकर लगायें, ताकि आमजन लाभान्वित हो सके और धरियावद तहसील के किसानों की इस बार फसल मण्डी की रेट से बिके। 000

श्री अध्यक्ष: क्या इसमें लिखा हुआ है? इसमें लिखा है?

विधायी कार्य। पुर:स्थापित किये जाने वाला विधेयक। श्री गजेन्द्र सिंह जी।

व्यवस्था का प्रश्न

सदस्यों द्वारा पालनीय नियमों का जारी उल्लंघन

श्री जुबेर खान (रामगढ़): अध्यक्ष महोदय, प्रक्रिया के नियम 294 के अंतर्गत मैं आपसे निवेदन करना चाहूंगा कि अध्यक्ष महोदय जब आसन पर

(श्री जुबेर खान)

खड़े होते हैं तो ये परम्परा भी है और नियम ये है कि सारे मेम्बर अपनी सीट पर बैठ जाते हैं और खड़ा कोई नहीं होता है। आप सुन लीजिए पहले। कोई माननीय सदस्य जब बोल रहा है तो कोई भी माननीय सदस्य खड़े होकर उसके और अध्यक्ष के आसन के बीच में से नहीं गुजरेगा। लेकिन आज ये देखने को मिल रहा है कि आप खड़े होकर अपनी कुछ बात कह रहे हैं, लोग उठ रहे हैं, जा रहे हैं, न सदन के लिए, सदन की जो एक परम्परा है कि बैठने से पहले सदन को नमन करेंगे, उठने से पहले नमन करेंगे, बीच में खड़े नहीं होंगे, जाएंगे नहीं, ये व्यवस्था आप शुरू में करवाइए। अगर ये परम्पराएं गलत डल गयीं तो आगे तक गलत रहेंगी।

श्री अध्यक्ष: माननीय सदस्य, मैं व्यवस्था दे रहा हूं।

श्री जुबेर खान (रामगढ़): ये अफसोस है कि राज्य सरकार के मंत्री भी इस तरह का व्यवहार कर रहे हैं। मैं आपसे इस सदन के नियमों का संरक्षण चाहूंगा। आप व्यवस्था दीजिए।

श्री अध्यक्ष: मैं व्यवस्था कर रहा हूं। मेरा पक्ष और विपक्ष दोनों के सदस्यों से आग्रह है कि इस नियमावली में जो 269 नियम है, उसको जरा पढ़ें और सभी लोग मिलकर उसका पालन करें।

श्री गजेन्द्र सिंह जी।

विधायी कार्य: विधेयक का पुर:स्थापन

राजस्थान माल और सेवा कर (संशोधन) विधेयक, 2024

श्री गजेन्द्र सिंह (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से राजस्थान माल और सेवा कर (संशोधन) विधेयक, 2024 को पुर:स्थापित करने की आज्ञा के लिए प्रस्ताव करता हूं।

श्री अध्यक्ष: प्रश्न यह है कि राजस्थान माल और सेवा कर (संशोधन) विधेयक, 2024 को पुर:स्थापित करने की आज्ञा प्रदान की जाये?

(स्वीकृत)

विधेयक को पुर:स्थापित करने की आज्ञा प्रदान की गयी।

प्रभारी मंत्री विधेयक को पुर:स्थापित भी करेंगे।

श्री गजेन्द्र सिंह (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से राजस्थान माल और सेवा कर (संशोधन) विधेयक, 2024 को पुर:स्थापित करता हूं।

(श्री गजेन्द्र सिंह)

माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं प्रक्रिया के नियम 63(1) के अंतर्गत राजस्थान माल और सेवा कर (संशोधन) अध्यादेश, 2023 (2023 का अध्यादेश संख्याक-1) को जारी करने के कारणों का विवरण भी सदन की मेज पर रखता हूं।

घोषणा

राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर वाद-विवाद के लिए समय का बंटवारा

श्री अध्यक्ष: मुझे सदन को सूचित करना है कि राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर (व्यवधान) जब आसन पांव पर हो, कोई भी एंटर नहीं करेगा। अभी व्यवस्था दी है। आप लोग नये हैं, इसका पालन कीजिए। धीरे-धीरे हो जाएगी, नये हैं। सचेतक महोदय और मंत्री जी, ध्यान दीजिए। चलिए।

मुझे सदन को सूचित करना है कि राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर वाद-विवाद के लिए लगभग 16 घंटे उपलब्ध हैं। उपलब्ध समय में .. (व्यवधान) मैं खड़ा हूं, मेरा काम है। मुझे याद है। इस उपलब्ध समय में सरकार द्वारा उत्तर दिए जाने का समय भी सम्मिलित है। मैं विभिन्न पार्टियों के लिए समय का बंटवारा निम्न प्रकार करता हूंः-

भारतीय जनता पार्टी 9 घंटे 12 मिनट

आप सबसे मैं अपील कर रहा हूं कि सदन की कार्यवाही शांतिपूर्वक चलने दें। जो बात ठीक नहीं हो रही है, उसे हम स्वभाव में लाएं, ठीक करें। मैं निश्चित रूप से निर्देशित करूंगा।

भारतीय जनता पार्टी	9 घंटे 12 मिनट
इंडियन नेशनल कांग्रेस	5 घंटे 36 मिनट
भारत आदिवासी पार्टी	14 मिनट
बहुजन समाजवादी पार्टी	10 मिनट
राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी	5 मिनट
राष्ट्रीय लोकदल	5 मिनट
निर्दलीय	38 मिनट

इस तरह 16 घंटे का बंटवारा किया गया है।

आज हम इसकी कार्यवाही शुरू करते हैं। सबसे पहले प्रस्ताव रखने के लिए श्रीमती अनिता भदेल।

श्री शान्ती धारीवाल (कोटा उत्तर): अध्यक्ष महोदय......

श्री अध्यक्ष: एक मिनट, आप बैठिये। मैंने नाम ले लिया। आप स्लिप भेज दीजिए। बीच-बीच में नहीं।

श्री शान्ती धारीवाल (कोटा उत्तर): मैं निवेदन कर रहा हूं.....

श्री अध्यक्ष: अंकित नहीं करेंगे।

श्री शान्ती धारीवाल (कोटा उत्तर): 000

श्री अध्यक्ष: मुझे ध्यान आ गया।

श्री शान्ती धारीवाल (कोटा उत्तर): 000

श्री अध्यक्ष: बैठिए। आप बैठिए।

श्री शान्ती धारीवाल (कोटा उत्तर): 000

श्री अध्यक्ष: आप बैठिए। ध्यान आ गया। बैठिए। माननीय सदस्य, आप बैठिए।

श्री शान्ती धारीवाल (कोटा उत्तर): 000

श्री अध्यक्ष: आप बैठिए। आसन पांव पर है। मैं आखिरी बार चेतावनी दे रहा हूं। माननीय विपक्ष के नेता समझाइए। मैं व्यवस्था दे रहा हूं। आपका प्रश्न आ गया ध्यान में, मैं व्यवस्था करता हूं। (व्यवधान) आप स्पीकर नहीं हैं। मेरे ध्यान में आ गया। मुझे ध्यान है, अनुमोदन केवल एक ही व्यक्ति करेंगे। मैंने व्यवस्था दे दी है।

श्री टीकाराम जूली (नेता, प्रतिपक्ष): माननीय अध्यक्ष महोदय, परंतु ये गलती हुई कहां से? दो लिखकर आये हैं, दो छपकर आये हैं।

श्री शान्ती धारीवाल (कोटा उत्तर): 000

श्री अध्यक्ष: आप क्यों खड़े हो रहे हैं? आपका विपक्ष का नेता खड़ा है। माननीय सदस्य, आप मेरे से भी पुराने हैं। मैं आपको आखिरी बार कह रहा हूं। यदि आप बिना अनुमति के खड़े हुए तो मुझे आगे कुछ न कुछ कार्यवाही करनी पड़ेगी।

श्रीमती अनिता भदेल।

श्रीमती अनिता भदेल (अजमेर दक्षिण): आर्डर में लाइए सदन को।

श्री अध्यक्ष: हाउस आर्डर में है। आप बैठिए।

श्री टीकाराम जूली (नेता, प्रतिपक्ष): अध्यक्ष जी, ऐसे करते तो ये दिलावर जी तो यहां रहते ही नहीं। रामगंज मण्डी से माननीय सदस्य जो आते हैं, ये लगातार बीच में उठते थे। ऐसा तो हमने कभी नहीं किया।

श्री अध्यक्ष: व्यवस्था कर दी है।

अभिभाषण

माननीय राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव

श्रीमती अनिता भदेल (अजमेर दक्षिण): अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से प्रस्ताव करती हूं कि राज्यपाल महोदय को निम्नांकित रूप से धन्यवाद प्रस्तुत किया जावे-

"इस सत्र में एकत्रित हम, राजस्थान विधान सभा के सदस्यगण, राज्यपाल द्वारा इस सदन में दिये गये अभिभाषण के प्रति उनके आभारी हैं।"

श्री शान्ती धारीवाल (कोटा उत्तर): 000

श्री अध्यक्ष: मैं कह रहा हूं, मैंने व्यवस्था दे दी है। मेरी व्यवस्था के बाद कुछ नहीं होगा। बैठिए आप।

श्री शान्ती धारीवाल (कोटा उत्तर): 000

श्री अध्यक्ष: माननीय सदस्य, मुझे मजबूर मत कीजिए। पहले दिन मैं नहीं करना चाहता। मुझे मजबूर मत कीजिए ...(व्यवधान) मुझे पता है। आप कंटीन्यू कीजिए। आप ऐसा करेंगे तो समय आपका ही कटेगा, मैं बता रहा हूं। यदि आप व्यवधान करेंगे तो आपका उतने मिनट समय कटेगा। आप बोलिए।

श्रीमती अनिता भदेल (अजमेर दक्षिण): माननीय अध्यक्ष महोदय, महामहिम राज्यपाल महोदय ने जो अभिभाषण यहां प्रस्तुत किया है, 2023 में आम चुनाव के बाद भारतीय जनता पार्टी की सरकार राजस्थान प्रदेश में ही नहीं, मध्य प्रदेश में भी बहुत भारी बहुमत से और छत्तीसगढ़ में भी भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी है और डबल इंजन की सरकार कैसी होती है, क्या काम करती है, यह तो आने वाला समय बताएगा। मैं मेरे प्रतिपक्ष के सभी माननीय सदस्यों से पूछना चाहती हूं कि आपने तो बहुत बढ़चढ़ कर, अभी क्वेश्चन ऑवर चला, उसमें मोबाइल फोन के वितरण की बात की गयी कि कितने बांटेंगे या नहीं बांटेंगे? आपने अपना जो घोषणा पत्र था, उस घोषणा पत्र के कितने वादे आपने पूरे किये हैं? शायद उसको उठाकर देख लेते तो ये समझ पाते कि हमने क्या किया और क्या नहीं किया। कितना जनता को बेवकूफ बनाया।

अभी हमारे माननीय मंत्री महोदय ने सवाल का जवाब दिया कि कितने बेरोजगारों को आपने बेरोजगारी भत्ता दिया। आपने दो लाख की कैप

(श्रीमती अनिता भदेल)

उसमें लगा दी और लगाने के साथ में उसमें एक काम और किया कि कैप लगाने के साथ में प्रशिक्षण के नाम से, ट्रेनिंग के नाम से, इंटर्नशिप के नाम से एक नया नियम लागू कर दिया ताकि लोग बेरोजगारी भत्ते के लिए आवेदन न करें। हम किसानों का सम्पूर्ण कर्जा माफ करेंगे लेकिन पूरे पांच साल हो गये किसानों का कर्जा माफ नहीं हुआ। नेता, प्रतिपक्ष महोदय, आप जब यहां पर बैठते थे तो आपकी भाषा क्या होती थी? वहां चले गये तब आपकी भाषा क्या हो गयी? ये भाषा का जो अंतर है, वही आपको लेकर के डूबने वाला है।

श्री अध्यक्ष: माननीय सदस्य, बैठे-बैठे नहीं बोलेंगे। आपका नंबर आएगा, तब आप बोल लेना।

(समय: 13.00 बजे)

श्रीमती अनिता भदेल (अजमेर दक्षिण): माननीय हरिमोहन जी बहुत पुराने सदस्य है, मैं आपका सम्मान करती हूं लेकिन बीच में इन्ट्रप्ट करेंगे तो मैं भूल जाऊंगी कि आप मेरे से पुराने सदस्य हैं, हां। माननीय अध्यक्ष महोदय, कल ...(व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: माननीय सदस्य, इंटरवीन कोई नहीं करे। जो बोल रहे हैं उनको बोलने दीजिए। बोलने दीजिए, बैठिए। हरेक को बोलने का पूरा समय दूंगा। बोलिए।

श्री हनुमान बेनीवाल (खींवसर): आप फिर...(व्यवधान)

श्रीमती अनिता भदेल (अजमेर दक्षिण): आपने मुझे बहुत अच्छे से महसूस किया है, देखा है, जाना है बीस सालों से, इसलिए जो मन में है वह जुबां पर है। मैं ऐसा नहीं करती कि मन में कुछ और है और जुबां पर कुछ और है। दिल से बोलती हूं, भावना से बोलती हूं इसलिए प्लीज आप बाधा न बनें।

माननीय अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले तो मैं सम्पूर्ण सदन को, सम्पूर्ण राजस्थान को, पूरे देश को इस बात की बधाई देना चाहती हूं कि कल 500 वर्षों की लड़ाई के बाद वह शुभ दिन आया है, वह महत्वपूर्ण दिन आया है, इसलिए सियावर रामचन्द्र की ...(व्यवधान)

अनेक माननीय सदस्य: जय श्री राम, जय श्री राम। (व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: बोलने दीजिए।

श्रीमती अनिता भदेल (अजमेर दक्षिण): अयोध्या में स्थापना हुई प्राण प्रतिष्ठा हुई ...(व्यवधान) जय श्री राम नहीं बोलेंगे, लेकिन कांग्रेस ने तो उस निमंत्रण पत्र को ही ठुकरा दिया, जिस निमंत्रण पत्र में उनको बुलाया गया था ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष महोदय, आज मैं सिर्फ आइडियोलोजी की ही बात करूंगी और कुछ बात नहीं करने वाली। ये योजनाएं तो आइडियोलॉजी से बनती हैं और उसी धरातल पर हम काम करते हैं। स्वतंत्रता संग्राम के समय, जब हमने स्वतंत्रता संग्राम लड़ा, जब हमने स्वतंत्रता के लिए लड़ाई लड़ी, तब हमने....

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): आपने?

श्रीमती अनिता भदेल (अजमेर दक्षिण): मैंने 'हमने' बोला है, 'आपने' नहीं बोला है। मैं शब्द बहुत चुन-चुनकर बोलती हूं। कांग्रेस तो सिर्फ 'अपना' ही बोलती है कि हमने लड़ी है, हमने अपने आप ही लड़ी है, कांग्रेस सिर्फ अपने आपको ही श्रेय देती है, जबकि यह मालूम नहीं है कि कांग्रेस की स्थापना तो ए ओ ह्यूम ने की थी जो अंग्रेज अफसर था। हमारी नींव कहां है, यह तो देख लो, उसको सुधार लो। अब तो समय आ गया, अब तो जागरण का अवसर आ गया, उसको ठीक कर लो, नहीं तो आप जनता से मिट जाओगे, इस भारत देश से खतम हो जाओगे ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं स्वतंत्रता संग्राम के आंदोलन का निवेदन कर रही थी। यह स्वतंत्रता संग्राम का आंदोलन जिस मूल लक्ष्य को लेकर लड़ा गया, वह मूल लक्ष्य था कि हम राम राज्य की स्थापना करेंगे। क्यों, टीकाराम जी, यही था न? इतिहास तो बदल नहीं सकते। आपने बहुत कोशिश की, वामपंथियों से इतिहास लिखवाया, गलत इतिहास पढ़वाया, युवा पीढ़ी को बर्बाद किया, भौतिक रूप से उनके दिमाग में यह भरा गया, लेकिन इसके बावजूद भी भारत के कण-कण में राम समाया हुआ है।

(समय: 13.03 बजे)

(श्री फूल सिंह मीणा, सभापति, पदासीन)

कण-कण में, कतरे-कतरे में राम समाया हुआ है, इसलिए आप इसको मिटा नहीं सकते, खतम नहीं कर सकते।

श्री टीकाराम जूली (नेता, प्रतिपक्ष): मैं तो इतना ही पूछ रहा हूं, कल से पहले भगवान राम नहीं थे क्या? कल से पहले वहीं थे? (व्यवधान)

श्रीमती अनिता भदेल (अजमेर दक्षिण): आप तो बोल ही नहीं सकते इस बारे में।

श्री बालमुकुन्दाचार्य (हवा महल): यह रोम से चली पार्टी थोड़े ही है ...(व्यवधान)

श्रीमती अनिता भदेल (अजमेर दक्षिण): देखिए, मैं इसलिए आपसे कहती हूं कि राम हमारे कण-कण में बसे हुए हैं रोम-रोम में बसे हुए हैं। रामराज्य की स्थापना, यह राम जी के राज्य की, सिर्फ एक व्यक्ति के राज्य की स्थापना की बात नहीं है।

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): आप इस पर बोलिए न।

श्रीमती अनिता भदेल (अजमेर दक्षिण): हां, इसी पर। यह जो मूल दस्तावेज बना है, वह इसी पर ...(व्यवधान)

श्री सभापति: माननीय सदस्य महोदय, आपका नम्बर आए तब बोलना आप। वह बोल रहे हैं, आप सुनो।

श्रीमती अनिता भदेल (अजमेर दक्षिण): यह मूल दस्तावेज इसी पर बना है। इसी विचार पर यह मूल दस्तावेज बना है। इसलिए मुझे मालूम है ये खड़े होंगे और खड़े होंगे तो मिट भी जाएंगे, यह इनको मालूम है ...(व्यवधान)

श्री सभापति: प्लीज, उनको बोलने दीजिए।

श्रीमती अनिता भदेल (अजमेर दक्षिण): माननीय सभापति महोदय, कल जब वह आयोजन हो रहा था तो एक कांग्रेस के नेता मुझे बुलाने आए कि बहन जी, आप आइये। वह कांग्रेस के नेता सरकार के कार्यकाल में उत्कृष्ट थे, सरकार ने उनको नोमिनेट पार्षद बनाया था, बहुत सीनियर लीडर थे। मुझे बुलाने आए कि हमारे क्षेत्र में राम मन्दिर मूर्ति की स्थापना हो रही है, प्लीज मैडम, आप आइएगा। मैंने उनसे पूछा कि आपने तो राम जी का न्योता ही ठुकरा दिया, आप कैसे राम मन्दिर की स्थापना कर रहे हो? राम जी के दरबार की स्थापना क्यों कर रहे हो? उसने कहा, बहन जी, जाने दो न, हमारी +++ क्या सोचती है यह मैं क्या करूं? यहां तो हमें आप लोगों के साथ ही रहना है। यह जवाब है।

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): सभापति महोदय, यह क्या है? (व्यवधान)

श्री सभापति: माननीय सदस्य महोदय, वह जो बोल रहे हैं, उनको बोलने दो। आपका नम्बर आएगा, आप बोलो न जब।

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): क्या भाषण दे रही हैं? (व्यवधान)

श्री टीकाराम जूली (नेता, प्रतिपक्ष): जो सदन के मैम्बर नहीं हैं उनका नाम यहां नहीं ले सकते। (व्यवधान) आप अभिभाषण पर बोलिए।

श्री सभापति: आपका नम्बर आए तब बोलना न, आप जवाब दे देना न,...(व्यवधान)

श्री टीकाराम जूली (नेता, प्रतिपक्ष): सभापति जी, जो सदन का मैम्बर नहीं है, बाहर का है, उसका नाम नहीं आ सकता। (व्यवधान) आप उसको एक्सपंज कराइये।

श्री सभापति: जो सदन का मैम्बर नहीं है वह नाम काट देना। उसके बारे में न बोलें।

श्री टीकाराम जूली (नेता, प्रतिपक्ष): आप अभिभाषण पर बोलिए न।

श्रीमती अनिता भदेल (अजमेर दक्षिण): हां, मैं बोलती हूं। मैं उसी पर आ रही हूं।

श्री सभापति: माननीय सदस्य महोदय, जो सदन का मैम्बर नहीं है उसका नाम न पुकारें।

श्री जोगाराम पटेल (संसदीय कार्य मंत्री): राम जी के नाम से ...(व्यवधान) यह तो अभी शुरुआत है।

श्री सभापति: प्लीज, मंत्री महोदय, आपका सदस्य बोल रहा है।

श्रीमती अनिता भदेल (अजमेर दक्षिण): माननीय सभापति महोदय, मैंने तो इनकी बात की थी, इनकी सच्चाई बयां की थी कि नीचे क्या दर्द है लोगों में, समझो भाई, नहीं तो खतम हो जाओगे। (व्यवधान)

माननीय सभापति महोदय, मैं अपना विषय शुरू कर रही थी कि पिछले पांच साल की कांग्रेस सरकार, राम राज्य क्यों बुरा लगता है? राम राज्य के भाव क्यों बुरे लगते हैं, विचार क्यों बुरे लगते हैं? माननीय सभापति महोदय, मैं एक उदाहरण देती हूं। उदयपुर में कन्हैयाकुमार की हत्या हुई। (व्यवधान)

श्री गणेश घोघरा (डूंगरपुर): आपके ही कार्यकर्ता थे वो, आपके ही कार्यकर्ता थे ...(व्यवधान)

श्री सभापति: प्लीज, प्लीज। आपका मौका आए तब आप बोलना न।

श्रीमती अनिता भदेल (अजमेर दक्षिण): आप जब बोलेंगे तो मैं इससे भी ज्यादा खड़े होकर बोलूंगी। आप जब बोलेंगे तो मैं इससे भी ज्यादा बोलने की क्षमता रखती हूं। (व्यवधान)

श्री सभापति: प्लीज सदस्य, आपका मौका आए तब बोलना।

(श्री सभापति)

(व्यवधान) आपका नम्बर आए तब बोलना। घोघरा जी, सदस्य महोदय, आपका नम्बर आए तब जवाब देना। सदस्य महोदय, आप बैठिए, आप बैठिए।

श्री गणेश घोघरा (डूंगरपुर): वह आपके कार्यकर्ता थे या नहीं? (व्यवधान)

श्री सभापति: माननीय सदस्य, आप बैठिए।

श्री अर्जुनसिंह बामणीया (बांसवाड़ा): आपके कार्यकर्ता थे। (व्यवधान)

श्री सभापति: आप बैठिए।

श्री अर्जुनसिंह बामणीया (बांसवाड़ा): पार्टी का मफलर डाले हुए थे.. (व्यवधान)

श्री सभापति: बैठिए। (व्यवधान)

श्री अर्जुनसिंह बामणीया (बांसवाड़ा): उनके फोटो छपे हैं। (व्यवधान)

श्री सभापति: विराजिए।

डा. विश्वनाथ मेघवाल (खाजूवाला): सदन में ऐसे मिस्गाइड करना उचित नहीं है ...(व्यवधान)

श्री सभापति: बैठिए। अनिता जी, बोलिए।

श्रीमती अनिता भदेल (अजमेर दक्षिण): माननीय सभापति महोदय, आप या तो हाउस को आर्डर में ले आइये, तो हम लगातार बोल देंगे, हम रुकने वाले नहीं हैं। मैं इतना बताना चाह रही हूं कि राम राज्य की स्थापना के लिए ...(व्यवधान)

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): सभापति महोदय, इनको मुद्दे दिलाओ, इनके पास मुद्दे नहीं हैं बोलने के लिए।

श्री सभापति: आप अपना भाषण बोलना न। आप बार-बार खड़े क्यों हो रहे हो? (व्यवधान)

श्रीमती अनिता भदेल (अजमेर दक्षिण): मुद्दा है न। मुद्दा इसलिए है क्योंकि एक हिन्दू की हत्या होती है तो पांच लाख मुआवजा ...(व्यवधान)

श्री सभापति: प्लीज सदस्य। यह इधर जो बोल रहे हैं न, अनिता जी, ...(व्यवधान) कोई भी खड़ा नहीं होगा।

श्रीमती अनिता भदेल (अजमेर दक्षिण): मुसलमान की हत्या होती है तो पचास लाख मुआवजा। आपकी नीति में यह अन्तर है। यह आपकी

(श्रीमती अनिता भदेल)

व्यवस्था में अन्तर है। आपने यह अन्तर किया इसलिए आप वहां सामने बैठे हैं। इसलिए आप आज वहां सामने बैठे हैं। कन्हैयालाल हिन्दू था और जयपुर में मरने वाला मुसलमान था, ऐसे चलाएंगे आप शासन? (व्यवधान)

श्री सभापति: अनिता जी, सिर्फ आसन को सम्बोधित करो। आप उधर बोलो ही मत, आप तो इधर सम्बोधित करो।

श्रीमती अनिता भदेल (अजमेर दक्षिण): आप हाउस को आर्डर में ले आइये।

श्री सभापति: आप तो इधर सम्बोधित करो।

श्रीमती अनिता भदेल (अजमेर दक्षिण): बोलना पड़ता है ना ... (व्यवधान) जब दर्द होता है तो बोलना पड़ता है।

श्री सभापति: आप आसन को सम्बोधित करो, आपको बोलना है तो परमिशन लेकर बोलिए। नेता प्रतिपक्ष जी, उनको बोलो, उनको बिठाओ। आप बैठिए ना। ...(व्यवधान)

श्री टीकाराम जूली (नेता, प्रतिपक्ष): माननीय सभापति महोदय, आप मेरी बात सुनिए। इस प्रकार से आप सदन कैसे चलाना चाहते हैं, यह मेरी समझ से बाहर है। हम पूरा कोऑपरेट कर रहे हैं, लेकिन आपके माननीय सदस्य जिस प्रकार की भाषा और लैंग्वेज यहां इस सदन के अन्दर प्रयोग कर रहे हैं, आप यह ही पढ़ लीजिए, आपके पीछे क्या लिखा हुआ है? यह ही पढ़ लीजिए। किस विषय पर आप बात कर रहे हैं? इनको अभिभाषण पर बोलना चाहिए।

श्री सभापति: विराजिये।

श्री टीकाराम जूली (नेता, प्रतिपक्ष): नहीं, आप मेरी बात सुनिये। ऐसा नहीं है कि जो मर्जी आये, वह बोलेंगे।

श्रीमती अनिता भदेल (अजमेर दक्षिण): बोलना हमें भी आता है, बोलना आपको भी आता है, आप आपका नम्बर आये तब बोल लीजिए।... (व्यवधान)

श्री सभापति: आप विराजिये। अनिताजी, आप इधर आमने-सामने मत करो। आप आसन को सम्बोधित करके अपनी बात को रखें।...(व्यवधान)

श्रीमती अनिता भदेल (अजमेर दक्षिण): माननीय सभापति महोदय, जब मैं बोल रही हूं तो मैं किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का काम नहीं

(श्रीमती अनिता भदेल)

कर रही हूं परन्तु आप बीच में बोलेंगे तो फिर ऐसा ही होगा। आप बीच में बोलेंगे तो ऐसा ही होगा। मैं यह निवेदन कर रही थी, मैं विचार पर बात करना चाह रही थी कि आपका विचार क्या है? आपका विचार है भारत को तोड़ो। टुकड़े-टुकड़े गैंग। टुकड़े-टुकड़े गैंग के आधार पर इसीलिए ही आपने राम को हटाया। राम के विचार को हटाया, क्योंकि आप टुकड़े-टुकड़े भारत के करना चाहते थे। आपने किया टुकड़े-टुकड़े भारत को, हिंदुस्तान और पाकिस्तान आपने किया। ...(व्यवधान)

श्री सभापति: माननीय सदस्य महोदया, आपका नम्बर आये तब आप बात करना।

कुमारी रीटा चौधरी (मंडावा): माननीय सभापति महोदय, हम धर्म निरपेक्षता की बात कर रहे हैं।

श्रीमती अनिता भदेल (अजमेर दक्षिण): हां, हम यह बात करेंगे, क्यों नहीं करेंगे? आपने टुकड़े-टुकड़े गैंग को ...(व्यवधान) तकलीफ हो रही है? राम के नाम को नहीं लेना चाहते हैं न कांग्रेस के सदस्य, सुनना नहीं चाहते हैं। मैं राम के लिए इसीलिए बोल रही हूं कि राम के राज में, राम उत्तर से दक्षिण तक है, पूर्व से पश्चिम तक है लेकिन आपने उसको तोड़ने का काम किया है, उस संस्कृति को तोड़ने का काम किया, उस पूरे विचार को तोड़ने का काम किया जो एकजुटता के सूत्र में भारत को पिरोने का काम करते हैं और इसीलिए आप राम को नहीं जानना चाहते, इसीलिए आप राम को नहीं सुनना चाहते, इसीलिए आप राम के विचार को जीना नहीं चाहते। ...(व्यवधान)

कुमारी रीटा चौधरी (मंडावा): आप संविधान के खिलाफ जा रहे हैं। आप संविधान के खिलाफ जा रहे हैं। हमारा संविधान धर्म-निरपेक्षता सिखाता है ...(व्यवधान)

श्रीमती अनिता भदेल (अजमेर दक्षिण): मैं किसी के खिलाफ नहीं जा रही हूं लेकिन यदि आप धर्म-निरपेक्षता की बात कर रहे हैं तो फिर पचास लाख रुपये दिये होते कन्हैयालाल को भी, ...(व्यवधान)

कुमारी रीटा चौधरी (मंडावा): संविधान हमें धर्म-निरपेक्षता सिखाता है।

श्रीमती अनिता भदेल (अजमेर दक्षिण): कन्हैयालाल को भी पचास लाख रुपये दिये होते धर्म-निरपेक्षता की बात है तो ...(व्यवधान) धर्म-निरपेक्षता की बात है तो पचास लाख रुपये कन्हैयालाल को क्यों नहीं दिये

(श्रीमती अनिता भदेल)

फिर? पचास लाख रुपये दिये होते न, धर्म-निरपेक्षता की बात है तो कन्हैयालाल को क्यों नहीं दिये? जवाब दो मुझे।

श्री सभापति: माननीय सदस्य, अनिताजी।

श्री टीकाराम जूली (नेता, प्रतिपक्ष): दिये हैं। पचास लाख रुपये दिये हैं और नौकरी दी है। आप गुमराह कर रहे हो ...(व्यवधान)

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): पचास लाख रुपये दिये हैं।

श्री सभापति: अनिताजी, आप उधर मत बोलिये, आप इधर आसन को सम्बोधित कीजिए।

श्रीमती अनिता भदेल (अजमेर दक्षिण): माननीय सभापति महोदय, मैं तो आपसे इतना ही निवेदन करना चाहती हूं कि ...(व्यवधान)

श्री सभापति: आप विराजिये। आपके माननीय सदस्य बोल रहे हैं।

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): राजस्थान की विधान सभा को आपने सब्जी मंडी बना दिया।

श्री सभापति: आप विराजिये। अनिताजी के अलावा कोई नहीं बोलेगा। बोलेंगे तो फिर मेरे को कुछ न कुछ और निर्णय लेना पड़ेगा। आप विराजिये। आप विराजो।

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): यह ऐसा नहीं चलेगा, फिर आप काहे के सभापति हो?

श्री जोगाराम पटेल (संसदीय कार्य मंत्री): आसन को धमका रहे हो आप। बैठिये।

श्री सुमित गोदारा (खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री): आप आसन को धमका रहे हो क्या? (व्यवधान)

श्री सभापति: अनिताजी के अलावा और कोई बोलेगा तो कोई अंकित नहीं होगा। कोई अंकित नहीं होगा। केवल अनिताजी बोलेंगे। हां, अनिताजी।

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): 000

श्रीमती अनिता भदेल (अजमेर दक्षिण): माननीय सभापति महोदय, राम का नाम लेते ही कुछ सदस्य नीचे सीट से खड़े हो जाते हैं, राम का नाम लेते ही, राम का नाम लेते ही।

श्री सभापति: आदरणीय डोटासराजी, तसल्ली रखो।

डॉ. विश्वनाथ मेघवाल (खाजूवाला): 000

श्री सभापति: आपको कितनी बार बोलना पड़ेगा? आसन जब यह कहता है कि अनिताजी ही बोलेंगे तो कम से कम आप तो मत बोलो न। वे बैठ गये न, आप भी बैठिये। आप विराजिये। आप विराजिये। आपकी सदस्य बोल रही हैं, अच्छी बात कर रही हैं तो आप उनको सुनो और अगर आपको भी इनका कोई जवाब देना है तो आपका नम्बर आये तब बोलना, बीच में डिस्टर्ब न करें। आप विराजिये। आप बीच में डिस्टर्ब न करें। आपका नम्बर आये तब आप उसका जवाब दे देना। नेता, प्रतिपक्ष बैठे हैं, ये सब एंट्री कर रहे हैं, नोट कर रहे हैं। नेता, प्रतिपक्ष महोदय, जो भाषण आप नोट कर रहे हो, उसका आप जवाब दे देना, आपको पर्याप्त मौका मिलेगा। हां, अनिताजी।

श्रीमती अनिता भदेल (अजमेर दक्षिण): माननीय सभापति महोदय, ...(व्यवधान)

श्री टीकाराम जूली (नेता, प्रतिपक्ष): माननीय सभापति महोदय, एक मिनट आप बैठिये। अब ये आपके ही लोग हैं, आप देखिये।

माननीय सभापति महोदय, आप मेरी बात सुनिये। देखिये, आप मेरी बात सुनिये। ...(व्यवधान)

श्री सभापति: आसन पाँवों पर है, आप विराजिये। आप विराजिये, आप विराजिये। आपके पीछे भी सब खड़े हैं।

डॉ. विश्वनाथ मेघवाल (खाजूवाला): 000

श्री टीकाराम जूली (नेता, प्रतिपक्ष): माननीय सभापति महोदय, एक मिनट। देखिये, हम इस विधान सभा के अन्दर आये हैं, राजस्थान की जनता की बात कहने के लिए। ...(व्यवधान) अब आप बीच में मत बोलिये। जनता सब देख रही है। आज जिस प्रकार की व्यवस्था यहां सदन के अन्दर माननीय सदस्य कर रहे हैं, यह सदन की गरिमा के अनुरूप नहीं है। हर व्यक्ति का अपना धर्म है, अपनी बात आप कहिये, कोई मना नहीं करता। कोई मना नहीं करता लेकिन जिस प्रकार से, या तो आपकी तैयारी नहीं है माननीय सदस्य अभिभाषण पर इसलिए आप इधर-उधर की बात कर रहे हैं। आप अभिभाषण पर बोलिये, हम सुनेंगे, पूरा सुनेंगे, पूरा को-ऑपरेट करेंगे और जब हमारा नम्बर आयेगा तब हम जवाब भी देंगे लेकिन इस प्रकार से सदन को सब्जी मंडी नहीं बनने देंगे, यह हम बता देते हैं आप लोगों को।...(व्यवधान)

श्री अर्जुनसिंह बामणीया (बांसवाड़ा): 000

श्री सभापति: विराजिये। बामणीया साहब, आप विराजिये। आपके नेता, प्रतिपक्ष बोल गये, आप विराजिये। अनिताजी, आप बोलिये।

श्रीमती अनिता भदेल (अजमेर दक्षिण): माननीय सभापति महोदय, धर्म-निरपेक्षता। हमारे संविधान में उल्लेखित है कि हम धर्म-निरपेक्ष राज्य की स्थापना करेंगे और सबको समान दृष्टि से देखेंगे। महामहिम राज्यपाल महोदय ने संविधान की प्रस्तावना पढ़ी है ओर संविधान की प्रस्तावना की शपथ हम सब लोगों को दिलवाई है। जब राज्यपाल महोदय ने संविधान की प्रस्तावना पढ़ी है और संविधान की प्रस्तावना में सबको नियम-कायदे-कानून ...(व्यवधान)

श्री अर्जुनसिंह बामणीया (बांसवाड़ा): 000

श्री सभापति: आप विराजिये। आप विराजिये।

श्रीमती अनिता भदेल (अजमेर दक्षिण): सब पर नियम-कायदे-कानून लागू होंगे।

श्री अर्जुनसिंह बामणीया (बांसवाड़ा): 000

श्री सभापति: आप विराजिये।

श्री जोगाराम पटेल (संसदीय कार्य मंत्री): आप तो मर्यादा का पालन कर दो।

डॉ. विश्वनाथ मेघवाल (खाजूवाला): 000

श्रीमती अनिता भदेल (अजमेर दक्षिण): माननीय सभापति महोदय, हाउस को आर्डर में ले आएंगे तो मैं बोलूंगी।

श्री सभापति: माननीय सदस्य। माननीय सदस्य अनिताजी, ऐसा कोई शब्द न कहें जिससे किसी को आहत पहुंचे।

श्रीमती अनिता भदेल (अजमेर दक्षिण): मुझे मालूम है। माननीय सभापति महोदय, सिर्फ पांच साल के शासन में क्या-क्या गलत काम हुए हैं यदि वह भी नहीं बताया जाये और ये क्यों उधर बैठ गये और बी.जे.पी. इधर क्यों आ गयी, वह भी नहीं सुनना चाहे तो कोई आंखों का अंधा हो तो समझ में आता है लेकिन कोई दिमाग से भी अंधा है, यदि वह दिमाग से भी अंधा बनना चाहता है तो मुझे उसको समझाने की जरूरत नहीं है।

माननीय सभापति महोदय, हमने बारबार आग्रह किया कि आप न्याय करिये। सबके साथ समान न्याय करिये लेकिन तुष्टिकरण की पराकाष्ठा इतनी ऊंची थी कि रामनवमी पर जुलूस नहीं निकलेगा, धारा 144 लगा दी

(श्रीमती अनिता भदेल)

गयी। रामनवमी पर जुलूस नहीं निकलेगा और साथ में डी.जे. नहीं बजेगा, वंदे मातरम। भगवान राम जब लंका जीतकर आये थे तो लक्ष्मण ने यह कहा था कि हमारी यह स्वर्ण लंका है, हम यहीं पर रहते हैं, तो भगवान राम ने यह कहा था कि "जननी जन्म भूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी", जन्म भूमि जननी से भी महान है, इसीलिए हमने वंदे मातरम गाकर कि यह हमारी मां है, यह भूमि हमारी मां है, यह वंदे मातरम स्वतंत्रता संग्राम के समय गाया गया और उसके बाद में क्या हुआ स्वतंत्रता संग्राम के वंदे मातरम गीत का? अब मैं बोलूंगी तो सदस्य चिल्लायेंगे, खड़े हो जायेंगे। कह दूं न? वंदे मातरम गीत ...(व्यवधान)

श्री अर्जुनसिंह बामणीया (बांसवाड़ा): 000

श्री सभापति: प्लीज। आप तो इधर कहें।

श्रीमती अनिता भदेल (अजमेर दक्षिण): मैं मंत्री हूं, मेरी सरकार है तो मैं मंत्री हूं। आपके जैसा नहीं है कि मुख्य मंत्री और उप मुख्य मंत्री पांच साल तक झगड़ते रहे। (व्यवधान)

श्री सभापति: माननीय सदस्या, आप आसन को सम्बोधित करें।

श्रीमती अनिता भदेल (अजमेर दक्षिण): सभापति महोदय, इसीलिए यह बात कहनी पड़ रही है कि आपने इस देश में तुष्टीकरण के कारण से, भारत के टुकड़े-टुकड़े हो जाएं, इस कारण से आपने जातिवाद का जहर इस देश में घोला, धर्म का जहर आपने इस देश में घोला। इस देश में गंगा जमुनी तहजीब थी। हमारे लोगों के मस्तिष्क में यह बात डाली गयी शिक्षा के माध्यम से, उन विचारों के माध्यम से कि हम अपने को गौण समझें, तुच्छ समझें और हम विदेशों पर निर्भर रहें।

नेहरूजी ने क्या किया था? यही किया था। फिर बोलेंगे कि नेहरूजी का नाम क्यों ले रहे हो। इतिहास तो बोल सकते हैं न? इतिहास नहीं बता सकते क्या? वंदे भारत गीत की पंक्तियां, जब वंदे भारत गीत पूरा गाया जाता था, उसकी पंक्तियां किसने कम करायीं और क्यों कम करायीं? उसके पीछे क्या भावना थी? क्या कारण था उसके पीछे? यह इतिहास में जाकर देखो तो आपको पता चलेगा।

सभापति महोदय, मैं इसलिए निवेदन करना चाहती हूं कि भारतीय जनता पार्टी के शासन की स्थापना प्रदेश में हुई है। हर वह वर्ग कांग्रेस शासन में पीड़ित रहा है, चाहे वह किसान हो, चाहे वह युवा हो, चाहे वह मजदूर हो, चाहे वह महिलाएं हों। महिलाओं के कितने केस हर दिन, हर मिनट होते हैं।

(श्रीमती अनिता भदेल)

18 महिलाओं के साथ बलात्कार की घटनाएं होना, पूर्व कैबिनेट मंत्री जिनके पास दायित्व था, वह यह कहते हैं कि यह मर्दों का प्रदेश है और महिला मंत्री हंसती हैं। जो प्रदेश वीरों की भूमि कहलाता है, जो त्याग की भूमि कहलाती है, वहां अपने आपको सीनियर कहने वाले मंत्रीजी का यह बयान आता है लेकिन उस बयान पर कोई जवाब देने वाला नहीं होता है। तत्कालीन मुख्य मंत्रीजी कहते हैं कि 54 प्रतिशत महिलाएं गलत केस दर्ज कराती हैं। शर्म करो। इस हिन्दुस्तान में महिला की अस्मिता सबसे बड़ा विषय है। महिला केस दर्ज करवाकर अपनी अस्मिता की खिल्ली उड़ायेगी क्या? संभ्रान्त परिवार हो या किसी भी परिवार की महिलाएं हों, कभी कोई महिला इस प्रकार की बात को थाने लेकर नहीं जाती और न दर्ज करवाती। इसके बावजूद भी पूर्व मुख्य मंत्रीजी का यह बयान पूरे प्रदेश की महिलाओं को शर्मसार करता है। इसीलिए उन महिलाओं ने वोट की चोट से कांग्रेस को वहां बिठाया है।

माननीय सभापति महोदय, हम यदि इस प्रदेश की अर्थव्यवस्था की बात करें, जैसा कि महामहिम ने अपने उद्‌बोधन में कहा है। इस प्रदेश की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने की बजाय उसको पटरी से उतारने का काम कांग्रेस की सरकार ने किया। सभापति महोदय, 15 लाख रुपये तो क्या, इस देश में माननीय प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदीजी के कारण से आम महिला के चेहरे पर जो खुशी आयी है, चाहे जन-धन का खाता खोलने से आयी हो, चाहे उसको प्रधानमंत्री आवास के नाते से आयी हो, चाहे आयुष्मान भारत के नाते से आयी हो, चाहे उज्ज्वला गैस के माध्यम से आयी हो। हमने कैसे असत्य बोलने का काम किया, उज्ज्वला गैस की सब्सिडी को माननीय पूर्व मुख्य मंत्रीजी ने कैम्पों में रजिस्टर करवाकर उनके डेटा लेकर देने का काम किया, आयुष्मान भारत योजना के पैसों को चिरंजीवी नाम दिया गया और चिरंजीवी के नये नाम से अपनी वाहवाही लूटने का काम किया लेकिन प्रदेश की जनता समझदार है। (व्यवधान)

श्री सभापति: मैडम, आप उनकी तरफ मत देखें, आसन की तरफ देखो।

श्रीमती अनिता भदेल (अजमेर दक्षिण): इंदिरा रसोई का उल्लेख आया है। अच्छा किया इन्होंने नाम याद दिला दिया। मेरे कागज में लिखा ही नहीं था। सभापति महोदय, मैं 2013 से 2018 के बीच में भी इस सदन की सदस्य थी और उधर के कुछ माननीय सदस्य भी उस समय थे। उस समय

(श्रीमती अनिता भदेल)

वसुन्धराजी ने अन्नपूर्णा रसोई के नाम से योजना चालू की थी। उस रसोई को कांग्रेस की सरकार ने चार साल तक बन्द रखा। जब हमने बार-बार सवाल लगाया और आग्रह हुआ और जब कोविड आ गया और लोगों को खाना खाने की मुश्किल हो गयी, लोग बेरोजगार हो गये, कोविड के बाद इंदिरा गांधी के नाम से अन्नपूर्णा रसोई को पुन: शुरू किया गया लेकिन हमारी लायी हुई योजना को कांग्रेस लेकर आयी है। अशोक गहलोतजी चाहते थे कि लोग मेरे नाम से इस योजना को पहचानें, उस कारण से उस अन्नपूर्णा रसोई का नाम इंदिरा रसोई कर दिया। उसका पूरा कंसेप्ट बदल दिया। उसका कारण यह रहा है कि इंदिरा रसोई में इतना भ्रष्टाचार हुआ कि वहां कोने में जाकर उनको स्थायी स्ट्रक्चर देने के नाते दूर-दूर रसोइयां बन गयीं कि लोग उसका लाभ नहीं उठा पाये और आज वह रसोई बन्द होने के कगार पर हैं। इंदिरा रसोई का यह पूरा ब्यौरा है जो मैं आपको बता रही हूं।

सभापति महोदय, न केवल महिलाएं बल्कि वह युवा जिसने वोट देकर आपकी सरकार को चुना था, वह युवा चाहता था कि पारदर्शी तरीके से एग्जाम होंगे, लोगों को रोजगार मिलेगा, लोगों को नौकरियां मिलेंगी लेकिन एक भर्ती परीक्षा नहीं, दो भर्ती परीक्षा नहीं, तीन नहीं, चौबीस-चौबीस भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक हो जाना, पेपर आउट हो जाना, ऐसा हुआ। मेरे माननीय साथीगण क्वेश्चन आवर में राजीव गांधी मित्रों की बात कर रहे थे। राजीव गांधी स्टडी सर्किल के लोगों ने, बाड़ ही खेत को खाने लग गयी थी, राजीव गांधी स्टडी सर्किल के लोगों ने ही थर्ड ग्रेड टीचर की भर्ती के एग्जाम को लीक कर दिया। इन्हीं के लोगों ने लीक किया। 27 लाख से ज्यादा लोग उस परीक्षा में बैठे थे। उस परीक्षा को पूरी तरह से फेल करने का काम किया। इनके लोग उन कारोबारियों से मिले हुए थे। उन माफियाओं और उनकी गैंग से मिले हुए थे जिसके कारण से 24-24 भर्ती परीक्षाएं लीक हुईं और करोड़ों बेरोजगार युवकों का सपना टूट गया और वह भर्ती परीक्षाएं पारदर्शी तरीके से नहीं हो पायीं।

सभापति महोदय, युवाओं की बात करें तो भी यही स्थिति, महिलाओं की बात करें तो भी यही स्थिति, किसानों की बात करें तो भी यही स्थिति है। टीकारामजी जूली नेता, प्रतिपक्ष बनकर बैठे हैं। इनके श्रमिक योजनाओं का सवाल जब हम पूछते थे कि आप मजदूरों की बेटियों को कब देंगे तो कहते थे कि हम देंगे। पूरे पांच साल निकल गये, लेकिन इन्होंने एक योजना का लाभ

(श्रीमती अनिता भदेल)

उन बेटियों को नहीं दिया, न मजदूरों को दिया। इस कारण से प्रदेश के मजदूर वर्ग का भी यही हाल हुआ जो यह कांग्रेस की सरकार करना चाहती थी।

(समय: 13.27 बजे)

(श्री संदीप शर्मा, सभापति, पदासीन)

सभापति महोदय, जब-जब प्रदेश में कांग्रेस की सरकारें रही हैं उस समय कांग्रेस ने सिर्फ भाई-भतीजावाद और तुष्टीकरण की नीति को सर्वाधिक महत्व दिया है। तुष्टीकरण की नीति के साथ-साथ इनका राष्ट्रीय विचार भी है कि पूरे भारत के वैचारिक आन्दोलन को कैसे रोका जाए, भारत के विचार को कैसे दबाया जाए, भारत के विचार को कैसे कुंठित किया जाए और धर्म निरपेक्षता के रूप में उनके मस्तिष्क में कैसे भरा जाए।

मैं सिर्फ इतना निवेदन करती हूं आपसे कि जो नयी सरकार बनी है वह निश्चित रूप से इस प्रदेश के सभी वर्गों के लिए समान रूप से कार्य करने के लिए संकल्पबद्ध है और न केवल संकल्पबद्ध है बल्कि आर्थिक और सामाजिक दृष्टि से सबके लिए समान नियम हों, सबके लिए समान कार्य हों और सभी समानता से आगे बढ़ें। महिलाएं हों, चाहे बच्चे हों, चाहे सरकारी कर्मचारी हों, उन सबको एक साथ न्याय मिले। यह कार्य भारतीय जनता पार्टी के शासन में होने वाला है।

श्री सभापति: कन्क्लूड करें, माननीय सदस्य।

श्रीमती अनिता भदेल (अजमेर दक्षिण): इसलिए मैं महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर धन्यवाद देते हुए अपनी बात को पूरा करती हूं। बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री सभापति: माननीय बाबूसिंह जी राठौड़ साहब।

श्री जुबेर खान (रामगढ़): आप यह जो तुष्टीकरण की बात करते हैं न, वंदे मातरम कांग्रेस पार्टी ने ...(व्यवधान)

श्री सभापति: माननीय सदस्य।

श्री जितेन्द्र कुमार गोठवाल (खण्डार): बस-बस, हो गयी चापलूसी। बहुत हो गयी चापलूसी। (व्यवधान) बैठिए।

श्रीमती अनिता भदेल (अजमेर दक्षिण): वंदे मातरम की चार पंक्तियां ही रखी हैं आपने। बाकी की पंक्तियों को हटवाया है। (व्यवधान)

श्री सभापति: माननीय सदस्य, हम सब, राजस्थान सरकार की अपेक्षाएं हैं और हम सबका दायित्व है कि हम एक अच्छा संदेश पूरे प्रदेश को दे सकें पर जिस तरीके का वातावरण यहां देखने में आ रहा है, निश्चित रूप से शोभायमान नहीं होता है। मेरा आपसे निवेदन है जब इनका अवसर हो तब ये बोलें और जब आपका अवसर हो तब आप अपना वक्तव्य दें।

माननीय राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का अनुमोदन

श्री बाबूसिंह राठौड़ (शेरगढ़): माननीय सभापति महोदय, मैं आपकी अनुमति से उक्त प्रस्ताव का अनुमोदन करता हूं। माननीय सभापति महोदय, सबसे पहले तो मैं राजस्थान की जागरूक जनता को धन्यवाद देना चाहूंगा कि उन्होंने विधान सभा चुनाव में 75.45 प्रतिशत मतदान कर एक अनूठा इतिहास कायम किया। यह परिपक्व लोकतंत्र की निशानी है। संसदीय लोकतंत्र को मजबूत करने का परिचायक है। हमें इस बात की खुशी है कि आजादी के अमृत महोत्सव में उल्लास के साथ राजस्थान की स्वाभिमानी जनता ने लोकतंत्र के महोत्सव में बढ़-चढ़कर भाग लिया और विकसित भारत राष्ट्र प्रथम के संकल्प का विश्वास जताकर राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी की प्रचण्ड बहुमत से सरकार बनायी। यह राजस्थान की जनता का ऐतिहासिक निर्णय है, उसके लिये हम उनके आभारी हैं।

माननीय सभापति महोदय, सोलहवीं विधान सभा का यह पहला सत्र है। यह सदन राजस्थान के विकास की सबसे बड़ी पंचायत है। सबसे पहले मैं सोलहवीं विधान सभा में जो माननीय सदस्य निर्वाचित होकर पधारे हैं, उन सबका स्वागत और अभिनन्दन करते हुए बधाई देना चाहूंगा। साथ ही, हम सबका यह सपना और अरमान है कि राजस्थान विकसित बने, राजस्थान समर्थ बने, राजस्थान खुशहाल बने। यही हम कामना करते हैं। और सन् 1952 से लेकर आज तक जितने भी माननीय सदस्य निर्वाचित होकर यहां पर पधारे, राजस्थान को बीमारू श्रेणी से निकालकर विकासशील श्रेणी में खड़ा करने में उनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता।

माननीय सभापति महोदय, महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा करते हुए हम अपने आपको गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं कि आज हमारा हिन्दुस्तान 20 बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देशों की अगुवाई कर रहा है। यह हमारे लिये गर्व की बात है कि भारत लोकतंत्र की जननी है और जी-20 की अध्यक्षता कर रहा है। हमारा देश विश्व के सबसे बड़े नेता आदरणीय प्रधान

(श्री बाबूसिंह राठौड़)

मंत्री नरेन्द्र मोदीजी के नेतृत्व में आज हिन्दुस्तान पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बन गया है। आपने नजारा देखा होगा कि जब रूस और यूक्रेन का युद्ध हुआ तो हमारे देश के प्रधान मंत्रीजी ने दो टूक शब्दों में चेतावनी दी कि आपके देश में हमारे देश के 25,600 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं, वह सकुशल घर लौटने चाहिये। तब वहां तिरंगा आपरेशन चला और विद्यार्थी जब तिरंगा लेकर निकले तो उनके साथ अन्य देशों के विद्यार्थी भी सकुशल अपने घर लौटे। आज हमारे देश के प्रधान मंत्री पर ब्लूचिस्तान, पाक अधिकृत कश्मीर देशों के लोग भी भरोसा और विश्वास करते हैं और फिर से हिन्दुस्तान में शामिल होना चाहते हैं।

माननीय सभापति महोदय, आज हम सौभाग्यशाली हैं कि पांच सौ वर्षों का वह संघर्ष और हमारा सपना आज साकार हुआ है। कल ही आपने देखा पूरा हिन्दुस्तान और पूरा विश्व राममय था, भाव-विभोर था। कल हमारे मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम अपने घर अयोध्या पधारे। (व्यवधान)

श्री सभापति: माननीय सदस्य, विराजें।

श्री बाबूसिंह राठौड़ (शेरगढ़): पांच सौ वर्षों के हमारे पूर्वज एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, विश्व हिन्दू परिषद और बजरंग दल जैसे कई संगठनों का संघर्ष कामयाब हुआ। प्रभु श्रीराम ने मन्दिर निर्माण के लिये हमारे देश के प्रधान मंत्री आदरणीय नरेन्द्र मोदीजी को इसके लिये निमित्त और माध्यम बनाया। कांग्रेस पार्टी ने तो हमेशा भारतीय जनता पार्टी पर आरोप लगाये और कहते थे कि रामलला हम आयेंगे, मन्दिर वही बनायेंगे, लेकिन तारीख नहीं बतायेंगे। हमारे देश के यशस्वी प्रधान मंत्री आदरणीय नरेन्द्र मोदी 5 अगस्त, 2020 को ...(व्यवधान)

श्री सभापति: माननीय सदस्य, शांति से सुनें। आपका अवसर आयेगा जब नहीं बोलेंगे क्या? आप विराजो। माननीय सदस्य, विराजो।

श्री बाबूसिंह राठौड़ (शेरगढ़): श्रवण जी, आप हमारे मित्र हो, विराजो।

श्री सभापति: आप विराजिये। माननीय सदस्य, आप विराजें। (व्यवधान) माननीय सदस्य, आप विराजें प्लीज।

श्री बाबूसिंह राठौड़ (शेरगढ़): रामजी का नाम लेने से क्यों उछल रहे हो?

एक माननीय सदस्य: राक्षसों को तकलीफ होती है।

श्री सभापति: माननीय सदस्य, यह राजस्थान की विधान सभा है। माननीय सदस्य, आप कहां खड़े हुए हैं? आप राजस्थान की विधान सभा में खड़े हैं, उसकी मर्यादाओं का पालन करें। (व्यवधान) आपका जब अवसर आये तो आप अपनी बात रखियेगा, परन्तु ऐसे बीच में न बोलें, माननीय सदस्य। (व्यवधान) माननीय सदस्य, आप विराजिये। आसन पैरों पर होता है तब विराजते हैं, माननीय सदस्य।

श्री बाबूसिंह राठौड़ (शेरगढ़): माननीय सभापति महोदय, हमारे देश के प्रधान मंत्री 5 अगस्त, 2020 को अयोध्या पधारे और रामजी के मन्दिर के लिये भूमि पूजन कर वहां आधारशिला रखी और उसी दिन यह घोषणा कर दी थी कि 22 जनवरी, 2024 को मोदीजी फिर से आयेंगे, मन्दिर का निर्माण पूरा होगा और वहां रामजी की प्राण प्रतिष्ठा होगी। जो उन्होंने तारीख बतायी, उस कथनी और करनी में कोई अन्तर नहीं था। आज मैं कह सकता हूं कि पूरा देश राम विभोर हो गया।

श्री सभापति: माननीय सदस्य, विराजें। प्लीज विराजें।

श्री बाबूसिंह राठौड़ (शेरगढ़): सनातन धर्म और संस्कृति की जीत हुई। कांग्रेस की अगुआई की यूपीए सरकार ने, सर्वोच्च न्यायालय में हलफनामा दिया कि राम का चरित्र और राम द्वारा जो सेतु बनाया गया, वह काल्पनिक है। अब रामजी के मन्दिर का जब शीर्ष नेताओं को निमंत्रण दिया जाता है तो उसको भी ठुकरा दिया जाता है। पूरे रामभक्त गदगद हो रहे हैं। कल आपने देखा पूरे हिन्दुस्तान में और विश्व में भी एक दूसरी दीपावली मनायी गयी। आपके परिवार में भी दीपावली मनायी गयी, लेकिन उस बात को आप स्वीकार नहीं कर रहे हो। निमंत्रण ठुकराना, यह उचित नहीं है। अब हमारे प्रभु श्रीराम अयोध्या में विराजमान हो गये। आप सबको सद्बुद्धि देंगे और राम राज्य आयेगा, सुशासन आयेगा, सुराज आयेगा। (व्यवधान)

एक माननीय सदस्य: कुराज आयेगा।

श्री बाबूसिंह राठौड़ (शेरगढ़): रामजी की कृपा से सब काम होगा।

अभी अजमेर दक्षिण से आने वाली माननीय सदस्या कह रही थीं कि कांग्रेस ने हमेशा भारतीय जनता पार्टी पर साम्प्रदायिक होने का आरोप लगाया है लेकिन पिछले पांच साल में जिस प्रकार से कांग्रेस में अन्तर्कलह थी, खींचतान थी, कांग्रेस की गाड़ी पटरी पर नहीं चली।

जोधपुर, भीलवाड़ा, बांसवाड़ा, उदयपुर में सांप्रदायिक दंगे हुए। जनता

(श्री बाबूसिंह राठौड़)

भयभीत हुई और अपने आपको असुरक्षित महसूस किया। मेरे विधान सभा क्षेत्र शेरगढ़ में भी हृदय विदारक, बहुत बड़ी गैस त्रासदी हुई उसमें 35 लोग काल कवलित हुए और 35 घायल हुए। उस तरफ तो लाशें जल रहीं थीं, धुंआ उठ रहा था और कांग्रेस के नेता अपने शीर्ष नेता को खुश करने के लिए अलबर्ट हॉल में सांस्कृतिक संध्या करके ताली बजा रहे थे।

उन गरीब लोगों को न्याय मिले, इसके लिए लाखों की संख्या में लोगों ने जोधपुर की धरती पर संघर्ष किया। 8 दिन तक संघर्ष चला। संघर्ष के बाद में एक घोषणा की। घोषणाएं तो कीं लेकिन घोषणा करके उन गरीबों की मदद करना भूल गये। 5 लाख रुपये मुख्यमंत्री सहायता कोष से मृतकों के आश्रितों को मिले। लेकिन घायलों के लिए 2 लाख रुपये की घोषणा थी, पीएचसी की घोषणा थी, संविदा पर नौकरी की घोषणा थी, बच्चों को पढ़ाने की घोषणा थी, लेकिन उसमें से एक भी घोषणा पूरी नहीं की। इसलिए उन आत्माओं की हाय लगी और आपको उस तरफ आना पड़ा।

श्री अर्जुनसिंह बामणीया (बांसवाड़ा): आपको भी इस तरफ आना पड़ेगा।

श्री बाबूसिंह राठौड़ (शेरगढ़): अभी 5 साल तो रुको।

श्री जोगाराम पटेल (संसदीय कार्य मंत्री): आप कभी नहीं आओगे।

श्री बाबूसिंह राठौड़ (शेरगढ़): सभापति महोदय, इसके अलावा कांग्रेस पार्टी ने अपने जन घोषणा-पत्र के पृष्ठ संख्या 15 के पैरा 10 में एवं 17 जनवरी, 2019 को महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में यह कहा कि सरकारी महकमे, अर्द्ध सरकारी संस्थाओं, सरकारी विश्वविद्यालयों, उपक्रमों में 3 लाख 60 हजार संविदा कर्मियों का नियमितीकरण, सरकारी कर्मचारी के अनुरूप वेतन, भत्ते, परिलब्धियां, पेंशन हम देंगे। 5 साल के कांग्रेस शासन काल में संविदाकर्मियों के साथ धोखा किया और उन्हें नियमित नहीं किया गया। इसका जवाब जब आप अभिभाषण पर बोलें तो जरूर देना।

सभापति महोदय, हमारे विश्व के सबसे बड़े नेता आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी के आह्वान पर राजस्थान की स्वाभिमानी जनता ने विश्वास किया और उनके द्वारा दी गयी गारंटी पर भरोसा किया। राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड बहुमत से सरकार बनायी और अब यह डबल इंजन की सरकार बनी है। जनता के इस विवेकपूर्ण ऐतिहासिक निर्णय की मैं सराहना करता हूं।

(श्री बाबूसिंह राठौड़)

सभापति महोदय, हमारे देश के प्रधान मंत्री आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी एक गरीब परिवार में जन्मे। उनकी माताजी दूसरे घरों में जाकर मजदूरी करके परिवार का पालन-पोषण करती थीं। वे थोड़े से बड़े हुए तो उनके हाथ में चाय की केतली पकड़ाकर, रेलवे स्टेशन पर चाय बेचकर घर चलाने को कहा गया। वे चाय बेचने वाले गरीब मां के बेटे आज देश के प्रधान मंत्री हैं।

श्री शान्ती धारीवाल (कोटा उत्तर): राज्यपाल के अभिभाषण पर बोल रहे हैं?

श्री बाबूसिंह राठौड़ (शेरगढ़): उसी पर बोल रहा हूं।

श्री सभापति: प्लीज, माननीय सदस्य।

श्री बाबूसिंह राठौड़ (शेरगढ़): वे जानते हैं कि गरीब की पीड़ा क्या होती है, गरीब की परेशानी क्या होती है।

श्री सभापति: विराजें, विराजें, माननीय सदस्य। विराजें। प्लीज, माननीय सदस्य, विराजें आप। आप विराजिये। माननीय सदस्य, आपका अवसर आये तब आप बोलियेगा। आप बोलने दीजिये, जब आपका अवसर आये तब आप बोलना।

श्री शान्ती धारीवाल (कोटा उत्तर): राज्यपाल के अभिभाषण पर बोलें।

श्री सभापति: विराजिये, माननीय सदस्य। माननीय सदस्य, आप इधर देखिये और बोलिये। आप विराजिये, माननीय सदस्य।

श्री बाबूसिंह राठौड़ (शेरगढ़): उनकी पीड़ा क्या होती है और परेशानी क्या होती है?

श्री सभापति: मेरी जिम्मेदारी मत बतायें आप। विराजें आप।

श्री बाबूसिंह राठौड़ (शेरगढ़): यह तो जिन्होंने गरीबी झेली है, जिन्होंने गरीबी की पीड़ा महसूस की है, वही समझ सकते हैं। इसलिए मैं कह सकता हूं कि जब 2014 में एक नये युग की शुरुआत हुई, मोदी युग आया और देश में पहली बार जब 2014 में नरेन्द्र मोदी प्रधान मंत्री बने तो सबसे पहले उन्होंने माताओं और बहनों की इज्जत के लिए शौचालय का काम शुरू किया था लेकिन आपकी सरकार के समय में वह कार्य बंद हो गया था। अब हमारे आदरणीय भजन लाल जी की सरकार बनी है, भजन लाल जी की सरकार प्रत्येक घर का सर्वे करायेगी और एक भी शौचालय से वंचित घर नहीं रहेगा।

(श्री बाबूसिंह राठौड़)

मैं कहना चाहूंगा कि हमारे सदन के नेता और मुख्य मंत्री जी की एक दुर्लभ तस्वीर मैंने देखी। अपने घर में वह टाट पट्टी पर बैठे हैं। उनकी धर्मपत्नी जी और 2 बच्चे साथ हैं। पीछे सामान रखने के लिए बक्सा है। एक चारपाई खड़ी है। वह भी एक साधारण किसान परिवार में जन्मे हैं। मुझे विश्वास है, मुझे भरोसा है कि अब वह जनता की समस्या को समझेंगे। उनकी जीवनी और मोदी जी की जीवनी एक जैसी ही है। मोदी जी की गारंटी को अगर कोई पूरा करेंगे तो यह डबल इंजन की सरकार करेगी। (व्यवधान)

श्री सभापति: माननीय सदस्य, आप कितने वरिष्ठ सदस्य हैं।

श्री बाबूसिंह राठौड़ (शेरगढ़): आदरणीय भजन लाल जी और देश के प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी पूरा करेंगे। (व्यवधान)

श्री सभापति: आप कितने वरिष्ठ हैं फिर भी। वरिष्ठता का ख्याल रखें।

श्री बाबूसिंह राठौड़ (शेरगढ़): प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना में 5 साल तक आपने गैस के कनेक्शन नहीं दिये। मोदी जी ने माताओं को धुएं से निजात दिलाने के लिए यह योजना चलाई। अभी विकसित भारत संकल्प यात्रा में फिर से कनेक्शन शुरू हो गये हैं। हम हमारे सदन के नेता का आभार व्यक्त करना चाहेंगे कि जिन्होंने 01 जनवरी से गैस सिलेंडर को 450 रुपये में देने का निर्णय किया।

सभापति महोदय, केन्द्र प्रवर्तित जितनी भी योजनाएं हैं, पिछले 5 साल में उनको धरातल पर आप नहीं लाये। आप धरातल पर इसलिए नहीं लाये कि यह सारी योजनाएं अगर धरातल पर आईं और अंतिम व्यक्ति व गरीब को लाभ मिला तो वाहवाही मोदी जी की होगी। यह आपको नागवार गुजरता इसलिए इसमें आपने काम नहीं किया।

श्री हनुमान बेनीवाल (खींवसर): बाबूसिंह जी, एम.पी. का चुनाव लड़ रहे हो क्या?

श्री बाबूसिंह राठौड़ (शेरगढ़): आप मेरे मित्र हो, विराजो।

श्री सभापति: माननीय सदस्य, बोलें आप।

श्री बाबूसिंह राठौड़ (शेरगढ़): अभी तो एमएलए का लड़कर आया हूं न?

श्री सभापति: आप इधर देखिये, माननीय सदस्य। आसन की तरफ देखकर बोलिये आप।

श्री बाबूसिंह राठौड़ (शेरगढ़): सभापति महोदय, मोदी जी की योजना प्रधानमंत्री आवास योजना 2017-18 में सर्वे हुआ। अब सर्वे के अनुसार 2018 में जब कांग्रेस की सरकार आई तो बदले की भावना से नाम काट दिये गये। उसके साथ ही जो भारत सरकार का निर्धारित पोर्टल सिस्टम है, समय पर अपलोड नहीं होने से 9 लाख से अधिक पात्र परिवार वंचित रह गये। अब हमारी भजन लाल सरकार आई है, मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि मुख्यमंत्री आवास योजना की घोषणा की है तो फिर से यह जियो टैगिंग किये जायेंगे। संकल्प भारत में जितने आवेदन आये हैं, पोर्टल खुलने पर उनको जोड़ा जायेगा और प्रधानमंत्री आवास योजना बनाने का काम होगा।

मैं आपको ईमानदारी से कह रहा हूं कि कांग्रेस राज में भ्रष्टाचार चरम सीमा पर था। प्रधानमंत्री आवास योजना में जब पहली किस्त आती थी तो नींव भरी जाती थी।

श्री सभापति: दो मिनट में अपनी बात समाप्त करें, माननीय सदस्य।

श्री बाबूसिंह राठौड़ (शेरगढ़): तो 10 हजार और 20 हजार रुपये की मांग की जाती थी। अब रिश्वत के अभाव में उनकी नींव भरी रही, अखबारों में आया, न्यूज पेपर्स में आया, लेकिन उनके मकान पूरे नहीं हुए। एक घर तो डायन भी टाल देती है लेकिन गरीबों को भी नहीं छोड़ा। यह हालात थे।

सभापति महोदय, 2003 में जब भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी थी तो उस समय मुख्यमंत्री सबके लिए विद्युत योजना बनी। उसमें घर-घर कनेक्शन हुए थे। जब 2014 में देश के प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी बने तो उन्होंने दीनदयाल ग्राम ज्योति योजना चलाई। 500 रुपये डिमांड लेकर के जो राजस्थान के 90 परसेंट घरों में बिजली नहीं थी, उनके घरों को रोशन करने का काम किया। जैसे ही कांग्रेस की सरकार आई तो इन्होंने एक तुगलकी आदेश निकाल दिया कि हम खंभा नहीं देंगे। साढ़े 4 हजार डिमांड लेंगे। केबल से कनेक्शन देंगे। केबल का भी पैसा आपको देना पड़ेगा। अब हम तो ढाणियों में बसते हैं, बगैर पोल के कनेक्शन नहीं होता। लेकिन आपने कनेक्शन दिये नहीं। हमें विश्वास है, हमें भरोसा है कि महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण के पैरा 20 में हमारी सरकार ने हर घर को बिजली देने की गारंटी दी है। अब इस राजस्थान में भजन लाल जी की सरकार में एक भी घर बिजली से वंचित नहीं रहेगा।

आपने देखा होगा कि 2003 से जब एलटी केबल लगी थी, वह सूरज की रोशनी से गल गयी। वह स्पार्क हो रही थी, जल रही थी, लेकिन स्टोर में

(श्री बाबूसिंह राठौड़)

केबल नहीं मिल रही थी। यह हालात थे। जो ट्रांसफार्मर जलता था वह भी 15-20 दिन में बदलते नहीं थे।

आपकी सरकार में नारियल चढ़ाने वाली परम्परा शुरू हो गई। बिना पैसे लिए जनता का, किसी का काम नहीं हो रहा था। नीचे आप देख नहीं रहे थे कि जनता भ्रष्टाचार से कितनी त्रस्त और परेशान है। ये हालात हो गए थे। राजस्थान में जब भारतीय जनता पार्टी की, वसुन्धराजी की सरकार थी, उस समय ट्रांसफार्मर बदलने में 72 घंटे या तीन दिन ही लगते थे और ट्रांसफार्मर बदल दिया जाता था, ऐसे हालात हो गए थे। आज मैं यह कहना चाहूंगा कि हमारे मोदीजी की विद्युत सुधार केन्द्रीय योजना में जहां ट्रांसफार्मर पर विद्युत भार है, नये ट्रांसफार्मर लगाए जाएंगे। ऐसे ही जो केबल्स सड़-गल गई है, उनको बदला जाएगा, नये 33/11 केवी जीएसएस बनाए जाएंगे, नई 33 केवी की लाइनें खींची जाएंगी, नई 11 केवी की लाइनें खींची जाएंगी और निर्बाध रूप से किसानों को और उपभोक्ताओं को बिजली मिलेगी। इस प्रकार का यह काम किया है।

माननीय सभापति महोदय, अभी आपने सरकार बनते ही देखा होगा, कोयले का भयंकर संकट आया। हमारे मुख्य मंत्री, आदरणीय भजन लाल जी ने उसको गम्भीरता से लिया। तुरंत ऊर्जा मंत्री को लेकर दिल्ली गए और उन्होंने कोयला मंत्री प्रहलाद जोशी से बात की, छत्तीसगढ़ के मुख्य मंत्री से बात की। हाथों-हाथ बिजली की समस्या का निस्तारण किया। ये होती है सरकार की काम करने की इच्छा शक्ति।

माननीय सभापति महोदय, विद्युत विभाग की घोर लापरवाही व भ्रष्टाचार के कारण आमजन व किसानों को अघोषित कटौती का दंश झेलने के लिए मजबूर होना पड़ा। पूर्ववर्ती भाजपा सरकार के द्वारा प्रदेश के डिस्कॉम्स को आर्थिक सम्बल देने के लिए शुरू की गई उदय योजना के माध्यम से 62 हजार 400 करोड़ रुपये का ऋण माफ किया गया था। दुर्भाग्य से कांग्रेस राज के कुप्रबंधन व भ्रष्टाचार के कारण आज यह ऋण बढ़कर 88 हजार 700 करोड़ रुपये के पार हो गया। भाजपा शासन के समय फ्यूल चार्ज 18 पैसे प्रति यूनिट था जो बढ़कर कांग्रेस के शासन में 59 पैसे प्रति यूनिट हो गया। विभाग में जमकर भ्रष्टाचार हुआ। टर्नकी प्रोजेक्ट के नाम पर 1600 करोड़ रुपये का भ्रष्टाचार हुआ। 2300 करोड़ रुपये के टेंडर 3900 करोड़ रुपये के हो गए। अब हमारी भजन लाल सरकार गैर जीवाश्म स्रोत वाली अक्षय ऊर्जा को प्रोत्साहित

(श्री बाबूसिंह राठौड़)

कर राज्य में विद्युत उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाएगी। माननीय सभापति महोदय, कुसुम योजना में भी किसानों को सोलर आधारित प्लांट मिलेंगे, सब्सिडी मिलेगी और चार-पांच हैक्टेयर में यह प्लांट लगेंगे और प्रति वर्ष 15 लाख यूनिट बिजली का उत्पादन किया जाएगा।

माननीय सभापति महोदय, हमारे देश के प्रधान मंत्रीजी ने हर घर में नल लगाकर नल से शुद्ध पानी पहुंचाने के लिए जल जीवन मिशन योजना शुरू की। यह जल जीवन मिशन योजना 15 अगस्त, 2019 को शुरू की और 2024 तक हर घर में नल से जल पहुंचाना था। कांग्रेस की सरकार ने अलग-अलग विधान सभाओं में सर्वे ढंग से किए नहीं, न कोई प्रोजेक्ट तैयार किये। जहां आपके चहेतों के प्रोजेक्ट तैयार हुए, उनमें टेंडर हुए, कार्य आदेश हुए और कार्य आदेश होने के बाद बिना काम किये भुगतान उठा लिया गया। ये जनता को पानी पिलाने वाली योजना कांग्रेस सरकार की कमाई का जरिया बन गई।

श्री जुबेर खान (रामगढ़): तो जांच करवा लो।

श्री बाबूसिंह राठौड़ (शेरगढ़): शुरू हो गई। ईडी आ गई है आपके।

ये कमाई का जरिया बन गई। इसमें जल जीवन मिशन के धन का दुरुपयोग हुआ। इसमें भ्रष्टाचार हुआ और अब देख रहे हैं कि ईडी जांच हो रही है और जल जीवन मिशन में आपके भ्रष्टाचार की परतें खुल रही हैं।

माननीय सभापति महोदय, अब भजन लाल सरकार आई है। निश्चित रूप से आपके द्वारा किये गये घोटालों की जांच भी होगी, पुन: प्रोजेक्ट तैयार होंगे और जल जीवन मिशन में घर-घर पानी पहुंचने का काम तो अब होगा क्योंकि डबल इंजन सरकार बनी है। पूरे पांच साल जनता पानी के लिए तरसती रही। पानी का भयंकर संकट था, माननीय सदस्य, श्रवणजी। नब्बे परसेंट जनता जल योजनाएं बंद थीं लेकिन आपने ध्यान नहीं दिया। अब प्रोजेक्ट तैयार होंगे। जल जीवन मिशन में आपका पूरे हिन्दुस्तान में राजस्थान तैतीसवें स्थान पर था। ऐसे हालात हो गए थे।

माननीय सभापति महोदय, सड़क की तो बहुत हालत खराब हुई। आपने नये राजस्व गांवों के लिए सड़कें मंजूर की लेकिन पुरानी सड़कों को भूल गए। जो सड़क सीमा है वहां पर झाड़ियां खड़ी हैं। झाड़ियों की वजह से सड़क खड्ढे में है या खड्ढे सड़क में है, ऐसे हालात हो गए। नवीनीकरण के काम आपने नहीं किये। सड़कों में भी आपने राजनीतिक भेदभाव किया। मैं मेरे विधान सभा क्षेत्र का बताना चाहूंगा कि आपने 2011 और 2011 के बाद

(श्री बाबूसिंह राठौड़)

घोषित गांवों में सड़कें पहुंचाने का काम स्वीकृत किया लेकिन मेरे यहां राजनीतिक बदले की भावना से कम दूरी की सड़कें स्वीकृत की और 108 राजस्व गांव की सड़कें आपने स्वीकृत ही नहीं की। यह सूची मेरे पास पड़ी है। इस प्रकार का काम आपने किया है। ये सड़कों के हालात हैं। मुझे विश्वास है कि यह सरकार काम करेगी।

माननीय सभापति महोदय, अभी अजमेर दक्षिण से आने वाली माननीय सदस्या कह रही थीं कि आयुष्मान भारत योजना में पिछले पांच सालों में आपने कार्ड ही नहीं बनाए। अभी विकसित भारत संकल्प यात्रा चल रही है। माननीय सभापति महोदय, 5 लाख की इस योजना में पूरे हिन्दुस्तान में कहीं जाकर इलाज नि:शुल्क कराया जा सकता है, इसको भी आपने चिरंजीवी योजना में जोड़ दिया। मैं आपसे पूछना चाहता हूं कि 5 लाख का बीमा भी इसमें है लेकिन जब प्रतिपक्ष के सदस्य जवाब दें तो बताएं कि आपने 25 लाख तक की योजना तो कर दी लेकिन राजस्थान में 5 लाख से अधिक पैसा व्यय करके कितने लोगों का इलाज कराया है, उसकी जानकारी दें। इसमें कार्ड नहीं बने हैं। मैं मेरे विधान सभा क्षेत्र की बात कहना चाहता हूं कि 1 लाख 60 हजार 209 कार्ड पात्र परिवारों के बनने थे लेकिन 5 साल में कार्ड बने नहीं, केवल 10 परसेंट कार्ड बने। मात्र 16 हजार। जब हमारी विकसित भारत संकल्प यात्रा शुरू हुई तो 17 दिसम्बर, 2003 के बाद केवल एक माह में एक लाख कार्ड बने। पांच साल में 16 हजार, और एक महीने में एक लाख कार्ड, यही पूरे राजस्थान के हालात हैं।

माननीय सभापति महोदय, आज भी नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे के अनुसार हिन्दुस्तान में पिछले पांच सालों में राजस्थान में सबसे कुपोषित बच्चे 51.8 प्रतिशत हैं। अब हमारी भजन लाल सरकार राजस्थान की जनता के स्वास्थ्य के लिए कटिबद्ध है। आयुष्मान भारत स्वास्थ्य कल्याण योजना के तहत स्वास्थ्य केन्द्रों को आयुष्मान आरोग्य मंदिर के रूप में विकसित कर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाई गई हैं।

माननीय सभापति महोदय, अब हमारी भजन लाल सरकार One District-One Medical College, One District-One Nursing College, One District-One Dialysis Centre and One District-One Diagnostic Centre स्थापित कर प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं में सुगमता उपलब्ध कराएगी। (व्यवधान)

(श्री बाबूसिंह राठौड़)

माननीय सभापति महोदय, शिक्षा का तो बेड़ा ही गर्क है। हमारे पंचायत मुख्यालयों पर माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालय थे, उनको आपने अंग्रेजी माध्यम में तब्दील करने का काम किया। न तो कोई मानव संसाधन बनाए, न आपने कोई नीतियां बनाईं और हमारे जो हिन्दी मीडियम शिक्षा के बच्चे थे, उनके साथ खिलवाड़ किया।

माननीय सभापति महोदय, एक बार हमारे पूर्व मुख्य मंत्री आदरणीय अशोक जी गहलोत साहब और पूर्व शिक्षा मंत्री जी एक शिक्षक सम्मलेन में गए। तो मुख्य मंत्री जी ने शिक्षकों से पूछा कि क्या आपको स्थानांतरण में पैसे देने पड़ते हैं? सारे शिक्षक खड़े हो गए और उन्होंने कहा कि बिना पैसे दिए तो ट्रांसफर होता ही नहीं। शिक्षा विभाग में भ्रष्टाचार चरम सीमा पर था। स्थानांतरण का उद्योग खुल गया था और हमारी सीमावर्ती बाड़मेर, जैसलमेर, जोधपुर जिले में सभी शिक्षकों ने आपकी सरकार को नारियल चढ़ाकर अलविदा कह दिया और हमारी स्कूलें खाली पड़ी हैं। वहां पर लाखों शिक्षकों के पद खाली हैं। राजकीय महाविद्यालय, आईटीआई, एक शिक्षक के भरोसे चल रहे हैं। ये आपने हालात कर दिए। आपने घोषणा की 2013 से 2018 के बीच, राजस्थान में शिक्षा का नया मॉडल बनाया, शिक्षा की एक नई क्रांति आ गई लेकिन 2021 की बजट घोषणा में आपने एक घोषणा की, पांचवीं से आठवीं तक नि:शुल्क यूनिफार्म, नि:शुल्क पुस्तकें देंगे लेकिन वो हवा-हवाई हो गई।

माननीय सभापति महोदय, हालात यह थे कि अधिकारियों को काम करने के लिए बाध्य किया जाता था। अभी हमारे पंचायती राज मंत्रीजी ने कहा, एक पंचायत समिति में बीस-बीस विकास अधिकारी बदले गए। जो अधिकारी उनके कहने से भ्रष्टाचार करते थे उनको कमाकर देते थे, सरकार ने फैसला कर दिया।

श्री सभापति: जल्दी समाप्त करें।

श्री बाबूसिंह राठौड़ (शेरगढ़): हां, पांच मिनट।

श्री सभापति: एक मिनट में।

श्री बाबूसिंह राठौड़ (शेरगढ़): उनका काम होता था बाकी का नहीं होता था। हालात ये हो गए कि खाओ और खिलाओ की छूट दे दी। जब रोम जल रहा था तो नीरो सुख और चैन की बांसुरी बजा रहा था, ये कहावत आप लोगों के लिए चरितार्थ हुई। एनआरएफ एक्ट 2023 पारित कर केन्द्र सरकार ने 50 हजार करोड़ रुपये का प्रारंभिक फंड आबंटित किया है, उच्च शिक्षा में

(श्री बाबूसिंह राठौड़)

सुविधाओं को उपलब्ध कराने के लिए राष्ट्रीय परामर्श मिशन की स्थापना की। अब हमारी सरकार शिक्षा के क्षेत्र में काम करेगी।

माननीय सभापति महोदय, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना में 5 किलो गेहूं मिल रहा है, हम सरकार से चाहेंगे कि राजस्थान की तरफ से भी श्री अनाज दिया जाए।

श्री सभापति: श्री गोविन्द सिंह डोटासरा।

श्री बाबूसिंह राठौड़ (शेरगढ़): एक मिनट। हम मुख्य मंत्रीजी के आभारी हैं कि श्री अन्नपूर्णा रसोई योजना में खाद्य पदार्थों का वज़न 450 ग्राम से बढ़ाकर 600 ग्राम कर किया गया है। साथ में ही, प्रधानमंत्री किसान

(समय: 14.00 बजे)

सम्मान निधि में भी 6 हजार बढ़ाकर 12 हजार रुपये किये, उसके लिए भी हम इनके आभारी हैं। हमारी सरकार ने कई ऐसी योजनाएं, जो सरकार बनते ही लोकतंत्र के सेनानी, मीसा बन्दियों की पेंशन, अभ्यर्थियों के हित में आरएएस भर्ती मुख्य परीक्षा तिथि को आगे बढ़ाया, भाजपा के संकल्प पत्र को नीतिगत दस्तावेज का दर्जा दिया, सरकार की सौ दिन की कार्ययोजना बनायी, अवैध खनन रोकने का अभियान चलाया, केन्द्र सरकार द्वारा निर्धारित गेहूं की एमएसपी पर राज्य सरकार बोनस देकर 2700 रुपये प्रति क्विंटल खरीदने की योजना का निर्णय। कांग्रेस शासन में 19 हजार से ज्यादा किसानों की जमीनें कुर्क की गईं, जिससे हमारे कई किसान भाई आत्महत्या तक करने को मजबूर हुए, उनके लिए व्यावहारिक मुआवजा नीति निर्धारित करने का निर्णय, किसानों के खाद-बीज की खरीद के लिए फर्टिलाइजर डिस्ट्रीब्यूटर रेगुलेटरी टास्क फोर्स का गठन किया।

पेपर लीक मामलों में एसआईटी का गठन, युवाओं में हताशा और अवसाद न हो, उसके लिए युवा साथी केन्द्र स्थापित करने का निर्णय, सरकार बनने के बाद 10 हजार अपराधियों के विरुद्ध कानूनसम्मत कार्रवाई की गयी। भ्रष्टाचार के प्रकरणों में सीबीआई द्वारा अनुसन्धान की शक्तियां बहाल की गईं। कानून-व्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स का गठन एवं साइबर सुरक्षा रणनीति तैयार की गयी। महिला उत्पीड़न रोकने के लिए एंटी रोमियो स्क्वॉड का गठन, प्रदेश में 350 नये जन औषधि केन्द्र स्थापित किये जाने का निर्णय, प्रतिवर्ष हर ब्लाक में 2 स्वास्थ्य मेलों को आयोजित करने का निर्णय, प्रदेश में सुशासन की स्थापना हेतु ब्लाक स्तर पर

(श्री बाबूसिंह राठौड़)

जनता दरबार के माध्यम से प्रभावी जन सुनवाई सुनिश्चित की जायेगी। पूर्ववर्ती राज्य सरकार द्वारा विगत 6 माह में लिये गये निर्णयों की जनहित में समीक्षा उपरान्त निर्णय करने की घोषणा राजस्थान की सरकार ने की है।

श्री सभापति: विराजें, साहब।

श्री बाबूसिंह राठौड़ (शेरगढ़): लास्ट दो मिनट। सभापति महोदय, कांग्रेस सरकार के आर्थिक कुप्रबन्धन ने विकासशील राजस्थान को आर्थिक आपातकाल के रास्ते बीमारू श्रेणी के राज्यों में धकेल दिया। बिना बजटीय प्रावधानों के घोषणा दर घोषणा करते गये, जिससे निरन्तर राजस्व का घाटा बढ़ता गया। सरकार ने 100 यूनिट मुफ्त बिजली या सब्सिडी देने के नाम पर डिस्कॉम्स को आर्थिक संकट में धकेल दिया, जिससे डिस्कॉम्स का घाटा एक लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया। "आमदनी अठन्नी, खर्चा रुपया" जैसा रहा। सामाजिक सुरक्षा के पेंशन बिल्स पिछले 6-7 माह से बकाया चल रहे हैं।

श्री सभापति: माननीय सदस्य, विराजिये।

श्री बाबूसिंह राठौड़ (शेरगढ़): राज्य का राजस्व 1.14 लाख करोड़ रुपये है, जबकि पेंशन व उधारी के ब्याज का खर्च 1.30 लाख करोड़ रुपये है।

श्री सभापति: हो गया।

श्री बाबूसिंह राठौड़ (शेरगढ़): बस, पूरा हो रहा है। 2023-24 के आंकड़ों के अनुसार केन्द्रीय करों में कांग्रेस सरकार का हिस्सा भाजपा सरकार से 18 हजार करोड़ से अधिक था व अनुदान भी 7 हजार करोड़ रुपये से अधिक था। राज्य सरकार को केन्द्र सरकार की दी गयी करों में हिस्सेदारी और अनुदान से मिलने वाली कुल सहायता राशि 95 हजार 533 करोड़ रुपये थी, फिर भी कांग्रेस सरकार में आप ओवरड्राफ्ट में चले गये। (समय-समाप्ति-सूचक घंटी)

श्री सभापति: विराजें, विराजें।

श्री बाबूसिंह राठौड़ (शेरगढ़): सभापति महोदय, बस पूरा कर रहा हूं। 31 मार्च, 2019 को राज्य पर 3 लाख 11 हजार 374 करोड़ रुपये का ऋण भार था एवं प्रति व्यक्ति ऋण भार 40 हजार 300 रुपये था। बजट अनुमान 2023-24 के अनुसार 31 मार्च, 2024 को राज्य पर 5 लाख 79 हजार 781 करोड़ रुपये का ऋण भार अनुमानित है तथा प्रति व्यक्ति ऋण भार बढ़कर 76 हजार 800 रुपये होना अनुमानित है। इससे यह साबित होता है कि पिछली सरकार में प्रदेश में व्यय तो बढ़ा, लेकिन आमदनी व राजस्व नहीं बढ़ा। इतना ही नहीं, 1.35 करोड़ महिलाओं को नि:शुल्क स्मार्टफोन्स के लिए

(श्री बाबूसिंह राठौड़)

19 हजार 600 करोड़ रुपये तथा अन्नपूर्णा फूड पैकेट्स के लिए एक करोड़ एवं एन.एफ.एस.ए. के परिवारों के लिए 3 हजार करोड़ रुपये के पर्याप्त बजटीय प्रावधान नहीं किये गये थे। आज भी 30 हजार करोड़ से भी अधिक बिल्स ट्रैजरी में बकाया पड़े हैं। आरबीआई के अनुसार कांग्रेस सरकार ने 87 प्रतिशत रेवेन्यू अकाउंट में खर्च किया व 13 प्रतिशत कैपिटल एक्सपेंडिचर में खर्च किया।

सभापति महोदय, ट्रांसपैरेंसी इंटरनेशनल रिपोर्ट, 2020 के अनुसार कांग्रेस सरकार के समय हिन्दुस्तान में राजस्थान को सबसे भ्रष्ट प्रदेश, 67 प्रतिशत लोगों ने कहा कि बिना रिश्वत दिये काम नहीं होता। इंडियन करप्शन सर्वे, 2021 के अनुसार राजस्थान के 71 प्रतिशत लोगों ने माना कि बिना पैसे दिये काम नहीं होता।

श्री सभापति: विराजें अब। श्री गोविन्द सिंह जी डोटासरा।

श्री बाबूसिंह राठौड़ (शेरगढ़): सभापति महोदय, यह था कांग्रेस का भ्रष्टाचार। मुझे विश्वास है, मुझे भरोसा है कि हमारे भजन लाल जी की सरकार आयी है और डबल इंजन की सरकार बनी है, अब वह सरकार रफ्तार पकड़ेगी और विकास में कोई कोर-कसर बाकी नहीं रहेगी, राजस्थान एक विकसित प्रदेश बनेगा। बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री जुबेर खान (रामगढ़): यह तो ज्ञानवर्धन कर दीजिये कि आपको यह पर्ची किसने दी है, किसने ये आंकड़े दिये हैं।

श्री सभापति: श्री गोविन्द सिंह जी डोटासरा।

माननीय राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर वाद-विवाद

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): माननीय सभापति महोदय, जो महामहिम राज्यपाल महोदय के द्वारा यहां पर अभिभाषण 19 जनवरी, 2024 को कराया गया, मैं केवल उस पर अपनी बात केन्द्रित रखूंगा। मैं सत्ता पक्ष और अपने दल से भी अपेक्षा करता हूं कि कोई ऐसी बात आये, जिस पर टोकना जरूरी हो, उसी पर टोका जाये, चाहे हम लोग हों या ये लोग हों, वरना इस राजस्थान की विधान सभा की चर्चा का कोई महत्त्व नहीं रहेगा।

श्री जोगाराम पटेल (संसदीय कार्य मंत्री): पहले तो अपने आपमें सुधार कर लें। फिर तो बहुत आराम से काम हो जायेगा।

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): नहीं, वह आपके ऊपर है कि आप इस राजस्थान की विधान सभा की गौरवशाली परम्परा को निभाना चाहते हैं या सब्जी मण्डी बनाना चाहते हैं।

श्री सभापति: आप बोलिये, माननीय सदस्य।

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): महामहिम से जिस प्रकार से 83 पैराज का जो अभिभाषण पढ़वाया गया, मैं समझता हूं कि राजस्थान के इतिहास में पहली दफा 83 के 83 पाइंट्स राजस्थान की नव निर्वाचित सरकार के विजन के न होकर केवल पिछली सरकार के ऊपर छींटाकशी, उनकी योजनाओं को भ्रष्टाचारी बताना, उनकी प्रत्येक योजना के बारे में महामहिम राज्यपाल के श्रीमुख से इस प्रकार से कहलवाना, मैं समझता हूं कि इससे ज्यादा गलत परम्परा इस राजस्थान विधान सभा की आज तक न हुई है और मैं आशा करता हूं कि आगे भी नहीं होगी।

सर, आप देखिये, बेहद निराशा, बेहद निराशा और बिलकुल ऐसे पढ़वाया गया महामहिम से कि उनकी जो गरिमा है, उसे भी राजस्थान सरकार की कैबिनेट ने जो अप्रूव करके दिया, उसमें उनकी गरिमा को तार-तार करने का काम किया है। यह भविष्य में नहीं करें तो अच्छा है। सर, मैं एक उदाहरण देना चाहता हूं कि आपके सामने 17 जनवरी, 2019, जो पहली बार हमारी कांग्रेस की सरकार बनी थी, तब का महामहिम राज्यपाल का अभिभाषण है, उसके एक भी पैरा में कहीं भी पूर्व सरकार की पिछली पांच सालों की किसी भी योजना के बारे में या इस तरीके की अनर्गल बातों का कोई स्थान नहीं रहा।

मैं समझता हूं कि राजस्थान की सरकार का पहला जो अभिभाषण कैबिनेट ने पास कराया, उसका मकसद यह होता है कि हमारी सरकार का यह विजन है, अब हम यह करेंगे, यह ठीक नहीं था, इसे ठीक करने का काम करेंगे, लेकिन जो अभिभाषण आया है, उसे पढ़कर दुनिया हंस रही है हमारे ऊपर कि राज्यपाल महोदय अपने अभिभाषण में यह कह रहे हैं कि राज्यपाल ने दिनांक इतने को कहा, राज्यपाल ने दिनांक इतने को कहा। यह गलत है। थोडी बहुत तो गरिमा बचाकर आपको रखनी चाहिये थी। मैं मानता हूं कि यह आपका विजन नहीं हो सकता। यह दिल्ली में बैठे हुए लोगों ने आपको भेजा। आपकी कैबिनेट ने उसे देखा नहीं, अपने मुख्य मंत्री ने उसे देखा नहीं और आनन-फानन में लाकर जितनी गालियां आप दे सकते थे, वे गालियां आपने देने का काम किया।

(श्री गोविन्द सिंह डोटासरा)

सर, आप देखिये, पैरा संख्या 5 में परस्पर अन्तर्विरोध की बात कर रहे हैं, खींचातानी की बात कर रहे हैं। पैरा 12 में ये कह रहे हैं, नीतिगत निर्णय और जन कल्याणकारी योजनाओं को बन्द नहीं करेंगे, लेकिन फिर भी हम सबकी समीक्षा करेंगे। पैरा 13 में अविवेकपूर्ण नीतियां, अदूरदर्शी निर्णय, आर्थिक कुप्रबन्धन की बात कर रहे हैं। फिर पैरा 14 में आप कह रहे हैं, 5 लाख 79 हजार 781 करोड़ रुपये का ऋण भार है। आप पैरा 15 में कह रहे हैं कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था चौपट हो गयी। आप 23 नम्बर पर 450 रुपये के सिलेंडर की बात कर रहे हैं। आप 27 नम्बर पर किसानों की कर्जा माफी की बात कर रहे हैं, 19 हजार से ज्यादा किसानों की जमीन की कुर्की की बात कर रहे हैं।

आप 13 जिलों की ईआरसीपी की 19 और 30 नम्बर के पैराज में बात कर रहे हैं। आप 31 नम्बर के पैरा में पेपर लीक की बात कर रहे हैं। आप 32 नम्बर पर एसआईटी के गठन और आगे से परीक्षाओं के लिए सीएस और डीजीपी द्वारा मॉनिटरिंग की बात कर रहे हैं। मैं समझता हूं कि आपने किसी भी पैरा में कहीं भी कोई कमी नहीं छोड़ी गाली निकालने में कि इस राजस्थान की सरकार में पिछले पांच साल में कुछ भी नहीं हुआ और सब कुछ गड़बड़ हुआ। आपने यह कहलवाने का काम किया।

अपराधमुक्त राजस्थान और डबल इंजन सरकार की आप बात कर रहे हैं। पांच वर्षों में प्रदेश में भ्रष्टाचार की बात कर रहे हैं, सीबीआई के अनुसन्धान की आप बात कर रहे हैं। पैरा नम्बर 39 में आप महिला उत्पीड़न की बात कर रहे हैं। पैरा 50 में आप बिना कार्ययोजना, बिना बजट के विद्यालय, महाविद्यालय खोलने की बात कर रहे हैं। पैरा 51 में महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल्स की बात कर रहे हैं और 52 नम्बर पर आप ग्रामीण अर्थव्यवस्था और पशु बीमा योजना की बात कर रहे हैं। आप नन्दीशाला की बात कर रहे हैं, आप गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की बात कर रहे हैं। आप राइट टू हैल्थ को भी चैलेंज कर रहे हैं कि यह भी ठीक नहीं था। आयुष्मान योजना को चिरंजीवी योजना का नाम देने पर भी आपको पैरा नम्बर 58 में एतराज है। मैं कहना चाहता हूं, सुनने का माद्दा रखिये, आराम से सुनिये।

माननीय सभापति महोदय, अगर एक बात भी गलत बोलूं तो आप टोक दीजिये। संसदीय कार्य मंत्री आब्जेक्शन करेंगे तो मैं बैठ जाऊंगा, लेकिन बात सुनिये।

(श्री गोविन्द सिंह डोटासरा)

राजस्थान की विधान सभा में करोड़ों लोगों ने अपना जनादेश देकर हमको यहां जनता के मुद्दों पर बात करने के लिए भेजा है, न कि यहां पर इस तरह से छींटाकशी करने। आपके दो माननीय सदस्यों ने, माननीय अनिता भदेल जी ने बात रखी, इन्होंने अभिभाषण का प्रस्ताव रखा, इन्होंने अनुमोदन किया। आप बताइये, क्या तैयारी थी? क्या तैयारी थी? क्या मुद्दे थे? कोई मुद्दे नहीं थे।

मैं एक बात कहना चाहता हूं, देश के प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने भी कल, परसों प्रभु श्रीराम का उदाहरण देकर कहा कि एक गिलहरी का भी योगदान होता है, वह भी बहुत महत्वपूर्ण होता है। जब गिलहरी के योगदान को देश के प्रधान मंत्री महत्वपूर्ण बता रहे हैं और आप पांच साल में जितनी योजनाएं चलीं, चाहे मुख्यमंत्री चिरंजीवी योजना चली, ओ.पी.एस., चाहे रोजगार गारंटी योजना, महंगाई के लिए कैम्प लगे और दुनिया भर की योजनाएं चलीं, उससे आपको कोई मतलब नहीं, कोई इल्म नहीं? आप एक आधी के लिए ठीक कहते, एक आधी को ठीक करने का काम कहते। आपने अर्थव्यवस्था को चौपट बता दिया। आप सुनने का माद्दा रखिये। पांच साल में आर्थिक आपातकाल बता दिया। हमारी सरकार ने राज्य की अर्थव्यवस्था को 9 लाख करोड़ से 15 लाख करोड़ पर पहुंचाने का काम किया।

माननीय सभापति महोदय, मैं पूछना चाहता हूं कि 31 मार्च, 2000 को यूपीए की सरकार थी तो भारत सरकार का कर्ज 55 लाख 87 हजार करोड़ रुपये था, लेकिन आज हमारी वित्त मंत्री 31 मार्च, 2023 को कहती हैं कि 152 लाख 61 हजार करोड़ रुपये यानी तीन गुना कर्ज भारत सरकार पर बढ़ गया है। हम कर्ज लेते हैं, ये कोई नई चीज नहीं है, चाहे राजस्थान की सरकार हो, चाहे किसी भी स्टेट की हो, चाहे भारत सरकार हो लेकिन हम रिजर्व बैंक के नियमों का पालन करते हैं। अगर उनका पालन नहीं होता है तो हम कर्ज नहीं ले सकते हैं।

मैं निवेदन करना चाहता हूं कि हमारे 2023-24 के बजट अनुमानों में राजकोषीय घाटा फिस्कल डेफिसिट राशि रुपये 62 हजार 772 करोड़ रुपये अनुमानित थी, जो राज्य सकल घरेलू उत्पाद जीएसडीपी का 3.98 प्रतिशत था। यह अनुमत सीमा से कम है। आपकी सरकार ने इसमें लिखवाया कि साहब, विद्युत कम्पनियों के लिए हमने ये किया था, वह किया था। मैं उसके बारे में बताना चाहता हूं कि एफआरबीएम एक्ट में, 2025-26 में जीएसडीपी

(श्री गोविन्द सिंह डोटासरा)

के 38.2 प्रतिशत डैट और लायबिलिटी के प्रावधान को हमने वर्ष 2020-21 में ही प्राप्त कर लिया और 37.99 प्रतिशत रहा। इसका मतलब यह हुआ कि हमारा प्रबन्धन अच्छा था।

मैं तीसरी बात आपसे निवेदन करना चाहता हूं कि इसी के बदौलत, अच्छे आर्थिक प्रबन्धन की बदौलत ही हमारी आर्थिक विकास दर है, देश में दूसरे स्थान पर 11.04 प्रतिशत है। आप इस बात को भूल नहीं सकते हैं। हर चीज गलत नहीं बता सकते हैं। हो सकता है कि आपके एंगल से कोई बात ठीक नहीं है तो आप ठीक बात कीजिये, उसको ठीक करने का काम कीजिये। आपको ईश्वर ने मौका दिया है, जनता ने मौका दिया है, आप ठीक कीजिये, लेकिन हम अगर किसी मुद्दे पर चर्चा ही नहीं करेंगे तो फिर तो यह आप अच्छे, तू अच्छा, मैं अच्छा, तू अच्छा, हू-हा करके हम अपना समय बर्बाद कर देंगे।

मैं निवेदन करना चाहता हूं कि हमारी पूर्व सरकार का फिस्कल डेफिसिट 2012-13 में 1.73 प्रतिशत था। वह भारत सरकार के समय 2015-16 में 9.25 प्रतिशत था। हमने कोरोना की विभीषिका के रहते हुए वर्ष 2021 से 2022 में इसे 3.96 प्रतिशत रखा। यह हमारी उपलब्धि है। राजस्थान की उपलब्धि है, केवल कांग्रेस की उपलब्धि नहीं है, प्रदेश की उपलब्धि है और किसी भी सरकार को अच्छे से चलाने में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों का रोल रहता है, किसी एक का रोल नहीं रहता है।

अभी आप कह रहे थे कि मोदी जी की गारंटी आ गई। अच्छा है, मोदी जी की डबल इंजन की सरकार आ गई। कहां है डबल इंजन? एक इंजन तो आपका बन्द पड़ा है। आप 100 दिन की कार्ययोजना बना रहे थे। साहब, 50 दिन लग गये, कार्ययोजना ही नहीं बनी। जो कार्ययोजना बनेगी, वह कब लागू होगी? यह मैं आपके माध्यम से सत्ता पक्ष से पूछना चाहता हूं।

आप हमको डीजल, पेट्रोल पर रोज कहते थे, गालियां देते थे, हल्ला करते थे, धरना करते थे कि, साहब, डीजल-पेट्रोल के दाम कम कर दीजिये। क्या आपने दाम कम कर दिये? बीजेपी का जो पिछला कार्यकाल था, 50 हजार रुपये के ऋण माफ करने की घोषणा की थी। आज क्या स्थिति है? हमने आपका पैसा चुकाया, 2 हजार करोड़ रुपये चुका कर आप चलता बने। हमने वह 6 हजार करोड़ चुकाया और फिर 16 हजार करोड़ रुपये का किसानों का कर्जा माफ किया। आप कह रहे थे कि सम्पूर्ण कर्जा माफ करो।

सभापति महोदय, आपकी डिमांड थी। मैं पुन: याद दिलाना चाहता हूं। आपके कृषि मंत्री ने..

श्री सभापति: विराजिये।

श्री जोगाराम पटेल (संसदीय कार्य मंत्री): हमारा स्टेटमेंट क्लीयर था कि हम 50 हजार रुपये तक के कर्जे माफ करेंगे। हमने सम्पूर्ण कर्जे की कभी बात नहीं की। सम्पूर्ण कर्जे की बात आपने की है। अब राजस्थान विधान सभा में आंकड़ा रखो कि आपने कितना माफ किया।

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): ठीक है, साहब। मैं मान गया।

श्री सभापति: आप बैठिये, माननीय मंत्री जी बोल रहे हैं।

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): माननीय सभापति महोदय, मैं मान गया इन्होंने कभी भी कर्जा माफ करने की बात नहीं की। सर, मैं मान गया। मैं धन्यवाद देना चाहता हूं भारतीय जनता पार्टी की सरकार को कि आप कर्ज माफी की बात नहीं कर रहे हैं। आपने कभी भी नहीं की और आगे भी आपको नहीं करनी है।

श्री जोगाराम पटेल (संसदीय कार्य मंत्री): हमने जितना कर्ज माफ करने का कहा, उतना कर दिया।

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): कोई बात नहीं। मैं इस बिन्दु को छोड़ देता हूं। आप कुछ भी बोलिये। आपको तकलीफ हो रही है तो मैं इस बिन्दु को छोड़ देता हूं। आपके संसदीय कार्य मंत्री ने कह दिया, वह जवाब मेरे लिये पर्याप्त है कि इन्होंने कभी माफी की बात नहीं की और कृषि मंत्री भी यह कह चुके हैं। अब हर आदमी खड़ा होगा। सुन लो भाई, वो ही गोविन्द डोटासरा है। अगर मैं गलत बोलूं तो आप टोक दो, लेकिन आप बोले ही नहीं और चार-पांच खड़े हो जायें, यह उतावलापन ठीक नहीं है। मेरे भाई, इधर भी 70 हैं।

श्री सभापति: स्थान पर बैठे-बैठे नहीं बोलें।

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): आपके कृषि मंत्री ने कहा कि किसान को लोन लेना ही नहीं चाहिए। उसकी चुकाने की आदत नहीं है। वह गलत है। भाई, आप कृषि मंत्री हैं, किसान के ऊपर टीका-टिप्पणी कर रहे हो। आपके कृषि मंत्री ने थोड़ा बहुत भी नहीं सोचा कि मैं क्या कहना चाह रहा हूं। खैर, कोई बात नहीं।

अब आप कह रहे हैं कि मेडिकल कालेज खोलेंगे। भाई, 33 जिलों में तो खुल गये हैं, हमने 50 जिले बना दिये हैं, आप इन बाकी के 17 जिलों में मेडिकल कालेज खोलेंगे तो हम जानेंगे। इन 33 में आपका क्या रोल है? आपने करा दिया, केन्द्र सरकार का हिस्सा था, आ गया। भाई, बैठ जा। हमने

(श्री गोविन्द सिंह डोटासरा)
आपके मंत्री बनने का रास्ता साफ किया। आप तो कम से कम मत बोलो। सर, फिर से देखिये।

श्री जोगाराम पटेल (संसदीय कार्य मंत्री): गोविन्द जी, यह तो मत कहो मंत्री को। फिर हमारे सदस्य कह रहे हैं कि प्रतिपक्ष का नेता तो आपको बनना था और जूली साहब को बना दिया तो हम क्या कर सकते हैं? इसमें हमारी क्या गलती है?

श्री सभापति: अगली बार बन जायेंगे। आप विराजिये, मंत्री महोदय।

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): हमारे नेता, प्रतिपक्ष मेरे से ज्यादा आपको घेर कर रखेंगे और लाइन पर रखेंगे, यह मैं आपको विश्वास दिलाता हूं।

श्री सभापति: आप क्यों चिन्तित हो रहे हैं? अगली बार बन जायेंगे। आप शान्ति से विराजिये।

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): सर, अब देखिये। आपने नन्दीशालाओं की बात की। अब मैं पूछना चाहता हूं कि आप 3 से 6 महीने नन्दीशालाओं में अनुदान देते थे, हमने 9 महीने किया और बाद में 12 महीने कर दिया। आपके पास वोट लेने के लिए गौमाता का नाम है। यह क्या है, यह क्या तमाशा है? बैठ जाइये, ये क्या है?

श्री टीकाराम जूली (नेता, प्रतिपक्ष): सभापति महोदय जी, ऐसे तो बात ही नहीं हो पायेगी।

श्री सभापति: माननीय सदस्य, आप विराजिये। आप भी विराजिये, आपके प्रतिपक्ष के नेता खड़े हुए हैं। उनको बोलने दीजिये, आप विराजिये।

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): संसदीय कार्य मंत्री जी, आप समझ लीजिये। अगर मैं गलत बोल रहा हूं, आप टोक दें। मैं एक सैकंड में बैठ जाऊंगा लेकिन अगर बोलने की परम्परा, नहीं बोलने देना है तो आपमें से एक भी बोल जाये तो मेरा नाम बदल देना गोविन्द डोटासरा से।

श्री जोगाराम पटेल (संसदीय कार्य मंत्री): धमकी दे रहे हो क्या?

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): हां।

श्री सभापति: आप विराजिये। माननीय सदस्य, आप बैठिये। आप विराजिये। मंत्री महोदय बोल रहे हैं, या तो उनको बोल लेने दीजिये या आप बोल लीजिये। आप विराजिये। कृपया स्थान पर बैठकर नहीं बोलें।

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): आपने हमारी एक हजार इन्दिरा रसोई की भी बुराई कर दी। हमने देखा था बीजेपी के कार्यकाल में जब कूपन से गन्दगी में खड़े-खड़े लोग खाना खाते थे। अगर हमने सफाई में बैठा कर के हजार जगह पर लोगों को भरपेट खाना खिलाया है तो आपने इसका भी धन्यवाद देने में कंजूसी कर दी। यह भी बड़ा जोरदार काम है। (व्यवधान)

श्री सभापति: विराजें, माननीय सदस्य।

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): आपकी पिछली बीजेपी की सरकार में चार साल में 143 करोड़ रुपये गोशालाओं को, नन्दी शालाओं को अनुदान दिया गया, हमने 3 हजार करोड़ दिया। हिंगोनिया में क्या हुआ था, आपने देखा कितनी गायें मरी थीं। कल-परसों कोटा में कितनी गायें मरी हैं, सौ से अधिक गायें मर गईं। आप गोमाता के नाम से वोट की फसल काटना चाहते हो, गोमाता का भला नहीं करना चाहते।

दूसरा, आप देखिये साहब, नये-नये स्वास्थ्य मंत्री जी आये। आपने मुख्यमंत्री चिरंजीवी योजना में पच्चीस लाख रुपये तक का जो इलाज था उसको भी नहीं बख्शा। उसको भी फर्जी और बोगस योजना बता दिया। आपने यह कह दिया कि कोई इलाज नहीं हो रहे हैं। सभापति महोदय, मैं बताना चाहता हूं इस सदन के माध्यम से कि मंत्री जी को ज्ञान होना चाहिये कि 718 लोगों के आर्गन ट्रांसप्लांट चिरंजीवी योजना में हुए थे। हार्ट, लीवर, किडनी, बोनमेरो ट्रांसप्लांट जैसे इलाज जो लाखों करोड़ रुपये में होते हैं, वह हमारी सरकार ने कराया था, इसका तो कम से कम आपको बोलना चाहिये। (व्यवधान) बैठ जाइये। गलत परम्परा मत डालो। एक आदमी नहीं बोलेगा आप में से, एक आदमी।

श्री सभापति: विराजिये, माननीय सदस्य। विराजिये।

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): सभापति महोदय, मैं आपसे बात कर रहा हूं। 45 लाख से अधिक परिवारों में पांच हजार करोड़ रुपये से अधिक का चिरंजीवी बीमा योजना में इलाज हुआ है। यह जनता का इलाज है, बीजेपी कांग्रेस का इलाज नहीं है। आयुष्मान योजना में तो केवल 59 लाख परिवार कवर होते हैं, पांच लाख रुपये थी, उसके लिए भी आप गुणगान कर रहे हो। मोदी जी का गुणगान कर रहे हो। राइट टू हैल्थ को भी आपने चैलेन्ज कर दिया। यह भी गलत हो गया। (व्यवधान) बैठ जाओ। राजस्थान में मिनिमम इनकम गारंटी है उसकी भी बात आपको सुनने में तकलीफ हो रही है, वह भी आपको अच्छा नहीं लगा। फिर शहरों में मनरेगा की तर्ज पर जो

(श्री गोविन्द सिंह डोटासरा)

हमने रोजगार की गारंटी 125 दिन की दी, वह भी आपको अच्छी नहीं लगी। आपको ओपीएस भी अच्छी नहीं लगी। आपको आरजीएचएस भी अच्छी नहीं लगी। आपको तो कुछ भी नहीं लगा। आपको तो केवल मोदी जी का नाम जपना है तो भई जपो, हमें कहां तकलीफ है।

माननीय सभापति महोदय, तीन लाख नौकरियों की हमने व्यवस्था की थी। आपने इस अभिभाषण में महामहिम से एक भी बेरोजगार को नौकरी देने की बात यहां पर नहीं कहलवाई। उड़ान योजना महिलाओं के लिए किस प्रकार से उपयोगी साबित हुई है बीमारी उनकी रुकी है, उसकी भी आपको बात करने की जरूरत नहीं है। आप देखिये जल जीवन मिशन में दस प्रतिशत जो जनता को देना था। राज्य सरकार दे रही है वह भी आपको तकलीफ हो रही है।

सभापति महोदय, सत्तर लाख परिवारों को हमने पांच सौ रुपये में गैस सिलेण्डर दिया है। अब आप साढ़े चार सौ के लिए कह रहे हो। पचास रुपये देकर के और आप झुनझुना पकड़ा करके लोगों से वाहवाही लूटना चाहते हो। यह कहां की बात है? पांच सौ रुपये में हम देते थे, आपने साढ़े चार सौ रुपये में किया। दायरा बढ़ाया हो तो बताओ। दायरा बढ़ाया नहीं। हमने कहा था हम एक करोड़ कुछ लोगों को देंगे। ठीक है, हम नहीं आये आप आ गये। आप दायरा बढ़ाइये और गोवंश, गोवंश लम्पी में मर गईं। केन्द्र सरकार आंख मींच कर सो रही थी जब हमने चालीस-चालीस हजार रुपये दिये। 42 हजार किसानों को 150 करोड़ रुपये की सहायता दी। आप में हिम्मत थी, देश के प्रधान मंत्री को हमने चिट्ठी लिखी थी कि इसको राष्ट्रीय आपदा घोषित कर दीजिये। आज तक नहीं कर पाये। आप करते कुछ नहीं हो, केवल मोदी के नाम से कितने दिन वोट बटोरोगे? इसलिये सोचना पड़ेगा।

सभापति महोदय, अब चालीस हजार रुपये कामधेनु में दो दुधारू पशुओं का। आपने आज जवाब दिया कि एक सौ और कुछ थे। अस्सी लाख से ज्यादा का रजिस्ट्रेशन है, आप उसका वेरिफिकेशन नहीं करवा रहे हो। उन पशुओं का वेरिफिकेशन करवा करके आप उनको चालीस हजार रुपये दोगे कि नहीं दोगे? एक पशु के ऊपर यह आपका विजन आना चाहिये थे। यह आपका विजन नहीं आया। आपने देखा कि एक करोड़ पैंतीस लाख महिलाओं को मोबाइल दे रहे थे। पच्चीस लाख दे दिये। आपने दूसरी बात नहीं की। अब मैं कहना चाहता हूं कि राजीव गांधी स्कालरशिप फोर एकेडमिक एक्सीलेंसी पांच

(श्री गोविन्द सिंह डोटासरा)

सौ बच्चों को विदेश में पढ़ा रहे हैं पूरे खर्चे के ऊपर, आपको इसमें भी तकलीफ हो गयी। आप ओल्ड पेन्शन स्कीम कर्मचारियों की गोलमाल रखना चाहते हो लोक सभा चुनाव तक और लोक सभा चुनाव के बाद में हमारे शिक्षा मंत्री जी का बयान मैंने सुना है। ये कह रहे हैं कि यह तो मोदी जी फैसला करेंगे। स्थानान्तरण का फैसला मुख्य मंत्री जी करेंगे और अंग्रेजी मीडियम चालू रहेगी कि बन्द रहेगी जिसमें सात लाख बच्चे गरीबों के पढ़ रहे हैं, उनके बारे में मुख्य मंत्री जी फैसला करेंगे और मुख्य मंत्री जी क्या फैसला करेंगे, किस दिन बोलेंगे, देखते हैं। एक दिन बुलवाओ तो सही कैसे बोलते हैं? ये जुबानें फिसल रही हैं न, ये कुर्सियां भी फिसलती देखी हैं हमने बहुत। जुबानें फिसलने को तो रोकिये और कुर्सी नहीं फिसले, इसकी व्यवस्था आप लोग कीजिये, मैं कहना चाहता हूं।

आज राजस्थान मॉडल स्टेट के रूप में उभर रहा है, आप इससे और ज्यादा इक्कीस काम कीजिये। अच्छा कीजिये। पांच साल हमारे जो काम किये हुए हैं उनको फीता काटने में भी आपको समय लग जायेगा। मैं दूसरी बात कहना चाहता हूं।...(व्यवधान) एक मिनट, देखो जोगाराम जी, भाईचारा निभाओ।

सभापति महोदय, सवाल यही है कि आपने कहा कि अपराध बढ़ गये, यह हो गया, वह हो गया। अपराध रुक गये क्या? सात साल की मासूम के साथ में बताऊं आपको, क्या हुआ? क्या बात कर रहे हो आप। घर से दूध देने निकली सात साल की बच्ची से दुष्कर्म, यह बीकानेर की घटना है। आप रावतभाटा की घटना ले लीजिये। बीस लड़कियों का अश्लील वीडियो। आप जयपुर की घटना लीजिये, बाइक सवार बदमाशों ने महिला से मोबाइल लिया। हनुमानगढ़ में पिस्तौल दिखा कर किशोरी को उठा कर गैंग रेप। आप नसीराबाद की घटना को ले लीजिये। पुलिस की मारपीट से युवक की मौत, और आप दूसरी घटना को ले लीजिये, चित्तौड़ की घटना को ले लीजिये। मौत के बाद मोबाइल से खुला सामूहिक बलात्कार का राज। अजमेर की घटना को ले लीजिये।

सभापति महोदय, मैं यह कहना चाहता हूं कि अपराध न आप रोक पाये और न हम रोक पाये, न कोई दूसरा रोक पायेगा, लेकिन एक भय होना चाहिये सरकार का, वह भय अगर आप कायम कर दोगे तो अपराधी डरने लगेंगे। पहले हमने राज देखा था। यहां से गृह मंत्री जी बोलते थे, आज

(श्री गोविन्द सिंह डोटासरा)

महामहिम राज्यपाल बन गये कि, मैं खुद ही, अपराधी का नाम ले लेते थे, तो मैं यह निवेदन करना चाहता हूं कि आप इस तरीके की स्थिति मत कीजिये। यह पर्ची से बनी सरकार है। मैं इसलिये कहता हूं कि यह पर्ची से इसलिये है कि आपने देखा होगा कि घनश्याम तिवाड़ी जी ने इसी सदन में यहीं से बैठ करके कहा है कि यह पर्ची बड़ी खतरनाक होती है और जब पर्ची खुली तो कइयों के होश उड़ गये।

श्री जोगाराम पटेल (संसदीय कार्य मंत्री): मेरा निवेदन है कि पर्ची की सरकार नहीं है राजस्थान की जनता के दिये हुए आशीर्वाद की सरकार है यह।

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): हां, बिलकुल। आशीर्वाद तो दिया ही है न तभी तो आप लोग आये हो, लेकिन आपको मंत्रालय अच्छा नहीं दिया, यह मैं जरूर कहना चाहूंगा।

श्री जोगाराम पटेल (संसदीय कार्य मंत्री): मंत्रालय अच्छा दिया कि नहीं दिया पर आपको प्रतिपक्ष का नेता नहीं बनाया, इसके लिए मुझे थोड़ा दर्द है।

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): कोई बात नहीं। इनके मंत्रियों के नमूने बता दूं, सर। आज देखा आपने प्रश्न काल में। दूसरा नमूना बता दूं मैं। इनके बाबूलाल खराड़ी जी बैठे हैं माननीय मंत्री महोदय, कैबिनेट मंत्री हैं, कि बच्चे ज्यादा से ज्यादा पैदा करो, देश के प्रधान मंत्री आवास बना कर दे देंगे। आपके शिक्षा मंत्री जी यह कह रहे हैं कि कब ट्रांसफर करोगे, क्या करोगे...।

श्री बाबूलाल खराड़ी (जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री): माननीय सभापति जी, मैं एक बात बताना चाहता हूं कि आपके मंत्री तो यह कहते थे कि मर्दों का प्रदेश है, हमने वह नहीं कहा है।

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): यही लाइन आपने ली है क्या? आप देखो आपने एक काम जोरदार कर दिया आते ही। जोगाराम जी, आपने बहुत जोरदार काम किया। देश के प्रधान मंत्री जी ने अग्निवीर योजना दी जो किसानों के लिए उनके बेटों को रोजगार के अवसर बन्द कर दिये और देश की सेना में जो नौजवान जाते हैं उनके हितों पर कुठाराघात किया। आपने तो मंत्री ही अग्निवीर बना दिया। यहां शपथ ली राज्यपाल से और मोरिया बोल गया। क्या बात कर रहे हो आप। आप संविधान को मानते ही नहीं।

श्री जोगाराम पटेल (संसदीय कार्य मंत्री): यह संवैधानिक व्यवस्था के

(श्री जोगाराम पटेल)

तहत है। बता दो अगर असंवैधानिक व्यवस्था है तो। संवैधानिक व्यवस्था के तहत है, जनता ने मेंडेट दिया है हम स्वीकार करते हैं और आप स्वीकार करो कि जनता ने आपका तिरस्कार कर दिया। अगर आपकी योजना इतनी बढ़िया थी तो इतने में कैसे सिमट गये, विचार करो।

श्री यूनुस खान (डीडवाना): सभापति महोदय, मैं एक मिनट बीच में टोकूंगा। यह थोड़ा-सा एक्सप्लेन करो, मोरिया बोलना क्या होता है। आधे लोग नहीं जानते।

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): यह जोगाराम जी संसदीय कार्य मंत्री क्यों बने, ये अपने आप बता देंगे कि मोरिया बोलने से क्या होता है।

श्री जोगाराम पटेल (संसदीय कार्य मंत्री): मैं बता देता हूं क्या होता है मोरिया बोलना। नाथी के बाड़े में मोरिया को बन्द कर दिया जाता है तो वह बोलता है। उसको कहते हैं मोरिया बोलना।

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): माननीय सभापति महोदय, पांच मिनट में मेरी बात समाप्त करूंगा, आपका ज्ञानवर्द्धन होगा। आप बताइये।

श्री सभापति: पांच मिनट हैं आपके पास। आप पांच मिनट में अपनी बात समाप्त कीजिये, माननीय सदस्य।

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): हमारा समय है, आप चिंता न करें। आप कह रहे हैं कि हम अंतर्कलह में थे। इनको शर्म नहीं आती, वसुन्धरा जी न पक्ष में बैठी हैं, इधर प्रतिपक्ष की लाइन में बैठा रखा है। इनको शर्म नहीं आती, माननीय सभापति महोदय, नेता प्रतिपक्ष उधर बैठे हैं, हमारे पूर्व मुख्य मंत्री उनके बराबर में बैठे हैं और जो विपक्ष के लोग बैठे हैं, निर्दलीय लोग बैठे हैं, उनके बराबर आप अपनी दो बार की मुख्य मंत्री रही हो, उनको बैठा रहे हैं, यह अंतर्कलह है? किन-किनको मंत्री बनाया, किनको नहीं बनाया, यह अंतर्कलह नहीं है? मुख्य मंत्री जी, आपकी मीटिंगों में वसुन्धरा जी नहीं जा रही हैं, यह अंतर्कलह नहीं है? आप क्या बात कर रहे हो!

श्री जोगाराम पटेल (संसदीय कार्य मंत्री): प्रदेश के अध्यक्ष को किन शब्दों में पुकारा गया था, आप बताइए? कांग्रेस पार्टी के माननीय प्रदेश अध्यक्ष को किन शब्दों में माननीय मुख्य मंत्री जी ने पुकारा था, वह शब्द बोलो। (व्यवधान)

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): वही बोल रहा हूं, ... (व्यवधान)

श्री सभापति: माननीय मंत्री जी, विराजिए। माननीय सदस्य, माननीय महामहिम के अभिभाषण पर आ जाएं। (व्यवधान). आप विराजें।

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): आप रुक जाइए, हमारा समय है, आप चिंता न करें, मैं बैठ जाऊंगा। आप आरपीएससी भंग करने की बात कर रहे थे, 50 दिन हो गये आपको, कर दिया क्या आपने आरपीएससी को भंग? अभी जवाब दे रहे थे, आपने खुद ने कहा है कि राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी में 20 पेपर लीक हुए, जिसकी एफआईआर लॉज हुई। 33 में से 20 तो आपके समय के हैं। माननीय सभापति महोदय, मैं पूरे सदन को कहना चाहूंगा, उसमें जवाब आया है, उन 33 में से एक पेंडिंग है, वह हाई कोर्ट के एलडीसी का पेपर है, उसके अलावा आपने किसी को पेंडिंग नहीं माना और आप बार-बार खड़े हो जाते हो, पेपर लीक, पेपर लीक। आप ईडी, इनकम टैक्स भेज सकते हो, किसी को धमका नहीं सकते हो। हम कांग्रेस के जांबाज सिपाही हैं, आपकी मर्जी आये जितने भेज लो, आप क्या बात कर रहे हो? इस तरीके से आप पेपर लीक का नाम लेकर मखौल उड़ाना चाहते हो। पेपर लीक किस समय नहीं हुआ? क्या गुजरात में नहीं हुआ? क्या हरियाणा में नहीं हुआ? देश में केन्द्र सरकार की नौकरियों में नहीं हुआ, क्या पंजाब में नहीं हुआ? किसकी बातें कर रहे हो? यह नौटंकी करके कितने दिन काम चलाओगे? (व्यवधान) हर बात में नहीं, हर बात में नहीं ....(व्यवधान) माननीय सभापति महोदय, मंत्रियों को एसए तो दे दो। 50 दिन में इनको एसए नहीं दे पाये, बाबू नहीं दे पाये, इनकी डिजायरें रद्दी की टोकरी में जा रही हैं। इनको डिजायर लिखने का अधिकार नहीं है। (व्यवधान) आप उत्तेजित न होवें।

श्री सभापति: माननीय सदस्य, कृपया माननीय महामहिम के अभिभाषण पर आएं, विषय पर आएं।

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): आप इनको बंद करो। (व्यवधान)

श्री सभापति: आप विराजिए।

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): मैं अभिभाषण की बात कर रहा हूं, राजस्थान की गवर्नेंस की बात कर रहा हूं। आपके एसए नहीं हैं। किस बात की कार्ययोजना बनाओगे, क्या बनाओगे? आपके मंत्रियों में कोओर्डिनेशन नहीं है। मुख्य मंत्री जी को भेज दिया, जाओ और वह जहां भी जाते हैं एक

(श्री गोविन्द सिंह डोटासरा)

टंग स्लिप हो जाती है, पूरी मीडिया को मैनेजमेंट करने में टाइम लगा देते हैं। (व्यवधान)

श्री सभापति: आप विषय पर आएं। माननीय महामहिम के अभिभाषण पर बोलें आप।

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): आप इनको बैठाइए। आपके यहां से जो मंत्री बने हैं...(व्यवधान)

श्री सभापति: आपका समय पूरा हो रहा है, दो मिनट में कन्क्लूड करें।

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): पांच साल तक भ्रष्टाचार की बात करते रहे। कल एक आईएएस पकड़ा गया है। कितने भ्रष्टाचार के मामले हुए हैं? (व्यवधान) आप हर बात पर बोलोगे...(व्यवधान) आपके मंत्रियों के एसए के खिलाफ भी ईडी का मुकदमा चल रहा है, उसके बावजूद भी आपने लगा रखे हैं। (व्यवधान) आप एसआईटी की बात कर रहे हो, जब आपके पास पेंडिंग मुकदमा ही एक ही है तो एसआईटी जांच किसकी करेगी? एसआईटी को अगर जांच देनी है तो भारतीय जनता पार्टी के और कांग्रेस के कार्यकाल में जितने पेपर लीक हुए हैं, उन सबकी जांच करवाओ और सीबीआई को दो। दे दो सीबीआई को, कौन मना कर रहा है आपको? मैं इतना ही कहना चाहता हूं, इनको महिला रेसलर्स की चिंता नहीं है। तीन काले कानूनों में 700 किसानों ने आत्महत्या कर ली, मर गये, उनकी चिंता नहीं है। मणिपुर इनकी गलत नीतियों के कारण जल रहा है, उसकी चिंता नहीं है। राम जी आ गये, राम जी आ गये, राम जी आपके अकेले के हैं क्या? राम जी को गोद में उठा कर लाये हो क्या? राम जी हम सबके हैं, राम जी हम सबके हैं।...(व्यवधान)

श्री सभापति: विराजें, विराजे। माननीय सदस्य, आपका समय समाप्त हुआ।

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): आपमें से कितने गये थे? दो मिनट और लूंगा। माननीय सभापति महोदय, आप बताइए, इनमें से अयोध्या कितने गये थे?

(समय: 14.35 बजे)

(श्री वासुदेव देवनानी, अध्यक्ष, पदासीन)

आपके मुख्य मंत्री को अयोध्या जाने की इजाजत नहीं दी और आप

(श्री गोविन्द सिंह डोटासरा)

कह रहे हो कि आप रामलला के कैसे नहीं गये, रामलला के कैसे नहीं गये। (व्यवधान) कौन कहता है नहीं गये? (व्यवधान) मजाक बनाते हो....(व्यवधान) हर बात पर खड़ा नहीं होना, इससे इनाम नहीं मिल रहा, इसीलिए आपको विभाग नहीं दिया, ढंग के विभाग नहीं दिये...(व्यवधान) अच्छे आदमी को ढंग के विभाग नहीं दिये...(व्यवधान) जोगाराम बहुत ही इंटेलीजेंट बुद्धिमान मंत्री होता, लेकिन इनको विभाग नहीं दिया...(व्यवधान).

श्री अध्यक्ष: माननीय सदस्य, शांति से आप राज्यपाल के अभिभाषण तक सीमित रखेंगे तो अच्छी और सार्थक बहस होगी।

श्री जुबेर खान (रामगढ़): यह बात पहले क्यों नहीं कही आपने? उधर से क्या-क्या बोले थे।

श्री अध्यक्ष: व्यवस्था सबके लिये है।

श्री जुबेर खान (रामगढ़): आप थोड़ी मेहरबानी करके उनको भी समझाइए।

श्री अध्यक्ष: समझायेंगे, आप पुराने हो। अब आपका समय हो गया है, समाप्त कीजिए।

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): मैं इतना ही कहना चाहता हूं कि यह हमारी अंतर्कलह की बातें करते हैं, आपने किरोड़ी जी का क्या किया? आपने विभाग के टुकड़े-टुकड़े कर दिये। क्या किया उनके साथ में, जो शहीद वीरांगनाओं के देवर को नौकरी दिला रहे थे? उस देवर को भारतीय जनता पार्टी नौकरी दिला रही थी, अब दे दो, कौन मना कर रहा है, हम सब आपके साथ हैं। (व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: माननीय सदस्य, कोई भी माननीय सदस्य बोल रहे हों तो कृपया दूसरे सदस्य डिस्टर्ब न करें, लेकिन विषय तक सीमित रहें। मैंने कहा है राज्यपाल के अभिभाषण पर ही बोलिए।

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं राज्यपाल के अभिभाषण पर ही बोल रहा हूं, आप इनको थोड़ा-सा शांत कीजिए, बहुत समय है, आप चिंता न करें। हो सकता है कोई कड़वी बात आ जाये, लेकिन आप जितनी हल्की बातें मैं यहां नहीं करता और जिस दिन करने लग जायेंगे, आप भाग जाओगे। मैं आपको सही बता रहा हूं।

श्री अध्यक्ष: अब आप विषय पर आएं, कन्क्लूड कीजिए।

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): स्पीकर साहब, आपसे एक रिक्वेस्ट करूंगा, माननीय मुख्य मंत्री जी न तो फाइनेंस पर बोलेंगे, न किसी विभाग पर बोलेंगे, तो फिर उनको क्या केवल भ्रमण मुख्य मंत्री बनाया है? केवल भ्रमण करने के लिये और जहां जाओ, वहां एक न एक टंग स्लिप करके आ जाओ। क्या इसीलिए मुख्य मंत्री जी को बनाया है?

श्री जोगाराम पटेल (संसदीय कार्य मंत्री): मुख्य मंत्री जी किस विषय पर बोलेंगे, यह मंत्रिपरिषद् का दायित्व है। इस पर आप नहीं बोल सकते। हमारा इस पर एतराज है।

श्री अध्यक्ष: ....(व्यवधान) आप क्यों बोल रहे हो? माननीय सदस्य, विराजिए।

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): स्पीकर साहब, आप एक काम करवा दो, इनके मंत्रियों के एसए लगवा दो, बाबू लगवा दो ....(व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: आप विषय पर बोलिए, कन्क्लूड कीजिए।

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): अध्यक्ष महोदय, गुड गवर्नेंस के लिये जरूरी है। एमएलए मेरे को फोन करते हैं, डोटासरा जी, आप मुद्दा उठाना, हमारा एसडीओ नहीं बदला जा रहा है, हमारा चपरासी, तहसीलदार नहीं बदला जा रहा है। (व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: माननीय सदस्य, समाप्त कीजिए।

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): यह जो दिल्ली से पर्ची आ रही है, इस प्रदेश को केन्द्र शासित प्रदेश मत बनाओ। (व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: मैं देखूंगा, एक्सपंज कर दूंगा।

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): मैं दो मिनट में कन्क्लूड कर रहा हूं। इस राजस्थान प्रदेश को आप केन्द्र शासित प्रदेश नहीं बनने दें। मैं आपसे आग्रह करता हूं कि यह दिल्ली की पर्ची बंद करें, मुख्य मंत्री जी को फैसले लेने का अधिकार दें। मंत्रियों को अपने एसए लगाने का अधिकार दें। एमएलएज को डिजायर करने का अधिकार दें, तब जाकर कोई काम करेंगे, वरना तो क्या काम करेंगे, आप बताइए।

श्री अध्यक्ष: श्री अमृतलाल मीणा।

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): यह तो एक दूसरे का मुंह देख रहे हैं। सुबह उठा, तेरी चली क्या, तेरी चली क्या? सांगानेर का एसडीओ

(श्री गोविन्द सिंह डोटासरा)

नहीं बदला गया। (व्यवधान) मुख्य मंत्री जी के विधान सभा क्षेत्र का एसडीओ नहीं बदला गया। क्या बात कर रहे हो?

श्री अध्यक्ष: अब विराजें, अब विराजें। श्री अमृतलाल मीणा।

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): माननीय मुख्य मंत्री जी को उनका पीए बताता है कि, साहब, यह अधिकारी बदल गये, यह ट्रांसफर हो गये। यह गुड गवर्नेंस है? अधिकारी फैसला करेंगे...(व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: अब विराजें, अब अंकित नहीं होगा।

श्री अमृतलाल मीणा (सलूम्बर): माननीय अध्यक्ष महोदय, महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण पर मैं बोलना चाहूंगा..(व्यवधान)

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): 000

श्री अध्यक्ष: चलिए, एक मिनट में कन्क्लूड कीजिए, 2.39 हो गये 2.40 पर कीजिए। माननीय सदस्य, एक मिनट। एक मिनट में, मैं घड़ी देख रहा हूं।

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): साहब, इनके जो प्रदेश अध्यक्ष जी थे, उनकी बूथ में जमानत जब्त हो गयी।

श्री अध्यक्ष: एक मिनट में समाप्त करें।

श्री जोगाराम पटेल (संसदीय कार्य मंत्री): क्या ये अभिभाषण पर बोल रहे हैं?

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): स्पीकर साहब, मैं गलत बोलूं तो हटा देना। ये कह रहे हैं न कि इतने आ गये, इतने आ गये, डबल इंजन की सरकार आ गयी। इस राजस्थान के इंजन को चलने दो, भाई साहब। मुख्य मंत्री भजन लाल शर्मा को बनाया है तो मुख्य मंत्री भजन लाल शर्मा को मानो। मुख्य मंत्री का एक ने नाम नहीं लिया।

श्री अध्यक्ष: अब आगे इनका अंकित मत करिये।

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): 000

श्री अध्यक्ष: आप विराजें। हो गया, अब अगली बार। और आयेगा मौका। आप विराजें।

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): 000

श्री अध्यक्ष: नाम पुकार लिया। माननीय, आप बहुत पुराने हैं, मंत्री भी रहे हैं।

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): 000

श्री अध्यक्ष: अब हो गया, मैंने दो बार एक-एक मिनट दिए हैं। आपका भाषण अच्छा हो गया। आप विराजें। आप मेरे पास आ जाना, मैं आपकी बात सुन लूंगा।

श्री अमृतलाल मीणा (सलूम्बर): माननीय अध्यक्ष महोदय, महामहिम राज्यपाल महोदय का अभिभाषण 19 जनवरी, 2024 को सदन में पेश हुआ। इस बारे में मैं यह कहना चाहूंगा कि महामहिम राज्यपाल महोदय ने सबसे पहले यह बात कही।

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): 000

श्री अध्यक्ष: मेरे को कह देना, जो कहना है।

श्री अमृतलाल मीणा (सलूम्बर): डोटासरा जी, आपके कार्यकाल में हमने पांच साल देखा है। हमने झेला है, पेपर आउट को लेकर, खनन माफिया को लेकर, भू-माफिया को लेकर झेला है। हमारी भी थोड़ी बात सुनें।

महामहिम राज्यपाल महोदय ने विकसित राजस्थान व विकसित भारत-2047 और सबका साथ, सबका विश्वास और सबका प्रयास की बात कही है। इस अभिभाषण में मैं यह भी कहना चाहूंगा कि परिवर्तन यात्रा, जन आक्रोश यात्रा, नहीं सहेगा राजस्थान, ये कांग्रेस के काले कारनामों में सारी बात उजागर की हैं। इनके पिछले कार्यकाल में जितना भ्रष्टाचार हुआ, महिलाओं के साथ जितना अत्याचार हुआ, कहीं पानी का घपला हुआ, कहीं आफिसों में सोना मिल रहा है। ये सारी बात इस प्रकार इस अभिभाषण में सामने आयी है। अध्यक्ष महोदय, मैं यह भी कहना चाहूंगा कि हमारे पूर्व स्वर्गीय प्रधान मंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी ने कहा था कि सड़क को जोड़ो और नदियों को भी जोड़ो। इस बात को लेकर इस अभिभाषण में उल्लेख हुआ है। मैं यह भी कहना चाहूंगा कि पिछले पांच वर्षों में राजस्थान में विद्युत विभाग में घोर लापरवाही, अकर्मण्यता, संस्थागत भ्रष्टाचार के कारण प्रदेश के ग्राम और शहरों में आमजन व किसान को विद्युत कटौती का लगातार सामना करना पड़ा।

माननीय अध्यक्ष महोदय जी, मैं यह भी कहना चाहूंगा कि जिस समय प्रदेश के डिस्कॉम के लिए आर्थिक सम्बल देने के लिए उदय योजना शुरू की गयी थी, उसमें 62 हजार 400 करोड़ का पैसा इनको देकर प्रदेश के विद्युत ढांचे को सुधारने के लिए काम किया। इसके बाद अभी भी पिछले इन पांच वर्षों में कांग्रेस

(श्री अमृतलाल मीणा)

के राज में 88 हजार करोड़ से ज्यादा की राशि हो गयी। इतना होते हुए इतना भ्रष्टाचार। किसानों को लाइट नहीं मिलना, समय पर कनेक्शन नहीं होना, घरों में लाइट का कनेक्शन नहीं होना, यह कुशासन की व्यवस्था हमारे पूर्व माननीय मुख्य मंत्री अशोक जी की सरकार में हुई। मैं यह भी कहूंगा कि हमारी सरकार हर गरीब को नि:शुल्क अन्न की गारंटी दे रही है। हर सिर पर छत की गारंटी भजन लाल की सरकार दे रही है। हर घर में नल से जल की गारंटी दे रहे हैं। हर हाथ में काम की गारंटी दे रहे हैं और हर घर में बिजली की गारंटी, हर खेत में पानी की गारंटी और हर महिला की सुरक्षा और हर अपराधी को सजा देने की गारंटी दे रहे हैं। माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं यह कहना चाहूंगा कि महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में इन सारी बातों का उल्लेख हुआ है।

मैं यह भी कहना चाहूंगा कि भजन लाल जी की सरकार है। अत्यंत खुशी है कि हमारी सरकार ने गरीब वर्गों, माता व बहनों के प्रति अपने संकल्प को पूरा करने हेतु 01 जनवरी, 2024 से मात्र 450 रुपये में सिलेण्डर। आपने भी घोषणा की थी कि हम 500 रुपये का सिलेण्डर देंगे। चार साल वैसे घूमने के बाद लास्ट में एक थैला पकड़ा दिया था। उसमें क्या था? एक लीटर तेल, 1 किलो नमक, 50 ग्राम हल्दी और 50 ग्राम मिर्ची, जिसका नतीजा सामने दिख रहा है। अध्यक्ष महोदय, उसमें मिट्टी थी, कंकड़ भी थे और कीड़े पड़े हुए थे। एक बहुत बड़ा बैग सभी को थमा दिया, ग्रामीण और हम सभी को। मैंने पहले नहीं देखा था, लेकिन अभी मैंने खोलकर देखा कि इसमें पांच चीजें क्या हैं? सारा देखने से पता लगा कि जो तेल है, वह शहद होता है, वैसा। अध्यक्ष महोदय, इनके राज में 1 करोड़ 40 लाख से ज्यादा बालक-बालिकाओं को नौकरी से वंचित होना पड़ा। इनके कुशासन की वजह से सड़कों की हालत बहुत खराब है। इनके कुशासन से गांवों में पानी नहीं मिल पाया है। इनके राज में, कांग्रेस के राज में, मैं यही कहना चाहूंगा कि जितनी बातें, आप भी थे, आप सरकार में थे। अगर बीजेपी ने घोटाला किया, पेपरबाजी की तो आप एसआईटी या भ्रष्टाचार को उजागर करते तो सत्य होता। आज हमारे शिक्षा मंत्री जी ने घोषणा की। 2021 में 5 पेपर आउट हुए। 2022 में 10 प्रकार के पेपर आउट हुए और 2023 में 5 प्रकार के आउट हुए। इस प्रकार की जो बात सामने आयी।

अध्यक्ष महोदय, मैं यह कहना चाहूंगा कि यह सरकार आयी है बहुत बढ़िया काम करेगी। ऐसा हमें महसूस हो रहा है। चार-पांच महीने भर में जो अमलीजामा पहनाया है, जैसे कि 450 रुपये का सिलेण्डर है। आपने चार-पांच

(श्री अमृतलाल मीणा)

प्रकार के जो नीतिगत निर्णय लिये हैं, वे इनके सामने की बात है। मैं यह कहना चाहूंगा कि जितनी गारंटी दी, चाहे जल की गारंटी हो, महिला की गारंटी हो, बच्चियों की गारंटी हो, भजन लाल सरकार पूरी गारंटी के साथ आपके बीच में है। मैं यह भी कहना चाहूंगा कि राजस्थान में जिस प्रकार से भारतीय जनता पार्टी की सरकार आयी है, किसान सम्मान निधि के 6 हजार रुपये प्रधान मंत्री जी द्वारा दिये जा रहे हैं और 6 हजार रुपये राजस्थान की सरकार किसानों को सम्मान निधि के तौर पर फैसला लेकर इनको देने जा रही है। बेनीवाल साहब, आपने तो दिल्ली में बहुत किया है, यहां भी किया है। यह बात सत्य है कि नहीं है?

श्री हनुमान बेनीवाल (खींवसर): ये नहीं लड़ रहे थे, मैं लड़ रहा था।

श्री अध्यक्ष: माननीय सदस्य, मेरे को संबोधित करते हुए बोलिये। माननीय सदस्य, अध्यक्ष की ओर संबोधित करिये।

श्री अमृतलाल मीणा (सलूम्बर): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं यह भी कहना चाहूंगा कि केन्द्र सरकार द्वारा निर्धारित गेहूं की एमएसपी के ऊपर राज्य सरकार ने बोनस देकर 2700 रुपये प्रति क्विंटल गेहूं खरीदने की योजना जो बनायी है, वह स्वागत योग्य है। मैं यह भी कहना चाहूंगा कि पिछली सरकार ने कर्जा माफी का कहा कि सभी किसानों का कर्जा माफ करेंगे, वह नहीं हुआ। पढ़ेलिखे बेरोजगारों, युवकों को भत्ता देंगे, वह भी नहीं कर पाए। और तो और, कर्ज माफी में 19 हजार से ज्यादा किसानों की जमीन कुर्क हुई उसका भी नीतिगत फैसला लेकर वापस उस बात को, पूरी जमीन का समाधान करेंगे, यह बात सदन के माध्यम से, अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहूंगा।

मैं यह भी कहना चाहूंगा कि पिछली सरकार में कहा कि किसान भाइयों को खाद, बीज को लेकर बाजार में किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं झेलनी पड़ेगी, लेकिन पिछली बार बहुत झेलनी पड़ी। खाद नहीं मिला, बीज नहीं मिला। समय पर कालाबाजारी हुई।

श्री अध्यक्ष: माननीय सदस्य, आपको पार्टी ने टाइम दिया है। 10 मिनट हो रहे हैं।

श्री अमृतलाल मीणा (सलूम्बर): साहब, कभी-कभी तो हमको भी दिया कीजिए।

श्री अध्यक्ष: 10 मिनट हो रहे हैं। 2.41 से शुरू किया, 2.51 हो रहे हैं।

श्री अमृतलाल मीणा (सलूम्बर): पहली बार जनजाति क्षेत्र से कैबिनेट मंत्री बना है। कभी हमें भी बोलने का मौका दीजिए।

श्री अध्यक्ष: आप सचेतक से बात कर लीजिए। सचेतक ने दस मिनट दिए हैं।

श्री अमृतलाल मीणा (सलूम्बर): धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष: श्री मनीष यादव।

श्री मनीष यादव (शाहपुरा): माननीय सभापति महोदय, अभिभाषण का जो स्वरूप रहा, वह बहुत ही नकारात्मक रहा। पुरानी सरकार की योजनाओं की आलोचना पर केन्द्रित रहा। अभिभाषण में भविष्य की ठोस कार्ययोजना को लेकर कोई विशेष बात नहीं थी।

आपने अभिभाषण में स्वर्गीय भैरोंसिंह जी का जिक्र बताया। उसमें उनको राजनीति का अजातशत्रु बताया जबकि अभिभाषण में आपने दुर्भाग्य से पुरानी सरकार के क्रियाकलापों व योजनाओं के प्रति शत्रुता का भाव रखा है। चुनाव के समय और विशेष रूप से आदरणीय प्रधान मंत्री मोदी जी ने भी कहा कि वह कांग्रेस सरकार की जन-कल्याणकारी योजनाओं को बंद नहीं करेंगे, जबकि आप राजस्थान में खराब आर्थिक स्थिति का हवाला देकर उन योजनाओं को समीक्षा करने के नाम पर बंद करने की तैयारी कर रहे हैं। इन्हीं परिस्थितियों में पूर्ववर्ती सरकार ने राजस्थान में लोक कल्याणकारी योजनाओं को बेहतर से बेहतर तरीके से समाज में अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का काम किया था।

आपने कानून-व्यवस्था के बारे में चुनाव के समय में भी कहा और अभिभाषण में भी कहा कि हम कानून व्यवस्था को जल्दी से जल्दी ठीक करेंगे। राजस्थान में कानून व्यवस्था पूर्ववर्ती सरकार में खराब रही है जबकि सरकार को बने दो माह हो गये, अभी बाड़मेर के बाकासर की घटना ले लीजिए, एक नाबालिग से दुष्कर्म होता है, उसकी हत्या एक शिक्षक द्वारा कर दी जाती है। अभी मेरे विधान सभा क्षेत्र शाहपुरा में शाहपुरा थाना अंतर्गत क्षेत्र में बाड़ीजोड़ी गांव में एक दलित युवक की हत्या कर दी जाती है और जब हत्या में शामिल आरोपियों के खिलाफ न्याय दिलाने की जो कोई बात करते हैं, तो उनके खिलाफ पुलिस प्रशासन द्वारा सरकार के इशारे पर मुकदमे लगाये गये हैं।

आपने पेट्रोल-डीजल पर भी वैट कम करने की बात की थी। अभिभाषण में आपने बढ़ चढ़ कर बातें बोलीं, नकारात्मक बातें बोलीं लेकिन

(श्री मनीष यादव)

वैट खतम करने की बात, उसमें राहत देने की बात आपने अभिभाषण में नहीं की। कृषि क्षेत्र में भी आपने मोटे अनाज को प्रमोट करने की बात कही। गेहूं को न्यूनतम समर्थन मूल्य की बात तो आपने कही, लेकिन राजस्थान में मोटे अनाज के रूप में बाजरे की फसल राजस्थान के किसान सबसे ज्यादा करते हैं, उसको लेकर कोई एमएसपी निर्धारित करने की बात आपने नहीं कही। इससे आपके मोटे अनाज की बात करना बेईमानी होगी। ईआरसीपी को लेकर भी उस समय राजस्थान में पूर्ववर्ती सरकार ने बहुत प्रयास किये। देश में डबल इंजन की सरकार का आप हवाला दे रहे हैं। अभी तो ईआरसीपी में आपकी ट्रिपल इंजन की सरकार है। मध्य प्रदेश में भी आपकी सरकार है, लेकिन अभिभाषण में राष्ट्रीय योजना बनाने का कोई जिक्र इसमें नहीं मिला है।

खराब शिक्षा व्यवस्था का जिक्र आपने किया है। पूर्ववर्ती सरकार ने गांव में, कस्बों में, शहर में महात्मा गांधी अंग्रेजी विद्यालय चलाए ताकि आम व्यक्ति को, गरीब परिवार के बच्चों को अच्छी शिक्षा मिले, लेकिन आप उस योजना की समीक्षा करने की बात करके उसके विस्तार को रोकना चाहते हैं। आरपीएससी के पुनर्गठन की बात आपके नेताओं ने तमाम पूरे पांच वर्ष में बढ़ चढ़ कर की। आपने आरपीएससी में भ्रष्टाचार और उसको पुनर्गठन करने की बात कही। आपके अभिभाषण में इस प्रकार की कोई कार्ययोजना प्रस्तुत नहीं की।

मैं विशेष रूप से कहना चाहूंगा कि नौजवानों को नौकरी मिलनी चाहिए लेकिन आने वाले एक वर्ष में कितनी नौकरी मिलेगी, इसका जिक्र भी अभिभाषण में कहीं नहीं है। अभिभाषण पूर्णतया राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित रहा है। इसमें मजबूत और एक अच्छा विकसित राजस्थान बनाने के लिए कोई परिकल्पना या विजन नहीं है। मैं कहना चाहूंगा कि अभिभाषण का स्वरूप केवल पुरानी सरकार की योजनाएं, जो अच्छी योजनाएं थीं, जन कल्याणकारी योजनाएं थीं, उनकी आलोचना करने पर केन्द्रित रहा है। बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष: माननीय जितेन्द्र गोठवाल।

श्री जितेन्द्र कुमार गोठवाल (खण्डार): अध्यक्ष महोदय, बहुत-बहुत धन्यवाद, आपने महामहिम के भाषण पर बोलने का मुझे मौका दिया। निश्चित तौर पर ऐसा लगता है कि महामहिम साहब ने जो विजन सरकार का हम लोगों के सामने रखा, उसके अन्दर बहुत सारी चीजें आगामी सरकार में जो हमने करने की योजना बनायी है, उसके बारे में जानकारी देने के साथ-

(श्री जितेन्द्र कुमार गोठवाल)

साथ पिछली सरकार पर भी हमारा ध्यान जाता है। मैंने पूरे भाषण को पढ़ा और सुना। उसके बाद माननीय मुख्य मंत्री भजन लाल जी ने जो पिछले सवा महीने के अन्दर निर्णय किये, उनकी जितनी प्रशंसा की जाए, उतनी कम है। उन्होंने गरीब की अन्नपूर्णा रसोई की बात की। जो 450 ग्राम में गरीब का पेट नहीं भरता था, उसका वज़न बढ़ाकर 600 ग्राम किया। इसके लिए मैं माननीय मुख्य मंत्री जी को धन्यवाद देता हूं।

साथ ही मीसाबंदी, जिन्होंने इमरजेंसी में बहुत संकट के समय कांग्रेस सरकार की प्रताड़ना को झेला था, ऐसे मीसाबंदियों की जो पेंशन चालू की, उसके लिए भी माननीय मुख्य मंत्री जी को मेरी ओर से मैं बहुतबहुत धन्यवाद देना चाहता हूं।

माननीय अध्यक्ष महोदय, पेपर लीक पर, लगातार पिछली सरकार ने 19 पेपर जो लीक कराए, उस पेपर लीक पर, मैंने ये शब्दों का प्रयोग किया कि पेपर लीक कराये, ये विशेष ध्यान देने वाली बात है, क्योंकि इस पेपर लीक की घटना में सरकार के नुमाइंदे जुड़े हुए थे और जब उसके तार बारबार खुलते चले जा रहे थे तो इन्होंने इस जांच को ही रोक दिया। हमारे मुख्य मंत्री जी ने उसके लिए भी एक टीम का गठन किया और आरपीएससी के कैलेण्डर के अनुसार हमारी परीक्षाएं हों, यह निर्धारित किया।

गेहूं की फसल की बात करें तो उस पर भी बात हुई। ईआरसीपी की जो बात है, क्योंकि मैं उन 13 जिलों से आता हूं, उन 13 जिलों में मेरा जिला सवाई माधोपुर है और इस योजना को लागू करने के लिए मैंने भी कई धरने-प्रदर्शन किये। ये लोग, पिछली सरकार के नुमाइंदे, माननीय अशोक गहलोत जी ने सिर्फ उसको राजनीतिक अखाड़ा बना दिया। ये इस प्रदेश का दुर्भाग्य था कि इनके आपसी झगड़ों के अन्दर इतनी अच्छी योजना जो हमारी पिछली सरकार ने बनाकर केन्द्र को भेजी थी, वह अटक गयी।

मुझे ये कहते हुए बड़ी प्रसन्नता होती है कि माननीय मुख्य मंत्री जी ने इस योजना के लिए मध्य प्रदेश से बात की, केन्द्र सरकार से बात की और आने वाले कुछ ही महीनों के अन्दर ये योजना हमारे प्रदेश में लागू हो जाएगी, ऐसा आश्वासन हमें दिया। मैं उसके लिए भी माननीय मुख्य मंत्री जी को धन्यवाद देता हूं।

(समय: 15.00 बजे)

हम घर-घर नल पहुंचाने की बात बारबार कर रहे हैं। हमारी केन्द्र

(श्री जितेन्द्र कुमार गोठवाल)

सरकार ने 30 हजार करोड़ रुपये दिए, उसमें 20 हजार के टेंडर इस पिछली सरकार ने, अशोक गहलोत की भ्रष्ट सरकार ने लगाए। टेंडर लगाने के साथ-साथ ही आरटीपीपी एक्ट 2013 का उल्लंघन किया। आरटीपीपी एक्ट 2013, टेंडर के अन्दर पूल ना हो, टेंडर के अन्दर ठेकेदारों की सांठ-गांठ से सरकार को नुकसान नहीं हो, जनता की गाढ़ी कमाई के पैसे का मिस-यूज न हो, उसके लिए बनाया गया था। उसमें भी इन लोगों ने 30 से 40 परसेंट अबाउ में टेंडर देकर इतना बड़ा भ्रष्टाचार किया। हमें जो जानकारी है, हमने कई बार भाषणों में भी कहा और हमने धरने-प्रदर्शनों में भी मांग की, इस सरकार के जन प्रतिनिधि, इस सरकार के मंत्री उसमें इन्वाल्व थे। मुझे ध्यान आता है श्याम ट्यूबवैल कम्पनी, गणपति ट्यूबवैल कम्पनी के असत्य प्रमाण पत्र लगाकर 600 करोड़ रुपये के टेंडर इनको आवंटन भी कर दिए गए। उसके विरोध में डा. किरोड़ीलाल जी और मैंने एक बड़ा धरना प्रदर्शन भी किया था, जिसकी एवज में हमारे ऊपर केस भी दर्ज किये गये क्योंकि इस सरकार की हमेशा यह मंशा रही कि जब-जब भी कोई हमारे खिलाफ आवाज उठाए, उस आवाज को बन्द करने के लिए इन्होंने लगातार केस दर्ज किये। जितना अत्याचार, जितना अपराध इस सरकार में बढ़ा, वह आपसे छिपा हुआ नहीं है।

जयपुर में बम ब्लास्ट की घटना जैसे मामलों में भी सरकार की ढिलाई के कारण 80 निर्दोष लोग उसमें मारे गए थे, उनकी अच्छी पैरवी नहीं होने के कारण, उन 80 बेगुनाह लोगों के परिवार को न्याय नहीं दिला पाए और उन आतंकवादियों को सरकार के एडीजी की लापरवाही के कारण उच्च अदालत ने निर्दोष साबित कर दिया। मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं कि इन विषयों पर हमारी सरकार कार्यवाही करे, आपका ध्यान उस ओर भी ले जाना चाहता हूं।

आपको ध्यान होगा, तुष्टिकरण के मामले में तो इन्होंने सारी सीमाएं ही पार कर दीं। चाहे रामनवमी का जुलूस हो चाहे परशुराम जयन्ती का हो, चाहे हिन्दू नवरात्रों का हो, ऐसे सारे विषयों में, कांग्रेस की सरकार, यह लोग परमिशन देने तक से बचे। हद तो जब हो जाती है जब दलितों के बलात्कार के ऊपर भी, दलितों की महिलाओं के साथ जो बलात्कार हो रहे थे, उन पर भी सरकार की तरफ से कोई कार्यवाही नहीं होती।

मैं आपका ध्यान लेकर जाना चाहता हूं लालसोट के बगड़ी में मूक बधिर बच्ची के साथ जो हुआ उसकी तरफ, अलवर के थानागाजी में जो घटना

(श्री जितेन्द्र कुमार गोठवाल)

हुई उसकी तरफ, ऐसे कई सारे मामले, तीन दर्जन से ज्यादा तो पुजारी संतों ने आत्महत्या की। ऐसी सारी घटनाएं हुईं, इन्होंने राजस्थान को शर्मसार करने का काम किया। मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं कि इस सरकार के समय निर्दोष लोगों को फंसाया गया, उसकी भी दोबारा से जांच करनी चाहिए। सरकार से, माननीय मुख्य मंत्री जी से मैं मांग करता हूं कि उसका बहुत बड़ा उदाहरण मैं आपके सामने हूं।

मैंने प्रियंका गांधी को एक चिट्ठी लिखी थी कि आप भी राजस्थान आइये और राजस्थान की महिलाओं को लड़ना सिखाइये। लड़ सकती हूं, की आप बात करती हो। उसके बदले में मुझे भी 52 दिन जेल में रहकर आना पड़ा। मैं माननीय मुख्य मंत्री जी का ध्यान उस ओर भी दिलाना चाहूंगा कि उस समय जो अधिकारी यहां पर थे, पुलिस के अधिकारी जो कांग्रेस के कार्यकर्ता बनकर काम कर रहे थे, उनके खिलाफ भी फिर से जांच खोलनी चाहिए। चाहे यहां के आई.जी. उमेश दत्त हो, या फिर दौसा के...

श्री रोहित बौहरा (राजाखेड़ा): गोठवाल जी, 52 दिन आपको काहे में बन्द रखा, यह तो बताओ।

श्री अध्यक्ष: माननीय सदस्य।

श्री जितेन्द्र कुमार गोठवाल (खण्डार): बिलकुल बता रहा हूं, मैं एक्सप्लेन कर रहा हूं। एफआईआर में कोई नाम नहीं था, सिर्फ इसलिए रखा कि परसादी लाल जी के असत्य कारनामे मैं लालसोट में खोल दिया करता था। मेरी आवाज को बन्द करने के लिए रखा। और खुलवाना चाहते हो, उनके परिवार ने, उनके परिवार के सभी लोगों ने टेंडरों के अन्दर ...(व्यवधान)

श्री रोहित बौहरा (राजाखेड़ा): एफआईआर किसमें दर्ज हुई, वह बताओ।

श्री जितेन्द्र कुमार गोठवाल (खण्डार): एफआईआर में मेरा नाम ही नहीं था। एफआईआर दर्ज ही नहीं हुई। (व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: माननीय सदस्य, बोलने दो।

श्री जितेन्द्र कुमार गोठवाल (खण्डार): माननीय अध्यक्ष महोदय, उसमें जो कांग्रेस के कार्यकर्ता बनकर काम कर रहे थे। वहां के डिप्टी एसपी कालूलाल, शंकरलाल, मैं सरकार से मांग करता हूं कि दोबारा से इनके खिलाफ जांच खोलनी चाहिए और उसमें दूध का दूध और पानी का पानी होना चाहिए।

श्री रोहित बौहरा (राजाखेड़ा): चालान पेश हुआ क्या?

श्री जितेन्द्र कुमार गोठवाल (खण्डार): मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं कि सरकार ने जिस तरह के घोटाले नाथी के बाड़े में बैठकर किये, उनकी भी फिर से जांच होनी चाहिए। यहां बोलने वाले जो लोग हैं, उनकी भी जांच होनी चाहिए कि नाथी के बाड़े में बैठकर एक ही परिवार के, एक ही दल के, एक ही कुनबे के लोगों को लगातार नौकरी देने का काम किया और युवाओं के साथ इन्होंने जो धोखाधड़ी की, उसकी भी जांच होनी चाहिए।

मैं किसानों की बात करना चाहता हूं। जब इनके बड़े नेता यहां आए थे, तो उन्होंने दस तक की गिनती बोली थी कि दस तक की गिनती में हम किसानों का कर्जा माफ करेंगे। दुर्भाग्यपूर्ण है कि वह दस तक गिनती किसान पूरे पांच साल तक गिनता रहा और देखता रहा, उन्हें यह लगा कि शायद कांग्रेस की दस तक की गिनती कभी तो पूरी होगी, लेकिन इस सूबे के मुखिया माननीय अशोक गहलोत जी उनसे बड़ा मैंने कोई असत्य नहीं देखा। (व्यवधान)

श्री हरिमोहन शर्मा (बून्दी): यह असंसदीय है अध्यक्ष महोदय।

श्री अध्यक्ष: मैं इस शब्द को एक्सपंज करता हूं। (व्यवधान)

श्री जितेन्द्र कुमार गोठवाल (खण्डार): उन्होंने लगातार असत्य पर असत्य बोलकर ऐसे रिकार्ड बना दिए कि पूरे देश भर में अगर कोई असत्य बोलने वाले किसी सरकार के मुखिया हैं तो अशोक गहलोत जी हैं। (व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: असंसदीय शब्दों का उपयोग कोई न करें। (व्यवधान)

श्री जितेन्द्र कुमार गोठवाल (खण्डार): अशोक गहलोत जी ने असत्य की हद तो जब पार कर दी जब पिछले छह महीनों के अन्दर उन्होंने रोज नई घोषणा की बात करी।

श्री अध्यक्ष: आपका दस मिनट का समय हो गया।

श्री जितेन्द्र कुमार गोठवाल (खण्डार): तब वह लिमिट पार कर दी तब रोज आए दिन एक-एक नई घोषणा लागू करने की उन्होंने बात करी, जबकि उसका बजट में कोई प्रावधान ही नहीं था।

श्री अध्यक्ष: वाइंड-अप करिए।

श्री जितेन्द्र कुमार गोठवाल (खण्डार): किसानों के लिए बिजली के बिल, बिजली की दरों को लगातार बढ़ाते रहे। मैं यह भी कहना चाहूंगा कि पिछली सरकार की छह महीने की घोषणाएं, जिसके लिए मुख्य मंत्री जी ने जांच की, जांच के लिए कमेटी बनाई है, उस कमेटी की रिपोर्ट भी समयबद्ध

(श्री जितेन्द्र कुमार गोठवाल)

सीमा में आए और उसके अन्दर जो भी अधिकारी और नेता इन्वाल्व हैं उनके खिलाफ भी कार्यवाही हो। धन्यवाद1

श्री अध्यक्ष: धन्यवाद। श्री अमित चाचाण।

श्री अमित चाचाण (नोहर): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण पर बोलने का अवसर दिया उसके लिए धन्यवाद। जब महामहिम राज्यपाल महोदय के द्वारा यह अभिभाषण पढ़ा जा रहा था तो इस अभिभाषण में न तो कोई वर्तमान था, न कोई भविष्य था। एकमात्र पूर्व की सरकार को कोसने का काम किया गया, तो मोदी जी का महामहिमा मंडन करने का काम राज्यपाल जी के श्रीमुख से कहलाया गया।

माननीय अध्यक्ष महोदय, उन्होंने एक ऐसी सरकार पर आरोप लगाए, जिस सरकार की पांच वर्ष तक प्रशंसा देश के प्रधान मंत्री ने की, जिसकी प्रशंसा देश ही नहीं विदेश के पटल पर की गई। हम सबने देखा कि पिछले पांच वर्ष के कार्यकाल में इस सदी की सबसे बड़ी महामारी कोरोना काल जब आया था, पूरा भारत ही नहीं, विश्व के अन्दर, राजस्थान के अन्दर सबसे अच्छी व्यवस्था की गई थी। जब मरीज तड़प रहे थे, एक तरफ देश के तानाशाह प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी ने सांसदों का कोटा फ्रीज करने का काम किया, वहीं हमारे मुख्य मंत्री अशोक गहलोत ने कहा था, क्यों न मेरे राजस्थान का पूरा खजाना खाली हो जाए, लेकिन मैं मेरे राजस्थान के मरीजों को तड़पते हुए नहीं देख सकता। पूरे भारत में राजस्थान एक मात्र ऐसा राज्य था जहां मरीजों की नि:शुल्क दवाइयों की व्यवस्था की गई, भूखों को भोजन पहुंचाने की व्यवस्था की गयी, गरीबों को आर्थिक सहायता देने की व्यवस्था की गयी, महंगे-महंगे इंजेक्शन ब्लाक स्तर पर देने का काम किया गया और उस व्यवस्था की पूरे विश्व के अन्दर प्रशंसा की गयी और हमें भी गौरवान्वित होने का अवसर मिला कि राजस्थान की प्रशंसा पूरे विश्व के अन्दर हो रही है। मात्र पक्ष ही नहीं बल्कि विपक्ष के साथियों ने भी यहीं से टेबल थपथपा कर यह प्रशंसा की थी कि माननीय मुख्य मंत्री अशोक गहलोत ने पक्ष-विपक्ष को एक समान समझते हुए पूरे राजस्थान के अन्दर एक नया उदाहरण पेश किया है।

मुख्य मंत्रीजी के पिछले पांच वर्ष के कार्यकाल में, चाहे हम बात किसी भी क्षेत्र की कर लें, चाहे हम बात करें गौ-माता के लिए, आज हमारे जो सत्ता के अन्दर हैं, उनके अन्दर मुंह में राम तो है लेकिन बगल में उनके छुरी है, वे बात गौ-माता की तो करते हैं लेकिन वे सिर्फ राजनीति के लिए करते हैं।

(श्री अमित चाचाण)

आज मैं उनसे यह पूछना चाहता हूं कि पूरे भारत में जहां-जहां भी भाजपा शासित प्रदेश हैं, आप यह बताइये कि उन भाजपा शासित प्रदेशों में गौ-माता के लिए किन-किन प्रदेशों में अनुदान दिया जाता है? लेकिन हमारे मुख्य मंत्री अशोक गहलोत ने गौ-माता के दर्द को समझते हुए अनुदान की राशि को बढ़ाने का काम किया। जहां पर छोटे पशु को 16 रुपये मिलते थे, उसको 20 रुपये करने का काम किया तो बड़े पशु का 32 रुपये से बढ़ाकर 40 रुपये करने का काम किया। छह महीने की अनुदान राशि को बढ़ाकर नौ महीने करने का काम किया तो अंधी व विकलांग गौ-माताओं के लिए भी बारह महीने का अनुदान देने का काम किया।

माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं एक कथन आपको सुनाना चाहता हूं। इन्हीं के एक बड़े नेता, वास्तव में उनका कद भी बड़ा है। जब चुनाव से पहले हमारे क्षेत्र में आये थे तो उन्होंने एक मंच से अपनी पार्टी के लिए यह कहा था कि हमारे समय में घोड़ों को नहीं है अच्छी घास, अब गधे खा रहे हैं च्यवनप्राश। समझदार को इशारा ही काफी है और आज मुझे यह लगता है कि उनकी यह भविष्यवाणी भी राजस्थान के लिए थी।

आज जब हम वर्तमान शासन काल की बात करें तो आज हमारे मुख्य मंत्रीजी को यह डर सता रहा है कि पता नहीं कब दिल्ली से एक दूसरी पर्ची आ जाये, उससे पहले-पहले मैं राजस्थान का पूरा भ्रमण कर लूं और आज विकसित भारत संकल्प कैम्प के माध्यम से वे पूरे राजस्थान का भ्रमण तो कर रहे हैं लेकिन उनको यह पता नहीं कि वह कैम्प मात्र लोक सभा चुनाव का प्रचार का एक माध्यम बन चुका है। उन कैम्पों में गरीबों को कोई फायदा नहीं मिल रहा है। आज खाद्य सुरक्षा के लिए गरीब व्यक्ति भटक रहा है लेकिन भारत सरकार ने उस पोर्टल को तीन वर्षों से बंद करके रखा है, किसी गरीब व्यक्ति का उस खाद्य सुरक्षा में नाम नहीं जोड़ रहे हैं।

सरकार के बनते ही इन्होंने एक मात्र यह काम किया कि राजस्थान के जितने भी विकास के कार्य हैं, उन तमाम विकास कार्यों पर रोक लगायी। चाहे उसका वर्क आर्डर हो गया, उन कामों पर भी रोक लगाने का काम किया है और चाहे वह बिजली का डिपार्टमेंट हो, आज चाहे वह स्वायत्तशासी, नगरपालिका, नगर परिषद् हो, एक रुपये का सामान वहां के अधिकारी और कर्मचारी नहीं खरीद पा रहे हैं। यह स्थिति राजस्थान में पैदा हो गयी कि आज कचरा पात्र भी खरीदना हो, स्ट्रीट लाइट खरीदनी हो तो आज वे डी.एल.बी. की

(श्री अमित चाचाण)

तरफ, राजस्थान की सरकार की तरफ देख रहे हैं। हमारा यह दुर्भाग्य है कि आज हमारे न तो मुख्य मंत्री स्वतंत्र हैं, न हमारे मंत्री स्वतंत्र हैं। वे अपने अधिकार क्षेत्र के अन्दर किसी भी तरह का निर्णय नहीं ले पा रहे हैं क्योंकि उन्हें यह इंतजार रहता है कि दिल्ली से कब पर्ची आयेगी, दिल्ली से कब आदेश होगा, हमें उनके आदेश की पालना करनी है।

आज पूर्व में स्थगन प्रस्ताव के माध्यम से जो बात की गयी कि आज हमारे पांच हजार युवा साथियों को बेरोजगार करने का काम इस सरकार ने किया है। आज हमारे चिकित्सा के क्षेत्र में, अनेकों विभागों में जिनको पोस्टिंग दी जानी थी, आज हमारे वे बहन और भाई इस कड़कड़ाती सर्दी के अन्दर धरने पर बैठे हैं लेकिन यह सरकार उनकी तरफ ध्यान देने वाली नहीं है क्योंकि इस सरकार का काम, इन्होंने विकास के नाम पर वोट नहीं मांगे। इन्होंने तो जब-जब भी चुनाव आये तो कभी सेना का सहारा लिया, कभी जाति-धर्म का सहारा लिया, तो आज यह राम मन्दिर का सहारा लेने जा रहे हैं। इन्होंने न तो विकास की बात की और न ही इन्होंने कभी विकास का काम करवाया।

आपने सबने देखा होगा कि इस तानाशाह सरकार के अन्दर जो हमारा अन्नदाता, जो देश का ही नहीं बल्कि विश्व का पेट भरने का काम करता है, 700-700 किसानों ने शहादत देने का काम किया। काले कानून ये लेकर आये और उन काले कानूनों को झुकाने का काम भी देश के अन्नदाताओं ने किया।

आज खिलाड़ियों की यह बात करते हैं तो हमारे देश का नाम रोशन करने वाली हमारी बहनें किस तरह से दिल्ली की सड़कों पर बैठी रहीं, किस तरह से उनके साथ अत्याचार होता रहा, एक शब्द भी उनके लिए बोलने के लिए कोई तैयार नहीं, ऐसी यह देश में बैठी तानाशाह सरकार है।

पिछले पांच वर्षों में हमारे 25 सांसद राजस्थान से चुनकर गये लेकिन एक सांसद ने भी राजस्थान की पैरवी करने का काम नहीं किया। लगातार पांच वर्षों तक उन्होंने राजस्थान के साथ सौतेला व्यवहार करने का काम किया। हमारे हिस्से की राशि काटने का काम किया। जो जल जीवन मिशन के तहत 90 अनुपात 10 की भागीदारी होनी चाहिए थी, उसको 50 अनुपात 50 करने का काम किया। जो यू.पी.ए. सरकार के तहत प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना का 100 परसेंट पैसा केन्द्र सरकार देती थी, उसको भी 60

(श्री अमित चाचाण)

अनुपात 40 करने का काम इस तानाशाह सरकार ने किया और लगातार राजस्थान के साथ सौतेला व्यवहार करने का काम किया।

आज ये हमारे राज्यपाल के मुख से इस राजस्थान को बीमारू राज्य घोषित कराना चाहते हैं लेकिन इनको यह पता नहीं कि यह राजस्थान पूरे भारत के अन्दर सर्वोच्च स्तर पर है। गरीबों को आगे बढ़ाने के लिए, मरीज को दवा देने के लिए, प्यासे को पानी पिलाने के लिए यह राजस्थान आगे बढ़ रहा है।

माननीय अध्यक्ष महोदय, आज हम अंग्रेजी स्कूलों की बात करें तो आज गरीब व्यक्ति के बच्चे का एक सपना था, तो क्या आज इस महंगाई के दौर में, आज इस काम्पिटिशन के दौर में क्या वह इंग्लिश मीडियम स्कूल में जा पायेगा? उस बच्चे के सपने को साकार करने का काम हमारे तत्कालीन शिक्षा मंत्री श्री गोविन्द सिंहजी डोटासरा ने, हमारे मुख्य मंत्री अशोक गहलोत ने किया। यह बात भी इनको पच नहीं पा रही है क्योंकि ये चाहते हैं कि गरीब का बच्चा आगे नहीं पढ़े, ये चाहते हैं कि गरीब का बच्चा पढ़ाई नहीं करे क्योंकि यदि वह पढ़ गया तो आगे बढ़ जायेगा। आज वे अंगुलियां उठा रहे हैं अंग्रेजी माध्यम विद्यालय पर जो पूरे भारत के अन्दर राजस्थान एक मात्र ऐसा राज्य है जो गरीब के बच्चे को अंग्रेजी माध्यम स्कूल तक ले जाने का काम किया।

मुख्य मंत्रीजी ने प्रत्येक ब्लाक में महाविद्यालय खोलने का काम किया। आज ये कहते हैं कि महाविद्यालय तो आपने खोल दिये लेकिन वे किराये के भवन में चल रहे हैं। मैं उनसे यह पूछना चाहता हूं कि आपके पास वह कौनसी जादू की छड़ी है कि एक तरफ यहां आप घोषणा करेंगे तो वहीं दूसरी तरफ शानदार भवन का निर्माण भी हो जायेगा? उसके लिए पांच-सात साल के समय का हमें इंतजार करना पड़ता है।

मेरे अपने विधान सभा क्षेत्र के अन्दर पांच राजकीय महाविद्यालय की सौगात मुख्य मंत्रीजी ने दी। एक, महाविद्यालय में दानदाता के द्वारा स्वर्गीय गौरीशंकर बिहाणी कन्या महाविद्यालय का निर्माण पूर्ण हो चुका है। दूसरा, कृषि महाविद्यालय का निर्माण कार्य चालू है। तीसरा, पल्लू के अन्दर भी महाविद्यालय का निर्माण कार्य चालू है। चौथा, आई.टी.आई. के लिए भी हमने जमीन का आबंटन कर दिया है। अगर हम विकास करेंगे तो आने वाले तीन-चार साल का समय लगता है, वह धरातल पर भी उतरेंगे लेकिन इन्होंने

(श्री अमित चाचाण)

कभी विकास की बातें नहीं कीं, इन्होंने तो सिर्फ जाति और धर्म, जहर घोलने का काम किया है। इन्होंने सिर्फ भाई को भाई से लड़ाने का काम किया, इन्होंने तो सिर्फ गरीबी एवं अमीरी की खाई खोदने का काम किया है क्योंकि यह चंद पूंजीपति घरानों के इशारों पर चलने वाली सरकार है। इन्हें गरीबों से मतलब नहीं है।

आज हमारे पूर्व वक्ता बोल रहे थे कि उन्होंने तो मात्र एक थैला दिला दिया, जिसके अन्दर मात्र तेल, मिर्च, मसाले थे। मैं उनसे यह पूछना चाहता हूं कि आप उस गरीब के घर पर जाकर पूछिये जिसके दो वक्त का चूल्हा नहीं जलता था। मुख्य मंत्री ने उसमें विश्वास पैदा करने का काम किया, मुख्य मंत्री ने उसको राशन किट देकर उसके घर के चूल्हे को जलाने का काम किया है, गरीब परिवार का पेट भरने का काम किया और आज तीन महीने हो गये, आपकी सरकार के आने के बाद वह राशन किट बंद है, उस गरीब का चूल्हा बंद हो चुका है, आपने उसके घर तक राशन किट पहुंचाने का काम नहीं किया क्योंकि आपकी विचारधारा में फर्क है। आप सिर्फ अमीर व्यक्तियों के लिए काम करते हैं, गरीब व्यक्तियों की आपको चिंता नहीं है। गरीब व्यक्ति की अगर किसी ने चिंता की है तो कांग्रेस पार्टी ने, कांग्रेस की सरकार ने की है और आज उसी का परिणाम है कि पूरे राजस्थान में, चाहे यह चुनाव आपने ध्रुवीकरण की राजनीति करके, चाहे आपने वह धन-बल का प्रयोग करते हुए, चाहे आपने जाति-धर्म का जहर घोलते हुए सत्ता तो हासिल कर ली लेकिन मात्र दो महीने के अन्दर ही पूरे राजस्थान के अन्दर हाहाकार मच चुका है।

श्री अध्यक्ष: वाइंड-अप करिये।

श्री अमित चाचाण (नोहर): हमारे राजस्थान की पूरी जनता, गरीब व्यक्ति मुख्य मंत्री अशोक गहलोत को याद कर रहे हैं, कांग्रेस की सरकार को याद कर रहे हैं। जिस तरह से आपने इन दो महीनों में करके दिखाया कि हर विकास आपने रोक दिया, हर कार्ययोजना आपने रोक दी, तो मैं आपको यह कहना चाहता हूं कि आप भी आने वाले समय में अपने अधिकार आप अपने पास रखें, अपने अधिकार दिल्ली को न दें क्योंकि राजस्थान की जनता ने आप पर विश्वास करके इस सदन का नेता आपको अगर बनाया है तो अपने अधिकार अपने पास रखते हुए राजस्थान को आगे ले जाने का काम करें। धन्यवाद। जय हिन्द, जय भारत।

श्री अध्यक्ष: श्री कुलदीप।

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): सांप सूंघ गया इनको। सब सच-सच कह दिया इन्होंने।

श्री अध्यक्ष: बैठिये-बैठिये। श्री कुलदीप।

श्री लक्ष्मण राम (मेड़ता): हमने तो आपका मान रखा है इसलिए बोले नहीं। आप बोल रहे हैं तो हम सुन रहे हैं और हम जब बोलें तो आप भी सुनो।

श्री अध्यक्ष: विराजिये-विराजिये। आप बोलें।

श्री कुलदीप (विराटनगर): माननीय अध्यक्ष महोदय, धन्यवाद। मैं माननीय राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलते हुए निवेदन करना चाहता हूं कि बहुत सारे विषय इस प्रकार के आये हैं उन विषयों पर मेरे विचार रखना चाहूंगा।

इंसान को जीने के लिए रोटी, कपड़ा, मकान, पीने के लिए पानी, स्वास्थ्य सेवाएं, इन चीजों की मूल आवश्यकता होती है और सबसे पहले मैं जिक्र करना चाहता हूं, यह एक बड़ा सेंसेटिव मुद्दा है जो किसी एक कांस्टीट्यूएंसी का नहीं है बल्कि पूरे राजस्थान का विषय है और वह पीने के पानी का विषय है। बहुत सारे विधायकों ने कहा, अभी माननीय सदस्य फरमा रहे थे कि पानी को लेकर राजनीति हुई। मैं जिक्र करना चाहता हूं कि जेजेएम योजना जो भारत सरकार की योजना है, उसमें राजस्थान सरकार की भागीदारी थी। उस योजना के अन्तर्गत पिछले पांच सालों में लगभग 37 हजार करोड़ रुपये दिया गया। उनका एक नमूना मैं आपके सामने रखना चाहता हूं।

मैं पहली बार जीत कर आया हूं। संगठन में हमेशा काम किया है लेकिन मैंने जैसा माहौल यहां देखा, उसके बारे में थोड़ा-सा जिक्र जरूर करना चाहता हूं कि यहां पर आपस में कंपीटिशन नहीं हो रहा है, ऐसा लग रहा है कि हम आपस में एक दूसरे के विरोधी हैं। चुनाव है, लोकतंत्र की व्यवस्था है। चुनाव आयेंगे और जायेंगे, चुनाव जीतेंगे और हारेंगे लेकिन हमारे जो मूल विषय हैं उनको हम छोड़ कर अन्य विषयों पर जाने लगे हैं।

अध्यक्ष महोदय, मैं निवेदन करना चाहता हूं कि जेजेएम का पैसा गत पांच सालों में जो खर्च हुआ, मेरे विराटनगर क्षेत्र में करीब 150 टंकियों का निर्माण हुआ। जब पानी ही इंसान को नहीं मिलेगा तो वह जीवित कैसे रहेगा? कैसे काम करेगा वह इंसान? पांच सालों में जिन टंकियों का निर्माण हुआ, उनमें से अब तक मात्र 25 टंकियों में पानी डाला गया है, 125 टंकियां सूखी पड़ी हुई हैं। गत कांग्रेस सरकार की यह स्थिति रही। लगभग 80 टंकियों का निर्माण प्रारम्भ हुआ था, उनका भी काम लगभग आठ महीने से बन्द पड़ा

(श्री कुलदीप)

है। मैं इसका नमूना बता सकता हूं, क्योंकि मेरे कांग्रेस के साथी बार-बार कह रहे थे कि हमारे साथ भेदभाव हुआ, भेदभाव तो आप लोगों ने जनता के साथ किया। अगर मैं इस बात को गलत कह रहा हूं तो आप जांच करवा लीजिए। सरकार ने पीने के पानी के लिए पैसा दे दिया, उस पैसे का उपयोग ठीक प्रकार से नहीं हो पाया। ऐसी हालत है। ऐसी क्वालिटी रखी कि टंकियों का निर्माण हो रहा था, टंकियां गिर गयीं, केजुअल्टी हो गयी, दो लोग वहां एक्सपायर हो गये। ऐसे हालात रहे। इसलिए मैं निवेदन कर रहा हूं, अध्यक्ष महोदय, कि ऐसे कामों की जांच होनी चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, दूसरा बड़ा विषय हम सबके सामने आता है ईआरसीपी का। ईआरसीपी के नाम पर बहुत सारे लोग राजनीति कर रहे हैं। आखिर में राजस्थान की जनता जानना चाहती है कि ईआरसीपी है क्या? हम लोग चर्चा तो कर रहे हैं। जनता भी हमसे कम समझदार नहीं है। ईआरसीपी की योजना कौन लेकर आया था? 2017 में भाजपा की सरकार के समय इसकी डीपीआर तैयार हुई थी। उसमें कितने बांध जोड़े जाने थे? मैं यह विषय इसलिए लेकर आ रहा हूं कि हिन्दुस्तान में सबसे बड़ा संकट आयेगा तो वह हमारे सामने पीने के पानी का आयेगा।

अध्यक्ष महोदय, मैं लगभग डेढ़ महीने से गांवों में जा रहा हूं। वहां हर आदमी एक ही विषय लेकर आता है कि, कुलदीप भाई, पीने का पानी लेकर आओ। बड़ी तकलीफ की बात है। ईआरसीपी में बहुत प्रकार की भ्रांतियां पैदा करने का काम किया। लगभग 37 हजार करोड़ की यह योजना थी। भारत सरकार के पास चली गयी। मध्य प्रदेश और राजस्थान में भाजपा की सरकारें चली गयीं। वापस राजस्थान में जब कांग्रेस की सरकार आयी, उसके बाद इन्होंने जैसे ही काम करना शुरू किया, इनके काम के सरकारी आंकड़े मैंने कुछ मंगवाये हैं, उनका मैंने अध्ययन किया है। मैंने देखा, इस योजना को रिवाइज करने का विषय आ रहा था। आज की तारीख में वर्तमान सरकार चर्चा कर रही है कि हम इन बांधों को जोड़ने का काम करेंगे। मैं समझता हूं कि लगभग 50 हजार करोड़ की यह योजना बनने वाली है। कांग्रेस की सरकार ने कहा कि 2051 तक ईआरसीपी का निर्माण हम पूरा कर पायेंगे। यह इस देश के लिए विडम्बना की बात है। दुर्भाग्यपूर्ण विषय है यह। हमारे गांव का किसान तो यह कह रहा है कि ईआरसीपी में हमारा नाम जुड़ेगा, हमारे बांध का नाम आ जायेगा और पीने का पानी चालू हो जायेगा, सिंचाई का पानी

(श्री कुलदीप)

चालू हो जायेगा। किसने देखा 2051? 28 साल बाद जब इंसान को पीने का पानी मिलेगा इस योजना से, इस योजना का लाभ क्या हो सकता है? यह कांग्रेस की सरकार ने कहा है। मैं नहीं कह रहा हूं। कांग्रेस की पिछली सरकार ने कहा है कि 2051 में यह योजना पूरी होगी। ऐसी ईआरसीपी ही आपको लेकर आनी है तो यह जनता चुप रहने वाली नहीं है।

अध्यक्ष महोदय, मैं दो-तीन बातों का जिक्र करना चाहता हूं। पहले भाजपा के समय लगभग 28 या 26 बांधों का जिक्र किया गया था। उसके बाद 2023 में 53 बांधों का प्रस्ताव गया। 53 बांधों का विषय ये लोग लेकर आये थे। जयपुर जिले में बहुत बड़े-बड़े बांध हैं। एक बांध तो मेरे विधान सभा क्षेत्र में 1950 का है। कितने साल हो गये? उसमें आठ किलोमीटर नहरी क्षेत्र होता था। खेतों को पानी पिलाया जाता है। इसी प्रकार मेरा एक बांध और है भुचारा, उसमें सात किलोमीटर पाइप लाइन है, नहरी क्षेत्र है, नहरें बना रखी हैं। एक जवानपुरा धाभाई बांध है। एक बांध का तो 1857 के आसपास निर्माण हुआ था। कांग्रेस की सरकार ने तो पाप करने का काम किया है क्योंकि बहुत पुराने बांध थे। शाहपुरा, कोटपूतली और विराटनगर विधान सभा क्षेत्र है, जमवारामगढ़ का पार्ट है, इन चारों क्षेत्रों में डार्क जोन है। पीने का पानी भी नहीं है। एक-एक हजार फीट तक बोर करवाने के बावजूद भी पीने का पानी नहीं मिलता है। अध्यक्ष महोदय, इन चारों विधान सभा क्षेत्रों में जो बड़े बांध हैं, जवानपुरा धाभाई बांध, भुचारा बांध है, छीतौली बांध है, मैं सरकार से आपके माध्यम से निवेदन करना चाहता हूं कि ऐसे बांधों को जोड़ा जाए जिससे आगे आने वाली पीढ़ियां आपको और सरकार को याद करेंगी। ऐसे बहुत सारे विषय हैं।

अध्यक्ष महोदय, मैं निवेदन करना चाहता हूं कि अभी वरिष्ठ माननीय सदस्य डोटासरा साहब ने एक विषय उठाया जिलों के गठन के बारे में। जिले आपने बनाये, आपको धन्यवाद देते हैं। आनन-फानन में जिले बना दिये, बहुत सारे बना दिये। मैंने देखा है कि कई सालों तक तो गांव ही नहीं बन पाये। राजस्व ग्राम बनाने में बड़ा जोर पड़ता है। आपने जिलों का निर्माण किया लेकिन जिलों के हालात क्या हैं? इस पर एक बार विचार जरूर कर लेना।

महोदय, मैं निवेदन करना चाहता हूं कि कोटपूतली-बहरोड़ जिला बनाया गया, स्वागत योग्य कदम है। पावटा तहसील उपखण्ड को कोटपूतली में

(श्री कुलदीप)

शामिल किया गया। वहां के लोग उसमें रहना भी चाहते हैं? लोकतंत्र में जनता जनार्दन ही मालिक है। हम पांच साल के लिए बनते हैं, अच्छा काम करेंगे तो वापस जनता विचार करेगी, गलत काम करेंगे, जनता हमको दुत्कारेगी। विराटनगर तहसील को कोटपूतली-बहरोड़ में शामिल कर दिया। मेरे विराटनगर के लगभग 15 हजार लोग जयपुर शहर में अपना व्यापार करते हैं, काम धंधा करते हैं, मजदूरी करते हैं, सब लोग यहीं रहते हैं। उसको भी कोटपूतली-बहरोड़ में जोड़ दिया। आखिरी छोर पर पहुंचाने का काम कर दिया। मैं सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि जितने भी जिले बने हैं इनका पुन: अवलोकन करवाया जाए, इनका रिव्यू किया जाए। जिस प्रकार से मेरे विराटनगर तहसील को कोटपूतली के साथ जोड़ा गया है, उसको पुन: जयपुर में जोड़ने की मैं माननीय मुख्य मंत्री महोदय और सरकार से मांग करता हूं। मुझे तकलीफ है मेरी जनता को तकलीफ है। जब हम चुनाव में गये तो हमने बहुत सारे वायदे भी किये हैं। जनता दु:ख पायेगी तो हम अमन चैन से नहीं रह पायेंगे। इसलिए इस विषय को रिव्यू किया जाए।

अध्यक्ष महोदय, और भी ऐसे-ऐसे विषय हमारे सामने आये हैं। अभी माननीय राज्यपाल महोदय ने ट्यूरिज्म को लेकर भी जिक्र किया। मैं निवेदन करना चाहता हूं कि राजस्थान में बहुत बड़ी गुंजाइश है। यह वीरों की धरती है ऐसे-ऐसे वीर राजस्थान में पैदा हुए हैं जिनके कारण से देश और दुनिया में हमारे राजस्थान का नाम है। राजस्थान का गौरव हमारे वीरों ने बढ़ाने का काम किया है। यह वीरांगनाओं की धरती है। ऐसी धरती को हम प्रणाम करते हैं, नमन करते हैं।

मैं एक प्रार्थना करना चाहता हूं कि ट्यूरिज्म को लेकर हमें कुछ करने की आवश्यकता है। जिस मिट्टी से मैं आता हूं, जहां मैंने जन्म लिया है, जहां मेरी कर्म भूमि है, उसके बारे में थोड़ा जिक्र करना चाहता हूं, बताना चाहता हूं। महाभारत काल में विराटनगर का नाम आप सब लोगों ने सुना है। जहां पर पाण्डवों ने अज्ञातवास बिताया है, जहां पर अशोक सम्राट ने, अशोक सम्राट का नाम नेट के साथ-साथ सभी जगह आपको देखने को मिल जायेगा, तीन सौ दिन तक विराटनगर में रह कर ध्यान लगाया था, ऐसे अशोक सम्राट ने एक वर्ष तक ध्यान लगाया। ऐसे स्थानों को ट्यूरिज्म पैलेस घोषित किया जाए जिससे नामी जो लोग रहे हैं, जिसके कारण हमारे देश को जाना जाता है, हमारे प्रांत को जाना जाता है, ऐसे लोगों का सम्मान करना भी हमारा कर्तव्य है।

(श्री कुलदीप)

अध्यक्ष महोदय, विषय तो बहुत सारे हैं लेकिन मैं समझ सकता हूं क्योंकि मैं संगठन का कार्यकर्ता हूं, मेरी आदत भी है कि मुझे कोई टोकता है तो ठीक लगता नहीं है। क्षमा मांगते हुए, आपने मुझे समय दिया, इसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। जय रामजी की, नमस्कार।

श्री अध्यक्ष: धन्यवाद। डा. विकास चौधरी।

श्री विकास चौधरी (किशनगढ़): आदरणीय स्पीकर महोदय, मैं अजमेर की तरफ से सर्वप्रथम आपको इस सदन के स्पीकर के रूप में निर्वाचित होने की बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं। निश्चित तौर पर ...(व्यवधान)

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): इन्होंने एक ने भी बधाई नहीं दी आपको। इन्होंने एक ने भी नहीं कहा।

श्री अध्यक्ष: विराजो।

श्री विकास चौधरी (किशनगढ़): मैंने माननीय स्पीकर महोदय के साथ लम्बे समय तक काम किया है। मुझे विश्वास है, 15 वर्षों तक इन्होंने मेरा उस समय संरक्षण नहीं किया, लेकिन सदन में वह मुझे आशीर्वाद देंगे, ऐसी मैं इनसे आशा रखता हूं। निश्चित तौर पर मेरे से पूर्व जो अभी सदस्य अपना विषय रख रहे थे। (व्यवधान)

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): माननीय अध्यक्ष महोदय, एक भी माननीय मंत्री सदन में मौजूद नहीं हैं। (व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: सचेतक महोदय। सचेतक महोदय के ध्यान में आ गया। बैठिये। (व्यवधान) अब विराजो। ध्यान में आ गया, विराजो।

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): एक भी मंत्री सदन में नहीं है। सब कुछ खाली। सब खाली, सब खाली। (व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: आ गये। आगे से सदस्य ध्यान रखें। (व्यवधान)

(समय: 15.32 बजे)

(श्री संदीप शर्मा, सभापति, पदासीन)

श्री विकास चौधरी (किशनगढ़): आदरणीय सभापति महोदय, मेरी पार्टी के नेताओं ने बोलने से पूर्व मुझे यह कहा गया कि राज्यपाल का अभिभाषण बड़ी गहराई के साथ पढ़ना है, लेकिन मेरे सामने वाले सरकार में बैठे तमाम लोग अभिभाषण के अलावा अपने-अपने मुद्दों पर बात कर रहे हैं,

(श्री विकास चौधरी)

लेकिन हम तथ्यात्मक बात करेंगे। राज्यपाल का अभिभाषण दिशाहीन और भविष्य की नीतियों से अभावयुक्त है। युवाओं को रोजगार देने के नाम पर यह सरकार बनाने वाले भाजपा के लोग जैसे ही सत्ता में आते हैं, आनन-फानन में इन्होंने पांच हजार परिवारों को बिना उनकी आजीविका का ध्यान रखते हुए उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ किया। उन्हीं के साथ नहीं, तमाम प्रदेश के युवाओं को, जिनको ठेकेकर्मी के नाम पर पूर्ववर्ती सरकार ने रोजगार दिया, उनको भी हटाने का काम इस सरकार ने किया।

आदरणीय सभापति महोदय, राज्यपाल के अभिभाषण में नई-नवेली सरकार ने आर.पी.एस.सी. के लिये एस.आई.टी. का तो गठन कर दिया, परंतु मेरे नौजवान साथी जब बाहर निकलते हैं तो मुझे पूछते हैं कि, भाई साहब, उन्होंने एस.आई.टी. का गठन इसलिये किया कि नई नौकरियां निकालनी नहीं हैं, नई भर्तियां करनी नहीं हैं, पेपर लीक होने नहीं हैं, इसलिये इस सरकार की मंशा पर उन्होंने सवालिया निशान खड़ा किया है। रोजगारविहीन युवा सरकार से पूछ रहे हैं कि क्या हम केवल नारे लगाने के लिये ही हैं?

आदरणीय सभापति महोदय, मैं उस क्षेत्र से आता हूं जो इस देश का नहीं, विश्व का सबसे बड़ा और प्रतिष्ठित मार्बल उद्योग की नगरी के नाम से जाना जाता है। मैं किशनगढ़ विधान सभा क्षेत्र से आता हूं। आये दिन अपराध, ट्रैफिक की व्यवस्था को लेकर और यह मेरे सामने बैठे साथी कहते हैं कि अब डबल इंजन की सरकार इस प्रदेश और देश में है। राज्यपाल महोदय ने पूर्ववर्ती सरकार के आर्थिक मुद्दों पर बात कही, लेकिन उन्होंने यह नहीं बतलाया कि मार्बल उद्यमियों के लिये जी.एस.टी. के नाम पर उनकी फैक्टरियों के बाहर खड़े रहने वाले उन जी.एस.टी. अधिकारियों पर लगाम कब कसी जायेगी?

आदरणीय सभापति महोदय, मुझे किसान भाइयों ने यह कहकर राज्यपाल के अभिभाषण पर बोलने के लिये आग्रह किया कि नई-नवेली सरकार से यह पूछना कि सात घंटे के नाम पर बिजली देने वाली सरकार किसानों को इस कड़कड़ाती ठंड में सुबह छह बजे बिजली देती है, तो उसके लिये सरकार ने क्या सोचा है?

आदरणीय सभापति महोदय, राज्यपाल महोदय के अभिभाषण के पाइंट नंबर 25 में किसानों की आमदनी बढ़ाने के विषय को लेकर किसानों के गेहूं की खरीद के बारे में सरकार ने बताया कि 2700 रुपये प्रति क्विंटल में किसानों के गेहूं की खरीद की जायेगी, परंतु यह सरकार जब से आयी है उसके

(श्री विकास चौधरी)

बाद उनकी कथनी और करनी में बड़ा फर्क आ रहा है। सरकार मात्र किसानों को गुमराह करने के अलावा कुछ नहीं कर रही है। केवल 2400 रुपये प्रति क्विंटल में गेहूं की खरीद की जा रही है। यह इस सरकार के संकल्प पत्र और अभिभाषण में इतना फर्क आ रहा है।

आदरणीय सभापति महोदय, पाइंट नंबर 16 में महामहिम राज्यपाल महोदय ने कहा कि जब पूर्ववर्ती सरकार आती है, जब-जब इस प्रदेश में कांग्रेस की सरकार आती है तो प्रदेश बीमारू प्रदेश की श्रेणी में आ जाता है पर माननीय, इस राजस्थान की जनता और हम सब लोग जानते हैं, जब-जब इस प्रदेश में कांग्रेस की सरकार आयी है तो यह प्रदेश बीमारू प्रदेश की श्रेणी से बाहर निकलने के लिये हमेशा से संघर्षरत रहा है, लेकिन सरकार परिवर्तन होने के बाद फिर यह राजस्थान अपने आपको अभागा महसूस करता है। इस सरकार ने केवल योजनाओं के नाम बदलने के अलावा कुछ नहीं किया। अपराध पर बड़ी-बड़ी बातें करने वाले जब से सरकार में आये हैं, पूरे प्रदेश की कानून-व्यवस्था चरमरायी हुई है। इसको दुरुस्त करने के लिये सरकार के पास न तो कोई विजन है, न ही कोई रोडमैप है।

आदरणीय सभापति महोदय, अभिभाषण में किसानों को बीमा कम्पनियों द्वारा न फसल का उचित मुआवजा दिया जाता है, क्योंकि यह देश और प्रदेश कृषि प्रधान देश है, किसानों की चिंता थी तो जो पेंडिंग कृषि कनेक्शन पड़े हैं, उनकी बात करते, प्रीमियम राशि और बीमा क्लेम के भुगतान की राशि के लिये सदन को अवगत कराते लेकिन अब डबल इंजन की सरकार को बड़ी टकटकी के साथ नौजवान लोग देख रहे हैं। गांव, गरीब, किसान, नौजवान के साथ लगातार ऊपर वाले लोग जो खिलवाड़ कर रहे हैं और इस पर्ची की सरकार से नौजवानों को कितनी आस है, वह तो समय बतायेगा। धन्यवाद।

श्री सभापति: श्री शंकरसिंह रावत।

श्री शंकरसिंह रावत (ब्यावर): माननीय सभापति महोदय, आपने मुझे राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने का मौका दिया, उसके लिये आपका बहुत-बहुत आभार। माननीय सभापति महोदय, राज्यपाल महोदय के इस अभिभाषण पर मैं सरकार की उपलब्धियों को गिनाना चाहूंगा। हमारे सामने बैठे भाई वह अपना गुणगान और गाथा पूर्व सरकार की गा रहे हैं। मैं उनको कहना चाहता हूं कि वह ध्यान से सुनें। आज सबसे बड़ा फैसला तो

(श्री शंकरसिंह रावत)

राजस्थान की जनता ने किया है, उसके ऊपर आपको नाज होना चाहिये। राजस्थान की जनता ने 75.45 प्रतिशत रिकार्ड मतदान करके इस सरकार को चुना है। उसके लिये आपकी खामियों को भुगतने के लिये उधर बिठाया गया है और जिस प्रकार आप ऊंची उड़ान भरते हैं, असत्य बोलकर इस जनता को गुमराह करते हैं, उसके लिये कभी भी राजस्थान की जनता आपको माफ करने वाली नहीं है। जिस प्रकार आप हमारे देश के लोकप्रिय प्रधान मंत्री महोदय पर आरोपों की बौछार लगा रहे हैं, उनकी भावना अलग है, सिर्फ सेवा, सुशासन और गरीब के कल्याण के ऊपर ही उन्होंने काम किया है।

सबसे बड़ा धन्यवाद मैं राजस्थान के मुख्य मंत्री आदरणीय भजन लाल जी को और उनकी टीम को देना चाहता हूं कि उन्होंने जो इतने कम समय में जो वादे किये हैं, उनके ऊपर भी अमल करने का काम किया है। जिस प्रकार से गैस सिलेंडरों के 1120 रुपये लग रहे थे, उस गरीब को 450 रुपये में किया और एक तारीख से लागू भी कर दिया। इसके लिए भी मैं उनको बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहता हूं।

आज अन्नपूर्णा रसोई में 450 ग्राम में गरीब का पेट नहीं भरता है, उसे भी बढ़ाकर के आगे बढ़ने का काम किया है। उसके लिए भी मैं बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहता हूं। मीसा बंदी जो थे, उनको भी पेंशन लागू की है, उसके लिए भी मैं बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहता हूं। पेपर लीक के लिए इस सरकार ने जिस प्रकार के कारनामे करके राजस्थान की जनता, युवाओं के भविष्य को अंधकार में डाला है, उसके लिए इनको माफ नहीं करेंगे। उन युवाओं को न्याय दिलाने के लिए आदरणीय मुख्य मंत्री महोदय ने एसआईटी का जो गठन किया है, उसके लिए भी मैं उनको बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहता हूं।

एक और धन्यवाद देना चाहता हूं किसान कल्याण निधि के लिए, जिस प्रकार 6 हजार रुपये प्रति वर्ष हमारे प्रधान मंत्री महोदय किसान को देते हैं, उसमें भी 6 हजार से बढ़ाकर 12 हजार रुपये किया है, उसके लिए भी उनका बहुत-बहुत आभार और धन्यवाद। यह होती हैं उपलब्धियां।

अब आप कह रहे हो उपलब्धियां, आपकी उपलब्धियां यह हैं कि जिस प्रकार से आपकी सरकार का गठन हुआ था, उस समय सिर्फ 1 से 10 तक की गिनती, इनके राष्ट्रीय लीडर जयपुर में आये थे, उन्होंने 1 से 10 तक गिनती बोलने के बाद कहा कि 10 दिन के अन्दर राजस्थान के सभी किसानों

(श्री शंकरसिंह रावत)

का कर्जा माफ कर दिया जायेगा। हो गया? कहीं नहीं हुआ है। इस प्रकार से इस जनता के साथ में जो खिलवाड़ हुआ है, उसका खामियाजा भुगत रहे हैं। अब यह सोच रहे हैं कि हम इधर कैसे बैठ गये? आप अन्दर झांककर देखें। आपने राजस्थान की जनता के साथ खिलवाड़ किया है इसलिए आपको माफ नहीं करेंगे।

आपने राजस्थान के युवाओं के साथ असत्य बोला उनके भविष्य के बारे में, जितने भी शिक्षित बेरोजगार हैं उनको 3500 रुपये प्रति महीने के हिसाब से घर पर मनी आर्डर आ जायेगा। आज वह सारे तरस रहे हैं। कब चुनाव हों और कब इसका हिसाब लेवें। आप हिसाब दो। वह पैसे वसूल करने के लिए आपको ढूंढ रहे थे इसलिए आपकी सरकार गयी है। वह अपने मोर्चों पर लट्ठ लेकर खड़े थे।

बिजली की रेटें हम कभी नहीं बढ़ायेंगे, आपने कितनी बार रेटें बढ़ा दीं? प्रत्येक पंचायत समिति पर नन्दीशाला खोलेंगे, खुल गये? जनता के साथ में खिलवाड़ नहीं करना चाहिए। ऐसे आपने कार्य किये हैं। और भी बताऊं आपको?

आपकी सरकार ने प्रत्येक विधायक को 10-10 करोड़ की सड़कें दी थीं। सभापति महोदय, उसमें अंतर क्या था? जहां कांग्रेस के विधायक हैं, वहां पर जो लिस्ट विधायक बनाकर देगा वह लिस्ट सारी पास है। जहां भाजपा का विधायक होगा वहां पर टीम का, कमेटी का गठन कर दिया गया। उसके अन्दर कलेक्टर, एक्स.ईएन., ए.ईएन पीडब्ल्यूडी, वह जो लिस्ट बनायेंगे, उसको करेंगे। विधायक का कहना नहीं चलता था। इतना अत्याचार आपकी सरकार ने किया है। उसका खामियाजा भुगतने के लिए आप लोग उधर बैठे हैं।

सभापति महोदय, इनकी कई प्रकार की योजनाएं हैं, जो इन्होंने सपने सोचे थे कि हम सरकार को अच्छी तरह से चलायें, हम गरीबी को मिटाना चाहते हैं। मैं यह कहना चाहता हूं कि गरीबी मिटाने का काम तो हमारे देश के लोकप्रिय प्रधान मंत्री महोदय आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी कर रहे हैं। यह हमारी डबल इंजन की सरकार जो राजस्थान में है, वह भी उसी पद चिन्हों पर चलने के लिए आगे बढ़ रही है।

अभी कह रहे थे कि गरीबों के लिए काम नहीं किया है। उनके लिए मैं बोलना चाहता हूं कि गरीबी मिटाने का काम प्रधान मंत्री जी ने हाथ में लिया। उन्होंने लाइन नहीं लगवायी है। उन्होंने कहा कि जिस गरीब के लिए

(श्री शंकरसिंह रावत)
छत नहीं है, उस गरीब को छत देने का काम प्रधान मंत्री जी के द्वारा हो रहा है। वह कोई गिनती नहीं पूछ रहे हैं। वह यह नहीं पूछ रहे हैं कि एक विधान सभा में 10 ही होने चाहिए, 20 ही होने चाहिए। ऐसे कोई संख्या नहीं ली है। यह है गरीबी मिटाने का काम। यह प्रधान मंत्री आवास के द्वारा हो रहा है।

दूसरा, जो हमारी माताएं, बहनों की धुएं के अन्दर रसोई बनाने में आंखें फूट जाती थीं, उन गरीबों को भी, गैस कनेक्शन लेने के लिए भी किसी एम.पी. को पकड़ना पड़ता था, तब जाकर के उसको एक गैस कनेक्शन मिलना होता था, लेकिन आज धन्यवाद है ऐसे प्रधान मंत्री महोदय को कि उन्होंने ऐसी योजना लागू की कि सारा कोटा खतम और नि:शुल्क गैस कनेक्शन के लिए पूरे देश में एक नियम बनाकर हजारों, लाखों की तादाद में उन माताओं, बहनों का भविष्य सुधारने का काम किया है। फ्री में गैस कनेक्शन आज भी मिल रहे हैं। अगर किसी सामने वाले भाइयों के भी कनेक्शन कहीं बचे हुए हों तो मुझे बता देना, निश्चित तौर पर हमारी सरकार से हम पास करवा देंगे।

इस प्रकार से गरीबों के प्रति जो न्याय करने का काम किया है वह सिर्फ प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी के द्वारा किया गया है, भारतीय जनता पार्टी के द्वारा किया गया है। आपकी कांग्रेस के कुशासन में जितना इन गरीबों का शोषण हुआ है मैं समझता हूं कि आज तक कभी किसी का नहीं हुआ।

भगवान राम का मन्दिर अयोध्या में बनाने के लिए 1990 के अन्दर हम कार सेवा में गये थे। आगरा से लठ्ठ खाकर वापस आना पड़ा। 6 दिसम्बर, 1992 को हमें जाने का मौका मिला। सभापति महोदय, मैं भी उसमें हाजिर था। 27 दिन अयोध्या में रहने का मौका मिला। सरयू नदी में स्नान करने का मौका मिला। इसके लिए मैं माननीय प्रधान मंत्री महोदय को धन्यवाद देता हूं। हम नारे लगा रहे थे, रामलला हम आये हैं मन्दिर यहीं बनायेंगे, लेकिन अन्दर आत्मा में विश्वास नहीं था। केन्द्र के अन्दर कांग्रेस का शासन है, कभी यह दिन आयेगा या खाली सपना ही रह जायेगा? केवल नारा ही रह जायेगा?

जहां बलिदान हुए मुखर्जी वह कश्मीर हमारा है। हम सिर्फ नारे लगा रहे थे। हमें विश्वास नहीं था कि यह कश्मीर हमारा होगा कि नहीं होगा? देश की जनता को धन्यवाद है कि उन्होंने कमल खिलाया और हमारे प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी हुए। जिस प्रकार देश के अन्दर भार बढ़ा तो भगवान कृष्ण ने अवतार लिया। उसी रूप में प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी, देश के अन्दर अवतार के रूप में सारा काम हो रहा है।

(श्री शंकरसिंह रावत)

सभापति महोदय, उन्होंने धारा 370 हटाकर के (व्यवधान) एक मिनट डिस्टर्ब नहीं करें।

श्री हरिमोहन शर्मा (बून्दी): राम जन्म भूमि के अध्यक्ष जी ने यह कहा है कि मोदी तो विष्णु के अवतार हैं।

श्री सभापति: विराजिये, विराजिये आप। विराजिये। आप वरिष्ठ विधायक हैं।

श्री शंकरसिंह रावत (ब्यावर): बिलकुल अवतार हैं। आपके घर में भी राम होना चाहिए।

श्री सभापति: माननीय सदस्य, आप समाप्त करें।

श्री शंकरसिंह रावत (ब्यावर): सभापति महोदय, दो मिनट और बोलूंगा। आज धारा 370 हटाकर, 35ए हटाकर के, कभी कश्मीर भारत के अन्दर नहीं आया था, आपको धन्यवाद देना चाहिए कि आज पूरा भारत एक है। हम सबको नाज होना चाहिए।

भगवान राम के मन्दिर के लिए आप लोगों ने 27 वकील खड़े किये थे लेकिन कोर्ट का फैसला नहीं हुआ। आधी जमीन इनको दे दो, आधी जमीन पर इनको दे दो। ऐसा न्याय आपको किसने दिया था? धन्यवाद है मोदी जी को, कोर्ट का फैसला हुआ, सुप्रीम कोर्ट ने फैसला दिया और आज भव्य राम मन्दिर बनकर के तैयार है। कल पूरा भारत, पूरा राजस्थान राममय हो गया था। हर गली, हर मौहल्ले में, आपके वहां भी हुआ होगा। आप नहीं होंगे, यह मैं मानता हूं लेकिन आपके कार्यकर्ता उस गली, मौहल्ले के अन्दर भगवामय और भगवान राम के नाम पर लीन हो गये थे।

माननीय सभापति महोदय, आप ज्यादा नहीं बोलने दे रहे हो। अभिभाषण का मैं बहुत-बहुत स्वागत करते हुए अपनी बात को विराम देता हूं। धन्यवाद।

श्री सभापति: श्री थावर चन्द।

श्री थावर चन्द (धरियावद): माननीय सभापति महोदय, धन्यवाद। आपने मुझे राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने का अवसर दिया, उसके लिए धन्यवाद।

माननीय सभापति महोदय, मैंने आपकी यह पूरी डायरी पढ़ी है। मुझे लगता है कि कहीं न कहीं आदिवासियों को लेकर दोनों ही सरकारों को सोचना

(श्री थावर चन्द)

चाहिए। मैं किसान का बेटा हूं, मैं न पक्ष की बुराई करूंगा न विपक्ष की। शायद इस समय मेरे पिताजी भी खेत में होंगे। आज दक्षिणी राजस्थान के आदिवासियों की हालत क्या है, उस पर चर्चा होनी चाहिए। वहां के किसान जो अन्न उगाते हैं मेहनत करके, पसीना बहाकर और पूरे देश का पेट भरते हैं, वो ही किसान खाद-बीज के लिए चार-चार दिन तक लाइनों में लगते हैं और रोते हैं, गिरते हैं, पड़ते हैं, उन किसानों के साथ खाद-बीज के लिए सबसे बड़ी काला बाजारी होती है, उनके लिए कोई यहां पर आवाज नहीं उठाते हैं।

बिजली अभी आंख मिचौली का खेल खेल रही है। मोटर चालू करके किसान खेत के अंतिम छोर पर जाता है तो बिजली चली जाती है और मोटर बंद हो जाती है। बिजली कभी आती है तो कभी जाती है और इसका कोई निश्चित समय नहीं है। लोड शैडिंग के नाम पर बिजली की जो कटौती की जाती है, उसका न तो वितरण वाले और न ही प्रसारण वाले अधिकारी संतोषप्रद जवाब दे पाते हैं।

माननीय सभापति महोदय, मैं आपको बताना चाहूंगा कि हर बार हमारे दक्षिणी राजस्थान के किसान खाद-बीज डालकर बड़ी मेहनत से फसल उगाते हैं लेकिन जब बेचने का समय आता है तो वो मंडियां नहीं होने की वजह से फुटकर व्यापारी द्वारा खरीददारी होती है। मंडी में भाव 27-28 रुपये होता है, किसान को 18-20 रुपये में अनाज बेचना पड़ता है। वो इससे अपने आप को ठगा हुआ महसूस करता हुआ अपने घर पर पहुंचता है।

माननीय सभापति महोदय, मैं आपको बताना चाहूंगा कि पिछले पांच साल में पेपर लीक और पेपर रद्द, इन शब्दों से अगर सबसे ज्यादा किसी ने दर्द झेला होगा तो मेरे जैसे नौजवान ने झेला होगा, दक्षिणी राजस्थान के नौजवान ने झेला होगा। आज जोधपुर और जयपुर के अन्दर कोचिंग करने आते हैं तो हमारी पीड़ा यह है कि हमको खेत गिरवी रखकर आना पड़ता है, मां के गहने गिरवी रखकर आना पड़ता है और हम लोग यहां पर पढ़ने आते हैं, तीन-तीन महीने तैयारी करते हैं, ब्याज पर पैसा लेकर आते हैं, लेकिन जब पेपर लीक या पेपर रद्द होता है तो हमको सीने में लगता है कि सामने वाले की गर्दन पकड़ लें या गला दबा दें। ऐसे लोगों के लिए फांसी की सज़ा होनी चाहिए। हमारे लोगों के आज भी खेत गिरवी पड़े हुए हैं। हम लोग कहना चाहते हैं, इस सरकार से उम्मीदें हैं कि आने वाले समय में 'पेपर लीक' और 'पेपर रद्द' जैसे शब्द नहीं आएं। मैं दक्षिणी राजस्थान के उस इलाके से आता

(श्री थावर चन्द)

हूं जहां पर विद्यालय तो हैं लेकिन स्टाफ की कमी है, बच्चों को पढ़ाने वाला कोई नहीं है। हम लोग इस पीड़ा को समझते हैं कि हम जयपुर और सीकर जैसे सिटी में रहने वाले बच्चों से मुकाबला करें तो कैसे करें?

श्री सभापति: समाप्त करें।

श्री थावर चन्द (धरियावद): माननीय सभापति महोदय, मैं पहली बार बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं, आपका थोड़ा संरक्षण चाहूंगा।

श्री सभापति: आपकी पार्टी की व्यवस्था है। (व्यवधान)

श्री थावर चन्द (धरियावद): माननीय सभापति महोदय, वहां पर विद्यालयों की ऐसी हालत है कि एक तरफ वहां पर कालेज तो खुले हुए हैं 70-70, 80-80 सीटें हैं, हर साल आठ से दस हजार विद्यार्थी बारहवीं कक्षा पास करते हैं, उनके लिए कालेज की कोई व्यवस्था नहीं है। स्कूलों के अन्दर 80 परसेंट व्याख्याताओं के पद खाली पड़े हैं। मैं इस बार सरकार से चाहूंगा कि बैकलॉग भर्ती के माध्यम से या बीए, बीएड या एमएड जिन लोगों ने कर रखी है उनको यहां पर लगाएं ताकि बच्चे पढ़ सकें, नौजवान पढ़ सकें, आदिवासी इलाकों को इसका फायदा मिल सके।

माननीय सभापति महोदय, मैं एक बात और कहना चाहूंगा कि स्कूलों के अन्दर दूध वितरण किया जाता है वो पाउडर का होता है, उसकी जगह पर फल वितरण किये जाएं ताकि बच्चे खाकर हृष्ट-पुष्ट हो सकें।

माननीय सभापति महोदय, आपने मुझे समय दिया, उसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। एक और पीड़ा है जो पूरे राजस्थान के नौजवानों की है कि भर्ती के अन्दर 40 परसेंट का जो क्राइटेरिया लगा रखा है, मैं भी बीए, बीएड और एमए करके यहां पर पहुंचा हूं।40 परसेंट का क्राइटेरिया लगा रखा है, हमारे दक्षिणी राजस्थान के अन्दर मूलभूत सुविधाओं का अभाव है, उसके बावजूद हम कम्पीटिशन करते हैं, कई बार रह जाते हैं। एक तरफ हमारा बच्चा, हमारा भाई सुबह उठकर गाय-भैंसें सम्भाल कर या घर का काम सम्भाल कर स्कूल जाता है और दूसरी ओर वापस आकर घर का काम सम्भालता है। दूसरी ओर अमीर और पैसे वालों का बच्चा सुबह उठकर काजू-बादाम-पिस्ते खाता है और कोचिंग जाता है।

श्री सभापति: श्री फूल सिंह मीणा। विराजें आप। अंकित नहीं होगा।

श्री थावर चन्द (धरियावद): 000

श्री सभापति: श्री छगनसिंह राजपुरोहित।

श्री छगनसिंह राजपुरोहित (आहोर): माननीय सभापति महोदय, धन्यवाद, आपने मुझे राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने का अवसर दिया। मैं इस मंच से धन्यवाद आहोर की देव तुल्य जनता को भी देना चाहूंगा कि उसने अपने विषय को यहां पर रखने के लिए मुझे पुन: विधान सभा में जिताकर भेजा।

माननीय सभापति महोदय, जिस प्रकार से माननीय राज्यपाल महोदय ने विषय रखे, मैं जब यहां पर बैठकर सुन रहा था तो मुझे बहुत खुशी हुई कि वास्तव में संवेदनशील सरकार की जैसी कल्पना थी, जनता को आशा थी, उस आशा के अनुरूप ही इस अभिभाषण को पढ़ा गया है और इसमें अलग -अलग मुद्दों पर चर्चा हुई।

माननीय सभापति महोदय, मैं उस विषय को लेकर आपके बीच में चर्चा करना चाहूंगा। यदि कल की अगर चर्चा करें तो पूरे भारतवर्ष में जो एक माहौल बना, जिस प्रकार से अभी ना पक्ष के मेरे साथी बोल रहे थे कि राम आपके नहीं हैं, तो हमने कब कहा है। राम सबके हैं, वो ही तो हम कह रहे हैं लेकिन आप नहीं मान रहे हैं इसलिए हमें दिक्कत है। आपको भी हमारे साथ मिल-जुलकर भाग लेना था, यह हम कह रहे हैं। आप खुद अलग बैठ जाते तो इसके लिए हम दोषी नहीं हैं। हम कह रहे हैं कि राम सबके हैं। राम ने कहीं पर भी यह नहीं कहा, जिस प्रकार से कल मोदीजी ने कहा कि राम सबके हैं। राम किसी को अलग करने के लिए नहीं हैं, राम सबको एक करने के लिए हैं। उसी भाव को लेकर पूरे भारतवर्ष में गली-गली में जिस प्रकार से लोगों में जो भाव थे, कल मैंने जो देखा, मैं जिस भी क्षेत्र में गया, पूरे भारतवर्ष में, एक-एक माननीय विधायक कह रहे थे कि मेरे क्षेत्र में इतना अच्छा कार्यक्रम हुआ, तो सभी के, पूरे भारतवर्ष में यह कार्यक्रम था। माननीय प्रधान मंत्रीजी ने जिस प्रकार से पूजा की, उसके लिए उन्हें भी धन्यवाद दूंगा। जिस प्रकार से भगवान प्रभु राम के मन्दिर की प्राण प्रतिष्ठा में 500 वर्ष की देरी दु:ख देती थी, उस दु:ख को उन्होंने दूर किया। मैं भारत की सारी जनता को भी बधाई दूंगा।

माननीय सभापति महोदय, राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में शिक्षा के क्षेत्र के बारे में बात हुई। माननीय सदस्य, किसी ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में भाजपा की सरकार पढ़ने नहीं देती। मैं आपका ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा कि माननीय भैरोंसिंह जी शेखावत साहब जब पहली बार मुख्य मंत्री बने थे तो उन्होंने घोषणा की थी कि प्रत्येक ग्राम पंचायत मुख्यालय पर

(श्री छगनसिंह राजपुरोहित)

प्राथमिक विद्यालय होगा, उच्च प्राथमिक विद्यालय होगा। फिर माननीय वसुन्धरा राजे जी 2003 में मुख्य मंत्री बनीं तो उन्होंने घोषणा की कि प्रत्येक ग्राम पंचायत मुख्यालय पर सैकंडरी विद्यालय होगा, फिर जब 2013 में पुन: मुख्य मंत्री बनीं तो उन्होंने प्रत्येक ग्राम पंचायत मुख्यालय पर उच्च माध्यमिक विद्यालय बनाने की घोषणा की। यह कदम बहुत बड़ा था। शिक्षा से वंचित वर्ग जो था, उसके लिए बहुत बड़ा काम था। आज हम लोगों को लगता है कि विद्यालय खुल रहे हैं लेकिन उस समय, मुझे पता है जब मैं जालौर में पढ़ने के लिए गया था, तब एकमात्र कालेज था और स्कूल सीनियर हायर सैकंडरी हमारे पास हुआ नहीं करता था। बच्चे आठवीं, दसवीं में ही छोड़कर चले जाते थे और इस कारण से कि वहां पर हॉस्टल की सुविधा नहीं थी।

माननीय सभापति महोदय, मैं इस मौके पर कई संतों को भी याद करना चाहूंगा। शिक्षाविद् जिनकी हम जन्म शताब्दी भी मनाने वाले हैं, आत्मानन्द जी महाराजजी, जिन्होंने एक समाज विशेष के लिए करीब 15 हॉस्टल बनाए और उस समय शिक्षा की बहुत आवश्यकता थी। आज जिस प्रकार से पूर्व की मुख्य मंत्रीजी ने, वसुन्धरा राजे जी ने प्रत्येक ग्राम पंचायत मुख्यालय पर हायर सैकंडरी विद्यालय खोले थे वो शिक्षा के क्षेत्र में एक बहुत अभूतपूर्व कदम था। उसी समय अंग्रेजी माध्यम के लिए विवेकानंद मॉडल स्कूल भी खोले थे, लेकिन उसमें भी आपने महात्मा गांधी

(समय: 16.00 बजे)

अंग्रेजी माध्यम के विद्यालय खोले, पर आनन-फानन में खोले, उनमें कोई स्टाफ नहीं है, उनमें आपने अंग्रेजी माध्यम के कोई शिक्षाविद नहीं रखे। जिस प्रकार से अंग्रेजी माध्यम के प्राइवेट स्कूल्स खोलते हैं न, उसी प्रकार से आपने महात्मा गांधी के नाम का दुरुपयोग करते हुए, लोगों में जो महात्मा गांधी जी के प्रति श्रद्धा है, उसे कम करने के लिए ऐसे विद्यालय खोले, जहां शिक्षा का स्तर पूरा-पूरा डाउन हुआ। वहां जो हिन्दी मीडियम की स्कूल्स चालू थीं, उन्हें बन्द करके इंग्लिश मीडियम किया। अब वे बच्चे जाएं तो जाएं कहां?

सिहाणा जैसे कई गांव थे, पूरे राजस्थान की बात करें तो अलग-अलग गांवों के बहुत से बच्चों ने ड्राप आउट किया कि अंग्रेजी माध्यम में कैसे पढ़ें। जिस प्रकार से विवेकानन्द मॉडल स्कूल्स खोले थे अंग्रेजी माध्यम के, इसी प्रकार से उन्हें खोलने चाहिये थे। यह आनन-फानन का निर्णय है।

(श्री छगनसिंह राजपुरोहित)

माननीय राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में यह भी बात कही गयी है कि इसमें भी सुधार किया जायेगा।

दूसरी बात, माननीय पूर्व मुख्य मंत्री जी अशोक गहलोत जी ने बजट में घोषणा की कि हम मार्च, 2023 तक सभी किसानों, जिन्होंने आज दिन तक आवेदन किया है, उस दिन के सभी विद्युत कनेक्शंस हम दे देंगे। मैंने कल एक्स. ईएन. को फोन किया और चर्चा की कि अपने क्षेत्र में कहां तक कनेक्शंस हो गये हैं? उन्होंने कहा, सर, 2017 तक के कनेक्शंस हुए हैं। पूरे पांच वर्षों का कार्यकाल- 2019, 2020, 2021, 2022 और 2023, किसानों का एक भी कृषि कनेक्शन नहीं हुआ, जबकि आपने अलग से किसानों के लिए बजट घोषणा की थी।

किसानों के नाम पर आपने हमेशा राजनीतिक रोटियां सेंकने का काम किया, लेकिन कहीं भी किसानों का हित नहीं किया। किसान पूरे पांच वर्षों तक लाइट के लिए तरसते रहे। 6 घंटे की लाइट की बात होती थी। अभी जैसे माननीय सदस्य ने कहा, किसान जब लाइट शुरू करके सिंचाई करने के लिए पहुंचता है, तब लाइट कटौती शुरू हो जाती है। पूरे 6 घंटे उसी में जाते थे। आखिर में किसान माथा पकड़कर बैठता था। आपने 6 घंटों तक बिजली नहीं दी, इसका भी पाप आपको लगा। इस कारण से आप विपक्ष में आकर बैठे हैं। किसानों को जिस प्रकार से आपने प्रताड़ित किया, यह इसलिए कहना चाहूंगा कि आपने पांच वर्षों में एक भी कनेक्शन नहीं दिया, आपने कोई नयी व्यवस्था नहीं की।

ट्रांसफार्मर के लिए किसान रोता था। जिस किसान को 24 घंटे में ट्रांसफार्मर देने की बात होती थी, आप 15-15 दिन तक नहीं देते थे। किसान धरने पर बैठते थे। किसान चुपके से कुछ देते थे, तब जाकर उन्हें ट्रांसफार्मर मिलते थे। सभापति महोदय, इस प्रकार की व्यवस्था थी। जिस तरह से अभिभाषण में किसानों की चिन्ता की गयी है, मैं राज्यपाल महोदय को धन्यवाद देना चाहूंगा, हमारे किसानों के लिए माननीय भजन लाल शर्मा जी की एक संवेदनशील सरकार आयी है, जिन्होंने यह विचार किया है कि जो शोषित वर्ग है, किसान वर्ग है, जो भी शिक्षा के क्षेत्र में युवा वर्ग है, उन सबका ख्याल रखने वाली यह सरकार हर कदम पर सफलता से कार्य करेगी।

अभी एमएसपी पर 125 रुपये बढ़ाने की एक घोषणा भी की गयी है। मैं माननीय मुख्य मंत्री जी की इस घोषणा का भी अभिवादन इस मंच के द्वारा करना चाहूंगा।

(श्री छगनसिंह राजपुरोहित)

दूसरी बात, विगत सरकार के अविवेकपूर्ण, अदूरदर्शी निर्णयों ने हमें आर्थिक आपातकाल की ओर भी अग्रसर किया है। 31 मार्च, 2019 को राजस्थान पर 3 लाख 11 हजार 374 करोड़ रुपये का ऋण था, लेकिन इस पांच वर्ष के कार्यकाल में 5 लाख 79 हजार 781 करोड़ रुपये का ऋण हो गया। मतलब, 2 लाख 68 हजार 460 करोड़ रुपये का ऋण भार इन पांच वर्षों में बढ़ा है। जहां मात्र 40 हजार रुपये प्रति व्यक्ति ऋण था, इन्होंने लगभग उसे डबल कर दिया। मेरे हिसाब से इससे ज्यादा खराब काम कोई सरकार नहीं कर सकती।

जिस प्रकार से पांच वर्षों तक आपने काम किया है, आपने जो अविवेकपूर्ण निर्णय लिये, अनीतिगत निर्णय लिये, उसकी सज़ा आज राजस्थान की जनता भुगत रही है, लेकिन हमारी भाजपा की सरकार आज आयी है, मैं विश्वास दिलाता हूं कि पांच वर्षों में जनता वापस पटरी पर आयेगी, काम होगा, सबका विकास होगा। जिस प्रकार से युवाओं ने, जनता ने सरकार में विश्वास किया है, मैं विपक्ष में बैठे सभी माननीय सदस्यों से निवेदन करना चाहूंगा, आप विश्वास रखें, आप सिर्फ खड़े होकर बात नहीं करें। अभी मुझ से पूर्व माननीय सदस्य ने कहा कि युवाओं के लिए बेरोजगारी भत्ते की बात की थी, युवाओं के साथ परीक्षाओं को लेकर जो छलावा हुआ है, उन परीक्षाओं के लिए भी कई तरह के निर्णय किये गये हैं।

अभी एसआईटी गठित की गयी है। आपने जो अपने समय में गठित की थी, उसमें आपने अपने लोगों को छोड़ दिया था। उसकी भी हम वापस जांच करवाकर दोषियों को सज़ा दिलवाएंगे। अभी मेरे मित्र ने भी कहा, वास्तव में ये जो परीक्षाएं रद्द होती हैं, उनके पेपर लीक होते हैं, ऐसी बातें पुन: न हों, इसके लिए सरकार पूरी तरह से संवेदनशील है। मुझे विश्वास है कि हम इस प्रकार के काम में आपके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलेंगे।

अभी गौ सेवा की भी बात हुई। माननीय सदस्य, जिन्होंने अभी गो रक्षा की बात की थी, मैं उनका भी ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा। जिस प्रकार से पूर्ववर्ती भाजपा की सरकार एक बिल लायी थी और जिसने स्टाम्प पर गो सेस शुरू किया था और उस पर अनुदान शुरू किया था, वही अनुदान अब आपकी सरकार दे रही है, लेकिन उसमें भी आप एक नया बिल ले आये थे कि यह जो स्टाम्प पर सेस लिया जा रहा है, उसे हम अन्य मदों में भी खर्च करेंगे। इसका उस समय भारी विरोध हुआ। गो भक्तों का भारी विरोध हुआ, तब जाकर बैक फुट पर आकर आपने वह बिल वापस लिया। वह आपके मन

(श्री छगनसिंह राजपुरोहित)

में कहीं न कहीं गौ माता के प्रति कुण्ठा थी। आप चाहते थे कि उस गो सेस को कहीं न कहीं दूसरी मदों में खर्च करें और गौ माता को वापस उसके हाल पर छोड़ दें। अभी पुन: हम गौ माता के लिए 9 महीनों का अनुदान दे रहे हैं, वह भाजपा की सरकार का कार्य है। उसमें आप लोगों का कहीं रोल नहीं है।

श्री हरिमोहन शर्मा (बून्दी): यह तो पूर्ववर्ती सरकार का काम है।

श्री छगनसिंह राजपुरोहित (आहोर): माननीय सदस्य, स्टाम्प सेस भाजपा की सरकार लायी थी आप तो उस पर भी संशोधन के लिए बिल ले आये थे। मुझे सब जानकारी है, इसलिए मैं बोल रहा हूं। मैं यहां सदन में जो भी बात कह रहा हूं, सत्य कह रहा हूं।

श्री सभापति: माननीय सदस्य, आप इधर देखें। सामने देखें आसन की ओर।

श्री छगनसिंह राजपुरोहित (आहोर): माननीय सभापति महोदय, इन्होंने मुझे डिस्टर्ब कर दिया।

श्री सभापति: माननीय सदस्य, समाप्त करें।

श्री छगनसिंह राजपुरोहित (आहोर): माननीय सभापति महोदय, भारत सरकार द्वारा विकसित भारत संकल्प यात्रा का गारंटी वाला रथ हमारे बीच हमारे ग्राम पंचायत मुख्यालय पर आ रहा है। मैं उस कैम्प में गया। वास्तव में जनता का समर्थन मिल रहा है। मैंने उसकी जानकारी ली कि प्रधानमंत्री आवास योजना में कितने मकान बने, तो पता चला, एक पंचायत में 500 मकान, किसी पंचायत में 600 मकान। मैंने पूछा, और कितने मकान बाकी हैं, तो पता चला कि 80 मकान बाकी हैं। फिर मैंने पंचायत के बीडीओ से पूछा कि अपनी वेटिंग लिस्ट कितनी है, तो पता चला 90 की। जनता मांग रही है 80, लेकिन हमारी लिस्ट में 90 मकान हैं। मैं विश्वास दिलाता हूं कि 2024 तक प्रधानमंत्री आवास योजना में मोदी जी ने जो घोषणा की है, उसमें सबके आवास बनेंगे। जो पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार थी, उसने प्रधानमंत्री आवास योजना में समय पर काम नहीं किया। उसका फंड उन्होंने समय पर रिलीज नहीं किया, जिसके कारण कहीं न कहीं वे मकान भी रुके।

इसी प्रकार से विकसित भारत संकल्प यात्रा में आपने देखा होगा कि माताओं को, जिन्होंने गैस सिलेण्डर पहले खरीदे ही नहीं थे, कभी देखे ही नहीं थे, जिनके पास गैस कनेक्शंस नहीं थे, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना में उन्हें

(श्री छगनसिंह राजपुरोहित)

फ्री में देने का काम किया और आज उसी गैस कनेक्शन पर माननीय मुख्य मंत्री जी ने 450 रुपये की घोषणा की। मैं माननीय मुख्य मंत्री जी भजन लाल जी को धन्यवाद दूंगा, जिन्होंने 450 रुपये के सिलेण्डर की घोषणा की। यह जनवरी से लागू हो गया है, 20 दिन हो गये हैं।

स्वास्थ्य के लिए आयुष्मान भारत जैसे कार्ड बन रहे हैं। उसमें पूरे भारतवर्ष में मुफ्त में इलाज होगा। इस प्रकार से जो लोग बोर्डर पर थे, कोई मध्य प्रदेश की बोर्डर पर थे, कोई दूसरी बोर्डर पर थे, वे स्वास्थ्य की व्यवस्था को ले नहीं पाते थे, आज वे गुजरात में जाकर भी अपना इलाज मुफ्त करवा पाएंगे। हमारी जनता भी महाराष्ट्र जाकर, क्योंकि हमारे अधिकतर प्रवासी बन्धु हैं, उनके आयुष्मान कार्ड बनेंगे तो वहां जाकर भी वे मुफ्त में इलाज लेंगे।

इस प्रकार से, मैं धन्यवाद देना चाहूंगा माननीय प्रधान मंत्री मोदी जी को जिन्होंने जनता के हर दु:ख को समझा। उन्होंने हर विषय को बड़ी गहराई से देखकर 17 योजनाएं गांव तक पहुंचाने के लिए विकसित भारत संकल्प यात्रा को हमारे बीच में भेजा कि जो गारंटी दी है, वह जनता तक पहुंच रही है या नहीं पहुंच रही है। जनता को जब हमने पूछा कि आपके पास यह सुविधा आई, तो उन्होंने हाथ खड़ा करके कहा कि हां, आई है। उनको पूछा कि आवास बने हैं, तो उन्होंने कहा कि बने हैं। जल जीवन मिशन के तहत घर-घर कनेक्शन यहां पर हुए थे लेकिन आपको पता ही है कई तरह के घोटाले हुए हैं। (समय-समाप्ति-सूचक घंटी)

श्री सभापति: विराजिये।

श्री छगनसिंह राजपुरोहित (आहोर): हम लोग इसकी भी जांच कर रहे हैं। जल जीवन मिशन के तहत भी बहुत जल्दी काम होगा। बहुत-बहुत धन्यवाद, साहब।

श्री सभापति: श्री मनोज कुमार। श्री फूल सिंह मीणा।

श्री फूल सिंह मीणा (उदयपुर ग्रामीण): सभापति महोदय, 22 जनवरी को भगवान श्रीराम जी के मन्दिर के उद्घाटन के बाद विधान सभा का आज पहला दिन है। आज 23 जनवरी नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयन्ती है, जिसे हम पराक्रम दिवस के रूप में मनाते हैं। यह मेरा सौभाग्य है कि आज मुझे पहली बार बोलने का मौका दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

सभापति महोदय, पिछली सरकार में क्या हालत थी? आप जानते हैं, सब जानते हैं। जनता ने जवाब भी दिया। भ्रष्टाचार सरेआम, अपराध बेलगाम, बेहाल किसान, पेपर लीक, बेरोजगार परेशान, त्रस्त था राजस्थान।

(श्री फूल सिंह मीणा)

सभापति महोदय, उस सरकार ने बहुत बड़ी-बड़ी घोषणा की मगर धरातल पर कितनी उतरी, वह जनता ने अपने आप बता दिया। 2018 में इनको उम्मीद करके सरकार में भेजा, मगर ये उस पर खरे नहीं उतरें। इस वजह से पांच साल सरकार में रहकर दोनों ही गहलोत जी और सचिन पायलट जी सत्ता के संघर्ष में रिसोर्ट में बन्द रहे, कोरोना काल के अन्दर जनता से दूर रहे। भारतीय जनता पार्टी का कार्यकर्ता कोरोना काल के अन्दर सुख-दुःख में जनता के साथ रहे, जनता सब जानती है।

पिछली सरकार की जो घोषणाएं हुईं, आधी-अधूरी घोषणाएं। वास्तव में, आज मेरे से पहले के वक्ताओं ने सारी बातें बताईं, चाहे किसानों का कर्जा माफ करने की बात हो, चाहे बेरोजगारों को भत्ता देने की हो। मेरे सामने वाले विपक्षी सदस्य कह रहे थे कि गरीबों के लिए कुछ नहीं किया। गरीबों के लिए इन्होंने तो कुछ नहीं किया। कोरोना काल के अन्दर मोदी जी ने फ्री में गेहूं देने का वादा किया। अभी उन्होंने पांच साल और देने की घोषणा कर दी है और फ्री में दिया। इन्होंने कोरोना काल में तो नहीं दिया जो नहीं दिया, साढ़े चार साल तक कुछ नहीं किया। इन्होंने जो किट बांटे, उनको मवेशी भी नहीं खायें। उसके अन्दर जो मिर्ची पाउडर है, उसमें ईंटों का और कहीं का मसाला भरकर बेच दिया। इस किट के अन्दर केवल और केवल इनके कमीशन के अलावा कुछ भी नहीं था।

सभापति महोदय, जनता ने उसका जवाब दिया। यही नहीं, मोदी जी ने इनको नरेगा का काम दिया। राजस्थान में नरेगा के अन्दर भी काम नहीं किया, और तो और हमारे गेहूं को भी नहीं उठा पाये, वह भी लैप्स हुआ। वास्तव में गरीबों का गेहूं केन्द्र भेज रही थी, वह भी ये नहीं उठा पाये। वह लैप्स हो गया। यह सरकार क्या गरीबों का भला करेगी?

वास्तव में, मोदी जी ने गरीबों के लिए, हमारे जंगल और जमीन में जो वृक्ष हैं, हमारे मेवाड़ में अरावली पर्वत है, उसमें जंगल हुआ करता था, उसे उजड़ता हुआ देखकर मोदी जी ने घर-घर गैस कनेक्शन दिया। ये कह रहे थे कि आने के बाद में हम 500 रुपये में सिलेंडर कर देंगे। जनता जानती थी कि पांच साल में इन्होंने कुछ नहीं किया, चार साल तक हमारा शोषण किया और 6 महीने के अन्दर रेवड़ियां बांटना शुरू किया। वास्तव में, सरकार को 2023 में उखाड़ कर फेंक दिया। हमारे भजन लाल जी, भारतीय जनता पार्टी के शर्मा साहब मुख्य मंत्री बने और उन्होंने 450 रुपये में सिलेंडर कर जनता को राहत दी।

यही नहीं, हमारे गरीबों ने इनको चाहा, इन्होंने आदिवासियों के लिए

(श्री फूल सिंह मीणा)

कुछ नहीं किया। हमारी भारतीय जनता पार्टी की केन्द्र सरकार ने आदिवासियों को इतना सम्मान दिया। महामहिम द्रोपदी मुर्मू को राष्ट्रपति बनाकर हमने आदिवासियों का सम्मान किया। इन्होंने 70 साल में हम आदिवासियों का केवल और केवल शोषण किया, वोट बैंक की राजनीति की। उन्हें कभी पढ़ने-लिखने नहीं दिया। हमारी पूर्व वसुन्धरा जी की सरकार में पंचायती राज के अन्दर भी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए जनप्रतिनिधि को मैट्रिक पास का नियम लागू किया। इन्होंने देखा कि ये पढ़े-लिखे आयेंगे तो वास्तव में भारतीय जनता पार्टी का वे अच्छा शासन चलायेंगे और भारतीय जनता पार्टी के समर्थन में रहेंगे। इन्होंने आते ही पहले उस पढ़ाई के कैडर को समाप्त कर दिया। इनको अनपढ़, अंगूठा छाप चाहिये, क्योंकि ये सरकारी मशीनरी से राज चलाना चाहते हैं। इनका सचिव बैठकर काम करे और चैक पर दस्तख्त करवा ले। सरपंच को पता नहीं, प्रधान को पता नहीं क्या हो रहा है।

सभापति महोदय, मैं कांग्रेस की सरकार के लिए क्या कहूं। वास्तव में, हमने विपक्ष में रहकर जनता की आवाज को उठाया, मगर हमारी एक नहीं सुनी। इन्होंने जनता को सुशासन देने का वादा किया था। इन्होंने देखा कि हम रेवड़ियां बांटेंगे तो वापस सरकार में आयेंगे, मगर जनता जवाब दे चुकी है।

सरकारी कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि को नहीं बुलाया गया। हम विधायक हैं, इनके सरकारी कार्यक्रम में किसी भी भारतीय जनता पार्टी के विधायक को बुलाते नहीं थे। हमारे विधायक कोटे से जो भवन बनता, वहां रात में जाकर पट्टिका लगा देते और हमको पता तक नहीं लगता।

मैंने यहां विधान सभा में मुद्दा उठाया। माननीय अध्यक्ष श्री सी.पी. जोशी जी ने नियम निकाला कि कोई भी कार्यक्रम जनप्रतिनिधि के बिना नहीं करेंगे, मगर उनकी बात को भी ताक में रख दिया। इन्होंने विधायक को छोड़ो, हमारे एमपी साहब को भी नहीं बुलाया और विधायक फंड के पैसे से इन्होंने खुद ने उद्घाटन किया। जनता समझ चुकी है।

सभापति महोदय, विधायक का बजट हुआ करता है। इन्होंने मेरे साढ़े पांच करोड़ रुपये के विधायक फंड को भी रोक दिया। डी एम एफ टी फंड को इनके जो विधायक थे, वहां पर लगाने का काम किया। सभापति महोदय, हम चिल्ला-चिल्लाकर थक गये। आज भी हमारे डी एम एफ टी फंड का हजारों करोड़ों रुपया बाकी है। वह दूसरे फंड में पड़ा है। उन्होंने हमारे विकास को रोकने का काम किया है।

(श्री फूल सिंह मीणा)

मैंने अभी देखा है कि हमारे सर्व शिक्षा अभियान में एक विधान सभा क्षेत्र में 1800 करोड़ रुपये दिये और मेरे यहां पर 6 करोड़ रुपये देकर संतुष्टि की। वहां जर्जर अवस्था में स्कूलों के भवन हैं। वास्तव में, विद्यालय के भवनों में थोड़ा-सा भी रिपेयरिंग का पैसा दिया होता तो हमारे बच्चे स्कूल में पढ़ते, बरसात में छुट्टियां नहीं होतीं।

सभापति महोदय, डी एम एफ टी फंड मैंने तीन साल पहले पास करवाया था। सर्वोपल की मैं बात कर रहा हूं। वहां पर एक कमरे के अन्दर आठवीं तक स्कूल चलती है, 120 बालक पढ़ते हैं, वहां पर एक कमरे में कैसे स्कूल चलती है। मैंने धरना दिया। तब जाकर रात को 10 बजे कलेक्टर साहब और एसपी साहब ने आकर मुझे यह कहा कि यह पैसे हम दिलवायेंगे, तब जाकर इन्होंने वो पैसे रिलीज किये मगर अब स्थिति यह हो गई है कि इनको जनता ने नकार दिया, सरकार चली गई। मुझे उम्मीद है हमारी सरकार से कि डी एम एफ टी फंड का पैसा हमारी आम जनता को देकर और वास्तव में यह स्कूलों को छोटी-छोटी रिपेयरिंग के पैसे भी दे देंगे तो लाखों रुपये की बचत हो जायेगी, भवन गिरेगा नहीं। भवन गिर जायेगा तो जब तक नया भवन नहीं बनेगा तब तक बच्चे कहां बैठेंगे? (समय-समाप्ति-सूचक घंटी)

सभापति महोदय, मुझे पता था कि आप कम समय देंगे मगर मैं आपको बताना चाहता हूं कि राज्य के कोटे के गरीबों के पैसे तो वहां केन्द्र से आये मगर उन तक पहुंचे नहीं। यही नहीं मेरे विधान सभा क्षेत्र में इन्होंने घोषणा की थी, गौरव पथ दिया था हमारी पूर्व सरकार में एक-एक किलोमीटर का साठ-साठ लाख रुपये का, इन्होंने कहा था कि हम विकास पथ बनायेंगे। मेरे विधान सभा क्षेत्र में एक भी गौरव पथ नहीं बनाया, न विकास पथ बनाया। एक किलोमीटर तक रोड नहीं दी इन्होंने और इनके हिसाब से जो दी होगी तो वह भी आज अधूरी पड़ी है। ग्रेवल डाल कर छोड़ रखा है, वह भी पूरा नहीं किया।

सभापति महोदय, यह किस बात की बात कर रहे हैं कि हमने यह किया वह किया। आज गरीब युवा बेरोजगार आत्महत्या पर मजबूर हो गये। भर्तियों में पेपर लीक करके उन युवाओं के साथ कुठाराघात किया। किसानों ने अपनी जमीनें नीलाम करवा दीं। कर्जा माफी के भरोसे वो बैठ गये। नीलाम करने के लिए जब बैंक वाले आये तो उनको पता लगा कि हमारा कर्जा माफ नहीं हुआ। इनकी घोषणा थी एक, दो, तीन, चार, पांच, दस और दस दिन के भरोसे उस गरीब की जमीन नीलाम हो गई। यह कौन-सी पारदर्शिता की सरकार की उम्मीद करते हैं?

(श्री फूल सिंह मीणा)

सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से यह बताना चाहता हूं कि वास्तव में गरीबों के लिए मोदी जी ने जो योजना निकाली वह बीस रुपये का बीमा और यह जो वास्तव में विकसित भारत संकल्प यात्रा के अन्दर इतने लोग आ रहे हैं वहां पर और वास्तव में जो दीनदयाल ज्योति योजना के माध्यम से मैंने पहले कितनी बार मुद्दा उठाया कि बिल उठा लिये, खंभे लगा दिये लेकिन तार नहीं खींचे और तार खींच दिये वो खंभे एक बरसात में गिर गये। इतना भ्रष्टाचार हुआ।

जो जल जीवन मिशन है उसमें आज तक हमारी ग्रामीण विधान सभा क्षेत्र में काम अधूरा पड़ा है और जो रोडें बन गईं, पहले इनके समय में उनको भी तोड़ कर खड्डे कर दिये, टंकियां बन गईं, पानी नहीं डाला और वह आज वास्तव में टूट गये।

सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से बताना चाहता हूं कि 2018 में कलड़वास में पानी की टंकी हमने बना दी थी, उसके अन्दर एक बून्द पानी नहीं गया, वो टंकी आज भी सूखी की सूखी पड़ी हुई है और पांच साल तक यह सरकार सोई रही। मैं यहां चिल्ला-चिल्ला कर कहता रहा कि उस टंकी में पानी डलवा दो, लोग त्राहि-त्राहि कर रहे हैं, मगर वह आज तक सूखी की सूखी पड़ी है। करोड़ों रुपये इन्होंने लगा दिये मगर उसका इस्तेमाल नहीं किया क्योंकि उसके अन्दर कोई न कोई उनको कुछ न कुछ मिला होगा। उसके ऊपर ध्यान नहीं दिया। ठेकेदार का काम पांच साल पुराना भी अभी तक बाकी है, उसके ऊपर क्यों नहीं किया? मैं इनको पूछना चाहता था कि पांच साल के अन्दर आपने वो अधूरे काम पूरे क्यों नहीं किये?

सभापति महोदय, मैं हमारे माननीय भजन लाल जी, मुख्य मंत्री जी और हमारे मंत्रीगणों से यही उम्मीद करता हूं कि आप हमारे जो वो अधूरे काम हैं उनको पूरा करके...

श्री सभापति: कृपया एक मिनट में समाप्त करें, माननीय सदस्य।

श्री फूल सिंह मीणा (उदयपुर ग्रामीण): ...कांग्रेस सरकार के पूर्व काले कारनामों को उजागर करें और भ्रष्टाचार को खतम करके वह जो काम अधूरे पड़े हैं, उनमें भ्रष्टाचार हुआ है, उनकी जांच कराकर और ऐसे दोषियों को सज़ा दें। धन्यवाद।

श्री सभापति: श्री विनोद कुमार।

श्री विनोद कुमार (पीलीबंगा): सभापति महोदय, प्रथम बार राज्यपाल जी के अभिभाषण पर बोलने का अवसर दिया, उसके लिए मैं धन्यवाद देना चाहूंगा। जिस तरीके से सदन के सभी सदस्यों ने अपनी-अपनी बातें रखीं और 22 तारीख के प्रोग्राम के सम्बन्ध में जो बात रखी, हमारे भी श्रीराम को मानने वाले, सभी धर्मों को मानने वाले सभी युवा साथी और मैं भी परसों मन्दिर गया था तो चर्चा यह थी, युवा साथी सोच रहे थे कि रोजगार की बात होगी, लाखों युवाओं को रोजगार देने की बात करेंगे मोदी जी लेकिन वह हो नहीं पाया। मैं आगे भी उम्मीद करूंगा मेरे भाजपा के साथियों से कि ऐसे अवसर पर बेरोजगार लोगों को रोजगार देने की बात करें और जो युवा साथी हमारे थे राजीव गांधी युवा मित्र, शपथ ग्रहण भी नहीं हुआ, उससे पहले ही उनको बेरोजगार कर दिया। उनके लिए आपके माध्यम से हम कहना चाहेंगे सरकार को कि उनकी रोजी-रोटी का जो जरिया था, उनको वापस लगाने का काम करें और अगर नाम बदलने की बात है तो मैं कांग्रेस पार्टी के नाते कहना चाहूंगा कि नाम बदल दो, पहले भी नाम राजीव गांधी सेवा केन्द्र था तो अटल सेवा केन्द्र कर दिया, अब भी आप नाम बदलने का काम कर सकते हो लेकिन बेरोजगार मत करो।

सभापति महोदय, पीलीबंगा, कालीबंगा जो सभ्यता है उस सभ्यता से मेरा विधान सभा क्षेत्र रहा है। ऐतिहासिक स्थल है लेकिन वहां आज तक ऐसी कोई व्यवस्थाएं नहीं रहीं कि कालीबंगा में इसको बढ़ावा दिया जा सके, तो मैं सदन के माध्यम से कहना चाहूंगा कि कालीबंगा भी एक ऐतिहासिक स्थल रहा है और है, तो इसको भी बढ़ावा देने के लिए भी काम करेंगे।

जो नशा मुक्ति की बात आई, मैं हमेशा नशे के खिलाफ बोलता रहा हूं और नशे का इस अभिभाषण में भी लिखा कि इसके लिए जाग्रत करो और करो, तो मेरा मानना है कि नशे के खिलाफ युवाओं को बचाने के लिए अच्छे ग्राउण्ड की व्यवस्थाएं हों, स्कूलों में लाइब्रेरी की अच्छी व्यवस्था हो, जिम की व्यवस्था हो।

सभापति महोदय, हमने करणपुर विधान सभा चुनाव जो जीता है वह मुझे लगता है कि वहां जो कुनर साहब ने व्यवस्थाएं कीं, जिम की हो चाहे अन्य हों, युवाओं को नशे से बचाने के लिए प्रेरित करने की बात हो, तो उन सब बातों को लेकर के हमने एक नया मुकाम हासिल किया था, तो मेरा मानना है कि नशे की जो प्रवृत्ति बढ़ी है उसको रोकने के लिए इन सब बातों को मैं सदन के माध्यम से कहना चाहूंगा।

(श्री विनोद कुमार)

जो आवास योजनाओं की बात चली थी और खाद्य सुरक्षा की बात चली थी आम आदमी और गरीब के लिए, मैं पीलीबंगा विधान सभा क्षेत्र की बात करना चाहूंगा कि दो-ढाई साल से एक भी मकान नहीं बना प्रधानमंत्री आवास योजना का। जो ये बातें गिना रहे थे, मुझे नहीं लगता कहां से आंकड़े लेकर के आये लेकिन एक भी मकान की किस्त आयी हो तो आप रिकार्ड मंगा सकते हैं सदन के माध्यम से और मैं मंच के माध्यम से कहना चाहूंगा कि कांग्रेस पार्टी ने जो किया इसी अभिभाषण में लिखा हुआ है, कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की बात हो, पीलीबंगा में चाहे कालेज खोलने की बात हो, सारी बिल्डिंग्स जो बन करके तैयार हो गयी हैं और सदन के माध्यम से कहना चाहूंगा कि नयी सोच के साथ आगे बढ़ने का काम करें। आरोप-प्रत्यारोप लगाना करना ये बातें चलती रहेंगी लेकिन युवा पीढ़ी को आगे इस राजस्थान को क्या देना चाह रहे हैं, यह सभी अपने को देख रहे हैं। इन्हीं शब्दों के साथ आपने मुझे समय दिया, बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री सभापति: श्री सुभाष मील।

श्री सुभाष मील (खंडेला): माननीय सभापति महोदय, मैं आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने राज्यपाल जी के अभिभाषण पर मुझे बोलने का मौका दिया। मैं इस सदन के माध्यम से सर्वप्रथम मेरे क्षेत्र के सभी मतदाताओं का धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने मुझे इस सदन में पहुंचा कर उनकी बातें रखने का मौका दिया। मैं इस सदन के माध्यम से प्रदेश की समस्त जनता को भी धन्यवाद करता हूं कि आपने भारतीय जनता पार्टी की बहुमत से सरकार बनाई।

कल 22 जनवरी को राम मन्दिर की प्राण प्रतिष्ठा का जो ऐतिहासिक दिन था, उसकी मैं सभी देशवासियों एवं प्रदेशवासियों को बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं। मैं इस पीढ़ी को सौभाग्यशाली मानता हूं कि500 साल बाद में हमें यह शुभ दिन देखने का मौका मिला। हम वर्षों से दीपावली मनाते आ रहे हैं। दीपावली का पर्व भगवान राम के 14 साल के वनवास से वापस आने के उपलक्ष में मनाया जाता है। वह पर्व हमने देखा नहीं, सिर्फ महसूस किया था, लेकिन यह हमारा परम सौभाग्य है कि कल के दिन के हम लोग साक्षी बने। जिस दिन का हमारी सैकड़ों पीढ़ियों ने इंतजार किया, उसके बाद आज हमें यह शुभ दिन देखने का अवसर मिला। मैं सभी को बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं। हमारे प्रधान मंत्री माननीय मोदी जी ने कहा है कि देश

(श्री सुभाष मील)

से देश और राम से राष्ट्र की चेतना का पूरे देश में भारतीयों में संचार हुआ है, निश्चित रूप से इसके लिये वह बधाई के पात्र हैं।

माननीय सभापति महोदय, मैं अभिभाषण के बिन्दु संख्या 31, 32, 33 और 34 के सन्दर्भ में बताना चाहता हूं कि पिछली कांग्रेस सरकार में जितनी भी परीक्षाएं आयोजित हुईं, एक भी परीक्षा ऐसी नहीं हुई जिसमें पेपर लीक न हुआ हो। एक भी परीक्षा यह सफलतापूर्वक नहीं करा सके। खुद आरपीएससी के मेम्बर्स और कई नेतागण उसमें शामिल हुए, यह सबसे बड़ा दुर्भाग्य है। गांवों में, कस्बों में आज भी एक परिपाटी है, एक साधारण परिवार इस बात को सोचता है कि मेरा बच्चा कहीं सरकारी नौकरी लगेगा। माननीय सभापति महोदय, लाखों लोग सुबह जल्दी उठकर मेहनत और मजदूरी करने के लिये इसलिए जाते हैं कि उनका बच्चा किसी शहर में जाकर पढ़ाई कर रहा है, कोचिंग कर रहा है, वह तैयारी कर रहा है, लेकिन यह दुर्भाग्य था कि पिछली पांच साल की कांग्रेस सरकार में जब वह नौजवान परीक्षा देने के लिये परीक्षा केन्द्र पर गया तो उसको पता चला कि परीक्षा का पेपर लीक हो गया है। बड़े उदास मन से जब वह घर जाता है, घर वालों को क्या सफाई दे, घर वालों को क्या कहे, उसको गर्दन नीची करके घर के अन्दर जाना पड़ता है। कई युवा तो हताशा में आत्महत्या करने जैसे कदम उठाने के लिये मजबूर हो गये। ऐसी निकम्मी और नाकारा सरकार जो युवाओं के बेहतर भविष्य को बनाने की बात करती थी, उनका मुखौटा उतर गया और उन युवाओं ने इस सरकार को आईना दिखाने का काम किया। अभी विपक्ष के एक वरिष्ठ सदस्य कह रहे थे कि पेपर कहां पर लीक नहीं हुए..(व्यवधान)

श्री सभापति: विराजिए, आप नये हैं।

श्री सुभाष मील (खंडेला): सभापति महोदय, मैं इस सदन के माध्यम से कहना चाहता हूं कि जनता हमारा चुनाव इसलिए नहीं करती कि हम किसी दूसरे का बहाना बनाकर उस समस्या को टाल दें। क्या हमारे नौजवान इस बात के लिये सरकार बनाते हैं? क्या इस बात के लिये सरकार चुनते हैं कि जब पेपर लीक होगा और हम सरकार से पूछेंगे कि पेपर लीक क्यों हुए? तो वह यह जवाब देगी कि महाराष्ट्र में भी लीक हो गये, गुजरात में भी लीक हो गये। यह एक बहुत बड़ा चिंतनीय विषय है, पार्टियों से ऊपर उठकर एक सोचने वाला विषय है। अभी एक माननीय सदस्य कह रहे थे, मैं कहता हूं खुद के गिरेबान में झांकने का विषय है। उनको सोचना चाहिये कि आज कोई भी

(श्री सुभाष मील)

व्यक्ति अगली पीढ़ी के लिये काम करता है, हर माता-पिता अगली पीढ़ी का बेहतर भविष्य बनाने के लिये काम करते हैं।

माननीय सभापति महोदय, अभी एक माननीय सदस्य कह रहे थे कि इस सरकार का एक इंजन फेल हो गया। सरकार का इंजन फेल नहीं हुआ है, आप लोगों की बुद्धि फेल हो गई है। आप लोगों की आंख पर पट्टी बंध गई है। आपको दिखाई नहीं देता कि इस सरकार ने आते ही सर्वप्रथम पहला आदेश जारी किया कि युवाओं के भविष्य को बेहतर बनाने के लिये, युवाओं के हितों पर कुठाराघात नहीं हो, सबसे पहले पेपर लीक के ऊपर एसआईटी का गठन करने का काम किया। (व्यवधान)

श्री सभापति: माननीय सदस्य, यह संसदीय परम्पराओं के अनुकूल नहीं है, आप विराजिए। आप बैठिए, आप कल बोलना।

श्री सुभाष मील (खंडेला): माननीय सभापति महोदय, मैं सदन के माध्यम से बताना चाहता हूं कि अब जो भी परीक्षा होगी, उसकी निगरानी ...

श्री जोगाराम पटेल (संसदीय कार्य मंत्री): माननीय सभापति महोदय, विधान सभा की प्रक्रिया और कानून के अनुसार और पूर्ववर्ती अध्यक्ष माननीय सी.पी. जोशी साहब की दी हुई व्यवस्थाओं के अनुसार विधान सभा परिसर में किसी तरह का ऐसा पेम्फ्लेट लाना पूर्ण रूप से प्रतिबंधित है, नियमों के विपरीत है। माननीय सदस्य को प्रताड़ित करें कि वह ऐसा आचरण नहीं करें।

श्री सभापति: आप विराजिए, आप विराजिए।

श्री जोगाराम पटेल (संसदीय कार्य मंत्री): यह प्रतिबंधित है। आप प्रतिपक्ष के माननीय नेता महोदय से निवेदन करें...(व्यवधान)

श्री सभापति: आप प्रथम बार आ रहे हैं, इन चीजों का आपको ध्यान रखना पड़ेगा। इस तरह से सदन में लाकर सदन की गरिमा को आहत न करें। (व्यवधान) आप विराजिए, विराजिए।

श्री सुभाष मील (खंडेला): माननीय सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन को कहना चाहता हूं कि अब होने वाली हर परीक्षा की निगरानी खुद मुख्य सचिव और डीजीपी साहब करेंगे। इस फैसले के लिये मैं माननीय मुख्य मंत्री जी का बहुत-बहुत धन्यवाद करना चाहता हूं। इस फैसले के बाद अब युवाओं के भविष्य पर, उनके हितों पर कोई कुठाराघात नहीं होगा और जो विद्यार्थी मेहनत करेगा, निश्चित रूप से उसको उसकी मेहनत का

(श्री सुभाष मील)

फल मिलेगा। मैं इसके लिये राजस्थान के करोड़ों युवाओं की तरफ से माननीय मुख्य मंत्री जी को धन्यवाद देना चाहता हूं।

माननीय सभापति महोदय, बिन्दु संख्या 23 पर मैं निवेदन करना चाहता हूं कि इस भजन लाल सरकार ने गरीब वर्ग की माता-बहनों के लिये 450 रुपये सिलेण्डर का मूल्य निर्धारण करने का काम किया है, जो 1 जनवरी, 2024 से लागू हो गया है। अभी एक माननीय सदस्य कह रहे थे कि सरकार काम नहीं कर रही। मैं इनको कहना चाहता हूं जो काम कांग्रेस की सरकार ने अंत के दो महीने में करने का काम किया था और 500 रुपये में सिलेण्डर के बहुत बड़े-बड़े होर्डिंग आपने छपवाये थे, जो पांच साल के अंतिम दो महीने में हुए थे। माननीय सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से इनको कहना चाहता हूं कि इस सरकार ने 15 दिन के भीतर-भीतर आगामी पूरे पांच साल लाभार्थियों को लाभ मिले, इसके लिये यह निर्णय करने काम किया है।

कांग्रेस सरकार की एक परम्परा रही है कि वह कोई भी काम चुनावों को ध्यान में रखकर अंतिम समय में प्रलोभन के रूप में करते हैं, लेकिन प्रदेश की जनता जागरूक हो चुकी है, उन्होंने महसूस किया कि कौनसा काम पांच साल के कार्यकाल के प्रारम्भ में हो रहा है और कौनसा काम कार्यकाल के अंत में हो रहा है। यही कारण है कि राजस्थान की जनता ने कांग्रेस को नकार कर भारतीय जनता पार्टी को बहुमत देने का काम किया है।

माननीय सभापति महोदय, मैं अभिभाषण के बिन्दु संख्या 27 पर कहना चाहता हूं कि यह सरकार किसानों के सशक्तिकरण के लिये प्रतिबद्ध है। किसानों को सम्बल देने के लिए वचनबद्ध है। मैं माननीय मुख्य मंत्री भजन लाल जी का धन्यवाद करना चाहता हूं कि उन्होंने किसानों के भले के लिए जो प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की राशि 6 हजार रुपये सालाना थी, उसको बढ़ाकर 12 हजार रुपये सालाना करने का काम किया है। निश्चित रूप से किसानों को इससे सम्बल मिलेगा। माननीय सभापति महोदय, मुख्य मंत्री जी ने एमएसपी के ऊपर बोनस देकर गेहूं का मूल्य बढ़ाने का काम किया है। सरकार ने यह संकल्प लिया है कि समयबद्ध तरीके से 2700 रुपये प्रति क्विंटल गेहूं की खरीद करने का काम सरकार करेगी। मैं कहना चाहता हूं कि कांग्रेस सरकार सिर्फ किसानों के नाम पर किसानों को बरगलाने का काम करती है, किसान-किसान चिल्लाने का काम करती है, लेकिन आज तक किसानों की बेहतरी के लिए कांग्रेस सरकार ने इतिहास में एक भी कदम उठाने का काम नहीं किया, जिससे किसानों को लाभ मिले।

(श्री सुभाष मील)

माननीय सभापति महोदय, मैं कहना चाहता हूं कि पिछली कांग्रेस की सरकार जब आयी थी तो इनके एक बड़े नेता जयपुर के अन्दर आये थे और उन्होंने गिनती की थी कि एक, दो, तीन, दस तक, किसानों का कर्जा माफ करेंगे, लेकिन क्या नतीजा रहा? किसानों का एक रुपया कर्जा माफ नहीं किया गया, किसानों को सिर्फ बरगलाया गया, वादा-खिलाफी की गयी। यही कारण था कि किसानों ने इस सरकार को नकार कर भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

माननीय सभापति महोदय, मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं कि पिछली कांग्रेस की सरकार में तत्कालीन मुख्य मंत्री जी ने यह कहा था कि किसानों की जमीन कुर्क नहीं होने देंगे, लेकिन यह बहुत दुखद विषय है कि पिछली पांच साल की सरकार में लगभग 20 हजार किसानों की जमीनें नीलाम की गयीं, कुर्क की गयीं। मैं हमारे मुख्य मंत्री भजन लाल जी का धन्यवाद करना चाहता हूं कि उन्होंने सरकार में आते ही घोषणा की है कि हम लोग जो भी किसानों की जमीनें नीलाम की गयीं, उनके लिए मुआवजा नीति बनाकर उनको संबल देने का काम करेंगे। यह नीति निश्चित रूप से किसानों के घावों पर मरहम लगाने का काम सरकार करेगी, इस बात का हमें विश्वास है।

माननीय सभापति महोदय, मैं अभिभाषण के बिन्दु संख्या 46 और 47 के बारे में बताना चाहता हूं कि राजस्थान के अन्दर 16 दिसम्बर, 2023 से 26 जनवरी, 2024 तक विकसित भारत संकल्प यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। अभी एक माननीय सदस्य कह रहे थे कि यह सरकार केवल लोक सभा चुनावों का प्रचार कर रही है। माननीय सभापति महोदय, मैं आपको अन्तर स्पष्ट करना चाहूंगा कि जो कांग्रेस सरकार ने जाते-जाते कार्यकाल में, अन्त के दिनों के अन्दर महंगाई राहत कैम्प का स्वांग जिन्होंने रचा था, सरकार के पैसे बर्बाद किये थे, आज राजस्थान के अन्दर जो विकसित भारत संकल्प यात्रा चल रही है, पूरे हिन्दुस्तान के अन्दर, हर क्षेत्र के अन्दर लाभार्थियों को लाभ दिलाने के लिए नम्बर-वन पर राजस्थान की सरकार वर्तमान में चल रही है। माननीय सभापति महोदय, आजाद भारत के अन्दर यह विकसित भारत संकल्प यात्रा एक पहली ऐसी यात्रा है जो लोगों को लाभ दिलाने के लिए, वंचितों को सम्बल प्रदान करने के लिए, लोगों को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिले, उनके जीवन में बदलाव आये, ऐसी पहली यात्रा का आयोजन माननीय प्रधान मंत्री जी द्वारा पूरे देश के अन्दर

(श्री सुभाष मील)

किया जा रहा है वरना कई पार्टियां अपने राजनीतिक लाभ के लिए कई तरह यात्राएं निकालने का ढोंग रचती हैं, स्वांग रचने का काम करती हैं। अभी भी शायद कहीं कोई यात्रा चल रही है, पता नहीं बस में चल रही है या पैदल चल रही है, उसका कहीं अता-पता नहीं है, लेकिन जो माननीय मोदी जी ने एक सोच के साथ, एक संकल्प के साथ किया कि अगर कोई व्यक्ति जानकारी के अभाव में, अपनी पहुंच के अभाव में अगर उसको योजना का लाभ नहीं मिलता है तो सरकार खुद उसकी पंचायत में जाये, उसके दरवाजे तक जाये और वंचित, जिसके वास्तव में वे हकदार हैं, उन लोगों को इसका लाभ मिले। निश्चित रूप से विकसित भारत संकल्प यात्रा एक जन-जागरण अभियान का रूप ले चुकी है। मोदी की गारंटी वाली गाड़ी लोगों के जीवन में आमूलचूल बदलाव ला रही है। निश्चित रूप से हम सब लोग मिलकर, हमारी सरकार और केन्द्र सरकार मिलकर 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को पूरा करेंगे, इस बात का हम आपको इस सदन के माध्यम से विश्वास दिलाते हैं।

माननीय सभापति महोदय, मैं अभिभाषण के बिन्दु 48 के बारे में चर्चा करना चाहता हूं। भारत सरकार की एक बहुत महत्वाकांक्षी योजना, जल जीवन मिशन के तहत जो हर घर के अन्दर 2024 तक नल लगाने की योजना थी, हर घर तक पानी पहुंचे, कांग्रेस सरकार के भ्रष्टाचार के कारण वह योजना सिरे नहीं चढ़ पायी। उस योजना के अन्दर जो कार्यकारी एजेंसियां थीं, वे राजस्थान सरकार के अधीन थीं, इसलिए उन्होंने भ्रष्टाचार किया और विचारधारा को देखकर पानी पहुंचाने का काम किया। कई गांवों में, कई ढाणियों में जहां पानी की बहुत ज्यादा जरूरत थी, राजनीतिक भेदभाव के कारण स्थानीय एजेंसी, राज्य सरकार की एजेंसी होने के कारण उन लोगों तक पानी पहुंचाने का काम नहीं किया गया। यह कांग्रेस की सरकार में भ्रष्टाचार चरम पर था। लूट की हर किसी को छूट मिली हुई थी और विचारधारा के आधार पर लोगों के काम किये जाते थे।

माननीय सभापति महोदय, मैं एक छोटा-सा निवेदन और करना चाहता हूं कि पिछली सरकार ने कई जिलों का निर्माण किया, कई जिलों का गठन किया, उसके अन्दर न तो क्षेत्र का ध्यान रखा गया, न दूरियों का ध्यान रखा गया, उसमें सिर्फ और सिर्फ हमें राजनीतिक फायदा कैसे मिले, इस बात का ध्यान रखा गया। (समय-समाप्ति-सूचक घंटी)...(व्यवधान) मैं सिर्फ दो मिनट में।

श्री जोगाराम पटेल (संसदीय कार्य मंत्री): हमारा जितना निर्धारित समय है, उतना बोलेंगे, ज्यादा नहीं। आप निश्चिंत रहें।

श्री श्रवण कुमार (सूरजगढ़): आपकी सरकार ने क्या किया? (व्यवधान) चार साल में फौजी बना दिये हैं।

श्री सुभाष मील (खंडेला): हमारे विधान सभा क्षेत्र के पास में नीम का थाना जिले का गठन हुआ और मेरे विधान सभा क्षेत्र की 10-12 पंचायतें जो केवल 20-25 किलोमीटर की दूरी पर स्थित हैं, उनको राजनीतिक दुर्भावना के कारण नये जिले के अन्दर शामिल नहीं किया गया। मैं सदन के माध्यम से सरकार को भी निवेदन करना चाहता हूं कि उन पंचायतों को पुनर्गठन करके और नीम का थाना जिले में कांवट और आसपास की पंचायतों को शामिल किया जाए।

माननीय सभापति महोदय, अभी एक वरिष्ठ सदस्य कह रहे थे। वे कह रहे थे और सरकार के ऊपर अंगुली उठा रहे थे, पर्ची की बात कर रहे थे, पर्ची की सरकार की बात कर रहे थे। आप क्या बात करते हैं? आपके अन्दर बदलाव की क्षमता नहीं है। आपकी पार्टी में निर्णय लेने की क्षमता नहीं है। इसी कारण आप दिन-ब-दिन नीचे गिरते जा रहे हो, रसातल के अन्दर जाते जा रहे हो। अगर आपने अपनी आंख की पट्टी नहीं खोली तो वह दिन दूर नहीं है जब राजनीतिक पार्टियों में से कांग्रेस पार्टी नाम की पार्टी का अस्तित्व नहीं रहेगा, अगर यही स्थिति रही तो। माननीय सभापति महोदय, मैं कहना चाहता हूं कि यह पर्ची की सरकार नहीं है, यह युवाओं के सपनों की सरकार है, यह किसानों की उम्मीदों की सरकार है। माननीय सभापति महोदय, यह किसान की खुशहाली और छोटे व्यापारियों को सम्बल देने वाली सरकार है। माननीय सभापति महोदय, मैं सदन के माध्यम से पूरे राजस्थान की जनता को विश्वास दिलाना चाहता हूं कि हम सब लोग मिलकर विकास के ऊंचे आयाम स्थापित करेंगे। साथ ही, इस भजन लाल सरकार के अन्दर उच्च सांस्कृतिक मूल्यों की स्थापना होगी और निश्चित रूप से सांस्कृतिक पुनरुत्थान किया जायेगा, इस बात का मैं आपको विश्वास दिलाना चाहता हूं।

माननीय सभापति महोदय, मैं इस प्रदेश की जनता को कहना चाहता हूं कि हम युवाओं के सपनों को, किसानों की उम्मीदों को पूरा करेंगे, हर मजदूर को काम मिलेगा और हर छोटे व्यापारी को सम्बल मिलेगा, महिलाओं को सम्मान और सुरक्षा मिलेगी और यह सदन, सरकार सुशासन और पारदर्शी शासन के सभी मापदण्डों को पूरा करेगी, इसी संकल्प के साथ मैं मेरी बात को खतम करता हूं। धन्यवाद, जय हिन्द।

श्री सभापति: श्री भगवाना राम सैनी।

श्री जोगेश्वर गर्ग (सरकारी मुख्य सचेतक): सभापति महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं कि..

श्री जुबेर खान (रामगढ़): निर्णय लिया, आपको टिकट दिया 2018 में। ऐसा कैसे कहते हैं आप, जो-जो कांग्रेस के लोग उधर गए, ऐसी भाषा बोलो, उनको एक दिन इधर ही आना पड़ेगा। इसलिए हाथ जोड़कर संयम रखा कीजिए।

श्री सभापति: श्री भगवाना राम सैनी।

सदन की कार्यवाही

विधान सभा की बैठक के निर्धारित समय में वृद्धि

श्री जोगेश्वर गर्ग (सरकारी मुख्य सचेतक): सभापति महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं कि सदन का समय आधा घंटा बढ़ाया जाए।

श्री सभापति: श्री भगवाना राम सैनी।

श्री जोगेश्वर गर्ग (सरकारी मुख्य सचेतक): सभापति महोदय, समय बढ़ाने की अनुमति आप लीजिए।

श्री सभापति: सदन का समय बढ़ाया जाए? (व्यवधान) श्री श्रवण कुमार जी। बढ़िया-बढ़िया, आप बोलो तो आधा घंटा और बढ़वा दें।

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): ये भी दिल्ली से पर्ची आयेगी क्या? आपका मुख्य सचेतक कह रहा है समय बढ़वा दो, तो बढ़वा दीजिए। हम सब साथ हैं।

श्री सभापति: बढ़ गया, बढ़ गया। समय बढ़ाया जाए?

(स्वीकृत)

समय बढ़ाया गया।

श्री श्रवण कुमार जी। क्या है कि आप सोच रहे हैं बहुत पुराने हैं, पुराने आसन पर बैठने वाले नहीं है, पहले दिन आसन पर बैठे हैं ...(व्यवधान) समय बढ़ गया है। हमने बोला कि समय बढ़ गया।

श्री जुबेर खान (रामगढ़): सभापति महोदय, वे प्रस्ताव करेंगे, फिर आप पूछेंगे, तब सदन समय बढ़ाएगा।

श्री श्रवण कुमार (सूरजगढ़): कितने घंटे बढ़ाया है?

श्री सभापति: माननीय सदस्य, सदन से पूछा और सदन ने हां कर दिया। माननीय सदस्य, आपका ध्यान पता नहीं उस समय कहां था।

श्री श्रवण कुमार (सूरजगढ़): आधे घंटे बढ़ाया है?

श्री सभापति: सदन की सहमति से समय आधा घंटा बढ़ाया है।

श्रीमान श्रवण कुमार जी।

माननीय राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर वाद विवाद

श्री श्रवण कुमार (सूरजगढ़): माननीय सभापति महोदय, आज महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण पर मुझे बोलने का मौका मिला और सुनने का मौका भी मिला। काफी लोग केवल राजस्थान की पृष्ठभूमि को तो याद नहीं कर रहे हैं। सुबह से एक ही बात सुन रहे हैं, अयोध्या और दिल्ली के मोदी जी। आप क्या करेंगे, ये बता दीजिए? मोदी जी जो कर रहे हैं, उसका बखान नहीं करें। जो सदन में सदस्य नहीं होता, उसकी चर्चा नहीं की जाती। आप यहां चर्चा करेंगे। आप अपने मुख्य मंत्री जी की चर्चा कीजिए, अपने मंत्री जी की चर्चा कीजिए। आपको ट्रेनिंग नहीं दी गयी है। आपको मंगलवार को केवल यह बोला जाता है कि जब कांग्रेस वाले बोलें तब खड़े हो जाना और कोई ट्रेनिंग नहीं दिलवाई। मंगलवार को इनकी 10 से 11 बजे जो मीटिंग होती है, उसमें ये कहा जाता है कि कांग्रेस का कोई भी बोले तो आक्रमण करना। आक्रमण करने के लिए नहीं आए हो। 7 करोड़ 35 लाख जनता की बात को यहां पटल पर रखने के लिए आए हो। (व्यवधान) पता नहीं कितने लोग यहां आकर चले गये। कभी आप यहां आ जाते हो, कभी वे इधर आ जाते हैं। इस बात की चर्चा मैं नहीं करूंगा।

श्री मदन दिलावर (शिक्षा मंत्री): सदन का समय जाया कर रहे हैं।

श्री सभापति: माननीय सदस्य, महामहिम के अभिभाषण पर बहस करनी है।

श्री श्रवण कुमार (सूरजगढ़): मैं 7 करोड़ 35 लाख जनता की बात कर रहा हूं।

श्री पब्बाराम विश्नोई (फलौदी): अयोध्या से क्या एतराज है आपको?

श्री श्रवण कुमार (सूरजगढ़): दोबारा जीतकर आएंगे, तब बात सुनेंगे। अभी बैठ जाइए। अभी बहुत दिन लंबे पड़े हैं। अभी तो लोगों की सुनिए।

मैं कहना चाह रहा हूं कि 7 करोड़ 35 लाख जनता की बात सुनने के लिए हम लोगों को यहां भेजा है। आप लोगों को इसलिए नहीं भेजा है कि

(श्री श्रवण कुमार)

मोदी जी क्या कर रहे हैं? धोडाराम क्या कर रहा है, मोलाराम क्या कर रहा है? आपकी बात यह नहीं है। हमारे सदन में ये है कि जनता का हित कैसे हो? हम चाहते हैं कि आपकी सरकार, जैसे ही भजन लाल जी ने 15 तारीख को शपथ समारोह शुरू किया, सारे लोगों ने खूब तालियां बजाई। 20 तारीख को एक बढ़िया आदेश निकाला कि पूर्ववर्ती सरकार ने पानी, बिजली जो भी काम किये, वह बंद किये जाते हैं। जो भी सरकार पूर्व में, कांग्रेस की सरकार थी, एक भी काम बंद नहीं किया। आप कह रहे हैं समीक्षा करेंगे। समीक्षा कितने दिन में करेंगे? आपको मालूम है हवा और पानी, जो महती आवश्यकता है, आपने पानी को बंद कर दिया। पानी के जो कुएं मंजूर कर दिए गए थे, सरकार ने आदेश कर दिया था, ठेकेदारों को वर्क आर्डर कर दिया था, पाइप के वर्क आर्डर कर दिए थे, आपने सारे काम बंद कर दिए। इसमें आपके भी हैं और मेरे भी हैं।

आप यहां इसलिए नहीं आये हो कि केवल मुख्य मंत्री जी को खुश करने के लिए, प्रधान मंत्री जी को खुश करने के लिए, आप अपने गांव की जनता 70 परसेंट लोगों को खुश करने के लिए आये हो। आपको मालूम है आज राजस्थान की पृष्ठभूमि में, कहते हैं कि मोदी जी का आदेश आया है, जयपुर, कोटा, जोधपुर और उदयपुर को आदर्श शहर बनाएंगे, बड़ी सिटी बनाएंगे। आपने कभी सोचा कि गांव के जो गरीब लोग, झोपड़ी, खेत, खलिहान वालों से आप वोट लेकर आये हैं, 70 प्रतिशत लोग गांवों में रहते हैं। आपने कभी सोचा क्या, आज गांवों में गंदा पानी भरा हुआ है, पीने के लिए पानी नहीं है, घूमने के लिए सड़कें नहीं हैं और फिर आप कहते हैं शहर का विकास करेंगे। शहर का ही क्यों करेंगे? शहरों का तो अंग्रेजों के समय में भी था। गांव का विकास क्यों नहीं करते हैं? (व्यवधान) आप गांव का विकास कीजिए। बैठ जाइए। पहली बार आये हैं, दोबारा आएंगे तब बताऊंगा। मैं पहली बार आया तब यह कहता था कि हमारी जनता का भला करने के लिए आया हूं। मैं यह बात नहीं कह रहा हूं। पहली बार आये हो, दूसरी बार भी आओगे, परंतु आपने कभी सोचा क्या कि 70 प्रतिशत जनता गांवों में रहती है गरीब लोग और शहरों में रहती है 30 प्रतिशत सूट वाले। सूट वालों के पास तो जेडीए भी है, नगर निगम भी है। हमारे गांवों के अन्दर पंचायत है। पंचायत का पैसा दिए आपको 6 महीने हो गये। पैसा एक भी नहीं है। डोली लगाने के लिए भी आपने आदेश नहीं दे रखा। मैं गांव में गया था तीन दिन पहले, ...(व्यवधान)

(श्री श्रवण कुमार)

गांव के लोग पानी के लिए प्यासे मर रहे हैं। एक बार सुनिए। आप डिस्टर्ब नहीं करेंगे। सुनने के लिए आये हो या शोर मचाने के लिए आये हैं? नये-नये आये हो। नये खिलाड़ी हो, खेलोगे क्या? पहले प्रेक्टिस में आओ।

श्री मदन दिलावर (शिक्षा मंत्री): आप माननीय सदस्य को ऐसे नहीं बोल सकते।

श्री श्रवण कुमार (सूरजगढ़): आप मंत्री हो। होश में नहीं हो क्या? (व्यवधान) आप पहले वाले मदन दिलावर नहीं हो, मंत्री हो, इतना ध्यान रखिए।

श्री सभापति: वाणी पर नियंत्रण रखते हुए आप अभिभाषण पर बोलिए।

श्री श्रवण कुमार (सूरजगढ़): मैं यह कहना चाह रहा हूं कि गांवों में हमारे अशोक जी ने हास्पिटल खोल दिए।

श्री सभापति: शांत रहिए।

श्री श्रवण कुमार (सूरजगढ़): माननीय सभापति महोदय, इनकी जुबान पर लगाम लगाइए। आप यह मत बोलिए। पहली बार कुर्सी पर बैठे हैं। यह भी कहिए कि सदन को चलाने का काम इनका है, हमारा नहीं है। हम तो शोर भी मचाएंगे। इनको और हाउस को कंट्रोल में रखिए आप। नये-नये आये हैं, 70-72 खड़े हो जाते हैं। इनको कहिए कि दोबारा जीतकर आये तब खूब बोलना। बैठाइए इनको।

मैं यह कहना चाहता हूं कि 30 प्रतिशत जनता शहरों में रहती है और शहरों की जनता के लिए आज भी 11 गुना बजट पास होता है। गांवों की जनता के लिए 2 परसेंट बजट पास होता है। यह कभी सोचा क्या आपने कि झोपड़ी में टपटपाती बगैर बिजली के चिमनी के अन्दर बैठा था, वह बाबा तुमको वोट देकर यहां भेजा है। तुम पहले कभी आये थे क्या? सेवा की है क्या? जिन्होंने सेवा नहीं की, वह दोबारा नहीं आये।

श्री सभापति: माननीय सदस्य, कृपया आसन की ओर निगाह रखिए।

श्री श्रवण कुमार (सूरजगढ़): बाबा की सेवा करने के लिए, 70 प्रतिशत जनता का विश्वास जीतने के लिए हमें गांवों की सेवा करनी पड़ेगी। आप देखिए हमारे महामहिम ने बहुत सारी बातें की हैं कि सरकार ने ये किया। महामहिम ने क्या कहा है? कागज लिखकर दे दिया और पढ़कर चले गये क्योंकि पहले वाले महामहिम तो पढ़ते ही नहीं थे। मैं कलराज साहब को

(श्री श्रवण कुमार)

धन्यवाद दूंगा कि पढ़ा तो सही। वे तो कहते थे कि पढ़ा हुआ मान लिया जाए।

श्री जुबेर खान (रामगढ़): ये तो पढ़ने ही नहीं देते थे।

श्री श्रवण कुमार (सूरजगढ़): पढ़ने ही नहीं देते थे। पढ़ा हुआ मानकर चले जाते थे। मैं कहना चाहता हूं कि आज हमारे गांवों के अन्दर हास्पिटल हैं। हास्पिटल के अन्दर दो बजे तक डाक्टर रहता है। माननीय सभापति महोदय, आप सुनिए। दो बजे के बाद में डाक्टर शहर में चला जाता है। (व्यवधान) मैं इनको धन्यवाद दे रहा हूं क्या? सभी की बात कर रहा हूं। ये भी कंट्रोल नहीं कर पाए। आप देखिए हिन्दुस्तान का भला...(व्यवधान) आप देखिए हिन्दुस्तान का भला तब तक नहीं होगा..

श्री सभापति: बैठे-बैठे कोई माननीय सदस्य नहीं बोलेगा।

श्री श्रवण कुमार (सूरजगढ़): महामहिम ने कहा कि 365 औषधालय खोलेंगे। औषधालय मत खोलिए आप। हास्पिटल मत खोलिए आप। मैं कहता हूं वह काम कीजिए। जनता को सबसे बड़ा जीवन दान है खाद्य पदार्थों में मिलावट करने वाले की सज़ा-ए-मौत होनी चाहिए। दो बातें हैं। एक दूसरी बात ये है कि जब तक इस राजस्थान का भला नहीं होगा क्वालिटी और क्वांटिटी में अंतर होगा, तब तक राजस्थान का भला नहीं हो सकता। तीसरा, यह है कि ऊपर देना है, नीचे देना है, ये जब तक बंद नहीं होगा तब तक भला नहीं हो सकता। चाहे आप राज करें या हम करें।

(समय: 17.00 बजे)

इसमें सबसे जरूरी है कि भ्रष्टाचार पर अंकुश नहीं लगेगा तो चाहे कोई मुख्य मंत्री बने, कोई मंत्री बने। मंत्री को यह रहता है कि मुझे पैसा कमाना है। पैसा कमाने के लिए आया तो सिलिगुड़ी जाता न, यहां क्यों आया है? तेरे को पैसा ही कमाना है तो सिलिगुड़ी जाता, मद्रास जाता, दुबई जाता। जो राजस्थान की धरती पर राजनीति करता है और भ्रष्टाचार करता है, उससे बड़ा देशद्रोही कोई नहीं हो सकता। मैं आज भी कहता हूं और मंत्री को सुन लेना चाहिए, अगर मंत्री ढंग से काम नहीं करेंगे तो हम तो ऐसे ही झाड़ेंगे। अगर हम चोरी करते हैं तो पकड़िए न। आपकी सरकार है, हमको पकड़िए।

श्री जोगाराम पटेल (संसदीय कार्य मंत्री): पकड़ेंगे।

श्री श्रवण कुमार (सूरजगढ़): बैठे-बैठे बोलोगे तो पाप लगेगा, खड़े होकर बोलो। (व्यवधान) मैं कहना चाहता हूं कि राजस्थान की धरती पर कोई

(श्री श्रवण कुमार)

व्यक्ति का सोच नहीं है कि मैं किसी का भला करूं, सब लोग अपना भला करने में लगे हुए हैं। गांव की जनता, 70 प्रतिशत जनता का डाक्टर शहर में जाकर सोता है, कम्पाउंडर शहर में जाकर सोता है, नर्स शहर में जाकर सोती है। पशुओं का डाक्टर शहर में जाकर सोता है। रात में किसी के घर डिलीवरी हो गई, डाक्टर के घर जाएंगे तो चार घंटे तक डाक्टर अपना घर नहीं खोलेगा। यह आपने कभी सोचा क्या, कभी किसी ने सोचा क्या, कभी किसी का ध्यान आया क्या? एम.एल.ए. भी शहर में आकर सोते हैं ...(व्यवधान) हम तो गांव में रहते हैं, आप चिन्ता न करो। हम तो गांव में ही रहते हैं। जब तक यह सोच नहीं बदलेगा, चाहे आपका हो या मेरा हो, जो इस कुर्सी पर बैठा है, मैं चेयर से बात कर रहा हूं, मैन से नहीं कर रहा हूं। मैन चला जाएगा, चेयर यहीं रहेगी। पता नहीं कितने लोग यहां आये और कितने चले गए। हम भी छह बार आ गए, क्या कर लिया...(व्यवधान) एक बार चले भी गए। मैंने यह सोचा है कि जो व्यक्ति राजस्थान का सोच पोजिटिव बदलेगा, पानी का सोच, चिकित्सा का सोच, शिक्षा का, सब सोच, अगर सब सोच पोजिटिव होगा तो राजस्थान का भला अपने आप हो जाएगा।

महामहिम जी ने बहुत सारी बातें कहीं, मैंने पढ़ीं। महामहिम की कोई गलती नहीं है, लिखकर दोगे वह बोल देंगे। सबसे बड़ी गलती किसी की होगी तो हमारे आदरणीय मुख्य मंत्री भजन लाल जी की होगी। मैंने चार दिन पहले भी कहा था कि, भजन लाल जी आपने पानी के, सड़कों के, सब कार्य बन्द कर दिए, उनकी समीक्षा हो रही है। समीक्षा भी करवाते रहें पर पानी की समीक्षा नहीं होनी चाहिए। जो काम है वह चालू कर देने चाहिए, मेरी आपसे यह विनती है। आप लोग चाहते हो कि नहीं चाहते हो? भजन लाल जी आपको घर से नहीं निकालेंगे, हम नहीं निकालेंगे। पांच साल के लिए आपको चुनकर भेजा है, अविश्वास आपका आएगा नहीं, सच्चाई बोलते रहो। यह मन की इच्छा है आपकी? पानी पर स्टे दे रखा है वह टूटे। यह बात सही है क्या? (व्यवधान) पांच साल तक आप पर कोई भी स्टे नहीं आएगा, कोई आपका अविश्वास नहीं आएगा।

श्री सभापति: माननीय सदस्य, आपको इनसे जवाब चाहिए क्या? आप तो अपनी बात रखें। आपको इनसे जवाब चाहिए क्या?

श्री श्रवण कुमार (सूरजगढ़): मैं इनको कह रहा हूं न। यही बात मैं कह रहा हूं। इनको तकलीफ हो रही है तो कहो ना।

श्री सभापति: एक सैकण्ड विराजें। (व्यवधान) माननीय सदस्य, एक सैकण्ड विराजें। आप बहस में कह रहे हैं वह यहां अंकित भी हो रहा है, वह बहस रिकार्डिंग्स पर, लाइव पर यू-ट्यूब के द्वारा जा भी रही है। यह सीधे-सीधे अपने क्षेत्र की जनता देख रही है। मेरा निवेदन यह है कि अपन आपस में बात न करके अच्छी से अच्छी बात करें।

श्री श्रवण कुमार (सूरजगढ़): उनको डांटो, खड़े वह होते हैं।

श्री सभापति: उनसे भी और आपसे भी निवेदन है, दोनों से निवेदन है। मैं आपके लिए नहीं कह रहा, उनके लिए भी नहीं कह रहा। मेरा आपसे यही आग्रह है कि आप जो भी विषय रखें वह कृपया करके जनता जनार्दन के लिए रखें।

श्री श्रवण कुमार (सूरजगढ़): जनता जनार्दन की बात ही तो कह रहा हूं। मैंने कब कहा मेरे घर में एक ट्रक गेहूं का भेजो। मैंने कहा है क्या? मैं जनता की बात कर रहा हूं। थोड़ी देर पहले हमारे मील साहब बोल रहे थे कि मोदी जी ने यह किया। मोदी जी ने, हमारे किसान का बेटा मिलिट्री में सबसे ज्यादा भर्ती होता है, उसको चार साल का कर दिया, चीलकतरा बनाकर घर भेजा दिया, क्या है? अगर आप जाकर गांव के लोगों से पूछोगे कि विधान सभा से आये हैं और यह कहकर आयें कि मोदी जी ने बहुत काम किया, तो आपकी कितनी इज्जत करेंगे, मालूम है क्या। चार साल के बच्चे को नौकरी करवाकर, चीलकतरा बनाकर भेज देंगे। न तो उसकी शादी होगी, न वह कमाने लायक रहेगा, वह पिस्टल लेकर गुण्डागर्दी करेगा। देश का सबसे बड़ा नाश तो यह हुआ कि युवाओं के साथ, मिलिट्री के साथ कुठाराघात किया। मोदी जी ने किया न। दो दिन से बातें कर रहे हैं, मन्दिर की बातें कर रहे हैं। मन्दिर की सुन ली न। हम भी धर्म को मानते हैं। धर्म मानने में आपसे छोटे नहीं हैं, आपकी उम्र से ज्यादा हम धर्म को मानते हैं। यह कब से आ गया, गले में हड्डी डाल देंगे तो अच्छा मीट खाने वाला मालूम होगा क्या? आपको मान लिया कि आप बहुत अच्छे धर्म को मानने वाले हो। लला को देखेंगे, लला जीम रहे हैं, लला जा रहे हैं, आपने लला को भी बेशर्म कर दिया। अधूरे मन्दिर में ही आपने लला को कर दिया। चुनाव के स्टैंड नहीं मानकर जनता का हित कहां होता है, आप वह करिए। चुनाव कौन जीतेगा, कौन हारेगा, कौन आता है, कौन चला जाता है, देश में कितने सालों से लोग हार रहे हैं, जीत रहे हैं। मैं एक बात कहना चाहता हूं कि यह हार जीत का सौदा नहीं है। यह सौदा इस बात का है कि देश का भला कैसे हो।

(श्री श्रवण कुमार)

मोदी जी की बातें कर रहे हो। कह रहे हो मोदी जी, भजन लाल जी एक जैसे ही हैं, एक जैसे नहीं है। एक जैसे नहीं है। भजन लाल जी भजन लाल जी है, मोदी जी मोदी जी है। मोदी जी का पूरा इतिहास पढ़ोगे तो मोदी जी का मालूम हो जाएगा, भजन लाल जी तो नये आदमी है। क्या इतिहास पढ़े। आप मोदी जी को और भजन लाल जी को बराबर क्यों मान रहे हो? हम तो एक बात करते हैं मोदी जी अलग चीज है और भजन लाल जी अलग चीज हैं। आप क्या हो, अपना गिरेबान झांक कर आप अपना काम करना सीखो।

सभापति महोदय, मैं इतना ही कहना चाहता हूं कि सुबह से दुनिया भर की बातें कर रहे थे, मन्दिर की बात कर रहे थे, मोदी जी की बात कर रहे हैं। आप क्या हो? आप किसी के पैरासाइट बनकर जीना चाहते हो? पैरासाइट आदमी जीना चाहता है तो उसका जीना क्या है। ...(व्यवधान) बेनीवाल जी बैठिए। 'तकलीफ़ें जिन्हें सहने की आदत नहीं, तूफ़ानों से उसको टकराने की जरूरत नहीं, जो लोग जीया करते दूसरों के सहारे, उसको जमाने की जरूरत नहीं।' ...(व्यवधान) सुनो। 'तकलीफ़ें जिन्हें सहने की आदत नहीं, तूफ़ानों से उसको टकराने की जरूरत नहीं, जो लोग जीया करते हैं दूसरों के सहारे, उसको जमाने की जरूरत नहीं।' हम जमाना पैदा करते हैं। कांग्रेस ने हमेशा ऐसा जमाना पैदा किया है। यह 150 साल पुरानी पार्टी, आप कल के... (व्यवधान)

श्री जोगाराम पटेल (संसदीय कार्य मंत्री): यह क्या है?...(व्यवधान)

श्री श्रवण कुमार (सूरजगढ़): सभापति महोदय, यह क्या कहना चाहते हैं? पानी ...(व्यवधान)

श्री सभापति: विराजिए। ...(व्यवधान) अपने स्थान पर विराजें।

श्री श्रवण कुमार (सूरजगढ़): आप क्यों खड़े हो रहे हो?

श्री मदन दिलावर (शिक्षा मंत्री): जेल जाने वाले हो ...(व्यवधान) डोटासरा जी, जेल जाने वाले हो।

श्री जोगाराम पटेल (संसदीय कार्य मंत्री): हाउस में यह परम्पराओं के विरुद्ध है। परम्पराओं के विरुद्ध है। हाउस में किसी तरह का सेवन करना नियमों और परम्पराओं के विरुद्ध है। (व्यवधान)

श्री श्रवण कुमार (सूरजगढ़): पानी निषेध है क्या? आप बड़े विद्वान आदमी हो। पानी ही पी रहे हैं न, और क्या कर रहे हैं।

श्री जोगाराम पटेल (संसदीय कार्य मंत्री): हां, पानी पीना मना है, बिना परमिशन नहीं पी सकते पानी, यह मना है नियमों में।

श्री श्रवण कुमार (सूरजगढ़): साहब से पूछकर पीना पड़ेगा क्या?

श्री जोगाराम पटेल (संसदीय कार्य मंत्री): नियमों में अध्यक्ष महोदय की परमिशन से ...(व्यवधान)

श्री श्रवण कुमार (सूरजगढ़): तो मरूंगा क्या? (व्यवधान)

श्री जोगाराम पटेल (संसदीय कार्य मंत्री): हमको नहीं पता क्या होना है आपका, वह तो आप ही जानो ...(व्यवधान)

श्री श्रवण कुमार (सूरजगढ़): यहां मुख्य मंत्री बजट सुनाता है तो चार बार पीता है। आपका बजट आएगा 8 तारीख को, आपकी मंत्री पीएंगी... (व्यवधान) क्या बात करते हो, छोटी बातों में लग गए। बड़ा काम करो, बड़ा दिल रखो न। पानी पी रहे हैं, दारू थोड़े ही पी रहे हैं। मैं पानी पी रहा हूं, दारू पी रहा हूं क्या?

श्री जोगाराम पटेल (संसदीय कार्य मंत्री): अभिभाषण पर बोलो, अभिभाषण पर। (व्यवधान)

श्री श्रवण कुमार (सूरजगढ़): मैं दारू पी रहा हूं क्या? पानी पी रहा हूं...(व्यवधान)

श्री जोगाराम पटेल (संसदीय कार्य मंत्री): टाइम हो गया तो पीओगे, मैं क्या करूं? (व्यवधान)

श्री श्रवण कुमार (सूरजगढ़): मंत्री बन गए, अभी होश में आए नहीं ...(व्यवधान) इनको अभी मालूम नहीं है, इनको मालूम नहीं है हम क्या बन गए। आप मंत्री बन गए, राजस्थान आपकी प्रतीक्षा कर रहा है कि मेरा मंत्री क्या बोलेगा, आप अभी समझ नहीं पाए हो।

श्री जोगाराम पटेल (संसदीय कार्य मंत्री): हमको आपका सर्टिफिकेट नहीं चाहिए। (व्यवधान)

श्री श्रवण कुमार (सूरजगढ़): चाहिए तो ले लो, नहीं चाहिए तो छोड़ दो। मैं आपकी जेब में थोड़े ही डाल रहा हूं। अगर आपको मेरी बात अच्छी लगे तो ले लो नहीं तो जेब में डालकर चला जाऊंगा ...(व्यवधान)

श्री सभापति: माननीय सदस्य, आप अपनी बात रखिए। (व्यवधान) माननीय सदस्य, आप विराजें। माननीय महामहिम के अभिभाषण पर बोलिए आप।

श्री श्रवण कुमार (सूरजगढ़): महामहिम के भाषण पर बोलना शुरू करता हूं तो तकलीफ शुरू हो जाती है। तकलीफ क्यों उठा रहे हो। मैं यह कह रहा हूं राजस्थान की आजादी के बाद कभी किसी ने सोचा क्या कि गांव का डाक्टर शहर में जाकर सोता है, गांव का कम्पाउंडर शहर में जाकर सोता है। फिर आप यह कहोगे कि आपने क्या किया। हमने हमारे कर्म किये थे, इधर आ गए ना। मना कब कर रहे हैं, हम आ गए न। आप भी इधर आना चाहते हो क्या? अभी एक कह रहे थे कि जनता ने बहुत बड़ा मेंडेट दिया। जनता ने दिया ना, इन्होंने गड़बड़ की जब आपको दिया न। आप क्या करना चाहते हो? हमारे जैसे ही करोंगे, आप भी यही करोंगे क्या? फिर आप इधर आ जाओगे। (व्यवधान) ऐसा कर्म कर बन्धु, पहचान बन जाए, कदम ऐसे रख इन्सान बन जाए, यूं तो सभी लोग जिंदगी जीते हैं, जिंदगी ऐसी जी कि मिसाल बन जाए। ऐसा बनो, खुद जीना सीखो। हमारा मिशन था, हमने किया। हमने पानी के लिए बहुत कुछ किया, आपको दिख नहीं रहा है।

सदियों बाद उतरे हैं गहरे पानी में, वतन की प्यास बुझाकर रहेंगे, जो सिर झुके नहीं, झुकाये गये थे, उन सिरों को ऊंचा उठाकर रहेंगे। जाति और धर्म का जो जहर फैलाया, उस जहर को मिटाकर रहेंगे, जिन घरों में सदियों से अंधेरा रहा, वहां चिराग जलाकर रहेंगे। हम हमारा यह मिशन लेकर चले थे, पर जनता ने नहीं सोचा। जनता खुद अपने आप पछताएगी। पांच साल में जब आप चलोगे तो पूत का पग पालने में ही दिख जाता है। अगर आप ऐसे चल रहे हो तो, ऐसे ही चलते रहेंगे तो कुछ भी नहीं कर पाओगे। कुछ भी नहीं कर पाओगे। आपने सब पर स्टे कर दिया। पानी पर कर दिया, सड़क पर कर दिया, चिकित्सा पर कर दिया, शिक्षा पर कर दिया, तो आप लोगों को ही जवाब देना है। केवल पांच साल की तनख्वाह उठाने के लिए नहीं आये हो, आपको जनता को जवाब देना है और आप जवाब जब ही दे पाओगे जब आप कुछ करोगे और आप अपने मंत्रियों को इंडिकेट करोगे। आपका मुख्य मंत्री तो नया आदमी है, उनको तो मैं कुछ नहीं कहूंगा। क्यों नहीं कहूंगा, क्योंकि नया आदमी है। नये व्यक्ति को मालूम नहीं होता है कि बम्बई कहां है, कलकत्ता कहां पर है, मद्रास कहां पर है? ये अभी कलकत्ता, मद्रास तीन-चार बार जाएंगे, दो-तीन बार बनेंगे जब मद्रास देखेंगे। इसलिए मैं आपको इतना ही कहना चाहता हूं कि आप समझदार आदमी हो इसलिए आपको संसदीय कार्य मंत्री बनाया है, आप इनको समझाएं। सुबह अध्यक्षजी बोल रहे थे कि खड़े हों, खड़े हों पर यही नहीं मालूम कि किसके पास कौनसा डिपार्टमेंट है। वह उसके मुंह की तरफ देखता है, तो ऐसे नहीं चलेगा।

श्री जोगाराम पटेल (संसदीय कार्य मंत्री): माननीय सभापति महोदय, क्या ये अभिभाषण पर बोल रहे हैं? ये अभिभाषण पर बोल रहे हैं क्या? (व्यवधान)

श्री सभापति: आप अभिभाषण पर अपनी बात रखें।

श्री श्रवण कुमार (सूरजगढ़): वे जो सुबह मन्दिर पर बोल रहे थे, वह क्या अभिभाषण था? सुबह मोदी के ऊपर बोल रहे थे, वह अभिभाषण था क्या?

श्री जोगाराम पटेल (संसदीय कार्य मंत्री): आप ये कौनसे अभिभाषण पर बोल रहे हैं?

श्री श्रवण कुमार (सूरजगढ़): हम करें वह तो रासलीला और आप करो वह सत्संग। (व्यवधान)

श्री जोगाराम पटेल (संसदीय कार्य मंत्री): आप अभिभाषण पर बोलिये। (व्यवधान)

श्री सभापति: विराजये-विराजिये। माननीय सदस्य, आप विराजिये। इनको बोलने दें। (व्यवधान)

श्री श्रवण कुमार (सूरजगढ़): अभी तो मेरा टाइम ही नहीं हुआ। आधे घंटे का टाइम है मेरा। मेरा टाइम आधे घंटे का है, यह आपने ही कहा था। मैं आधा घंटा बोलूंगा, आधा घंटा मेरा टाइम है।

माननीय संसदीय कार्य मंत्रीजी, आपको ...(व्यवधान)

श्री जोगाराम पटेल (संसदीय कार्य मंत्री): आप सभापति महोदय को इंडिकेट करिये।

श्री श्रवण कुमार (सूरजगढ़): मैं इनको ही इंडिकेट कर रहा हूं, आप तो जबरदस्ती मेरे को ले लेते हो इधर।

श्री सभापति: आप इधर देखें, माननीय सदस्य।

श्री श्रवण कुमार (सूरजगढ़): मेरी नजर आप खींच लेते हो, मैं तो इधर ही बोल रहा हूं। मैं चेयर को सम्बोधित कर रहा हूं आपको नहीं, पर What do you want?

श्री सभापति: माननीय सदस्य, आप इधर देखें। आप बोलें।

श्री श्रवण कुमार (सूरजगढ़): माननीय सभापति महोदय, मैं यह कहना चाहता हूं कि इनको तकलीफ नहीं होनी चाहिए। मैं इन नयेनये आदमियों को सुझाव दे रहा हूं, इनको लेना चाहिए। यह मीठी आवाज नहीं है।

(श्री श्रवण कुमार)

एक तो कड़वा होता है और एक मीठा होता है। जो जहर खाता है वह तो मरता है लेकिन कड़वी चीज खाता है, वह हमेशा जिंदा रहता है। इनको आप गुड़ मत खिलाओ, गुड़ खिलाओगे तो इनका मुंह खराब हो जायेगा। मैं इनको कड़वी बात कह रहा हूं। राजस्थान की पृष्ठभूमि में फिर से दोबारा आना है एम.एल.ए. बनना है तो चाहे मंत्री हों या चाहे मुख्य मंत्री हों या चाहे हम लोग हों, कड़वी बात कही है लेकिन वह सत्य है। जो लोग असत्य बोलते हैं, जो लोग आश्वासन देते हैं, जो लोग लोगों को धोखा देते हैं और गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार करते हैं तो वे भुगतते हैं, वे कभी दोबारा जीतकर नहीं आते हैं। यह जनता बहुत समझदार है। आप कहते हो कि बोल नहीं सकती, तो वह बोल इसलिए नहीं सकती कि जनता किसको बोले?

हमने भी गलती की है तो हमको दंड दिया है। इसलिए मैं ज्यादा नहीं कहूंगा पर आपको इतना ही कहना चाहूंगा कि आप लोग राजस्थान की जनता का भला चाहते हो तो मोदीजी को एक चिट्ठी लिखो कि चार साल वाली इस फौज को बंद कर दें।

श्री सभापति: कन्क्लूड कीजिए।

श्री श्रवण कुमार (सूरजगढ़): मुख्य मंत्रीजी को यह कहो कि जिन लोगों ने, आपने जो स्टे कर रखा है सड़क, बिजली, पानी, चिकित्सा, शिक्षा, वह स्टे हटाएं और राजस्थान की जनता को नया आयाम दें और नये मुख्य मंत्री बने हैं, नयी सरकार बनी है, नये काम से लोगों की सोच बदलें और अच्छे काम करके राजस्थान में वाहवाही कमायें, यही मेरी विनती है पर आपके संसदीय कार्य मंत्रीजी को मेरे से बड़ी पीड़ा हो रही है। धन्यवाद, जय हिन्द, जय भारत।

श्री सभापति: श्रीमती दीप्ति किरण माहेश्वरी।

श्रीमती दीप्ति किरण माहेश्वरी (राजसमन्द): मोदीजी की गारंटी के सुखद परिणाम आ गये हैं, कांग्रेस के कुशासन पर अब विराम आ गये हैं। भय और भ्रष्टाचार से प्रदेश अब हो जायेगा मुक्त, राम राज के लिए राष्ट्र के राजा प्रभु श्रीराम आ गये हैं।

सोलहवीं विधान सभा के इस सत्र में राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए सर्वप्रथम सदन के माननीय अध्यक्ष एवं सभी सदस्यगण का आशीर्वाद लेना चाहूंगी। मेरे से पूर्व जिन वक्ताओं ने बोला, हमारे सूरजगढ़ से आने वाले आदरणीय विधायक महोदय, उन्होंने हमारे

(श्रीमती दीप्ति किरण माहेश्वरी)

पूरे हां पक्ष को पहले से ही आशीर्वाद दे दिया कि हम बहुत अच्छे से काम करेंगे, उसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद और आभार। आपने बहुत अच्छी-अच्छी बातें कही हैं, बहुत सारी बातें नोट करने लायक भी हैं और शायद आप कन्क्लूड नहीं कर पाये अपनी चर्चा को, अपने इस वक्तव्य को तो मैं कन्क्लूड कर देती हूं। इन्होंने यही सब बातें कहीं कि पांच साल में कांग्रेस ने जिस तरीके से भ्रष्टाचार करा, जिस तरीके से महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार करा, जिस तरीके से उत्पीड़न करा, उसी की वजह है कि वे ना पक्ष में हैं और हम विश्वास दिलाते हैं आपको कि यह पांच साल ही नहीं, अगले आने वाले पन्द्रह साल भी हम यहां हां पक्ष में ही बैठेंगे। इस बात की गारंटी हम देते हैं और यह गारंटी हम इसलिए दे सकते हैं क्योंकि हमारे आदरणीय प्रधान मंत्री मोदीजी की गारंटी पर सबको भरोसा है। बोलने की बात नहीं, आप लोग खुद ही इस बात को बहुत अच्छी तरीके से जानते हैं कि किस तरीके से हमारे प्रधान मंत्री मोदीजी की कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं है और अगर अंतर था तो कांग्रेस की सरकार ने किया। बहुत सारे वादे, बहुत सारी बातें और बहुत सारी चर्चाओं पर बहुत जनों ने यहां पर बोला।

मैं तो कुछ पल क्योंकि मैं शायद सबसे, अब तो नहीं बोल सकती यंग विधायक, पिछले सत्र में तो सबसे कम एक्सपीरियंस की विधायक थी, लेकिन उस ढाई साल में जो मैंने देखा, हमारे नेता, प्रतिपक्ष भी यहां पर विराजमान हैं, इन्हीं की बात से मैं शुरू करती हूं। एक प्रश्न था मेरा पिछली विधान सभा के सत्र में कि कितनी स्कूटी बंटी? 29 स्कूटी ही राजसमन्द में बंटी थी जबकि 250 का वादा था। आपके यहां के जो पर्यटन मंत्री थे, इस सदन में उन्होंने यह कहा था, यह बात बाकायदा रिकार्ड हुई थी कि राजसमन्द की झील के लिए दस करोड़ रुपये हम देंगे जिससे उसका सौन्दर्यीकरण हो सके। आज तक भी, जब तक आपकी सरकार रही, तब तक भी उसके बारे में न तो कभी कोई चर्चा हुई और न कोई पत्र आया और जितनी बार मैंने पत्र लिखा, उतनी बार वहां से कभी कोई जवाब नहीं आया।

बहुत सारे वादे आप लोगों ने किये थे। महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल, यह हालत थी उस इंग्लिश मीडियम स्कूल की कि सिर्फ घोषणा कर दी गयी, बच्चों को वह स्कूल छोड़ना पड़ा, बच्चों को प्राइवेट स्कूल की तरफ मुंह देखना पड़ा क्योंकि जो बच्चे दसवीं तक हिन्दी पढ़ते थे,

(श्रीमती दीप्ति किरण माहेश्वरी)

अचानक आपने उस स्कूल को इंग्लिश करके वहां पर न तो टीचर्स प्रोवाइड करे और न ही और कोई दूसरी बातें करीं, यह झूठ आपने बोला। हमारी तरफ से, हमारी मोदीजी की सरकार ने और न ही भारतीय जनता पार्टी के किसी विधायक ने कोई झूठ बोला।

मेडिकल कालेज की बहुत बड़ी बातें हुईं। राजसमन्द भी उसमें से एक था, जिसमें मेडिकल कालेज खुलेगा, इसकी बहुत बड़ी घोषणा की गयी। बड़ेबड़े होर्डिंग्स लगाये गये, लेकिन कहीं पर भी आपके पत्रों में यह नहीं लिखा, कहीं भी यह बात नहीं आयी कि किस तरीके से क्या कार्य प्रणाली होगी कि यह मेडिकल कालेज धरातल पर उतरेंगे, ऐसे कितने झूठे वादे किये? अगर, हम ज्यादा बात करें तो अभिभाषण पर बात मैं नहीं कर पाऊंगी, कांग्रेस सरकार पर ही मेरा पन्द्रह मिनट चला जायेगा, तो मैं आपको ...(व्यवधान) आपके समय में आप बिलकुल बोल सकते हैं। मेरे समय में मुझे आप बात करने का पूरा मौका दें। अभिभाषण की चर्चा के बीच में यह नियम ही नहीं है कि आप ...(व्यवधान)

श्री टीकाराम जूली (नेता, प्रतिपक्ष): आप झूठ नहीं कहें, असत्य बोलें।

श्रीमती दीप्ति किरण माहेश्वरी (राजसमन्द): झूठ को झूठ बोलना पड़ता है बार-बार।

श्री टीकाराम जूली (नेता, प्रतिपक्ष): पर यहां पर नहीं बोल सकते। यहां पर असत्य बोलें।

श्री जुबेर खान (रामगढ़): असत्य बोलें।

श्रीमती दीप्ति किरण माहेश्वरी (राजसमन्द): असत्य बोलें? ठीक है।

श्री जुबेर खान (रामगढ़): यहां पर तो असत्य ही बोलते हैं।

श्रीमती दीप्ति किरण माहेश्वरी (राजसमन्द): ठीक है। असत्य। जैसा मैंने आपको अभी कहा कि मैं तो छोटी हूं, आप लोग जैसा सिखाएंगे, वैसा जरूर से अच्छी स्टूडेंट की तरह सीखेंगे। झूठ को अब से असत्य बोलेंगे।

श्री टीकाराम जूली (नेता, प्रतिपक्ष): बहुत बढ़िया।

श्रीमती दीप्ति किरण माहेश्वरी (राजसमन्द): तो आप लोगों ने क्योंकि इतना असत्य बोला है कि आप लोगों की वोकेबुलरी में पूरी अच्छी तरीके से यह फिट है कि यह असत्य वर्ड अब हमें नहीं बोलना है, तो मैं हमारे सब विधायकगण को, हां पक्ष को भी यह बोलूंगी कि हम कभी भी असत्य नहीं बोलें, सत्य की राह पर ही सदा चलें।

(श्रीमती दीप्ति किरण माहेश्वरी)

डी.एम.एफ.टी. के पैसे की बात करें तो जिस तरीके से बार-बार घोषणाएं की गयीं और अभी आप यह बोल रहे थे कि जल जीवन मिशन के कांट्रेक्ट्स कैन्सिल किये गये, पानी बंद किया गया, तो सबसे पहले तो मैं एक बात कहना चाहूंगी कि कोई भी पानी बंद नहीं हुआ है। पुराने वर्क आर्डर्स क्योंकि भ्रष्टाचार था, कांट्रेक्टर्स ने गलत रेट दी, पिछली सरकार ने जहां पर पाइप लाइन्स डाली थीं, वहीं पर पाइप लाइन्स के वापस से आर्डर लिये गये और उधर नयी पाइप लाइन्स डालने की बात की गयी, इसलिए इस भ्रष्टाचार को रोकने के लिए हमारे माननीय आदरणीय मुख्य मंत्री महोदय ने यह कोशिश की है कि जीरो टॉलरेंस रखेंगे और ऐसे वर्क आर्डर्स जारी नहीं होने देंगे।

आप यह कहते हैं कि हम लोगों ने आने के बाद आप लोगों की चालू की गयी चीजों को अचानक बंद कर दिया, आपकी योजनाओं को बंद कर दिया तो मैं आपको यह बताना चाहूंगी कि 2018 में जब आपकी सरकार आयी तो मैं पूरे राजस्थान की बात नहीं करूंगी चूंकि मैं राजसमन्द का प्रतिनिधित्व करती हूं, तो राजसमन्द के अन्दर डी.एम.एफ.टी. से की गयी घोषणाएं, करीबन 60 करोड़ रुपये की घोषणाएं मेरे विधान सभा क्षेत्र की कैन्सिल की गयीं, तुरंत आते ही विद् इन दस दिन में आपने यह आर्डर निकाले थे कि अब से कोई भी योजनाएं नहीं होंगी, तो क्या वह जन कल्याणकारी योजनाएं नहीं थीं? हम सिर्फ यह बात कह सकते हैं।

एम.ओ.यू. की बात की गयी थी। पन्द्रहवीं विधान सभा में यह कहा गया था कि 1,500 करोड़ रुपये का एम.ओ.यू. हमने साइन करा है। नयी इंडस्ट्रीज आएंगी, नयी फैक्ट्रीज लगेंगी, लेकिन युवाओं को जिस तरीके से आपने पेपर लीक करके या बेरोजगारी भत्ते की बात करके या एम.ओ.यू. का सपना दिखाकर कि हम रोजगार के अवसर बढ़ाएंगे, आपने सिर्फ और सिर्फ असत्य बोला है, सत्य कहीं पर नहीं बोला है।

इसी प्रकार अभिभाषण की हम बात करें तो मैं कहना चाहूंगी कि किसी तरह से महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार हुआ, दुराचार हुआ। हमारे प्रधान मंत्री मोदीजी जब से प्रधान सेवक के रूप में इस देश की सेवा कर रहे हैं, उनकी गारंटी पर इस जनता को भरोसा क्यों नहीं हो, उन्होंने आते ही महिलाओं के लिए ही नहीं, हर वर्ग के लिए उन्होंने अच्छे कार्य किये हैं, नई योजनाएं लाये हैं जिससे उनका जीवन बहुत अच्छी तरह से बीत सके।

(श्रीमती दीप्ति किरण माहेश्वरी)

महिलाओं के लिए प्रधान मंत्री मोदीजी उज्ज्वला गैस योजना, जल जीवन योजना, सुरक्षा बीमा योजना, मातृ वंदना योजना, सुकन्या योजना, तीन तलाक को हटाना, ऐसे कितने काम किये हैं, इस वजह से इस देश की महिलाओं को मोदीजी की गारंटी पर पूरा भरोसा है। मैं आपको यह बात कहना चाहूंगी कि असत्य हम नहीं बोलते, हमने जो बात कही वह करके दिखाया। कल 22 जनवरी को जो काम हुआ, सिर्फ इस देश की नहीं, पूरे विश्व की नजरें हमारे भारत देश पर थीं क्योंकि हमने बोला था कि मन्दिर वहीं बनायेंगे और आज हमारा पूरा देश, पूरा विश्व राममय होने जा रहा है। इस गारंटी पर लोगों को भरोसा है।

सूरजगढ़ से आने वाले माननीय सदस्य डाक्टर्स की बात कर रहे थे। वाकई में स्थिति बहुत बुरी है। क्यों ठीक नहीं की गयी? पांच साल मिले थे आपको। आपको पूरा टाइम मिला था कि आप डाक्टर्स को प्लेस कर सकें। राजसमन्द में जब उप चुनाव हुए तो 19 डाक्टर्स लगाये गये। बड़ी-बड़ी घोषणा की गयी। बहुत सारे मंत्री महोदय आये थे। उन्होंने वहां पर बोला कि 19 डाक्टर्स हम आपको दे रहे हैं और बहुत अच्छी सुविधाएं करेंगे। उनमें से धरातल पर एक डाक्टर ने ज्वाइन नहीं किया। 17 डाक्टर्स तो कभी आये ही नहीं। दो डाक्टर्स लगातार डेपुटेशन पर रहे और स्थिति वही की वही थी तो मौका तो आपको जनता ने दिया था। इस राजस्थान की जनता ने मौका दिया था, लेकिन सिर्फ बात करने से काम नहीं चलता, काम करके दिखाना पड़ता है। इसीलिए मोदीजी की गारंटी पर सबको भरोसा है क्योंकि काम करके दिखाया है तो भारतीय जनता पार्टी ने दिखाया है। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं और उनके मंत्रियों और उसकी सरकार ने करके दिखाया है।

आज मैं यह देखकर बहुत सरप्राइज हूं कि जैसे ही राम भगवान का नाम आता है, मन्दिर का नाम आता है आप सब जने अपनी-अपनी सीट से खड़े हो जाते हैं, सुनना नहीं पसन्द करते। आपका एक नेतृत्व इन्विटेशन नहीं पसन्द करता। आप लोग उनका नाम लेना पसन्द नहीं करते तो आप बताइये कि क्या हमें बोलना चाहिए, आप किस तरीके से सत्य सुन सकते हैं, हम उस तरीके से सत्य को आपके सामने रखने की कोशिश करेंगे।

श्री जुबेर खान (रामगढ़): आप सीता माता का नाम साथ में लिया करो। हम साथ बोला करेंगे।

श्री अविनाश गहलोत (सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री): वह क्या है कि मंथराजी ने मना कर दिया था कि रामजी के कार्यक्रम में नहीं जाना है। ये मंथराजी की टीम के लोग हैं न।

श्री जुबेर खान (रामगढ़): शंकराचार्यजी ने मना कर दिया था इसलिए नहीं गये। शंकराचार्यजी बड़े हैं या मोदीजी बड़े हैं? बता दीजिए। हम शंकराचार्यजी को मानते हैं, जो बहुत पहले से परम्परा को चला रहे हैं, जो धर्म के प्रतीक हैं, हम उन शंकराचार्यजी को मानते हैं। मोदी को आप पूजो, हम शंकराचार्य को पूजते हैं।

श्री सभापति: विराजिये।

श्रीमती दीप्ति किरण माहेश्वरी (राजसमन्द): नेता, प्रतिपक्ष महोदय, आप हमें नियम बता रहे हैं और ये नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं। अभिभाषण पर बात करते हैं। मैंने आपको कहा न कि राम भगवान का नाम आते ही इन लोगों को पता नहीं इनके भाव अलग क्यों हो जाते हैं। कोई बात नहीं। हम सरकार की बात करेंगे और आपके काम की बात करेंगे।

मोदीजी ने सिर्फ यह बात कही नहीं, करके दिखाई कि भारत आज पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और आने वाले दिनों में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगा और कांग्रेस की सरकार ने, जब आप 2018 में आये थे तब करीब सरकार पर 3 हजार 110 अरब रुपये का कर्ज था जिसको विदाई के समय आपने उसको बढ़ा कर 5 हजार 800 अरब रुपये का कर दिया है। यह आपने किया। हमारे मोदीजी निरन्तर यह प्रयास करते रहे हैं कि हम किस तरीके से आखिरी ...(व्यवधान)

श्री सभापति: माननीय सदस्य।

श्रीमती दीप्ति किरण माहेश्वरी (राजसमन्द): माननीय सदस्य, आपको पूरा टाइम मिलेगा। आपके यहां पर ज्यादा लोग तो बोलने वाले नहीं हैं, आपको ज्यादा समय मिलेगा। मुझे यकीन है इस बात का। मैंने कहा कि आप मेरे टाइम में क्यों बोल रहे हो?

सभापति महोदय, मैं आपसे बात कर रही हूं और यहां से सीधे-सीधे नियमों का उल्लंघन हो रहा है।

श्री सभापति: आप बोलिए। शांत रहें।

श्रीमती दीप्ति किरण माहेश्वरी (राजसमन्द): आप बतायें कि किस तरीके से कर रहे हैं। अभी इन्होंने सिखाया कि आपका शब्दकोष ऐसा होना चाहिए, फिर मुझे डिस्टर्ब कर रहे हैं।

श्री सभापति: बोलिए आप। जारी रखें।

श्रीमती दीप्ति किरण माहेश्वरी (राजसमन्द): सभापति महोदय, जिस तरीके से हमारे माननीय मुख्य मंत्रीजी ने आते ही जीरो टोलरेंस की बात कही कि भ्रष्टाचार में जीरो टोलरेंस रहेगा। ऐसी योजनाओं के बारे में सिर्फ बोला ही नहीं, करके दिखाया है। प्रशासन और पुलिस डिपार्टमेंट को किस तरीके से काम करना चाहिए, उस बारे में निरन्तर काम हो रहे हैं और यह सरकार बहुत अच्छे तरीके से जानती है।

सभापति महोदय, ऊर्जा की आत्मनिर्भरता की बात करना चाहूंगी। बिजली एक बहुत बड़ी समस्या थी। पिछले पांच वर्षों में किसी तरीके से किसानों को बिजली नहीं मिल पायी और इनके वायदे, एक और वादा झूठा नहीं था, असत्य था। किसी भी प्रदेश का विकास और वहां के निवासियों का जीवन स्तर अगर सही करना हो तो ऊर्जा को उपलब्ध कराना चाहिए और उसकी उपलब्धता सुनिश्चित करनी चाहिए।

श्री रोहित बौहरा (राजाखेड़ा): पाइन्ट आफ आर्डर।

श्री सभापति: आप विराजिए। ऐसे पाइन्ट आफ आर्डर थोड़े ही होता है। आप विराजिए प्लीज।

श्रीमती दीप्ति किरण माहेश्वरी (राजसमन्द): कुशल प्रबन्धन, भ्रष्टाचार पर अंकुश, अक्षय ऊर्जा क्षेत्र का विस्तार से निश्चय ही ...(व्यवधान)

सदन की कार्यवाही

विधान सभा की बैठक के निर्धारित समय में वृद्धि

श्री जोगेश्वर गर्ग (सरकारी मुख्य सचेतक): माननीय सभापति महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं कि माननीय सदस्य श्रीमती दीप्ति किरण माहेश्वरी का वक्तव्य पूरा होने तक सदन का समय बढ़ाया जाए।

श्री सभापति: प्रश्न यह है कि समय बढ़ाया जाए?

(स्वीकृत)

जब तक माननीय सदस्य अपना अभिभाषण खतम नहीं करें, तब तक सदन का समय बढ़ाया जाता है।

माननीय राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर वाद-विवाद

श्रीमती दीप्ति किरण माहेश्वरी (राजसमन्द): बहुत-बहुत धन्यवाद आपका। बहुत-बहुत आभार आप सबका।

(श्रीमती दीप्ति किरण माहेश्वरी)

माननीय सभापति महोदय, मुझे बहुत प्रसन्नता है कि महामहिम राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में प्रदेश को विद्युत उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प व्यक्त किया है। कुशल प्रबन्धन, भ्रष्टाचार पर अंकुश, अक्षय ऊर्जा क्षेत्र के विस्तार से निश्चित ही प्रदेश बिजली आपूर्ति के हालात को सुधारेगा।

माननीय सभापति महोदय, जन कल्याणकारी योजनाएं जितनी हमारे प्रधान मंत्री मोदीजी ने और उनका साथ देते हुए हमारे यशस्वी मुख्य मंत्रीजी ने, जिन्होंने आते ही निर्धन परिवारों को 450 रुपये में रसोई गैस का सिलेण्डर, अन्नपूर्णा रसोई में भोजन की मात्रा बढ़ाने का जो वादा किया था, उसको भी पूरा किया। किसानों को 12 हजार रुपये प्रति सम्मान निधि देने का, गेहूं खरीद पर बोनस देने का, सस्ती दवाइयों की उपलब्धता बढ़ाने का, करीबन 350 प्रधानमंत्री जन औषधि केन्द्र खोलने का और यही नहीं प्रधानमंत्री आवास योजना, जिसका कांग्रेस की सरकार में सारे फोर्म्स नहीं भरने के कारण करीबन 9 लाख लोग ऐसे रह गये, जिनका पंजीयन तक नहीं हो पाया, उसमें भी उपलब्धता प्रोवाइड कराने के लिये हमारे आदरणीय मुख्य मंत्रीजी ने पूरी-पूरी तैयारी और निर्देश दे दिये हैं। आप बात कर रहे हैं। आपको तो पांच साल मिले थे, हमने तो दो महीने में ही यह सब करके दिखाया है आपको।

माननीय सभापति महोदय, हमारे प्रधान मंत्रीजी ने जिस तरीके से इस देश को और हम सबको निर्देशित किया है कि हमारे को जनता की किस तरह से सेवा करनी चाहिये, किस तरह से आखिरी सीढ़ी तक, आखिरी वर्ग तक हमें पहुंचना चाहिये यह वाकई में सोचने की बात है कि इस गारंटी पर पूरी जनता ने आज भरोसा किया है।

माननीय सभापति महोदय, राज्यपाल महोदय का अभिभाषण राजस्थान को विकसित राजस्थान बनाने की दिशा में सरकार के संकल्प को दर्शाता है। यह दर्शाता है कि विकसित राजस्थान के लिये भ्रष्टाचार और अपराधमुक्त राजस्थान बनाने की जो घोषणा की गयी है, वह पूरी तरीके से यह सरकार करेगी और मैं इसलिये यह यकीन से कह सकती हूं कि अब यह प्रण 2047 तक विकसित राष्ट्र और विकसित राजस्थान बनाने का हम सबने लिया है।

माननीय सभापति महोदय, शिक्षा में गुणवत्ता बढ़ाना और स्वास्थ्य

(श्रीमती दीप्ति किरण माहेश्वरी)

क्षेत्र में सुधार की सरकार की नीतियां सराहनीय हैं। जिस तरीके से हम आगे काम तो आपको करके बतायेंगे ही, लेकिन जो नीतियां आज बन रही हैं, वह नीतियां सीधे-सीधे यह बयान करती हैं कि राजस्थान की जनता को अब कांग्रेसमुक्त, भ्रष्टाचारमुक्त और अपराधमुक्त प्रदेश बहुत अच्छा लगने वाला है। सरकार ने अपने सभी लक्ष्यों को पूरा करने का संकल्प लिया है। 2047 तक विकसित भारत, विकसित राजस्थान बनाने के संकल्प के साथ मैं अंत में, इन चार पंक्तियों के साथ अपनी बात को खतम करना चाहूंगी-

'सुशासन का संकल्प और जनकल्याण का इरादा
युवा, महिला, किसान को सक्षम बनाने का वादा,
कांग्रेस के कुशासन पर अंकुश लगा आगे बढ़े प्रदेश अपना,
मोदीजी के नेतृत्व में साकार करेंगे विकसित भारत का सपना,
विकसित राजस्थान का सपना।'

बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री सभापति: सदन की बैठक बुधवार, दिनांक 24 जनवरी 2024 के प्रात: 11.00 बजे तक के लिये स्थगित की जाती है।

(तदनन्तर सदन की बैठक 17.30 बजे बुधवार, दिनांक 24 जनवरी 2024 के 11.00 बजे तक के लिये स्थगित हुई।)

समयाभाव के कारण सदन में नहीं लिये जा सके तारांकित प्रश्न एवं उनके उत्तर

उदयपुर में सर्व शिक्षा अभियान के तहत स्वीकृत कार्य

11. श्री फूल सिंह मीणा (उदयपुर ग्रामीण): क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:-

(1) विधान सभा क्षेत्र उदयपुर ग्रामीण में सर्व शिक्षा अभियान के तहत वर्ष 2018 से वर्ष 2023 तक कितने कार्य स्वीकृत एवं संचालित किये गये? विवरण सदन की मेज पर रखें।

(2) क्या जिला उदयपुर में उक्त अभियान के तहत स्वीकृत कार्य सभी विधान सभा क्षेत्रों में समान रूप से स्वीकृत नहीं किये गये हैं? यदि हां, तो क्यों? विवरण सदन की मेज पर रखें।

(3) उक्त जिले में सर्व शिक्षा के तहत कितने कार्य स्वीकृत एवं संचालित हैं? विधान सभा क्षेत्रवार विवरण सदन की मेज पर रखें।

उत्तर

(1) विधान सभा क्षेत्र उदयपुर ग्रामीण में समग्र शिक्षा (सर्व शिक्षा अभियान व राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान का वर्ष 2018-19 से समग्र शिक्षा में विलय) के माध्यम से वर्ष 2018 से 2023 तक 23 विद्यालयों में 69 कार्यों/गतिविधियों के निर्माण कार्य स्वीकृत किये गए हैं, जिनका वर्षवार एवं विद्यालयवार विवरण परिशिष्ट-क पर संलग्न है।

(2) जी हां। यू-डाईस (Unified District Information System for Education plus) के अनुसार प्रत्येक विधान सभा क्षेत्र के विद्यालयों की संख्या एवं निर्माण कार्यों की आवश्यकता वाले विद्यालयों की संख्या भिन्न-भिन्न होने के कारण स्वीकृति में समानता नहीं रहती है।

राजकीय विद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं की कमी का आकलन प्रतिवर्ष विद्यालय स्तर से ऑनलाइन भरे जाने वाले डी.सी.एफ. फार्मेट (Data Capture Format) के आधार पर तैयार यू-डाईस के अनुसार किया जाता है, जिसके अनुसार निर्माण कार्यों के प्रस्ताव स्वीकृति हेतु शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार को प्रेषित किये जाते हैं।

(3) उदयपुर जिले में समग्र शिक्षान्तर्गत वर्ष 2018 से 2023 तक

(शिक्षा मंत्री)

301 विद्यालयों में निर्माण कार्य स्वीकृत किये गए, जिनका विधान सभा क्षेत्रवार विवरण परिशिष्ट-ख पर संलग्न है।

(विवरण पुस्तकालय में रखे गये)

मुख्यमंत्री कामधेनु बीमा योजना के लाभार्थी

12. श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): क्या पशुपालन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:-

(1) क्या यह सही है कि प्रदेश में मुख्यमंत्री कामधेनु बीमा योजना के तहत दुधारू पशु की मौत होने पर पशुपालक को 40,000 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है? यदि हां, तो उक्त योजना में अब तक कितने पशुपालकों को लाभान्वित किया गया तथा वर्तमान में कितने आवेदन लम्बित हैं? विवरण सदन की मेज पर रखें।

(2) क्या सरकार उक्त योजना के तहत लम्बित आवेदकों को सहायता प्रदान कर इस योजना का दायरा बढ़ाने का विचार रखती है? यदि हां, तो कब तक व नहीं तो क्यों? विवरण सदन की मेज पर रखें।

उत्तर

(1) जी हां। प्रदेश में बजट घोषणा वर्ष 2023-24 के बिन्दु संख्या 183 के तहत मुख्यमंत्री कामधेनु बीमा योजना अंतर्गत प्रति पशुपालक 2 दुधारू गाय या भैंस के राशि रुपये 40 हजार प्रति पशु नि:शुल्क बीमा किये जाने का प्रावधान किया गया था। इस योजना को दिनांक 06.09.2023 को प्रदेश में प्रारम्भ किया गया था, जिसके तहत अब तक कुल 687 पशुपालकों के 1064 दुधारू पशुओं का बीमा किया गया है।

योजनांतर्गत बीमित पशुओं में से 3 पशुपालकों के कुल 3 मृत पशुओं के क्लेम राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधि विभाग को प्राप्त हुए हैं, जिनके बीमा क्लेम की आर्थिक सहायता भुगतान की कार्यवाही राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधि विभाग के स्तर पर प्रक्रियाधीन है।

(2) जी हां। वर्तमान सरकार के संकल्प पत्र के तहत प्रदेश के दुधारू पशु के साथ-साथ अन्य पशुओं के नि:शुल्क बीमा करवाये जाने का उल्लेख है, जिसे प्रदेश में लागू किया जाना विचाराधीन है।

बहरोड़ में अवैध खनन के दर्ज प्रकरण

13. डा. जसवन्त सिंह यादव (बहरोड़): क्या खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:-

(डा. जसवन्त सिंह यादव)

(1) विधान सभा क्षेत्र बहरोड़ में वर्ष 2018 से वर्ष 2023 तक कितने प्रकार के खनन के कितने पट्टे जारी किये गये? उक्त में से कितने संचालित हैं तथा उनमें कितना खनन कार्य हुआ है? विवरण सदन की मेज पर रखें।

(2) उक्त विधान सभा क्षेत्र में विगत पांच वर्षों में अवैध खनन के कितने प्रकरण दर्ज हुए तथा उन पर क्या कार्यवाही की गई? संख्यात्मक विवरण सदन की मेज पर रखें।

(3) उक्त खनन पट्टेधारियों को ब्लास्टिंग का सामान कहां से उपलब्ध होता है? क्या ब्लास्टिंग करने के लिए पट्टेधारियों के पास प्रशिक्षित कर्मचारी हैं? यदि हां, तो विवरण सदन की मेज पर रखें।

उत्तर

(1) विधान सभा क्षेत्र बहरोड़ में वर्ष 2018 से 2023 तक किसी भी खनिज का कोई भी खनन पट्टा स्वीकृत नहीं किया गया है। अतः शेष सूचना शून्य है।

(2) विधान सभा क्षेत्र बहरोड़ में विगत पांच वर्षों (दिनांक 01-01-2019 से 31-12-2023 तक) में अवैध खनन के कुल 22 प्रकरण दर्ज हुए। उक्त प्रकरणों में की गई कार्यवाही का विवरण विवरण परिशिष्ट-1 पर उपलब्ध है।

(3) प्रश्न के भाग संख्या-1 में उल्लेखित अनुसार विधान सभा क्षेत्र बहरोड में वर्ष 2018 से 2023 तक किसी भी खनिज का कोई भी खनन पट्टा स्वीकृत नहीं किया गया है। अतः सूचना शून्य है।

(विवरण पुस्तकालय में रखा गया)

आकस्मिक कारणों से मृत्यु होने पर देय मुआवजा

14. श्री हरीश चन्द्र मीना (देवली-उनियारा): क्या आपदा प्रबन्धन एवं सहायता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:-

(1) प्रदेश में आकस्मिक कारणों, प्राकृतिक आपदा, प्रशासनिक कार्यवाही के दौरान मृत्यु होने पर मुआवजा देने के क्या प्रावधान हैं? विवरण सदन की मेज पर रखें।

(2) प्रदेश में विगत तीन वर्षों में उक्त कारणों से मृत्यु होने पर किन-किन को कितना मुआवजा दिया गया है? विधान सभा क्षेत्रवार संख्यात्मक विवरण सदन की मेज पर रखें।

(श्री हरीश चन्द्र मीना)

(3) क्या यह सही है कि प्रदेश में आकस्मिक कारणों से मृत्यु होने पर अलग-अलग मुआवजा दिया गया है? यदि हां, तो इसके क्या कारण रहे? क्या सरकार उक्त कारणों से मृत्यु होने पर एक समान मुआवजा देने का विचार रखती है? यदि हां, तो कितना व नहीं, तो क्यों? विवरण सदन की मेज पर रखें।

उत्तर

(1) प्रदेश में आकस्मिक कारणों, प्राकृतिक आपदा, प्रशासनिक कार्यवाही के दौरान मृत्यु होने पर आश्रितों को सहायता राशि दिये जाने के निम्नानुसार प्रावधान हैं:

1. आकस्मिक कारणों (दुर्घटना) से मृत्यु होने पर:-

प्रदेश में दिनांक 01.05.2022 से मुख्यमंत्री चिरंजीवी दुर्घटना बीमा योजना लागू की गई है। इस योजना में परिवार का एक वर्ष की बीमा अवधि के दौरान बीमा राशि गाइडलाइन के अनुसार देय है।

मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना में पंजीकृत नहीं होने/जनआधार से जुड़े नहीं होने/मुख्यमंत्री चिरंजीवी दुर्घटना बीमा योजना में अंकित दुर्घटनाओं में कवर नहीं होने की स्थिति में मुख्यमंत्री चिंरजीवी दुर्घटना बीमा योजना का लाभ देय नहीं होने के कारण मुख्यमंत्री सहायता कोष से नियमानुसार मृतक आश्रित को राशि रुपये 1.00 लाख की सहायता स्वीकृत करने का प्रावधान है। आकस्मिक कारण (प्राकृतिक मृत्यु) से मृत्यु की स्थिति में मुख्यमंत्री सहायता कोष से नियमानुसार सहायता देय नहीं है। आदेश एवं परिपत्र की प्रति परिशिष्ट-अ पर संलग्न है।

2. प्राकृतिक आपदा से मृत्यु होने पर:-

अधिसूचित प्राकृतिक आपदाओं से मानव क्षति होने पर भारत सरकार द्वारा दिनांक 10.10.2022 को जारी एसडीआरएफ नोर्म्स के अनुसार 4.00 लाख रुपये प्रति व्यक्ति को सहायता दिये जाने का प्रावधान है। एसडीआरएफ नोर्म्स की प्रति परिशिष्ट-ब पर संलग्न है।

3. प्रशासनिक कार्यवाही के दौरान मृत्यु होने पर:-

गृह विभाग द्वारा साम्प्रदायिक दंगों एवं सामाजिक उपद्रव के दौरान कानून व्यवस्था बनाये रखने हेतु प्रशासनिक कार्यवाही के दौरान मृत्यु होने पर साम्प्रदायिक दंगों, सामाजिक उपद्रवों एवं आतंकवादी गतिविधियों के दौरान प्रभावित व्यक्तियों एवं परिवारजनों को आर्थिक सहायता संबंधी योजना संचालन नियम, 2017 के अन्तर्गत आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। नियम की प्रति परिशिष्ट-स पर संलग्न है।

(आपदा प्रबन्धन एवं सहायता मंत्री)

प्रशासनिक कार्यवाही के दौरान मृत्यु होने पर मुख्यमंत्री सहायता कोष के नियमानुसार सहायता देय नहीं है। परिस्थितिजन्य आधार पर माननीय मुख्यमंत्री महोदय द्वारा मुख्यमंत्री सहायता कोष नियमों में शिथिलता प्रदान कर सहायता स्वीकृत की जा सकती है।

(2) प्रदेश में आकस्मिक कारणों एवं प्राकृतिक आपदाओं से विगत 03 वर्षों में मृत्यु होने पर 14,211 मृतकों के आश्रितों को राशि 158.42 करोड़ रुपये की सहायता उपलब्ध करवाई गई है, जिसका विधान सभावार विवरण परिशिष्ट-द पर संलग्न है।

साम्प्रदायिक दंगों एवं सामाजिक उपद्रव के दौरान कानून व्यवस्था बनाये रखने हेतु प्रशासनिक कार्यवाही के दौरान विगत 03 वर्षों में कोई मुआवजा नहीं दिया गया है।

(3) जी हां। मुख्यमंत्री सहायता कोष से दुर्घटना के प्रकरणों में नियमानुसार सहायता प्रदान की जाती है, किन्तु मुख्यमंत्री सहायता कोष नियम-10 में शिथिलता के प्रावधान के अन्तर्गत माननीय मुख्यमंत्री महोदय द्वारा प्रकरण के गुणावगुण व परिस्थितिजन्य आधार पर अपवाद स्वरूप निर्धारित राशि से अधिक एवं अन्य प्रकरणों में भी सहायता प्रदान की जाती है।

उपरोक्त प्रावधान में संशोधन का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

(प्रति व विवरण पुस्तकालय में रखे गये।)

बिरमाना (सूरतगढ़) में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र की स्थापना

15. श्री डूंगरराम गेदर (सूरतगढ़): क्या चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:-

(1) विगत पांच वर्षों में प्रदेश में किस-किस स्तर के कितने नवीन स्वास्थ्य केन्द्र खोले गए तथा कितने क्रमोन्नत किये गए? विधान सभा क्षेत्रवार संख्या विवरण सदन की मेज पर रखें।

(2) विधान सभा क्षेत्र सूरतगढ़ में कहां-कहां नवीन स्वास्थ्य केन्द्र खोले गए तथा किन-किन स्वास्थ्य केन्द्रों को क्रमोन्नत किया गया? विवरण सदन की मेज पर रखें।

(3) क्या सरकार उक्त विधान सभा क्षेत्र के बिरमाना में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र खोलने का विचार रखती है? यदि हां, तो कब तक व नहीं, तो क्यों? विवरण सदन की मेज पर रखें।

उत्तर

(1) विगत पांच वर्षों में प्रदेश में 2,506 नये उप स्वास्थ्य केन्द्र, 4 सैटेलाइट अस्पताल, 43 ट्रोमा सेन्टर एवं 8 एमसीएच विंग खोले गये तथा 291 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, 74 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, 74 उप जिला अस्पताल, 27 जिला अस्पताल एवं 6 सैटेलाइट अस्पताल क्रमोन्नत किये गये जिनका संख्यावार विवरण परिशिष्ट-अ पर संलग्न है।

नये खोले गये एवं क्रमोन्नत किये गये चिकित्सा संस्थानों का विधान सभा क्षेत्रवार संख्या विवरण परिशिष्ट-ब पर संलग्न है।

(2) विधान सभा क्षेत्र सूरतगढ़ में 9 नवीन उप स्वास्थ्य केन्द्र खोले गये जिनका विवरण परिशिष्ट-स पर संलग्न है।

(3) ग्राम बिरमाना पंचायत समिति सूरतगढ़ जिला श्रीगंगानगर के अधीन आता है। उक्त ग्राम में वर्तमान में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र स्वीकृत है।

भारत सरकार द्वारा ग्रामीण जनसंख्या आधारित निर्धारित मानदण्डानुसार एक लाख की ग्रामीण जनसंख्या पर 01 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र खोले जाने का प्रावधान है।

वर्ष 2011 की अनुमानित ग्रामीण जनसंख्या के आधार पर निर्धारित मानदण्डानुसार पंचायत समिति सूरतगढ़ में 2 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों की आवश्यकता के विरुद्ध 3 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र स्वीकृत हैं। इस प्रकार पंचायत समिति सूरतगढ़ में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मानदण्ड से अधिक स्वीकृत होने के कारण प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बिरमाना को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में क्रमोन्नत किया जाना वर्तमान में विचाराधीन नहीं है।

(विवरण पुस्तकालय में रखे गये)

परबतसर पंचायत समिति में विकास अधिकारी का पदस्थापन

16. श्री रामनिवास गावड़िया (परतबतसर): क्या पंचायती राज मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:-

(1) क्या यह सही है कि पंचायत समिति परबतसर, जिला डीडवाना नागौर में विकास अधिकारी के पद पर दो अधिकारी कार्यरत हैं? यदि हां, तो कब से? विवरण सदन की मेज पर रखें।

(2) विभाग के आदेश क्रमांक 2675 दिनांक 22.09.2023 द्वारा उक्त पंचायत समिति में किस विकास अधिकारी को पदस्थापित किया गया था तथा उक्त पंचायत समिति में वर्तमान में कौन अधिकारी पदस्थापित है? विवरण सदन की मेज पर रखें।

(श्री रामनिवास गावड़िया)

(3) क्या यह भी सही है कि उक्त आदेश में पदस्थापित विकास अधिकारी के कार्य ग्रहण करने के उपरान्त भी पूर्व विकास अधिकारी को अब तक रिलीव नहीं किया गया है? यदि हां, तो क्यों? विवरण सदन की मेज पर रखें।

(4) उक्त आदेश की अनुपालना में कार्य ग्रहण करने के उपरान्त भी विकास अधिकारी को अब तक प्रशासनिक एवं वित्तीय अधिकार नहीं देने के क्या कारण रहे? विवरण सदन की मेज पर रखें।

उत्तर

(1) जी नहीं।

(2) विभागीय आदेश क्रमांक 2675 दिनांक 22.09.2023 द्वारा श्री भंवर लाल जाखड़ को विकास अधिकारी पंचायत समिति नाचना (जैसलमेर) से विकास अधिकारी पंचायत समिति परबतसर (नागौर) के पद पर स्थानान्तरण/ पदस्थापन किया गया था।

वर्तमान में विकास अधिकारी पंचायत समिति परबतसर (नागौर) के पद पर श्रीमती कविता जसोरिया पदस्थापित है।

(3) जी हां। विभागीय आदेश क्रमांक 2675 दिनांक 22.09.2023 के द्वारा श्री भंवर लाल जाखड़ विकास अधिकारी को पंचायत समिति परबतसर में किये जाने पर इन्होंने दिनांक 26.09.2023 को पंचायत समिति परबतसर में विकास अधिकारी पद का कार्यभार एज्यूम किया। उक्त आदेश द्वारा श्रीमती कविता जसोरिया का पदस्थापन आदेशों की प्रतीक्षा में मुख्यालय पंचायती राज विभाग, जयपुर किया गया। श्रीमती कविता जसोरिया द्वारा उक्त विभागीय आदेश के विरुद्ध माननीय राजस्थान सिविल सेवा अपील अधिकरण, जयपुर में अपील संख्या 2540/2023 दायर की गई, अधिकरण द्वारा पारित अंतरिम आदेश दिनांक 03.10.2023 के बिन्दु संख्या 5 के अनुसार 'स्थगन प्रार्थना पत्र पर अंतरिम आदेश दिया जाता है कि विवादग्रस्त स्थानान्तरण आलोच्य आदेश दिनांक 22.09.2023 का क्रियान्वयन अपीलार्थी के पदस्थापन के संबंध में अधिकरण के आगामी आदेश तक स्थगित रहेगा एवं साथ ही यह भी स्पष्ट किया जाता है कि अपीलार्थी को वहीं कार्यरत रखा जावे जहां पर वह चुनौती आदेश पारित किये जाने से पूर्व कार्यरत था' संबंधी आदेश पारित होने से इसकी पालना में पूर्व विकास अधिकारी श्रीमती कविता जसोरिया पंचायत समिति परबतसर में दिनांक 04.10.2023 से कार्यरत है।

(पंचायती राज मंत्री)

(4) विभागीय स्थानान्तरण/पदस्थापन द्वारा विकास अधिकारी पद पर प्रशासनिक वित्तीय अधिकार स्वतः निहित होते हैं।

पंचायती राज विभाग के आदेश क्रमांक 2675 दिनांक 22.09.2023 की अनुपालना में श्री भंवर लाल जाखड़ विकास अधिकारी के द्वारा दिनांक 26.09.2023 को पंचायत समिति परबतसर में कार्यभार एज्यूम किये जाने पर इनके पास दिनांक 26.09.2023 से 03.10.2023 तक प्रशासनिक वित्तीय अधिकार स्वतः ही रहे हैं। तदुपरांत माननीय राजस्थान सिविल सेवा अपील अधिकरण जयपुर द्वारा दिनांक 03.10.2023 को पारित अंतरिम स्थगन आदेश की पालना में कार्यरत होने से दिनांक 04.10.2023 से आदिनांक तक श्रीमती कविता जसोरिया विकास अधिकारी के पास प्रशासनिक वित्तीय अधिकार हैं।

अतारांकित प्रश्नोत्तर

पोक्सो एक्ट में दर्ज प्रकरण

1. श्री कालीचरण सराफ (मालवीय नगर): क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:-

(1) प्रदेश में विगत तीन वर्षों में पोक्सो एक्ट के तहत कितने प्रकरण दर्ज किये गये? जिलेवार संख्यात्मक विवरण सदन की मेज पर रखें।

(2) उक्त दर्ज प्रकरणों में से कितने मामले सही व कितने झूठे पाए गए तथा कितनों में चालान पेश किया गया? जिलेवार संख्यात्मक विवरण सदन की मेज पर रखें।

उत्तर

(1) प्रदेश में विगत तीन वर्षों (01 जनवरी, 2021 से 31 दिसम्बर, 2023 तक) में पोक्सो एक्ट के तहत कुल 13,380 प्रकरण दर्ज हुए हैं जिनका जिलेवार विवरण परिशिष्ट-अ संलग्न है।

(2) विगत तीन वर्षों में पोक्सो एक्ट के तहत दर्ज प्रकरणों में चालान 9,695 (मामले सही) व 3092 प्रकरणों में एफआर (प्रमाणित नहीं पाये गये) एवं 9,253 नतीजा (चालान/एफ.आर.) न्यायालय में पेश किया जा चुका है, जिनका जिलेवार विवरण परिशिष्ट-अ संलग्न है।

(विवरण पुस्तकालय में रखा गया)

बारां के पुलिस थानों में रिक्त पद

2. श्री प्रताप सिंह सिंघवी (छबड़ा): क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:-

(1) जिला बारां के पुलिस थानों व कार्यालयों में किस-किस संवर्ग के कार्मिकों के कितने पद रिक्त हैं? पुलिस थानों व कार्यालयवार संख्यात्मक विवरण सदन की मेज पर रखें।

(2) क्या प्रदेश में आपराधिक घटनाओं, क्षेत्रफल व आबादी के अनुसार पर्याप्त पुलिस बल हैं?

(3) क्या सरकार प्रदेश में पुलिस भर्ती करने का विचार रखती है? यदि हां, तो कब तक व कितने पदों पर?

(4) क्या सरकार पुलिस के नये पद सृजन करने का विचार रखती है? यदि हां, तो कब तक व नहीं, तो क्यों? विवरण सदन की मेज पर रखें।

उत्तर

(1) जिला बारां में पुलिस थानों व कार्यालयों मे संवर्गवार कार्मिकों के रिक्त पदों का विवरण निम्नानुसार है-

क्र.सं.	अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक	पुलिस निरीक्षक	उप निरीक्षक	सहायक उप निरिक्षक	हैड कानि.	कानि.	कुल
1	2	20	26	131	77	59	315

पुलिस थानों व कार्यालयवार कार्मिकों के स्वीकृत एवं रिक्त पदों का संख्यात्मक विवरण की सूची परिशिष्ट-अ संलग्न है।

(2) प्रदेश में वर्तमान में प्रति लाख व्यक्तियों पर 145.02 पुलिस कार्मिक स्वीकृत हैं।

(3) वर्ष 2023 में कान्स्टेबल के 3,578 रिक्त पदों पर भर्ती हेतु विज्ञप्ति क्रमांक 3346 दिनांक 03-08-2023 जारी की गई। अभ्यर्थियों के पीएसटी/पीईटी का आयोजन दिनांक 27-12-2023 से 30-12-2023 तक किया जा चुका है। अग्रिम कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। रिक्त पदों पर भर्ती एक सतत प्रकिया है। रिक्त पदों की उपलब्धता के अनुसार भर्ती की कार्यवाही की जाती है।

(4) भविष्य में क्षेत्र विशेष की जनसंख्या, अपराध एवं कानून व्यवस्था की स्थिति, वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता के आधार पर नये पदों के सृजन पर विचार किया जा सकेगा।

(सूची पुस्तकालय में रखी गयी)

खानपुर में डी.एम.एफ.टी. के तहत स्वीकृत कार्य

3. श्री सुरेश गुर्जर (खानपुर): क्या खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:-

(1) विधान सभा क्षेत्र खानपुर में 01 जनवरी, 2019 से 31 दिसम्बर, 2023 तक डी एम एफ टी के तहत कहां-कहां पर कितनी-कितनी लागत से कौन-कौनसे कार्य स्वीकृत किये गये तथा वर्तमान में उनकी स्थिति क्या है? विवरण सदन की मेज पर रखें।

(2) उक्त अवधि में उक्त योजना के तहत कितने स्वीकृत कार्य पूर्ण हो चुके हैं तथा कितने अपूर्ण हैं? अपूर्ण कार्यों को कब तक पूरा कर दिया जाएगा? विवरण सदन की मेज पर रखें।

उत्तर

(1) विधान सभा क्षेत्र खानपुर में 01 जनवरी, 2019 से 31 दिसम्बर, 2023 तक डी.एम.एफ.टी. के तहत स्वीकृत किये गये कार्य, स्थान का नाम, स्वीकृत राशि तथा कार्य की वर्तमान स्थिति का विवरण परिशिष्ट-1 पर उपलब्ध है।

(2) विधान सभा क्षेत्र खानपुर में उक्त अवधि में डी.एम.एफ.टी. के तहत कुल 4 कार्य स्वीकृत किये गये हैं। उक्त समस्त कार्य पूर्ण हो चुके हैं। विवरण परिशिष्ट-1 में अंकित है।

(विवरण पुस्तकालय में रखा गया)

प्रधानमंत्री आवास योजना में नाम जोड़ने हेतु पोर्टल का संचालन

4. श्रीमती इन्द्रा (बामनवास): क्या ग्रामीण विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:-

(1) प्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना में पात्र लोगों के नाम जोड़ने हेतु पोर्टल कब से तथा किन कारणों से बंद है?

(2) सरकार द्वारा उक्त पोर्टल को प्रारम्भ करवाने के संबंध में केन्द्र सरकार को कब-कब पत्र प्रेषित किये गये तथा उन पर क्या कार्यवाही हुई? विवरण सदन की मेज पर रखें।

(3) क्या सरकार उक्त पोर्टल को पुन: प्रारम्भ करवाने का विचार रखती है? यदि हां, तो कब तक व नहीं, तो क्यों?

उत्तर

(1) प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण की स्थायी वरीयता सूची में अतिरिक्त चिन्हित पात्र परिवार जोड़े जाने के लिये ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशों के क्रम में माह अप्रैल, 2018 एवं फरवरी, 2019 में विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन कर पात्र परिवारों को चिन्हित किया गया।

भारत सरकार द्वारा अंतिम तिथि 07.03.2019 ही निर्धारित की गयी थी। तदुपरान्त लोक सभा चुनाव 2019 की आचार संहिता प्रभावी होने के क्रम में भारत सरकार द्वारा पोर्टल बन्द कर दिया गया।

(2) ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार को पोर्टल पुन: चालू करने हेतु राज्य द्वारा आग्रह किया गया।

उक्त संबंध में ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार के पत्र दिनांक

(ग्रामीण विकास मंत्री)

10.03.2022 द्वारा किसी भी राज्य के प्रस्ताव पर विचार नहीं किये जाने बाबत अवगत कराया गया है।

(3) प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण योजना में वंचित पात्र लोगों को आवास उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उक्त पोर्टल को पुन: प्रारम्भ कराने हेतु राज्य सरकार स्तर से निम्न प्रयास किये गये:-

भारत सरकार स्तर से आवास प्लस में अपलोड कराने के क्रम में विभागीय पत्र दिनांक 06.03.2019, 08.03.2019 एवं निर्धारित अवधि तक आवास प्लस पर अपलोड होने से शेष रहे परिवारों की सूची विभागीय पत्र दिनांक 19.03.2019 द्वारा विशेष वाहक के साथ प्रेषित की गई। इसी क्रम में विभागीय पत्र दिनांक 19.09.2019, 13.05.2020 द्वारा आग्रह किया गया।

उक्त संबंध में माननीय मुख्य मंत्री, राजस्थान के अ.शा. पत्र दिनांक 29.09.2020 द्वारा आवास प्लस ऐप पर अपलोड होने से शेष वंचित पात्र परिवारों को योजना की वरीयता सूची में शामिल कराने हेतु माननीय केन्द्रीय मंत्री ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार से आग्रह किया गया। इसी क्रम में ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार से विभागीय पत्र दिनांक 09.07.2021, 22.07.2021, 03.09.2021, 01.12.2021, 06.01.2022 एवं 25.01.2022 द्वारा आग्रह किया गया।

उक्त संबंध में ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार के पत्र दिनांक 10.03.2022 द्वारा किसी भी राज्य के प्रस्ताव पर विचार नहीं किये जाने बाबत अवगत कराया गया है।

उक्तानुसार ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा किसी भी राज्य के प्रस्ताव पर विचार नहीं किये जाने बाबत पुनः विचार हेतु माननीय मंत्री महोदय के अ.शा. पत्र दिनांक 15.04.2022 एवं 22.01.2023 एवं विभागीय पत्र दिनांक 18.05.2023 व 12.12.2023 द्वारा भारत सरकार से पुन: आग्रह किया गया है। पत्रों की प्रति परिशिष्ट-1 पर संलग्न है।

(प्रति पुस्तकालय में रखी गयी।)

चित्तौड़गढ़ के किसानों को फसल खराबे का मुआवजा

5. श्री चन्द्रभान सिंह चौहान (चित्तौड़गढ़): क्या आपदा प्रबन्धन एवं सहायता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:-

(1) क्या यह सही है कि विधान सभा क्षेत्र चित्तौड़गढ़ में वर्ष 2018 से दिसम्बर, 2023 की अवधि में प्राकृतिक आपदाओं से किसानों को फसल का

(श्री चन्द्रभान सिंह चौहान)

नुकसान हुआ है? यदि हां, तो वर्षवार खसरा गिरदावरी तथा पीड़ित किसानों की संख्या तथा दिये गये मुआवजे का संख्यात्मक विवरण सदन की मेज पर रखें।

(2) उक्त विधान सभा क्षेत्र के कितने किसानों को अब तक फसल खराबे का मुआवजा नहीं दिया गया है? संख्यात्मक विवरण सदन की मेज पर रखें।

(3) क्या सरकार मुआवजा राशि से वंचित किसानों को मुआवजा देने का विचार रखती है? यदि हां, तो कब तक व नहीं, तो क्यों? विवरण सदन की मेज पर रखें।

उत्तर

(1) जी हां। विधान सभा क्षेत्र चित्तौड़गढ़ में वर्ष 2018 से दिसम्बर, 2023 की अवधि में भारत सरकार द्वारा अधिसूचित प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित 24,947 किसानों को एसडीआरएफ नोर्म्स अनुसार राशि रुपये 1087.26 लाख का कृषि आदान-अनुदान का भुगतान किया गया है, जिसका विवरण परिशिष्ट-अ पर संलग्न है।

(2) विधान सभा क्षेत्र चित्तौड़गढ़ में उक्त अवधि में कोई भी प्रभावित किसान कृषि आदान-अनुदान से वंचित नहीं है।

(3) विधान सभा क्षेत्र चित्तौड़गढ़ में उक्त अवधि में कोई भी प्रभावित किसान कृषि आदान-अनुदान से वंचित नहीं है।

(विवरण पुस्तकालय में रखा गया)

नागौर व डीडवाना-कुचामन में फसल बीमा योजना के लम्बित प्रकरण

6. श्री हनुमान बेनीवाल (खींवसर): क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:-

(1) नागौर तथा डीडवाना-कुचामन जिले के किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत क्लेम से संबंधित कितनी राशि के कितने प्रकरण संबंधित बीमा कंपनियों के पास एक वर्ष या उससे अधिक समय से लंबित हैं? तहसीलवार संख्यात्मक विवरण सदन की मेज पर रखें।

(2) क्या सरकार उक्त किसानों को क्लेम का बकाया भुगतान दिलवाने हेतु निर्देश जारी करने का विचार रखती है? यदि हां, तो कब तक व नहीं, तो क्यों? विवरण सदन की मेज पर रखें।

उत्तर

(1) प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत नागौर तथा डीडवाना-कुचामन जिले के खरीफ 2023 तक के लंबित फसल बीमा क्लेमों का तहसीलवार विवरण निम्नानुसार है:-

मौसम सत्र रबी 2022-23

(राशि लाख रुपये)

तहसील	**लम्बित बीमा क्लेम**	**पालिसी संख्या**
डेगाना	3.45	11
डीडवाना	2.97	10
जायल	47.28	13
खींवसर	32.93	35
कुचामन सिटी	0.049	3
लाडनूं	0.61	5
मकराना	-	-
मेड़ता	2.94	21
मूण्डवा	6.21	13
नागौर	1.70	9
नावां	-	-
परबतसर	-	-
रियांबड़ी	-	-
साजूं	6.16	15
योग	**104.30**	**135**

मौसम सत्र खरीफ 2023 के समस्त फसल बीमा क्लेम गणनाधीन हैं।

(2) जी हां। राज्य सरकार द्वारा उक्त फसल बीमा पालिसी धारक पात्र किसानों को शीघ्र बीमा क्लेम भुगतान हेतु निर्देश पत्र क्रमांक- एफ 6 आ.कृ./पीएमएफबीवाए/2023-24/7048 दिनांक 19.01.2024 से जारी किये जा चुके हैं।

थानागाजी के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का उप जिला चिकित्सालय में क्रमोन्नयन

7. श्री कान्ति प्रसाद (थानागाजी): क्या चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:-

क्या सरकार विधान सभा क्षेत्र थानागाजी के उपखण्ड मुख्यालय पर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र थानागाजी को उप जिला चिकित्सालय में क्रमोन्नत करने का विचार रखती है? यदि हां, तो कब तक? विवरण सदन की मेज पर रखें।

उत्तर

जी नहीं। कस्बा थानागाजी पंचायत समिति थानागाजी जिला अलवर में वर्तमान में 50 शय्याओंयुक्त सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र स्वीकृत है।

स्वीकृत शय्याओं का वर्ष 2022 में 24.31 प्रतिशत शय्याओं की उपयोगिता (बी.ओ.आर.) रही है।

अत: सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, थानागाजी की शय्याओं में वृद्धि किया जाकर उप जिला चिकित्सालय में क्रमोन्नत किया जाना वर्तमान में विचाराधीन नहीं है।

महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की भर्ती

8. श्री छगनसिंह राजपुरोहित (आहोर): क्या चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:-

(1) राज्य स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, राजस्थान के पत्र क्रमांक 1035 दिनांक 06 अक्टूबर, 2023 के द्वारा महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता भर्ती 2023 में गैर अनुसूचित क्षेत्र में विभिन्न कारणों से परिणाम रोके जाने वाली सूची में क्रम संख्या 260 से 280 के अभ्यर्थियों का परिणाम किन कारणों से रोका गया है? कारण सहित विवरण सदन की मेज पर रखें।

(2) क्या यह सही है कि निदेशक, राज्य स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, जयपुर एवं निदेशक (अराजपत्रित) चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं राजस्थान जयपुर को माह अक्टूबर, 2023 में महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता का परिणाम रोके जाने के संबंध में प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए हैं? यदि हां, तो उक्त पर अब तक क्या कार्यवाही की गई? नहीं, तो क्यों? प्रार्थना पत्र की प्रति सहित विवरण सदन की मेज पर रखें।

(श्री छगनसिंह राजपुरोहित)

(3) सरकार वर्ष 2023 में महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता की निकाली गई 4,847 पदों की भर्ती कब तक करने का विचार रखती है? विवरण सदन की मेज पर रखें।

उत्तर

(1) राज्य स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, राजस्थान के पत्र क्रमांक 1035 दिनांक 06 अक्टूबर, 2023 के द्वारा महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता भर्ती 2023 में गैर अनुसूचित क्षेत्र हेतु जारी अन्तरिम चयन सूची में क्रम संख्या 261 से 267, 269, 271, 273 से 277, 279 एवं 280 का परिणाम अन्य राज्यों से व्यावसायिक योग्यता के सत्यापन एवं क्रमं संख्या 260, 268, 270, 272 एवं 278 का परिणाम राज्य की संबंधित कौंसिल में पंजीयन के सत्यापन करवाये जाने के अधीन रोका गया है।

(2) जी हां। महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता पद की अन्तरिम चयन सूची दिनांक 06.10.2023 को जारी की जाकर ऑनलाइन परिवेदनाएं आमंत्रित की गई थीं। प्राप्त परिवेदनाओं में ऐसे अभ्यर्थी जिनके परिणाम रोके गये थे, द्वारा भी प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किये गये हैं। उक्त में उत्कृष्ट खिलाड़ी वर्ग में चयनित आवेदकों के खेल प्रमाण पत्रों को सत्यापन हेतु खेल मंत्रालय, भारत सरकार एवं भारतीय ओलम्पिक संघ तथा संबंधित खेल फैडरेशन को भिजवाया गया है। अन्य राज्यों से व्यावसायिक योग्यता अर्जित करने वाले आवेदकों की अंकतालिकाओं की संबंधित राज्य से सत्यापन की कार्यवाही तथा राज्य की संबंधित कौंसिल स्तर से इन अभ्यर्थियों के पंजीयन की जांच का कार्य करवाया जा रहा है। प्रार्थना पत्रों की प्रति परिशिष्ट-अ पर संलग्न है।

(3) सम्पूर्ण भर्ती प्रक्रिया की शासन स्तर पर समीक्षा की जानी है। उसके उपरान्त ही भर्ती प्रक्रिया के संबंध में अग्रिम निर्णय लिया जा सकेगा।

(प्रति पुस्तकालय में रखी गयी)

वैर में संचालित एम्बुलेंस

9. श्री बहादुर सिंह (वैर): क्या चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:-

(1) विधान सभा क्षेत्र वैर के कस्बा वैर तथा भुसावर में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार हेतु विगत पांच वर्षों में सरकार द्वारा क्या-क्या विकास कार्य कितनी-कितनी राशि के करवाये गये? विवरण सदन की मेज पर रखें।

(श्री बहादुर सिंह)

(2) उक्त क्षेत्र के वैर तथा भुसावर में कितनी एम्बुलेंस उपलब्ध हैं तथा वर्तमान में कितनी एम्बुलेंस संचालित हैं तथा कितनी खराब हैं? सरकार द्वारा खराब एम्बुलेंसों को कब तक ठीक करवा दिया जाएगा? विवरण सदन की मेज पर रखें।

उत्तर

(1) विधान सभा क्षेत्र वैर के कस्बा वैर के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र को घोषणा वर्ष 2023-24 में नव क्रमोन्नत कर उप जिला चिकित्सालय में विकसित किया गया है।

कस्बा भुसावर पंचायत समिति भुसावर जिला भरतपुर में वर्तमान में 50 शय्याओं युक्त सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र स्वीकृत है जिससे आमजन को चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं।

विधान सभा क्षेत्र वैर के कस्बा वैर तथा भुसावर में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार हेतु विगत 5 वर्षों के दौरान सरकार द्वारा करवाये गये कार्यों की सूची परिशिष्ट-अ पर संलग्न है।

(2) विधान सभा क्षेत्र वैर में कुल 11 एम्बुलेंस संचालित हैं जिनका विवरण परिशिष्ट-ब पर संलग्न है। उपरोक्त सभी एम्बुलेंस वाहन क्रियाशील हैं।

उक्त में से वैर विधान सभा क्षेत्र के कस्बा वैर तथा भुसावर में कुल 5 एम्बुलेंस हैं, जिनका विवरण निम्न प्रकार है:-

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र वैर में 108 एम्बुलेंस एक एवं बेस एम्बुलेंस एक तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, भुसावर में 108 एम्बुलेंस एक, 104 एम्बुलेंस एक एवं बेस एम्बुलेंस एक संचालित है एक एम्बुलेंस में खराबी थी जिसके स्थान पर नयी लगा दी गई है। उपरोक्त सभी एम्बुलेंस वाहन क्रियाशील हैं।

(सूची व विवरण पुस्तकालय में रखे गये।)

बहरोड़ के पंजीकृत बेरोजगार

10. डा. जसवन्त सिंह यादव (बहरोड़): क्या कौशल, नियोजन एवं उद्यमिता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:-

विधान सभा क्षेत्र बहरोड़ में कितने पंजीकृत बेरोजगार हैं? विगत पांच वर्षों में कितने पंजीकृत बेरोजगारों को भत्ता दिया गया व कितनों को दिया

(डा. जसवन्त सिंह यादव)

जाना शेष है? शेष को बेरोजगारी भत्ता कब तक दे दिया जायेगा? विवरण सदन की मेज पर रखें।

उत्तर

तहसील क्षेत्र बहरोड़ में कुल 7,659 पंजीकृत बेरोजगार हैं। इनमें से 7,251 स्नातक एवं उच्च योग्यताधारी पंजीकृत हैं। कोई भी शैक्षिक योग्यताधारक आशार्थी पंजीयन करा सकता है।

विगत पांच वर्षों में 6,776 पात्र बेरोजगारों ने भत्ता हेतु आवेदन किया, जिनमें से 6,415 पात्र आशार्थियों को बेरोजगारी भत्ता दिया गया है एवं 361 को भत्ता दिया जाना शेष है।

वर्तमान में इस योजना में सम्पूर्ण प्रदेश में एक समय में अधिकतम लाभार्थियों की सीमा दो लाख है। दो लाख की निर्धारित सीमा में आने पर शेष पंजीकृत पात्र बेरोजगार को भी नियमानुसार भत्ता दिया जायेगा। यह एक सतत प्रक्रिया है।

विभाग द्वारा विधान सभावार सूचना का संधारण नहीं किया जाता है।

किशनगंज में रोजगार हेतु उद्योगों की स्थापना

11. श्री ललित मीना (किशनगंज): क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:-

(1) क्या सरकार बारां जिले में नवीन उद्योग स्थापित करने का विचार रखती है?

(2) क्या सरकार विधान सभा क्षेत्र किशनगंज में स्थानीय निवासियों के लिये रोजगार उपलब्ध कराने के लिये उद्योग स्थापित करने का विचार रखती है? यदि हां, तो विवरण सदन की मेज पर रखें।

उत्तर

(1) राज्य के सभी जिलों में उद्योग स्थापना को प्रोत्साहित एवं सहयोग करने के लिये विभिन्न योजनाएं/नीतियां संचालित हैं। मुख्य योजनाओं/नीतियों का विवरण निम्नानुसार है-

1- राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना-2019/2022

2- मुख्यमंत्री लघु उद्योग प्रोत्साहन योजना

3- प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना

(उद्योग मंत्री)

4- मुख्यमंत्री युवा उद्यम प्रोत्साहन योजना

5- डा. भीमराव अम्बेडकर राजस्थान दलित आदिवासी उद्यम प्रोत्साहन योजना

6- राजस्थान एमएसएमई नीति-2022

7- राजस्थान हस्तशिल्प नीति-2022

(2) उपरोक्त बिन्दु संख्या-1 के अनुरूप।

राजस्थान में रोजगार सृजन एवं औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने के लिए राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना-2019 लागू की गई है। इसके अन्तर्गत विनिर्माण एवं सेवा क्षेत्र के पात्र उद्यमों के लिए राज्य के लोगों को रोजगार देने पर अनुदान का प्रावधान है, जिसमें-

1. इस प्रावधान के अन्तर्गत नियोक्ता द्वारा श्रमिकों के ईपीएफ एवं ईएसआई के अंशदान के रूप में जमा कराई गई राशि की 50 प्रतिशत राशि का पुनर्भरण सात वर्ष की अवधि के लिए अनुदान के रूप में किये जाने का प्रावधान है।

2. नियोक्ता द्वारा श्रमिकों के ईपीएफ एवं ईएसआई के अंशदान के रूप में जमा कराई गई राशि का 75 प्रतिशत का पुनर्भरण सात वर्ष की अवधि के लिए उद्यम में कार्यरत समस्त श्रमिकों हेतु किये जाने का प्रावधान किया गया है यदि समस्त श्रमिकों में से 75 प्रतिशत से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार राजस्थान के अधिवासित नागरिकों को प्रदान किया गया हो।

तृतीय श्रेणी अध्यापकों के स्थानांतरण

12. श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:-

(1) क्या सरकार तृतीय श्रेणी अध्यापकों के स्थानान्तरण करने का विचार रखती है? यदि हां, तो कब तक व नहीं, तो क्यों? विवरण सदन की मेज पर रखें।

(2) क्या सरकार तृतीय श्रेणी अध्यापकों के स्थानान्तरण करने के संबंध में नवीन स्थानान्तरण नीति बनाने का विचार रखती है। यदि हां, तो कब तक व नहीं, तो क्यों? विवरण सदन की मेज पर रखें।

उत्तर

(1) वर्तमान में प्रशासनिक सुधार एवं समन्वय विभाग, राजस्थान

(शिक्षा मंत्री)

सरकार द्वारा जारी आज्ञा क्रमांक: प.5(01)प्रसु/सम/अनु-1/2018 जयपुर, दिनांक 04.01.2023 के अनुसार राज्य सरकार के सभी अधिकारियों/कर्मचारियों के स्थानान्तरण पर दिनांक 15.01.2023 से पूर्ण प्रतिबन्ध लगा हुआ हैं। (संलग्न परिशिष्ट-क)

(2) इस संबंध में सभी संबंधित पक्षों यथा आमजन, शिक्षाविद् एवं शैक्षिक संगठनों के विचार/सुझाव आमंत्रित कर तदुपरांत विचार-विमर्श किया जाकर नीति बनाने की प्रक्रिया पर विचार किया जाएगा।

(विवरण पुस्तकालय में रखा गया)

शाहपुरा के विद्यालयों में संचालित संकाय

13. श्री मनीष यादव (शाहपुरा): क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:-

(1) विधान सभा क्षेत्र शाहपुरा में उच्च माध्यमिक विद्यालय कहां-कहां संचालित हैं? विवरण सदन की मेज पर रखें।

(2) क्या यह सही है कि उक्त विधान सभा क्षेत्र में विज्ञान, गणित तथा कृषि संकाय के विद्यालय कम संचालित हैं? यदि हां, तो क्या सरकार सत्र 2024 में सभी विद्यालयों में विज्ञान, गणित तथा कृषि संकाय खोलने का विचार रखती है? विवरण सदन की मेज पर रखें।

उत्तर

(1) विधान सभा क्षेत्र शाहपुरा में 94 राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय संचालित हैं, जिनका विवरण परिशिष्ट-क पर संलग्न है।

(2) जी नहीं। उक्त विधान सभा क्षेत्र में विज्ञान, गणित तथा कृषि संकाय के विद्यालय कम संचालित नहीं हैं।

(विवरण पुस्तकालय में रखा गया)

परबतसर में हैंडपम्प एवं सिंगल फेज नलकूपों का रखरखाव

14. श्री रामनिवास गावड़िया (परबतसर): क्या पंचायती राज मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:-

(1) विधान सभा क्षेत्र परबतसर में हैण्डपम्प एवं सिंगल फेज के रख-रखाव हेतु कितने कर्मचारी पदस्थापित हैं? विवरण सदन की मेज पर रखें।

(2) क्या उक्त हैण्डपम्प एवं सिंगल फेज की मरम्मत हेतु कार्य दिवस

(श्री रामनिवास गावड़िया)

निर्धारित किये हुए हैं? यदि हां, तो किस-किस श्रेणी की मरम्मत का कार्य कितने दिवस में कराने के नियम निर्धारित किये हुए हैं? विवरण सदन की मेज पर रखें।

(3) क्या सरकार मरम्मत हेतु समयावधि निश्चित करने का विचार रखती है? यदि हां, तो कब तक व नहीं, तो क्यों? विवरण सदन की मेज पर रखें।

(4) क्या उक्त हैण्डपम्प एवं सिंगल फेज की मरम्मत हेतु वांछित सामान संबंधित कार्यालयों में उपलब्ध है? यदि नहीं, तो क्यों? विवरण सदन की मेज पर रखें।

उत्तर

(1) विधान सभा क्षेत्र परबतसर की पंचायत समिति परबतसर, कुचामन सिटी व नावां की ग्राम पंचायतों में हैण्डपम्प एवं सिंगल फेज के रख-रखाव हेतु कोई भी कर्मचारी पदस्थापित नहीं हैं।

(2) विधान सभा क्षेत्र परबतसर की पंचायत समिति परबतसर, कुचामन सिटी व नावां में हैण्डपम्प मरम्मत हेतु पी.एच.ई.डी द्वारा कार्य दिवस निर्धारित किये हुए हैं। पीएच.ई.डी को शिकायत प्राप्त होने के उपरान्त सभी प्रकार की श्रेणी की मरम्मत का कार्य राजस्थान लोक सेवाओं के प्रदान की गारंटी अधिनियम 2011 के अनुसार तीन दिवस में किया जाता है। प्रति परिशिष्ट-अ सलग्न है ।

विधान सभा क्षेत्र परबतसर की पंचायत समिति परबतसर, कुचामन सिटी व नावां की ग्राम पंचायतों में राज्य वित्त आयोग, केन्द्रीय वित्त आयोग, सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना एवं विधायक क्षेत्र विकास योजनाओं के अन्तर्गत निर्मित सिंगल फेज की मरम्मत हेतु कार्य दिवस निर्धारित नहीं है। ग्राम पंचायतों द्वारा मरम्मत की आवश्यकता होने पर राज्य वित्त आयोग एवं केन्द्रीय वित्त आयोग योजना से मरम्मत का कार्य कराया जा रहा है।

(3) ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग के आदेश दिनांक 01.02.2008 के द्वारा पंचायत समितियों के हैण्डपंपों मिस्त्रियों एवं फिटर्स की सेवायें पी.एच.ई.डी. को सौंपी गई है एवं हैण्डपंपों के रखरखाव का पूर्ण उत्तरदायित्व पी.एच.ई.डी. का है। पी.एच.ई.डी. द्वारा हैण्डपम्प मरम्मत हेतु समयावधि निर्धारित है एवं सिंगल फेज मरम्मत की आवश्यकता होने पर

(पंचायती राज मंत्री)

राज्य वित्त आयोग एवं केन्द्रीय वित्त आयोग योजना से मरम्मत का कार्य कराया जा रहा है।

(4) पी.एच.ई.डी. विभाग के पास हैण्डपंप मरम्मत हेतु वांछित सामान कार्यालय में उपलब्ध है। सूची परिशिष्ट-ब पर संलग्न है।

सिंगल फेज की मरम्मत का कार्य ग्राम पंचायत द्वारा आवश्यकतानुसार सामग्री क्रय कर केन्द्रीय वित्त आयोग/राज्य वित्त आयोग योजना से करवायी जा रही है।

(प्रति व सूची पुस्तकालय में रखी गयी।)

शेरगढ़ में संचालित पशु चिकित्सालयों में रिक्त पद

15. श्री बाबूसिंह राठौड़ (शेरगढ़): क्या पशुपालन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:-

(1) विधान सभा क्षेत्र शेरगढ़ में संचालित पशु-चिकित्सालयों में कितने पद स्वीकृत हैं तथा उक्त में से कितने कार्यरत हैं तथा कितने रिक्त हैं? क्या सरकार उक्त रिक्त पद को भरने का विचार रखती है? यदि हां, तो कब तक व नहीं, तो क्यों? विवरण सदन की मेज पर रखें।

(2) उक्त विधान सभा क्षेत्र में माह दिसम्बर, 2018 से माह दिसम्बर, 2023 तक कितने नवीन पशु चिकित्सालय एवं उप केन्द्रों की स्थापना की गई? क्या सरकार उक्त विधान सभा क्षेत्र में नवीन पशु चिकित्सालय व उप केन्द्र खोलने का विचार रखती है? यदि हां, तो कब तक व नहीं, तो क्यों? विवरण सदन की मेज पर रखें।

(3) शेरगढ़ विधान सभा क्षेत्र में कौन-कौनसे पशु चिकित्सालय एवं उप केन्द्र भवन विहीन हैं? क्या सरकार उक्त के भवन बनाने का विचार रखती है? यदि हां, तो कब तक व नहीं, तो क्यों? विवरण सदन की मेज पर रखें।

उत्तर

(1) विधान सभा क्षेत्र शेरगढ़ में संचालित विभिन्न श्रेणी के पशु चिकित्सालयों में कार्मिकों के स्वीकृत, कार्यरत एवं रिक्त पदों का विवरण परिशिष्ट-1 पर संलग्न है।

जी हां। रिक्त पदों को कार्मिकों की उपलब्धता अनुसार भरा जाता है।

(पशुपालन मंत्री)

(2) विधान सभा क्षेत्र शेरगढ़ में दिसम्बर, 2018 से दिसम्बर, 2023 तक स्वीकृत/क्रमोन्नत की गई पशु चिकित्सा संस्थाओं का विवरण निम्नानुसार है:-

संस्था का प्रकार (स्वीकृत/क्रमोन्नत)	**संख्या**
नवीन पशु चिकित्सा उपकेन्द्र स्वीकृत	38
पशु चिकित्सा उपकेन्द्र से पशु चिकित्सालय में क्रमोन्नत	1
पशु औषधालय को पशु चिकित्सालय में क्रमोन्नत	1
पशु चिकित्सालय को प्रथम श्रेणी पशु चिकित्सालय में क्रमोन्नत	2
प्रथम श्रेणी पशु चिकित्सालयों को बीवीएचओ में क्रमोन्नत	4

जी हां। नवीन पशु चिकित्सा संस्थायें आवश्यकता एवं वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता अनुसार स्वीकृत की जाती हैं।

(3) विधान सभा क्षेत्र शेरगढ़ के समस्त पशु चिकित्सालयों के भवन उपलब्ध हैं तथा पशु चिकित्सा उपकेन्द्र, सोमेसर एवं बापू नगर के भवन उपलब्ध नहीं हैं।

जी हां। पशु चिकित्सा संस्थाओं के भवन निर्माण कार्य विभाग के नाम भू-स्वामित्व के दस्तावेज उपलब्ध होने पर वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता अनुसार प्राथमिकता से करवाये जाते हैं।

(विवरण पुस्तकालय में रखा गया)